राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला

प्रधान सम्पादक—डाक्टर फतहसिंह

[निदेशक, राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर]

ग्रन्थाङ्क ८६

मुंहता नैणसी री ख्यात

[चारों भागों की सम्पूर्ण विषय-सूची, भूमिका, मुहता नैणसी और महाराजा जसवंतसिंह-प्रथम का संक्षिप्त परिचय, उनके प्राचीन चित्र और तीनों भागों की बृहत् नामानुक्रमणिका, विशिष्ट पुरुषों की जन्म-कुंडलियां, पद-विरुदादि की सार्थ-नामावली और शुद्धिपत्र आदि महत्वपूर्ण विषयों के छः परिशिष्टों सहित ख्यात का परिशिष्ट भाग]

भाग ४

प्रकाशक

राजस्थान राज्य-संस्थापित

राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान

जोधपुर (राजस्थान)

RAJASTHAN ORIENTAL RESEARCH INSTITUTE, JODHPUR.

राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला

राजस्थान राज्य द्वारा प्रकाशित

सामान्यतः अखिल भारतीय तथा विशेषतः राजस्थानदेशीय पुरातनकालीन
संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश, राजस्थानी, हिन्दी आदि भाषानिबद्ध
विविध वाङ्मयप्रकाशिनी विशिष्ट-ग्रन्थावली

प्रधान सम्पादक

डाक्टर फतहसिंह

निदेशक, राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान

ग्रन्थाङ्क ८६

मुंहता नैणसी री ख्यात

भाग ४

प्रकाशक

राजस्थान राज्याज्ञानुसार

निदेशक, राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान

जोधपुर (राजस्थान)

मुंहता नैणसी री ख्यात

[भूतपूर्व मारवाड़ राज्य के महाराजा जसवंतसिंह-प्रथम के दीवान मुंहता नैणसी द्वारा राजस्थानी भाषा में लिखित राजस्थान और उससे संबंधित एवं संलग्न गुजरात, सौराष्ट्र और मध्यभारत आदि स्थित भूतपूर्व राज्यों का मध्यकालीन मूल इतिहास]

भाग ४

सम्पादक

आचार्य बदरीप्रसाद साकरिया

प्रकाशनकर्त्ता

राजस्थान राज्याज्ञानुसार

निदेशक, राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान

जोधपुर (राजस्थान)

विक्रमाब्द २०२४ | भारतराष्ट्रिय शकाब्द | खिस्ताब्द १९६७
प्रथमावृत्ति ७५० | १८८९ | मूल्य ८.७५ पै०

मुद्रक — श्री हरिप्रसाद पारीक, साधना प्रेस, जोधपुर

RAJASTHAN PURATANĀ GRANTHAMALA—No. 86

Published by the Government of Rajasthan

A Series devoted to the publication of Saṁskrit, Prakrit, Apabhraṁsa, Old Rajasthani, Gujarati and Hindi works pertaining to India in general and Rajasthan in particular.

General Editor
Dr. FATAH SINGH
M.A., D. Litt.

MUNHATA NAINSI RI KHYAT

PART IV

Edited with various appendices
by
ACHARYA BADRIPRASAD SACARIYA

Published under the orders of the Government of Rajasthan.

By
The Director, Rajasthan Prachya Vidya Pratisthana
[RAJASTHAN ORIENTAL RESEARCH INSTITUTE]
JODHPUR (Rajasthan)

V.S. 2024] [1967 A.D.

सञ्चालकीय वक्तव्य

मेरे लिए यह सौभाग्य और हर्ष का विषय है कि आज मेरा सम्बन्ध अनायास ही राजस्थान प्राच्यविद्या-प्रतिष्ठान की उस महत्त्वपूर्ण साधना की पूर्ति से हो रहा है जो अब से सात वर्ष पूर्व, स्वनामधन्य मुनि जिनविजय की अध्यक्षता में, आचार्य बदरीप्रसाद साकरिया ने प्रारम्भ की थी। १९६४ ई० तक इस ग्रन्थ का मूलभाग एक सहस्र से अधिक पृष्ठों में प्रकाशित होकर, तीन भागों में पाठकों के सामने आ चुका है। प्रस्तुत चतुर्थ भाग में बयालीस पृष्ठीय भूमिका के साथ कुल २०८ पृष्ठों में ६ परिशिष्ट दिये गये हैं। कुल मिलाकर १२०० से भी अधिक पृष्ठों में समाप्त होने वाली यह "मुहता नैणसीरी ख्यात" आचार्य बदरीप्रसाद साकरिया के उस अथक परिश्रम, अदम्य उत्साह एवं अनुपम धैर्य्य का प्रतीक है जिसने विघ्न-बाधाओं के सामने कभी हार मानना नहीं सीखा।

खेद है कि सम्पादक महोदय के 'एक ख्याति इच्छुक मित्र' १९३४ ई० में इस ग्रंथ की प्रेस-कापी उठा ले गये जिसके फलस्वरूप इसका प्रकाशन उस समय न हो सका। अस्तु, संपूर्ण ग्रंथ में साकरिया जी के अगाध पाण्डित्य, एवं गम्भीर अध्ययन की जो छाप दिखाई पड़ती है, उसको ध्यान में रखने से १९३४ से १९६० तक का व्यवधान कुछ सह्य हो जाता है।

इस गौरव ग्रंथ को सुसम्पादित करके आचार्य बदरीप्रसाद ने हिंद और हिन्दी के समस्त प्रेमियों पर असीम कृपा की है; अतः इस महान् कार्य के लिए सम्पादक महोदय को समाज और देश जो सम्मान प्रदान करे वह थोड़ा है। ग्रंथ का महत्व उसके कलेवर में नहीं, अपितु उस लौकिकता एवं अर्थपरायणता में है जिसको इस ग्रंथ में प्रमुखता दी गई है और जो हमारे विचारकों एवं मनीषियों की दृष्टि में उससे पूर्व गौण ही नहीं प्रायः उपेक्षित हो गई थी। "सुखस्य मूलम् अर्थः" को भुलाकर धर्म और मोक्ष की उपासना असम्भव है।

ग्रंथ के अन्त में जो लम्बा शुद्धि-पत्र देना आवश्यक हो गया है उसके लिए मैं प्रेस, प्रूफ-रीडर और प्रकाशक की ओर से सम्पादक और पाठक से क्षमा-याचना करता हूँ।

सम्पादक महोदय ने कई प्रतियों से मिलान करके ग्रन्थ का वर्तमान पाठ निर्धारित किया है। यदि पाद-टिप्पणियों में पाठान्तरों का समावेश होसकता, तो वर्तमान संस्करण का मूल्य और अधिक बढ़ जाता, परन्तु अब अतीत पर पश्चाताप करना व्यर्थ है।

आशा है कि लौकिक जीवन के अध्ययन में रुचि रखने वाले व्यक्ति इससे प्रेरणा ग्रहण करके हमारी वर्तमान आर्थिक समस्याओं का, उसी तत्परता और लगन से अध्ययन करेंगे जिससे इतिहास. समाजशास्त्र, भाषाविज्ञान आदि के विद्यार्थी "मूंहता नैणसीरी ख्यात" का उपयोग अपने-अपने विषय के लिए करेंगे।

जय हिन्द; जय हिन्दी

गुरु पूर्णिमा, २०२४
जोधपुर.

फतहसिंह
एम.ए., डी.लिट्.

विषयानुक्रमणिका

१. सञ्चालकीय वक्तव्य — १-२

२. चारों भागों की सम्पूर्ण विषय-सूची — १-८

३ भूमिका भाग — १-४२

(१) भूमिका — १-२४

(२) महाराजा जसवर्तासह के दीवान और ख्यात-लेखक मुहता नैणसी — २५-३९

(३) महाराजा जसवतसिंह-प्रथम — ४०-४२

४. परिशिष्ट १-तीनों भागों की नामानुक्रमणिका — १-१९०

१. वैयक्तिक—

(१) पुरुष नामानुक्रमणिका — १-१०८

(२) स्त्री „ — १०९-११७

(३) अश्वादि पशु नाम — ११८

२. भौगोलिक—

(१) ग्राम देशादि नामानुक्रमणिका — ११९-१६४

(२) पर्वत जलाशयादि „ — १६५-१७१

३. सांस्कृतिक—

(१) ग्रंथ, संस्था, कर, मापादि नामानुक्रमणिका — १७२-१८०

(२) देवी-देवता तीर्थादि „ — १८१-१८८

४. सम्पूर्ति (छूटे हुए नाम और उनके पृष्ठांक) — १८९-१९०

५. परिशिष्ट २-विशिष्ट पुरुषों की जन्म-कुण्डलियां — १९१-१९३

६. परिशिष्ट ३-पद, उपाधि और विरुदादि की सार्थ-नामावली — १९४-२०८

७. परिशिष्ट ४-पुत्र शब्द के पर्याय व अपत्य प्रत्ययादि — २०९

८. परिशिष्ट ५-पौत्र या वंशज के पर्याय व प्रत्ययादि — २१०

९. परिशिष्ट ६-शुद्धि-पत्र — २११-२३१

—०—

मुंहता नैणसी री ख्यात के चारों भागों की संपूर्ण विषय-सूची

भाग १

१. सीसोदियां री ख्यात

१. वार्ता (गेहलोत कहीजै तिणरी) १
२. वात (बापा गुहादित री) ३
३. वात रांणा राहप री ६
४. वार्ता दूसरी (नै कवित्त-रावळ बापा रा) ७
५. सीसोदिया रा भेद ८
६. वात राणा चीतोड़ रा धणियां री ९
७. पीढियां री विगत (इतरी पीढी तांई पै सर्मा कहांणा) ९
८. इतरी पीढी दीत-ब्राह्मण कहाणा १०
९. वात (हारीत रिख नै रावळ बापै री) ११
१०. इतरी पीढी रावळ कहांणा १२
११. माहप नै राहप री वात १३
१२. रांणा हमीर सूं पाटवियां रा बेटां री विगत १५
१३. गीत रांणा सांगा रो १८
१४. रांणा उदैसिघ री वात २०
१५. वात रांणा उदैसिघ उदैपुर वसायां री ३२
१६. घाटी राह री हकीकत ३५
१७. गिरवा री हकीकत ३६
१८. च्यार छपन री हकीकत ३६
१९. वात (कछवाहां मानसिघ नै रांणा प्रताप वेढ हुई तिणरी ३९
२०. मेवाड़ रा भाखरां री विगत ४०
२१. नदी तीन री विगत–चांवळ, झांभणो, पगधोई ४५
२२. दीवांण रै नास-भाज विखा नू वडो ठोड इतरी, इतरा गांवां मांहे ४६
२३. बनास नदी नीसरी तैरी हकीकत ४७
२४. वात चारण खांसियै गिरधर कही, समत १६१७ रा भादवा सुदि ९ नै ४९
२५. वात एक रांणा कूंभा चित-भरमियै री ५१
२६ राणा राजसिंघ नूं पातसाही तरफ री इतरी जागीरी छै तिणरी विगत ५२
२७. वात १ सीसोदिया राघवदे लाखावत री, राघवदे नूं रांणै कुंभै नै राव रिणमल मारियो तिणरी ५३
२८. वात १ चीठू ब्राह्मण कही मांडव पातसाह री मेवाड़ फोजियो लागी तैरी ५५
२९. वात (राणो अमरा रै विखा री) ५६
३०. गीत (राणा अमरा री) ५८
३१. वात (सोदा-बारहठ बाहरू री) ५९
३२. वात पठांण हाजीखान नै रांणा उदैसिघ हरमाड़ै वेढ हुई तिणरी ६०
३३. वात (राणा अमरा रै विखा री फेर) ६२

३४. सकतावत (पीथो) नैं रावत मेघै रे मांमलो हुओ तिणरी वात ६४
३५. सीसोदिया चूंडावतां री साख ६६
३६. वात सीसोदिया डूंगरपुर बांसवाहळा रा धणियां री ७०
३७. वात बांसवाहळा रा मांनसिंघ री ७३
३८. वात डूंगरपुर बांसवाहळा रा धणियां री (पीढियां री विगत) ७७
३९. वात सीसोदियां री (रावळ समरसी लोहड़ै भाई नूं चीतोड़ दी तिणरी) ७९
४०. वात बांसवाहळा री ८७
४१. बांसवाहळा रै सींव री विगत ८८
४२. गैहलोतां री चोवीस साख ८८
४३. पंवारां री पेंतीस साख ८९
४४. चहुवांणां री चोवीस साख ८९
४५. साख इती पड़िहारां भिळै ८९
४६. सोळंकियां री साख ९०
४७. वात देवळिया रै धणियां री ९०
४८. वात(जीहरण रा मुकाता री)९०
४९. देवळियै नैं रांणा रै मुलक री कांकड़ इण गांवां ९५

२. बूंदी रा धणियां री ख्यात

५०. वार्ता (राव लालण रा पोतरा हाडा बूंदी रा धणियां री) ९७
५१. हाडां रै पीढियां री विगत १००
५२. वात हाडै सूरजमल नारायण-दासोत नैं रांणा रतनसी मांमलो हुवो तिण समै री १०२
५३. वात (हाडा सुरजन नूं रांणा उदैसिंघ बूंदी दीवी तिणरी १०९
५४. बूंदी रा देस री हकीकत ११३
५५. वात (बूंदी रा देस रा रज-पूतां री विगत) ११७
५६. वागड़िया चहुवांणां री पीढी ११९
५७. वार्ता (चहुवांण डूंगरसी बालावत री) ११९
५८. वात वहियां री १२२
५९. बूंदेलां री वात १२७
६०. बूंदेलां री वात (कविप्रिया-ग्रंथ केसोदास कियो तिण मांहै सूं) १२८
६१. एकण ठोड़ पीढियां यूं पिण मांडी छै १३०
६२. वारता गढबांधव रा धणियां री १३२

३. वात सिरोही रा धणियां री

६३. वात (आबू लियां री) १३४
६४. पीढी सीरोही रा धणियां री १३५
६५. वात राव सुरतांण री १४२
६६. विचली वात (देवड़ै विजै सूजै री) १४४
६७. वात (डूंगरोत देवड़ां री) १६२
६८. गीत चीवा जैता री आढा दुरसा रो कह्यो १७०
६९. गीत चीवा खीमा भार-मलोत रो १७१
७०. वात (विराद रै परगनै रा चहुवांणां री) १७२
७१. वात (सीरोही री हकीकत वाघेला रामसिंघ नैणसी नूं जाळोर मैं कही) १७२
७२. वात सीरोही रा धणियां-पाटवियां री आबू लियां री १८०
७३. कवित्त-छप्पय सीरोही रा टीकायतां रा १८४
७४. कवित्त रामसिंघ सिरोहियै रा१९१

४. भायलां रजपूतां री ख्यात

७५. पवारां री भायला साख री हकीकत १९३
७६. वात चहुवांणां सोनगरां रो राव लाखणोतां री २०२
७७. वात सोनगरां री २१२
७८. वात सिघावसोकिनी (तापस ब्रांमण नें सोमइया महादेव री२१३
७९. वात सोमइयो महादेव, कानड़देजी री नें कांवळ तथा बीजां री २१६
८०. वात (बीकै वहिये री, जाळोर री गढ भेळायो तिणरी) २२३
८१. वात साचोर री २२७
८२. वात चहुवाणां साचोर रा धणियां री २२९
८३. पीढिया री विगत २३०
८४. वात (बोड़ां री) २४५
८५. बोड़ा री वसावळी २४७
८६. वात (कांपळिया चहुवाणां रै साख री) २४८
८७. वात (कूंभा कांपळिया री) २४८
८८. वात खीचियां री (पीढियां)२५०
८९. वात (खीची मांणकराव री)२५०
९०. वात (धारू आंनळोत री) २५१
९१. वात (खीची आंना री) २५३
९२. वात अणहलवाड़ा पाटण री २५८
९३. कवित्त (चावड़े पाटण भोगवी तिणरी साख री) २५९
९४. इतरा पाटण भोगवी तिण साख रो कवित्त २६०
९५. पाटण वाघेला भोगवी तिण साख रो कवित्त २६१
९६. सोळंकियां री साख इतरी २६२
९७. वात सोळंकियां पाटण आया री २६३
९८. वात पाटण चावोड़ा थी सोळंकियां रै आवं जिणरी २६६
९९. वात १ जाडेचा लाखा नू सोळकी मूळराज मारिया री २६७
१०० वात रुद्रमाळो प्रासाद सिद्धराव करायो तिणरी २७२
१०१. कविता सिद्धराव जैसिंघदे रै देहुरै रा, लल्ल भाट रा कह्या २७७
१०२ वात सोळंकिया खेरड़ा री २७९
१०३. सोळंकिया रै पीढिया री विगत २८०
१०४. वात (सातलै रतनै जेमल नें मारियो तेरी) २८१
१०५ वात (जेमल रतनो काम आया री) २८३
१०६. वात सोळकी मायावता री २८३
१०७. वात सोलकी राणा रै वास वैसूरी रा धणियां री २८४

५. कछवाहां री ख्यात

१०८. वात राजा प्रथीराजरी २८६
१०९. पीढी कछवाहा री, भाट राजपाण मडाई २८७
११०. कछवाहा सूरजवसी कहीजै त्यारी विगत २९१
१११. कछवाहा री विगत २९३
११२. कछवाहा री वसावळी री विगत २९५
११३ वात एक गोहिला खेड रा धणिया री ३३३
११४. वात गोहिल खेड छाडनै सोरठ गया तिणरी ३३४
११५. पंवारा री उतपत नै पीढी ३३६
११६. वात पंवारा री ३३७
११७. पवार वाघ री ओलाद रा सासला हुवा तिणरी विगत ३३८

११८. पीढियां री विगत (सांखलां री) ३३६
११९. सांखला जांगळवा ३४४
१२०. वात रायसी महिपाळोत री ३४४
१२१. दूसरी पीढी जांगळू सांखलां रै रही ३४६
१२२. वात (चूंडा, गोगा, अरड़कमल, हरभम, रांमदेपीर नै दूजा) ३४८
१२३. वात (नापो सांखलो नै फेर) ३५३

६. सोढां री ख्यात

१२४. सोढां री पीढी ३५५
१२५. वात पारकर रा सोढां री ३६३
१२६. वात पारकर री ३६३

भाग २

७. ख्यात भाटियां री

१. श्री जदुवंशी कहीजै १
२. वात भाटियां री १
३. जेसळमेर रा देस री हकीकत वीठळदास लिखाई ३
४. खडाळरा गांवां री विगत ४
५. जेसळमेर रा देस री हकीकत मुं॥ लखै मंडाई ६
६. वात भाटियां री पीढी, चारण-रतनूं गोकळ मंडाई ८
७. वात रावळ घड़सी री १३
८. वंसावळी रा गीत, भवनो रतनूं कहै १४
९. भाटी छत्राळा कहीजै तिणरी वात १५
१०. वात (सोमवंसी भाटियां री हरिवंश पुरांण मांहे) १५
११. वात विजैराव चूड़ाळे री १७
१२. वात वरिहाहां री। देवराज धार ऊपर गयो तिणरी २५
१३. वात (धार रै मूंहतै री) २६
१४. वात भाटियां री (साख मंगरियां री) ३१
१५. वात गजनी पातसाह री ३३
१६. वात (रावळ जेसळ री) ३५
१७. वात (जेसळमेर री रांग मंडाई तिणरी) ३६
१८. कविता भाटी सालवाहण रा (नै आगली पीढियां) ३७
१९. वात राठोड़ सोमाळ री ४२
२०. वारता (चोकमसी री) ४४
२१. वात (पातसाह रा गुरु मारिया तिणरी) ४५
२२. वात (मूळराज नै कमालदी री। जेसळमेर ऊपर फोज विदा कीवी) ४६
२३. वात (मूळराज कना कमालदी लोयां मांगी तिणरी) ४९
२४. वात (कमालदी नूं हठ करनै विदा कियो) ५०
२५. वात (कमालदी गढ घेरियो) ५०
२६. वात (बीज उचारण री। दूहा-सोरठा। आगली हकीकत) ५१
२७. वात (रावळ दूदै तिलोकसी री) ५६
२८. वात (रावळ दूदो नै तिलोकसी मुंआ री। दूदा रा गीत) ६१
२९. वात (रावळ घड़सी रांणा रतनसी रो बेटो कमालदी रै अठै रह्यो तिणरी ६६
३०. वात (रावळ दूदा तिणारी) ७५
३१. पीढी (जेसळ सूं) ९२
३२. वात (रावळ भीम री) ९४
३३. वात (रावळ भीम री फेर नै दूजी) ९९
३४. मनोहरदास रा प्रवाड़ा १०३
३५. वात भाटियां मांहे केल्हणां री साख ११२

३६. राव केल्हण देरावर लियाँ री बात (फेर दूजी) ११६
३७ बीकूपुर रै धणियां नै राठोडां सगाई तथा बीजा १३२
३८. केल्हणां नै बीकानेर रा धणियां सगाई १३३
३६ भाटियां केल्हणा नै कछवाहां सगाई १३३
४० तळाई, कोहर नै गांवा री हकीकत १३४
४१. बात एक (राव मालदे तथा राव जैसा री) १३७
४२. बात गाडाळा केलणा री १४०
४३. विगत (केल्हण री पीढी, केल्हणां री खरड़ रा कोहर तळाई आदि री)
४४. हमीर-भाटियां री साख १४४
४५. बात (जैसा भाटिया री साख) १५२
४६. रूपसी भाटिया री साख १६६
४७. सरवहिया री पीढी २०२
४८. बात सरवहियां री २०२
४९. बात सरवहिया जेसा री २०६
५०. बात (सरवहिया जेसा नै पातसाह री) २०७
५१. बात (सरवहिये जेसे चारण रा मांणस छोडाया २०८
५२. बात जाडेचा री २०९
५३. बात रायधण भुज रा धणियांरी २०६
५४. पीढी २१५
५५. गीत कुवर जेहा भारावत रो २१५
५६. बात लाखें री २१६
५७. बात (जाडेचा फूलधवळ री) २२५
५८. बात (जाम ऊनड सावळसुध कवि रोहड़िया नू म्राउठकोड़ सामई दी तिण री) २३६
५९. बात १ जाम ऊनड सावळसुध री २३८
६०. वेढ १ जाम सतो नै समीखान हुई तिणरी बात २४०
६१. बात १ झाला रायसिंघ मांनसिंघोत नै जाडेचा जसा धवळोत नै जाड़ेचा साहेब हमीरोत वेढ हुई तिणरी २४४
६२. बात (झाला रायसिंघ नै जाडेचा साहेब री) २४९
६३. बात १ जाड़ेचा साहिब री नै झाला रायसिंघ री फेर लिखी २५१
६४. झाला री वंसावळी २५६
६५. बात झाला री २५८
६६. मेवाड़ रै झाला री बात २६२
६७. मेवाड़ रा झालां री पीढी २६५

८. राठोड़ां री ख्यात

६८. रावजी श्री सीहेजी री बात २६६
६९. राव आसथानजी री बात २७६
७०. बात राव कानड़देजी री २८०
७१. रावळ मालोजी री बात २८४
७२. बात वीरमजी री २९९
७३. बात रावजी चूंडजी री ३०६
७४. गोगादेजी री बात ३१७
७५ अरड़कमलजी चूंडावत री बात ३२४
७६ बात रावजी रिणमलजी री ३२९

भाग ३

राठोड़ां री ख्यात (द्वि. भा. सूं चालू)

१. बात राव रिणमलजी अर महमद रै आपस में लड़ाई हुई तै समै री १
२. रावळ जगमालजी री बात ३
३. बात राव जोधाजी री ५
४ बात राव बीकाजी री १३

५. भटनेर री वात १६
६. वात राव वीकैजी री, वीकानेर वसायो तै समै री १६
७. वात कांधळजी री, कांधळजी कांम आयो तै समै री २१
८. वात राव सीडे री अर रावळ सांवतसी सोनगरै रै भीनमाळ वेढ हुई तै समै री २३
९. वात पताई रावळ साको कियो तैरी (पावागढ रै घेरे री) २५
१०. वात राव सलखैजी री २६
११. गढ सक्रिया तैरी ख्यात २८
१२. वात राव सीहोजी (रै वंश) री २६
१३. जैसळमेर री वात ३३
१४. पूगळ राव ३६
१५. वीकूंपुर राव ३६
१६. वैरसलपुर राव ३७
१७. मुगल-चकता-भाटी ३७
१८. खारवारै रा भाटी ३७
१९. वात दूदे जोधावत मेघो नरसिंघदासोत सींधळ मारियो तै समै री ३८
२०. वात खेतसीह रतनसीहोत सीसोदियै चूंडावत री ४१
२१. गुजरात देस राज्य वर्णनम् ४६
२२. पाटन की स्थापना और शासकों का राज्यकाल (टिप्पणी) ४६
२३. वात मकवांणा रजपूतां री (झाला कहांणा तेरी) ५७
२४. वात पाबूजी री ५८
२५. वात गांगै वीरमदे री ८०
२६. वात हरदास ऊहड़ री ८७
२७. वात राठोड़ नरै सूजावत, सीमै पोकरणे री १०३
२८. जैमल वीरमदेवोत नै राव मालदेव री वात ११५
२९. वात सीहैं सींधळ री १२३
३०. वात रिणमलजी री १२६
३१. नरवद सतावत री वात, सुपियारदे लायो तै समै री १४१
३२. वात नरबद रांणैजी नूं आंख दीवी तिणं समै री १४६
३३. वात राव लूणकर्णजी री १५१
३४. वात मोहिलां री १५३
३५. मोहिलां रै पीढियां री हकीकत १५८
३६. छंद वे-अखरी, राठोड़ रामदेव रा कहिया १६७
३७. दूहा, चारण चांपै सामोर रा कहिया १६८
३८. चौहानों की पीढियों की टिप्पणी १६८
३९. दूहा पीढियां री विगत रा १६६
४०. छतीस राजकुळी इतरै गढे राज करै १७३
४१. परमारां री वंसावळी १७५
४२. राठोड़ां री वंसावळी १७७
४३. टीकै बैठां री विगत १८१
४४. जोधपुर री पीढियां (टीकै बैठां री विगत) १८२
४५. भिन्न भिन्न वाका रा संमत (गढ लियां री विगत) १८३
४६. दिली राजा बैठा लियांरी विगत (राज कियो तिका विगत) १८५
४७. वात सेतराम वरदाईसेनोत राठोड़ री १६३
४८. बीकानेर री हकीकत २०५
४९. राठोड़ पृथ्वीराज कल्याणमलोत संबंधी टिप्पणी २०६
५०. दलपतसिंह रायसिंहोत संबंधी टिप्पणी २०६
५१. सतियां हुई २०६

५२. जोधपुर रा राजावां री ख्यात २१३
५३. टिप्पणियां २१३-२१५
५४. किसनगढ़ री विगत २१७
५५. जैसळमेर री ख्यात २२०
५६ पीढ़िया (बीकानेर रा
६३ ठिकाणां री) २२३-२३४
(१) सिरंगोता री २२३
(२) रूपावतां री २२५
(३) मारणोता री २२७
(४) रतनदासोता री २२८
(५) रावतोता री २२९
(६) बीदावतां री २३०
५७. जोधपुर रा सरदारां री
पीढ़िया (ऊदावतां रा
१४ ठिकाणां री २३५
५८. विगत २३८
५९. अकबर री जन्म कुंडळी
मैं टिप्पणी २३८
६०. वात चद्रावतां री २३९
६१. पीढ़िया री हकीकत
(चद्रावता री) २४७
६२. वात सिसरो बहलवै रहै तैरी २५०
६३. वात ऊर्द ऊगमणावत री २५६
६४. बूंदी री वारता २६६
६५. क्यामखान्यां री उत्पत नै
फतैहपुर झूंझणू वसायो
तैरी वात २७३
६६ दौलताबाद रा उमरावां
री वात २७६
६७. आदिदास्त २७८
६८. आदिदास्त २७९
६९. सांगमराव राठोड़ री वात २८०
७०. टिप्पणी (कान्हड़दे-प्रबंध
सू उद्धृत) २९३

[चौथे भाग की विषय-सूची के लिए
कृपया पृष्ठ उलटिये]

भाग ४

१.	चौथे भाग की विषयानुक्रमणिका	१
२.	संचालकीय वक्तव्य	१
३.	चारों भागों की सम्पूर्ण विषय-सूची	१–८
४.	भूमिका	१–२४
५.	महाराजा जसवंतसिंह-प्रथम के दीवान और ख्यात-लेखक मुंहता नैणसी	२५–३९
६.	महाराजा जसवंतसिंह-प्रथम	४०–४२
७.	परिशिष्ट १–तीनों भागों की नामानुक्रमणिका	१–१९०

१. वैयक्तिक—

(१)	पुरुष नामानुक्रमणिका	१–१०८
(२)	स्त्री नामानुक्रमणिका	१०९–११७
(३)	अश्वादि पशु नाम	११८

२. भौगोलिक—

(१)	ग्राम देशादि नामानुक्रमणिका	११९–१६४
(२)	पर्वत जलाशयादि ,,	१६५–१७१

३. सांस्कृतिक

(१)	ग्रंथ, संस्था, कर, मापादि नामानुक्रमणिका	१७२–१८०
(२)	देवी-देवता, तीर्थादि ,,	१८१–१८८

४. सम्पूर्ति (छूटे हुए नाम और पृष्ठ-संख्या) १८९–१९०

८.	परिशिष्ट २—विशिष्ट पुरुषों की जन्मकुंडलियां	१९१–१९३
९.	परिशिष्ट ३—पद, उपाधि और विरुदादि की सार्थ नामावली	१९४–२०८
१०.	परिशिष्ट ४—पुत्र शब्द के पर्याय व अपत्य प्रत्ययादि	२०९
११.	परिशिष्ट ५—पौत्र या वंशज के पर्याय व प्रत्ययादि	२१०
१२.	परिशिष्ट ६—शुद्धिपत्र	२११–२३१

॥ ॐ शिव ॥

भूमिका

राजस्थान वीरो और सतियों का देश है। इसकी मिट्टी का कण-कण जीवनी-शक्ति का स्रोत है। सहस्रो अप्रतिम शूरवीरो के ओजस्वित रक्त की असख्य भावनाओ और अनगिनत सतियो के जौहर की पावन भस्म के योग से उसमें वह जीवनी-शक्ति समाई हुई है कि जिसके दर्शन मात्र से मुर्दा दिलो में शूरत्व उत्पन्न हो जाता है। वह जीवन की सार्थकता और अनोखे जौवट की एक सजीवनी है। उसमें जीवन की निस्पृहता, सहनशीलता, दृढता और कठोरता के साथ भावोद्रेकता और मानवीय सवेदना की सुषमा ओतप्रोत है। राजस्थान की सबसे बड़ी विशेषता यह रही है कि इसका इतिहास स्वय युद्ध-कला के विशारद मातृभक्त वीरों ने खड्ग-लेखनी की नोक से अपनी रक्त-मसि द्वारा चित्रित किया है। यह असख्य सती वीरागनाओ के जौहर-यज्ञो और वीरो के मरणोत्सवो (अभूतपूर्व और अगणित नारी और नरमेघो) का इतिहास है। जीना है मरने के लिये और मरना है जीने के लिये—इस रहस्यमय जीवन-मरण विज्ञान के नित्य व्यवहार और प्रत्यक्ष उदाहरणों की अनुभूति राजस्थान का इतिहास है। वीरो के समान ही युग-युगों तक आत्मज्ञानोपदेश और पथप्रदर्शन करने वाले अनेको ज्ञानी-भक्त और कवि-कुसुम यहाँ प्रफुल्लित हुए हैं, जिनकी मधुर सुवास विश्व-साहित्य में अजोड़ है। ऐसे वीरो, भक्तों और कवियो का राजस्थानी साहित्य प्रत्येक दिशा में आगे बढा हुआ है। राजस्थानी साहित्य गद्य (ख्यात, वात, हकीकत, वचनिका इत्यादि) और पद्य की अनेक शैलिया अपनी मौलिकता के लिये प्रसिद्ध हैं। इन सभी परपराओ मे अनेक उत्कृष्ट कोटि की रचनाओं का सृजन हुआ है। अनेक विद्वानों ने इस भाषा की सम्पन्नता व साहित्य के वैशिष्ट्य पर अनूठे उद्‌गार प्रकट किये हैं[1]।

---

१. (अ) Rajasthani is the language of a brave and heroic people. Rajasthani literature is a literature of chivalry. Its place among the literatures of the world is unique. Its study should be made compulsory for the youth of modern India. The work of the

राजस्थानी साहित्य की प्रमुख भाषा मारवाड़ी है, जिसका प्राचीन नाम मरुभाषा है[२]। इसी मारवाड़ी भाषा में लिखा गया अपरिमित गद्य-पद्यमय साहित्य राजस्थान का ही नहीं, अपितु समस्त भारत का मौलिक और गौरवपूर्ण साहित्य है। इसमें ख्यात साहित्य अपना विशिष्ट स्थान रखता है। ख्यात-

---

revival of the soul-inspiring literature and its language is absolutely necessary. ......I am eagerly looking for the day when a ful-fledged department of Rajasthani will be established at the Benares Hindu University where complete facilities will be provided for teaching and research work in Rajasthani literature.

—Pandit Madan Mohan Malaviya

(आ) They are the natural out-burst of the people. I regard them as superior even to the Sant poetry. How nice it would be if they were published ? Any language and literature of the world could well be proud of them. God willing I shall have them published from the Hindi Bhawan of Shanti Niketan. I shall try my best to place Rajasthani literature before the Indian public through the Hindi Bhawan.

—Rabindra Nath Tagore

(इ) The area which Rajasthani is spoken is bigger than that of any other Indian language except Hindi. It is bigger, too, than many countries of the world such as Great Britain, Eire, Romania, Poland, Greece, Norway, Iraq and Italy.

—Sir G.A. Grierson

(ई) The number of people who speak Rajasthani is nearly two crores. It has got more speakers than many important language of India and the world such as Gujarati, Kanarese, Assamese, Oriya, Malayalam, Sindhi, Pashto, Burmese, Siamese, Singhali, Greek, Turkish and Iranian.

—Hindustan Year Book for 1943, p. 159

२. आठवीं शती के प्रसिद्ध प्राकृत ग्रंथ कुवलयमाला में भारत की १८ भाषाओं में मरुभाषा को भी गिनाया गया है। अबुलफजल ने भी अपने इतिहास ग्रंथ आइन-ए-अकबरी में मारवाड़ी भाषा का स्थान अपने समय की समस्त भाषाओं में महत्वपूर्ण बताया है। अपभ्रंश की परम्पर । सीधा संबंध इसी भाषा में सुरक्षित मिलता है।

साहित्य ऐतिहासिक दृष्टि से बहुत महत्त्वपूर्ण है, किन्तु साहित्यिक और सास्कृतिक दृष्टि से भी इन ख्यातो का महत्त्व बहुत अधिक है।

'ख्यात' शब्द

राजस्थानी में 'ख्यात' शब्द प्रायः इतिहास के पर्याय के रूप मे ही प्रयुक्त होता रहा है। 'ख्यात' मूलतया सस्कृत भाषा का शब्द है। यह 'ख्या'-प्रकथने धातु से 'क्त' प्रत्यय होने पर निष्पन्न होता है। सस्कृत भाषा मे मुख्यत. इस शब्द के ये अर्थ प्राप्त हैं—

१. ख्यातिप्राप्त या लब्धनाम।
२. आहूत या आवाहित।
३. विदित या परिज्ञात।
४. कीर्त्तिमान या सुप्रसिद्ध।
५. उक्त या कथित।
६. अभिहित या नाम दिया हुआ। और
७. प्रख्यात या लोक-विश्रुत आदि[१]।

किन्तु उत्तर मध्य-कालीन राजस्थान के इतिहास के लेखको ने 'ख्यात' शब्द को ही और अधिक विस्तृत अर्थ का व्यंजक बना कर प्रयुक्त किया है। उन्होने इसे इतिहास (इति+ह+आस=पिछली घटनाओं का परम्परागत विवरण),

---

१. देखिये सस्कृत, हिन्दी, गुजराती और मराठी शब्दकोश—

(१) मोनियर विलियम्स : सस्कृत-इगलिश डिक्शनरी, न्यू एडीशन
(२) जे०टी० मोलेस्वर्थ : मराठी-इगलिश डिक्शनरी, दूसरा सस्करण १८५७ ई०
(३) एन०बी० रानाडे : ,, ,, १६११ ई०
(४) द्वारकाप्रसाद चतुर्वेदी : सस्कृत शब्दार्थ कौस्तुभ
(५) गि०श० महता : सस्कृत गुजराती शब्दादर्श १६२६ ई०
(६) पन्यास मुक्तिविजयजी : शब्द रत्न महोदधि सवत् १६६३
(७) अमरकोश
(८) अभिधान चिन्तामणि कोश

हिन्दी शब्दकोशों मे 'ख्यात' शब्द के अर्थ—१. प्रसिद्ध २. कथित ३ वह कविता जिसमे योद्धाओं का यशोगान हो आदि आदि।

गुजराती कोशों में—१. कथन २. कथा ३. घोषणा ४. कहेलु ५. जाणीतु आदि।

मराठी कोशों मे—१. पराक्रम २ कीर्ति ३. प्रसिद्धि आदि, और

प्राकृत कोशों मे—विश्रुत, प्रसिद्ध आदि।

ऐतिह्य (पौराणिक वृत्तांत), और इतिवृत्त (= विशिष्ट घटनाएं) आदि का व्यंजक माना और तदनुकूल 'ख्यात' शब्द का प्रयोग किया।

ख्यात शब्द का आधुनिक इतिहासकारों ने इतना व्यापक अर्थ न लेकर, इसके स्थान पर 'इतिहास' शब्द को ही अपना लिया, फलतः वह तत्कालीन राजस्थान के इतिहास-लेखकों की अपनी ही वस्तु रह गई। फिर भी इस 'ख्यात' शब्द को लेकर जो ऐतिहासिक साहित्य रचा गया है, उसका इतिहास-कारों की दृष्टि में महत्वपूर्ण स्थान बना हुआ है, और वह उनके लिये शोध की अमूल्य निधि है।

ख्यात-साहित्य का महत्व

यद्यपि देश के इतिहास और उसकी सांस्कृतिक परम्पराओं को आज एक नये दृष्टिकोण से सोचने और विचारने की आवश्यकता है। केवल राजाओं और नवाबों आदि शासकों के माध्यम से देश के इतिहास को लिखने और उस परम्परा-दृष्टि से उस पर विचार करने का अब उतना महत्व नहीं रहा, तथापि उनके काल में जो इतिहास निर्माण हुआ है, वह एक अभूतपूर्व संक्रान्ति काल का इतिहास है। देश की राजनीति और सामाजिक एवं धार्मिक परम्पराओं पर उसका अमिट प्रभाव है। वह अत्यन्त महत्वपूर्ण और चिरस्मरणीय काल था। इसके कारण देश में एक नया मोड़ आया, अतएव इस काल में घटी घटनाओं को किसी भी प्रकार आंखों से ओझल नहीं किया जा सकता। ख्यात साहित्य में वर्णित ये सभी घटनाएँ हमारी सभ्यता और सांस्कृतिक चेतना को वर्तमान और आने वाले युग के अनुकूल बनाये रखने के लिये नितान्त उपयोगी हैं।

सामन्तशाही की कुत्सित भावनाओं के कुछेक वर्णनों और घटनाओं को यदि हम उस काल के इतिहास में मुजरा करके देखें तो तत्कालीन सामन्त व उनके साथ के इतर वर्ग की देश-भक्ति, त्याग, ऐश्वर्य और उज्वल चरित्र आदि मानव-आदर्श और उनके काल की अनुपम वास्तु-कला, संगीत, शिल्प और विज्ञान आदि की प्रगति के वर्णन हमें अपनी संस्कृति के गौरवपूर्ण अतीत की पुनरावृत्ति कराते हुए दिखाई पड़ते हैं। तभी हमें ऐसा प्रतीत होने लगता है कि सांस्कृतिक निधि की यह अमूल्य ऐतिहासिक सामग्री हमारी परम्परा के अनुकूल नव-इतिहास-निर्माण का एक आवश्यक आधार है।

हमारी सभ्यता और संस्कृति का मूलाधार हमारा अद्वितीय सरस्वती-भण्डार, जो संसार में सभ्यता का एक मात्र भण्डार और बीज रूप था—उसके

लिये एक घोर संवर्तक-काल आया और उसे अमानवीय कृत्यों और तरीकों द्वारा नष्ट किया गया। आज उसका सहस्रांश भी शेष नहीं है। किन्तु जो कुछ जितना, जैसी भी अवस्था में और जिस किसी भी प्रकार बचा रह गया, उसी के कारण हम और हमारी शताब्दियों से लड़खड़ाती हुई संस्कृति आज भी जीवित है।[४] उसे अब तत्वज्ञ और मनीषियों की संजीवनी वाणी और लेखनी द्वारा नवजीवन प्रदान करने के अनेकत्र प्रयत्न किये जाने लगे हैं।

अनेक शोध और प्रकाशक संस्थाएं इस क्षेत्र में बहुत ही महत्वपूर्ण और आवश्यक कार्य सम्पादन में लगी हैं। उनमें प्रमुख राजस्थान सरकार द्वारा महान् पुरातत्वाचार्य पद्मश्री मुनि श्री जिनविजयजी के निर्देशन में संस्थापित 'राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर' है। इस सस्था ने अपने शैशव काल मे ही अनुपलक्षित साहित्य-निधि के अनेक रत्नों को प्रकाशित किया है और प्रकाशित करने में तत्पर है। उन्ही प्रकाशनों में ख्यात-साहित्य का सर्वोपरि ग्रन्थ—राजस्थान, मालवा, गुजरात, सोराष्ट्र, कच्छ और सिन्ध आदि का लोक विश्रुत इतिहास और अन्य विविध विषयों से युक्त यह 'मुंहता नैणसी री ख्यात' नामक साहित्य है।

इस ख्यात का महत्व

'मुंहता नैणसी री ख्यात'[५] जोधपुर के महाराजा जसवंतसिंह प्रथम के दीवान और ओसवाल जाति के प्रसिद्ध मोहणोत वंश के विख्यात मुंहता नैणसी जयमलोत द्वारा रचा गया राजस्थान की प्रसिद्ध मारवाड़ी भाषा का अपनी कोटि का अनूठा मध्यकालीन इतिहास-ग्रंथ है। राजस्थान के भूतपूर्व देशी

---

४. 'दीपै वारो देस, ज्यारो साहित जगमगै।' [जिनका साहित्य सर्वतोमुखी प्रकाशमान है, उन्हीं का देश अपनी सस्कृति की परंपरा को सदा उन्नत बनाये रह कर संसार मे शोभा पाता है।]

—स्व० श्री उदयराज उज्ज्वल

५. 'मुंहता नैणसी री ख्यात' इस ग्रंथाभिधान का अर्थ यद्यपि इस भूमिका को पढ़ने से स्पष्ट हो जाता है, तथापि इसकी 'री' विभक्ति के इस प्रकार के अन्य ख्यात ग्रन्थों के नामों की तुलना में इस ग्रन्थ के नाम की 'री' विभक्ति का औचित्य और संगति किस प्रकार है, स्पष्ट करने की आवश्यकता है। 'राठोड़ां री ख्यात'=राठोड़ वंश की ख्यात या इतिहास, 'मेवाड़ री ख्यात' मेवाड़ राज्य का इतिहास' में 'री' विभक्ति का अर्थ 'की' या 'संबंधित' है। पर यहां इस 'री' विभक्ति का अर्थ 'की' या 'संबंधित' न होकर 'के द्वारा लिखी गई' होता है। 'मुहता नैणसी री ख्यात' = 'मुंहता नैणसी द्वारा लिखी हुई ख्यात या इतिहास ग्रन्थ' होता है।

राज्यों में ख्यात के नाम से अनेक ग्रन्थ लिखे गये हैं, उन सब में 'मूंहता नैणसी री ख्यात' बहुत महत्व की है[६]। इतिहास के सभी विद्वान् अन्य ख्यातों की अपेक्षा इसे अधिक विश्वस्त मानते हैं। स्व० म० म० रायबहादुर गौरीशंकर ही० ओझा ने अपने इतिहास-ग्रन्थों में और स्व० रामनारायण दूगड़ द्वारा किये गये इसके हिन्दी अनुवाद के दोनों खण्डों की भूमिकाओं में ठौर-ठौर इस ख्यात की प्रशंसा की है और राजस्थान का पिछला इतिहास लिखने के लिये इसे बहुत महत्वपूर्ण और विश्वस्त बतलाया है।[७] मुंशी देवीप्रसाद मुंसिफ ने तो नैणसी को 'राजस्थान का अबुलफजल' और उनकी लिखी हुई इस ख्यात को 'आईन-इ-अकबरी' की कोटि का इतिहास-ग्रन्थ कहा है[८]।

---

६. इस ख्यात के महत्व का इसी से पता लग जाता है कि इस संस्करण के पूर्व इसके दो संस्करण और प्रकाशित हो चुके हैं। एक संस्करण स्व० श्री रामकर्णजी आसोपा द्वारा मूल रूप में उनके निज के रामश्याम प्रेस में मुद्रित होकर उन्हीं की ओर से प्रकाशित किया जा रहा था, परन्तु वह सम्पूर्ण नहीं हो सका था। दूसरा संस्करण स्व० श्री रामनारायणजी दूगड़ का हिन्दी अनुवाद है, जो स्व० श्री गौ० ही० ओझा द्वारा सम्पादित होकर काशी नागरी प्रचारिणी सभा की ओर से दो भागों में प्रकाशित हुआ है। पहला भाग सं० १९८२ वि० में और दूसरा इसके ९ वर्ष बाद सम्वत् १९९१ में प्रकाशित हुआ है।

इनसे भी अधिक महत्व की बात यह है कि नैणसी के बाद की लिखी हुई ख्यातों का आधार भी प्रायः नैणसी री ख्यात ही रही हुई मालूम होता है। उनमें अनेक प्रसंग नैणसी री ख्यात के यों के यों उद्धृत कर लिये हैं। उदाहरण के तौर पर दयालदास री ख्यात, जिसके प्रकाशित संस्करण दू. भाग [पहला भाग प्रकाशित नहीं हुआ] के अनेक स्थलों में से दो एक प्रसंगों की ओर संकेत करना काफी होगा।

नैणसी री ख्यात, भाग ३, पृ० १३ और दयालदास री ख्यात पृ० ८

„ „ „ ३ „ ९४ „ „ „ „ ६५

„ „ „ ३ „ १२०-१२१ „ „ ८२, २६८ इत्यादि।

७. वि. सं. १३०० के आसपास से लगा कर उसके लिखे जाने के समय तक के इतिहास के लिये नैणसी का ग्रन्थ अनुपम वस्तु है। ... ... यदि नैणसी की ख्यात देखे बिना कोई राजपूताने का इतिहास लिखने का साहस करे तो उसका ग्रन्थ कभी संतोषदायक नहीं हो सकता।

—ओझा निबंध संग्रह, तृतीय भाग, पृ. ७५

८. स्व० मुंशी देवीप्रसादजी तो नैणसी को राजपूताने का अबुलफजल कहा करते थे और उसके इतिहास पर बड़े मुग्ध थे। मुंशीजी ने अगस्त १९१६ की सरस्वती में राजस्थान-इतिहासज्ञ मूंता नैणसी की ख्यात के विषय में एक लेख छपा कर उसके महत्व का परिचय दिया था।

—ओझा निबंध संग्रह, तृतीय भाग, पृ० ७४

प्रस्तुत ख्यात का सर्वाधिक महत्त्व इस बात मे भी है कि नैणसी ने ख्यात मे प्राप्त समस्त सामग्री साभार स्वीकार की है। उन्होने लिखने वाले, भेजने वाले, सुनाने और लिखने वालो के नाम ही नही लिखे, अपितु कही-कही तो उनका पूरा परिचय, सम्वत्, मिती और स्थान आदि के नाम भी दे दिये हैं। उनमें कई प्रसिद्ध डिंगल-कवि और चारणजन हैं[६]।

---

६ (१) पोकरणा ब्राह्मण कवीसर जसवत रो भाई जोशी महेशदास।
(२) मुहतो लखो, स० १७०० माह वदी ६ मेडते मैं जेसलमेर रो हाल लिखायो।
(३) भाडो महेसदास दसाळा भाटियाँ री वात, स० १७०९ फागण सुदी १५ री लिखाई, स० १७२१ माह मांहे लिख मेली।
(४) मुहते नरसिंघदास जैमलोत (नैणसी रो भाई) डूगरपुर मे रावळ पूंजा रै करायोड़ो देहरा री प्रशस्ति लिख मेली, समत १७०७ मे।
(५) बूदेला सुभकरण रै चाकर चत्रभुज मडाई, स० १७१०।
(६) चारण मासियो गिरधर स० १७१६ रा भादवा सुदी ६।
(७) चारण भूलै रुद्रदास भाण रै साहपा मूला रै पोतरै कही समत १७१६ रा चैत मांहे।
(८) सं० १७२१ रा जेठ मांहे रा० रामचन्द्र जगनाथोत मडाई।
(९) खिड़ियो सीवराज सिसोदियां री चूण्डावत साखा रो वृत्तान्त लिखायो स० १९२२ रा पोह वदी ५।
(१०) वात एक मीठू ब्राह्मण कही।
(११) दधवाडियो सीवराज, वात पठाण हाजीखान राणै उदैसिंघ वेढ हुई तिणरी लिख मेली। समत १७१४ रा वैसाख मांहे।
(१२) देवडो अमरो चादावत रो परधान वाघेलो रामसिंघ नूं अमरै नैणसी कनै मेलियो, उण कही।
(१३) मुहणोत सुदरदास जाळोर थका लिख मेली।
(१४) रतनूं गोकुळ पीढियां मडाई। गोकळ रतनू कही।
(१५) चारण चादण खिडियो।
(१६) भाट समार नोलिया रो पड़िहारा री साखा लिखाई।
(१७) भाट राजपाण उदैहीरो, पीढो कछवाहा री मडाई।
(१८) वात १ जीवै रतनू धरमदासाणी कही नै पहला सुणी थी तिका तो लिखी हीज हुती। वात जाडेचा साहिब री नै झाला रायसिंघ री फेर लिखी।
(१९) भाखडी रावळ भीम री मासियो पीरो कहे।
(२०) राव नींबो महेसोत सवणी।
(२१) गाडण पसायत।
(२२) बारहठ खीदो।

नैणसी ने अपनी ख्यात में लगभग ६ शताब्दियों के जीवन और साहित्य का महत्त्वपूर्ण परिचय दिया है। अपभ्रंश भाषा की परम्परा से प्रभावित मारवाड़ी भाषा में लिखा गया यह विवरण विक्रम सम्वत् १३०० से १७०० तक राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक सभी प्रकार की गतिविधियों का विस्तृत आलेखन है। यद्यपि पहले का जितना वृत्तान्त है, वह सभी प्रायः जनश्रुतियों या चारण-भाटों की बहियों से प्राप्त किया गया है, तथापि १६वीं शती से १८वीं शती तक का विवरण प्रायः शंकाओं से परे और विश्वसनीय है।

ख्यात की भाषा

इस ख्यात की भाषा लगभग तीन सौ वर्ष की पुरानी मारवाड़ी भाषा है। यद्यपि यह भाषा उतनी कठिन नहीं है तथापि हिन्दी के विद्वान् इसका सही-सही समझना उतना सुलभ नहीं समझते। फिर डिंगल के गीत, छप्पय, दोहे आदि को समझना तो उनकी दृष्टि में और भी कठिन है[१०]।

इस ग्रंथ की मारवाड़ी भाषा भारतीय आर्य भाषाओं की अपभ्रंश परंपरा की निकटतम शाखा के प्रौढ़ गद्य का उत्कृष्ट रूप है जो राजस्थान की सभी

---

(२३) चारण वीरधवळ दूहा कहै।
(२४) गाडण सहजपाळ।
(२५) सांवळसुत रोहड़ियो।
(२६) भांणों मीसण, वडो आखरां रो कहणहार।
(२७) ढाढी············। इत्यादि।

इनके अतिरिक्त बारहठ ईसरदास, दुरसो आढो, केशवदास, रतनूं नवलो, बारठ वीठू, आसराव रतनूं, आसियो दलो, लल्ल भाट और चारण चांदो आदि डिंगल के प्रसिद्ध कवि और कुछ बात या हालात, जिनके सुनाने या लिखाने वालों का नाम स्मरण नहीं रहा—नैणसी ने 'एक बात यूं सुणी' या 'संमत १७२२ आसोज मांहै परवतसर मांहै लिखी' इस प्रकार से उनका आभार माना है।

१०. नैणसी की अनुपम ख्यात २७५ वर्ष पूर्व की मारवाड़ी भाषा में लिखी हुई है, जिससे राजपूताने का रहने वाला हरएक आदमी सहसा ठीक-ठीक समझ नहीं सकता। राजाओं, सरदारों आदि के पुराने गीत, दोहे आदि भी उसमें कई जगह उद्धृत किये गये हैं, जिनका ठीक-ठीक समझना तो और भी कठिन काम है।

—ओझा निबंध-संग्रह, तृ. भाग

बोलियो से अधिक विकसित और मान्य 'पश्चिमी मारवाडी'[११] की परंपरा का प्राचीन और प्रधान रूप है। आधुनिक राजस्थानी और गुजराती के रूपो में विकसित होने वाले अकुरो का (विभक्तियों, प्रत्ययों आदि के योग से) देश-कालिक निकटतम भेद बताने वाला एक सागोपाग नमूना है[१२]। अन्य भारतीय भाषाओ की समकालीन परपराओ की तुलना में इसकी परम्परा अपने विकास में अग्रणी, परिपक्व और अधिक प्राचीन गद्य-शैली का रूप है। इसमे पुष्ट गद्य-साहित्य के सभी रूप ख्यात[१३], वात, वारता, विगत, विरतत, हकीकत, याद, आदिदास्त, हाल, प्रस्ताव, हवालो, सिघावलोकनो, मिसाल, साख, परियावलो, वसावली, पीढिया आदि सभी प्रचुर परिमाण में विद्यमान हैं। इन सब मे ख्यात साहित्य प्रमुख है। वात, हकीकत, विगत आदि के भी अनेक छोटे-मोटे हस्त-लिखित इतिहास-ग्रंथ प्राप्त हैं, जो ख्यात के आवश्यक अग होने के साथ उसका

---

११. आधुनिक शोध विद्वानों ने इसका नाम 'प्राचीन पश्चिमी राजस्थानी' रखा है जबकि गुजरात के विद्वानों ने 'जूनी गुजराती' अथवा 'मारू-गुर्जर भाषा' अभिहित किया है।

१२ Rajasthani dialects form a group among themselves differenciated from Western Hindi on one hand and from Gujrati on the other hand. They are entitled to the dignity of being classed as together forming a separate independant language. They differ much more widely from Western Hindi than does, for instance, Punjabi. Under any circumstances they cannot be classed as dialects of Western Hindi If they are to be considered dialects of some hitherto acknowledged language, than they are dialects of Gujarati.

—Dr. Sir G A. Grierson

Linguistic Survey of India, Vol. IX part II pages 15

१३. ख्यात की प्राचीनता के सम्बन्ध में पीटरसन, दूसरी रिपोर्ट मे अनर्घराघव नाटक के कर्त्ता मुरारि कवि का यह श्लोक द्रष्टव्य है। मुरारि कवि का समय ८वीं-९वीं शताब्दि माना जाता है।

> चर्चाभिश्चारणानां क्षितिरमण ! परांप्राप्यसमोद लोला
> मा कीर्तेः सौविदल्लानवगणय कवि प्रात(?) वाणी विलासात्।
> गीत *ख्यातं* च नाम्ना किमपि रघुपतेरद्य यावत्प्रासा—
> द्वाल्मीके रेव धात्रीं धवलयति यशो(दा?) मुद्रया रामचन्द्र ॥

—परम्परा। भाग ११ और १५-१६ तथा

ना. प्र. पत्रिका, भाग १ चन्द्रधर शर्मा गुलेरी का चारण' नामक लेख।

विकसित परिमाजित और प्रौढ़ रूप है। किन्तु स्वतन्त्र रूप से भी इनका महत्त्व ख्यातों से कम नहीं है। ख्यात के आवश्यक अंग-रूप इन शब्दों का अर्थ अपने साधारण अर्थों से कुछ भिन्न होने के कारण यहाँ संक्षेप में प्रत्येक की जानकारी देना अप्रासंगिक नहीं होगा, जिससे कि उनके महत्व को समझा जा सके—

ख्यात

मोटे रूप में ख्यात इतिहास को कहते हैं जिसमें युद्ध आदि प्रसिद्ध घटनाओं का विस्तार से वर्णन किया हुआ होता है। अध्याय के रूप में भी ख्यात शीर्षक देकर वर्णन या वृत्तान्त के रूप में ख्यात ग्रंथ का विभाजन किया हुआ होता है। 'नैणसी री ख्यात' में ऐसे अनेक विभाग हैं। जैसे—'अथ सीसोदियां री ख्यात लिख्यते', 'अथ ख्यात भाटियां री लिख्यते' इत्यादि। वात, हकीकत आदि इसके अनेक पेटा विभाग हैं।

वात, वारता

वर्णनार्थक 'ख्यात' शीर्षक में किसी वंश या व्यक्ति आदि की प्रसिद्ध घटनाओं का विवरण प्रायः 'वात' शीर्षक से विभक्त किया हुआ होता है। स्वतंत्र ऐतिहासिक वात-साहित्य की वातें बड़ी होती हैं[१४]।

हकीकत

स्थान विशेष की स्थिति का वर्णन प्रायः हकीकत कहलाता है। यह ख्यात के समान बड़े ग्रंथ के रूप में भी होती है जैसे—'जोधपुर री हकीकत'।

पीढ़ी

ख्यात का एक आवश्यक अंग है। इसमें वंशानुक्रम के साथ विशिष्ट व्यक्ति के जीवन की विशेष घटनाओं का उल्लेख भी किया हुआ रहता है।

साख

(१) विशिष्ट व्यक्ति के नाम पर वंश-वृक्ष में से प्रस्फुटित शाखा वाले वंश को साख कहते हैं, जैसे—ऊदावत, जेसा-भाटी इत्यादि इसे वंसावली भी कह देते हैं। (२) घटना विशेष और स्थान के नाम से भी 'साख' प्रस्फुटित होती है, जैसे—झाला, छात्राळा और महेवचा, वाड़मेरा आदि। (३) किसी वात की साक्षी के रूप में उद्धृत छंद भी 'साख' कहलाता है, जैसे—साख रा दूहा।

---

१४. 'वात परगने जोधपुर री' (हस्तलिखित) में जोधपुर, जोधपुर के परगने और जोधपुर के राजाओं से संबंधित प्रसंगवशात् सभी विषयों का विस्तृत विवरण दिया हुआ है। यह वात पृ. १८४ महाराजा जसवंतसिंह प्रथम (अपूर्ण) तक है। इसमें कई स्थानों पर नैणसी का उल्लेख महत्व के तथ्यों के साथ हुआ है। सुंदरसी का भी उल्लेख हुआ है। यह वात हमारे संग्रह में है।—सम्पादक

विगत

किसी वंश या स्थान के सम्पूर्ण और क्रमबद्ध ब्यौरे को विगत कहा जाता है।

याद, यादवास्त, यादिदास्त

किसी बात या घटना को विस्तृत रूप से लिखने के लिये याद के तौर पर लिखा हुआ उसका संक्षिप्त रूप। बड़ी बात का संकेत-लेखन या नोटस।

प्रस्ताव

प्रासंगिक रूप में कही जाने वाली बात के लिये प्रारंभिक संकेत, जैसे— एकदा प्रस्ताव।

हवालो

प्रमाण के लिये किया हुआ किसी बात या घटना का उल्लेख।

सिंघावलोकनी बात

पूर्वोल्लिखित बात या घटना पर दृष्टिपात करते हुए किया गया विशेष वर्णन।

पीढियावली, वंसावळी

देखें पीढी और साख (१) और (२)

स्थानस्थिति के वास्तविक निर्देशन के लिये आठ दिशाओं के अतिरिक्त इस ख्यात में १६ दिशाओं के नामों का उल्लेख इसके (गद्य और पद्य) साहित्य की प्रौढ़ता का एक अन्यतम उदाहरण है। ऐसा उदाहरण अपभ्रंश पारंपरीण तात्कालिक किसी भी भाषा के विज्ञान में और आधुनिक किसी भी साहित्य में प्राप्त नहीं है।[१५]

क्रीडा, कृषि, वाणिज्य, युद्ध और शासन आदि से संबंधित अपने अर्थों में सशक्त अनेक पारिभाषिक शब्दों का प्रयोग राजस्थानी भाषा की प्राञ्जलता और व्यापकता के द्योतक हैं, जिनमें से अनेकों के पर्याय हिंदी में नहीं मिलते। डिंगल एवं राजस्थानी गद्य साहित्य के अध्ययन के लिये इस ख्यात का शब्द-भण्डार बहुत ही मूल्यवान है।[१६]

---

१५. राजस्थानी साहित्य में १६ दिशाओं का उल्लेख मिलता है—

'दिसि सोळ मच्यो छळ-पग-बूण, जुडियो नह भावण भ्रम्म जूण'।

सोलह दिशाओं में जिन आठ विशेष दिशाओं के नामों का उल्लेख किया जाता है, उनमें से छद, छहड, खरक, अरहेर, रूपारास और पवाद आदि के नाम इस ख्यात में प्राप्त हैं।

१६. वल्लभविद्यानगर, वी. पी. महाविद्यालय के हिन्दी विभाग के अध्यक्ष और रिसर्च स्कॉलर प्रो० भूपतिराम साकरिया के सह-सम्पादन में राजस्थानी-हिन्दी का एक कोश शोधार्थियों के लिये (अर्थ-सुलभ आवृत्ति) तैयार किया गया है, जिसमें 'नैणसी री ख्यात' के भी तीन-चार हजार शब्द लिये गये हैं। कोश प्रकाशनाधीन है।

भाषा की प्रौढ़ता और अर्थ-बोधकता के इसके मुहावरों और रूढ़ि-प्रयोगों में भी प्रचुरता से देखने में आती है। क्रियापद, सर्वनाम और विशेषणों के रूप तो इतने प्रचुर हैं कि उन पर एक पृथक् प्रबन्ध लिखा जा सकता है। प्रत्यय, परसर्ग और विभक्तियों के अनेक कारक-रूप और प्रकार एवं उनके प्रयोग भाषा की प्रौढ़ता और सम्पन्नता के अन्यतम उदाहरण हैं।[१७] सहस्रों स्त्री-पुरुषों और नगरों आदि के नाम अपभ्रंश भाषा के अध्ययन के लिये बहुमूल्य सामग्री उपस्थित करते हैं, जो भाषा की दृष्टि से ही नहीं, पुरातत्व और इतिहास की दृष्टि से भी शोध का एक मनोरंजक और स्वतंत्र विषय है। हमारी संस्कृति के साथ भी इनका घनिष्ठ संबंध है।

विविध विषय

प्रस्तुत ख्यात समाज और संस्कृति का जीता-जागता चित्र है। इसमें संक्षेप से गुजरात, काठियावाड़ (सौराष्ट्र), कच्छ, बघेलखंड, बुंदेलखंड, मालवा और मध्यभारत का इतिहास है और मेवाड़ के सिसोदिये, जैसलमेर के भाटी, ढूंढाड़ के कछवाहे और मारवाड़ (जोधपुर और बीकानेर) के राठौड़ राजपूतों का विस्तृत विवरण है। अजमेर-मेरवाड़ा, कोटा, बूंदी, झालावाड़, जयपुर-शेखावाटी, सिरोही, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़, रामपुरा, किशनगढ़, खेड़-पाटण और पारकर आदि राजस्थान की अन्य समस्त रियासतों और इन रियासतों के अनेक जागीरी ठिकानों का एवं दक्षिण, गुजरात, मालवा, दिल्ली और आगरा आदि की बादशाहतों के साथ हुए युद्धों का वृत्तान्त भी संकलित हो गया हुआ है।[१८]

---

१७. सम्बन्ध-सूचक परसर्ग और विभक्तियों के कुछ रूप जिनका प्रयोग इस ख्यात के पद्य और गद्य के विभिन्न स्थलों में हुआ है—

१. रा, री, रो, रै
२. तण, तणा, तणी, तणो, तणै, तणउ
३. केर, केरा, केरी, केरो, केरउ, केरै
४. संदा, संदी, संदियां, संदो, संदउ, संदै
५. हंदा, हंदी, हंदियां, हंदो, हंदउ, हंदै
६. नो, नी, ना, नउ
७. चा, ची, चो, चै
८. कउ, की, को, के इत्यादि

१८. नैणसी की ख्यात में चौहानों, राठोड़ों, कछवाहों और भाटियों का इतिहास तो इतने विस्तार के साथ दिया है और वंशावलियों का इतना अपूर्व संग्रह है कि अन्य साधनों से

अनेकविध युद्ध और घटनाओं आदि के विवरणों से संकलित यह ख्यात विषय की दृष्टि से एक छोटा महाभारत है। मानव जीवन के उदाहरण रूप उच्च और उज्ज्वल पक्ष के अनेक जगह जहाँ इसमें दर्शन होते हैं, वहाँ इसके विरुद्ध, अनुचित आचरण वालों की अपकीर्ति और भर्त्सना के प्रसंग भी इसमें चित्रित मिलेंगे। इनके अतिरिक्त कृषि और उसकी उपज, वाणिज्य और माप-तौल, दुकाल और सुकाल, सेना और आक्रमण, अस्त्र और शस्त्र, शरणागत-रक्षा; वदान्यता, वचन-पालन, गौरव-रक्षा, मान-मर्यादा, शासन और दण्ड, खिराज और कर; विवाह-सम्बन्ध और दूसरे राज्यों के परस्पर सैनिक और राजनैतिक सम्बन्ध; दान, भेंट, सासण (भूमिदान), पसाव, सिरोपाव, रीझ-मौज आदि के वर्णन; पद, मनसब और खिताब, टकसाल और सिक्के; वीरगीत और गर्वोक्तियाँ, गुण-प्रशंसा और दुर्गुण-निंदा; लोक-वार्ताएँ और वीर-गाथाएँ, शाखायें और वंशावलियाँ, परम्पराएँ और रीति-रिवाज; राजदरबार, सवारियें, तीर्याटन, पर्व, विवाह, स्वागत-सत्कार, शिकार और जवादि; जलहर (जलक्रीडा) जाति-निर्माण और धर्म-परिवर्तन, जौहर और साका, सतीत्व और स्त्री-चरित्र; आभूषण, वेशभूषा और सत्कार, खान-पान और रहन-सहन; बादशाहों को तसलीम करने के ढग; शत्रुता और मित्रता; पहाड़ और नदियाँ, नगर और गाँव; जंत्र-मंत्र और वैद्यक, शकुन और नक्षत्र-ज्ञान; चोरों की कला; दुर्ग-प्रासाद-जलाशय, कूप आदि का निर्माण; देवी-देवताओं की पूजा और यात्रा, कुलदेवी-देवताओं का विवरण; उद्धरण और साख (साक्षी) रूप में अनेक प्रकार के काव्य इत्यादि ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, सामाजिक, राजनैतिक, वास्तुकला (स्थापत्य कला) संबंधी और अन्य विभिन्न विषयों के न्यूनाधिक वर्णन इस ख्यात साहित्य (ग्रन्थ) में उल्लिखित हैं।

अनुशीलन सूत्र

जैसा कि ख्यात के विविध विषयों से प्रगट है, प्रस्तुत ख्यात में अनुशीलन के लिये पर्याप्त सूत्र वर्तमान हैं। किसी भी विषय का अन्वेषक इसमें कुछ न कुछ न्यूनाधिक अपने शोध के लिये सामग्री प्राप्त कर सकता है। निम्न अनुशीलन सूत्र विशेष रूप से शोधनीय है—

वैसा अब मिल नहीं सकता। इस ग्रन्थ में कई लड़ाइयों तथा कई वीर पुरुषों के मारे जाने के सम्वत् एवं उनकी जागीरों का जो विवेचन किया है, वह भी कम महत्व का नहीं। उसने राजपूताने के इतिहास को बहुत कुछ सुरक्षित किया है। इतना ही नहीं, गुजरात, काठियावाड, कच्छ, बुंदेलखंड आदि के इतिहास लिखने वालों को भी इसमें बहुत कुछ सामग्री मिल सकती है। —ओझा अभिनन्दन ग्रन्थ, द्वी. भा; पृ. ७४

१. राजपूत जाति और राजस्थान, मध्यभारत, सौराष्ट्र, गुजरात, मालवा, कच्छ एवं पारकर (धाट-[१९]सिंध) का इतिहास।

(नैणसी की ख्यात में अधिकतर राजस्थान, गुजरात, सौराष्ट्र और मध्य-भारत आदि राजपूत जाति के शासन और शासकों का विस्तृत विवरण है; अतः उस विवरण से सभी राज्यों की राजपूत जातियों और उन राज्यों के पृथक्-पृथक् इतिहास पर शोध किया जा सकता है।)

२. प्रत्येक समाज और देश में समय-समय पर महापुरुष उत्पन्न होते रहते हैं। कोई अपनी वीरता और बलिदान के कारण, कोई परोपकार या धर्म-परायणता से, कोई अपनी दानशीलता और सेवा-परायणता से और कोई अपनी राजनीति और न्यायपरायणता से सुविख्यात होते हैं तो कोई अपने दुष्कृत्यों से ही विख्यात या कुविख्यात हो जाते हैं। नैणसी ने प्रकारान्तर से ऐसे अनेक जीवन-चरित्र चित्रित किये हैं। इन पर शोध करके अनेक मानवीय भावनाओं को समाज और संस्कृति के लिये प्रकाश में लाया जा सकता है।

३. शासन और युद्धनीति

राजपूतों का मध्यकालीन इतिहास पारस्परिक वैमनस्य और स्पर्द्धा से हुए युद्धों का विवरण है। राजपूत राजा शासन करने में प्राय: निरंकुश रहे हैं; फिर भी कई राजा और कई राजाओं के मंत्री बड़े नीति-कुशल और प्रजासेवी हुए हैं। अतः नैणसी की ख्यात शासन-व्यवस्था और युद्धनीति के लिये पर्याप्त रूप से शोध की वस्तु है।

४. वाणिज्य, माप-तौल, सिक्के और राजकर[२०]।

ख्यात-लेखक की एक दूसरी कृति मारवाड़ राज्य का सर्वसंग्रह (गजेटियर)

---

१९. धाट-परपारकर का विस्तृत प्रदेश (गडड़ा, मिट्ठी, छोर, नगरपारकर, नोकोट और उमर-कोट के सोढाण खंड का भू-भाग) मारवाड़ राज्य का अंग था। अंग्रेजों ने नाम मात्र की खिराज के बदले में जोधपुर राज्य से कुछ वर्षों की शर्त से उधार लेकर सिंध का एक जिला बना लिया था और सिंध गवर्नर के शासन में दे दिया था। उधार-अवधि पाकिस्तान बनने की राजनैतिक चालों के समय समाप्त हो गई थी। अंग्रेजों ने यह प्रदेश मारवाड़ को वापिस नहीं लौटाया। सांस्कृतिक और भौगोलिक दृष्टि से मारवाड़ का यह अविभाज्य प्रदेश हिन्दू-बहुल होते हुए भी पाकिस्तान को दे दिया गया। आज भारतवर्ष और पश्चिमी पाकिस्तान के बीच पाकिस्तान का सीमाप्रदेश बना हुआ है।

२०. दुगांणी (दुरगाणी), फदियो, टको, दोकड़ो, जनादी, छकड़, दांम, छबू, सोनइयो, रुपियो, महमूंदी, फिरोजी (पीरोजी, पेरोजी, पीरोजसाही), जलालसाही (जलाला, जलाली) आदि

है, जो कि तात्कालिक जन-गणना रिपोर्ट का अनुपम उदाहरण है। प्रस्तुत ख्यात भी उसी लेखक की कृति होने से अनायास ही वाणिज्य, माप-तौल, विभिन्न सिक्कों मे खिराज और राजकर की अदायगी, माल लाने-लेजाने के साधन आदि के विषयो से समाहित हो गई है। एतद्विषयक शोधकर्त्ताओ के लिये यह ख्यात बहुमूल्य सामग्री प्रस्तुत करती है।

५. देवपूजन और शकुन-शास्त्र

प्रत्येक राजपूत राजवंश की अपनी-अपनी कुलदेवियां और कुलदेवता होते हैं। उन्ही के आराधन व संतुष्टि से युद्धो में विजय और राज्यों की प्राप्ति व सस्थिति होती है। नैणसी ने इस प्रकार के अनेक देवी-देवताओ और साधु-सन्यासियों की भक्ति, आराधना और सेवा और उन्हे अपने अनुकूल बनाये रखने के लिये किये गये प्रयत्नो का प्रासगिक वर्णन किया है। आराधना और पूजार्चना के हेतु मंदिरो का निर्माण, मूर्त्ति-स्थापन, दानादि से उनकी व्यवस्था के उल्लेख-धर्म और भक्ति-भावना और सस्कृति पर प्रकाश डालते हैं। पशु-पक्षियों के शकुनो के आधार पर कार्य-सिद्धि और जय-पराजय आदि का और लोक-परपरा और शकुन-शास्त्र के अतर्गत आने वाले कई शकुन प्रसगों का वर्णन इसमें खूब सरस भांति से हुआ है।

नक्षत्र-विज्ञान पर आधारित राजस्थानी साहित्य के शकुन-शास्त्र की १६ दिशाओं ने किस प्रकार इस ख्यात मे दिशाओ और उपदिशाओ के मध्य दिशावकाश प्राप्त कर विशेष दिशाओ के नाम से अपना महत्त्व स्थापित किया है। शकुन और दिशा-विज्ञान दोनो में किसाधन सबंधो विज्ञान की शोध वस्तु है। अतः इस दृष्टि से भी यह ख्यात मननीय है।

६. पुरातत्त्व संबधी अवशेषों का परिचय

राजपूत राजाओ का वास्तुकला-प्रेम प्रसिद्ध है। अनेक राजा और ठाकुरो

कई सिक्कों के नाम और उनके चलन का विवरण है जो कई सदियों से १८ वीं, १९ वीं सदी तक विभिन्न राज्यों में प्रचलित थे।

इसी प्रकार मगळीक, यधामणा, गुळ, सूखडो, वळ, भेट, तलार, धाब, पेसकस, दहबराड, दाण, वहतीवाण, पाघबराड, तुलावट, मळबो, लाचो, हासल, भोग, हळ (हळगत), भोम, मोभ, पूछी, घोडाचारण, ढोर-चराई, वाडी रो लाग, काजी री लाग, कोटवाळी लाग इत्यादि अनेक प्रकार के कर और उनका प्रचलन तथा मण, छेर, टाक आदि तोल और मण, माणो, मूणो, सई, भर, भारो आदि धान्यादि के मापों के नाम और उनके चलन का विवरण इत्यादि।

ने अपने नाम से नगर, दुर्ग, प्रासाद, तालाव, मंदिर और कीर्त्ति-स्मारकों का निर्माण करवाया है। प्रस्तुत ख्यात में ऐसे कई पुरातत्व सम्बन्धी अवशेषों का निर्माण-संवत्, प्रयोजन और उनके निर्माताओं का विवरण दिया गया है। अतएव पुरातत्व विभाग के लिये इसमें अमूल्य सामग्री सुरक्षित है।

७. शाखायें और वंशावलियां

राजपूत जाति के इतिहास को समझने के लिये उसकी शाखा-प्रशाखाएँ और वंशावलियां सबसे बड़ा आधार हैं। वीरता की वहां पूजा है; अतः राजपूतों में यदि एक व्यक्ति के पांचों पुत्र वीरता में अपना व्यक्तित्व बना लेते हैं तो वे पांचों ही पांच पृथक् शाखाओं के मूल पुरुष बन जायेंगे। दानशीलता, धर्मपरायणता और बौद्धिक क्षेत्र में भी ऐसे शाखा-पुरुषों का वर्णन पाया जाता है। नैणसी ने राजपूतों को इस प्रकार से बनी उनकी शाखाओं, वंशावलियों और पीढ़ियों की विस्तृत सूचियां दी हैं, जिनका अन्यत्र प्राप्त होना असम्भव है। पीढ़ियों में विशेष व्यक्तियों के विशेष कार्य, सेवायें, युद्ध और जागीर पाने और जागीर होने के कारण और उनकी संवत्-तिथि, जन्म और मृत्यु-तिथि आदि आवश्यक बातों का साथ का साथ ही संक्षिप्त विवरण दिया हुआ रहता है।

८. जाति और धर्म परिवर्तन

काल के घूर्णित चक्र ने कई व्यक्तियों और जातियों को अपना नाम, धर्म और देश परिवर्तन करने को विवश किया है। नैणसी ने अपनी ख्यात में ऐसे कई अवसरों का वर्णन किया है, जबकि अनेकों की संख्या में हिंदू मुसलमान बन गये या बना लिये गये। ब्राह्मण क्षत्रियों में और क्षत्रिय कृषि-कर्म में प्रवर्त कृषक जाति में तथा शूद्रों में परिवर्तित हो गये। कई ब्राह्मण और क्षत्री-वैश्य और शिल्पियों में बदल गये। अनेक जातियों के प्रादुर्भाव की बातें इस ख्यात में वर्णित हैं।

९. लोक-साहित्य

इस ख्यात में इतिहास से जुड़ी हुई अनेक छोटी-मोटी सरस और महत्वपूर्ण सामाजिक घटनाएँ उद्धृत हैं, जो जन-जीवन में लोक-साहित्य बन कर लोक-वार्ताओं के रूप में सामने आई हैं। जगमाल मालावत, लांनो विजैराव, लाखो फूलाणी, हुरड़ वनो, हेमो सीमाळोत, सिद्धराज सोलंकी, खाफरो चोर, विक्रमाजीत आदि ऐसी पचासों बातें हैं जो आज लोकवार्ताओं के नाम से भी प्रसिद्ध हैं।

लोक-साहित्य पर शोध करने वालों के लिये विविध प्रकार की सामग्री यह ख्यात प्रचुर परिमाण में उपस्थित करती है।

१०. भाषा

'नैणसी री ख्यात' भाषा-वैज्ञानिकों के लिये जो शोध-सामग्री उपस्थित करती है, वह सब से अधिक महत्वपूर्ण है। इसकी भाषा पश्चिमी राजस्थानी का विशिष्ट रूप है जो राजस्थान की सब से अधिक सशक्त और विकसित भाषा है। तत्कालीन अन्य भारतीय अपभ्रंश भाषाओं की परम्परा में इसकी परम्परा अपने विकास में अग्रणी, परिपक्व और अधिक प्राचीन गद्य-शैली का रूप है[२१]।

पश्चिमी राजस्थानी उपनाम मारवाड़ी भाषा (मरु भाषा) में प्राप्त गद्य-साहित्य के विविध रूप, कहावतों और रूढ़ प्रयोगों की प्रचुरता विभिन्न पारिभाषिक शब्दों का प्रयोग, कारकों की विभक्तियों[२२] के अनेक प्रकार और रूपों का प्रयोग, प्रत्यय और उपसर्ग आदि के विभिन्न रूप, क्रियापद, सर्वनाम और विशेषणों के सैकड़ों रूप, भौगोलिक स्थानों की वास्तविक स्थिति-निर्देशन के लिये विशेष-दिशाओं[२३] के नामों का प्रयोग, अनेक संज्ञाओं के ऐसे भेद जिनके पर्याय हिंदी में नहीं मिलते और जिनका व्यक्तिकरण व्याख्या द्वारा करना पड़ता है इत्यादि बातें इसकी प्रौढ़ता, व्यापकता और अर्थबोधकता के स्पष्ट उदाहरण हैं। नैणसी की ख्यात में सहस्रों स्त्री-पुरुषों एवं नगरों आदि के नाम अपभ्रंश भाषा की परम्परा के अध्ययन की मूल्यवान सामग्री है। उदाहरण के लिये 'ऊदल' पुरुष नाम को लें। यह उदयसिंह का अपभ्रंश रूप है। उदयसिंह के उत्तर पद के 'सिंह' का लोप होकर उसके स्थान पर 'ळ' प्रत्यय रूप में आ जाने से 'उदय' का 'ऊद' आदेश होकर 'ऊदळ' रूप बन गया। इसी प्रकार अखसो,

---

२१. भाषा और प्राचीन इतिहास के विद्वान् डॉ० दशरथ शर्मा डी० लिट्० 'दयाळदासरी ख्यात' के इन्ट्रोडक्शन में उक्त ख्यात और 'नैणसी री ख्यात' की भाषा के सम्बन्ध में तुलना करते हुए लिखते हैं—

Dayaldas Sindhayach was an erudite scholar. He was an accomplished rhetorician, a writer of excellent Marwari, only a little inferior to that of Nainsi Muhnot."

२२. दे० टिप्पणी स० १४, इस ख्यात में मात्र सम्बन्ध-सूचक षष्ठी विभक्ति के लिये ७ या ८ विभिन्न रूप प्रयुक्त हुए हैं।

२३. दे० टिप्पणी स० १३, विशेष-दिशाओं के नामों के लिये।

अरहड़, अळधरो, आसथांन, गंपो, छाहड़, पाबू, पेथड़, वैरड़ वाहड़, सीयक हड़बू आदि सहस्राधिक पुरुष नाम अपभ्रंश प्रभावित हैं।

नामों को इस प्रकार (अपभ्रंश परंपरा के अनुसार) छोटा करने में जहाँ एक ओर गर्वोक्ति और स्वमान त्याग की भावना काम करती है, वहाँ दूसरी ओर आत्मीयता और स्नेह-भावना भी परिलक्षित होती है। 'राणो रूपड़ो', 'राव लीडो' आदि राजाओं के ऊनता-सूचक नामों में यही भावना काम करती हुई दिखाई पड़ती है, तुच्छता की बोधक नहीं है।

ख्यात में ऐसे अपभ्रंश-प्रभावित नाम सभी क्षेत्रों में दिखाई पड़ते हैं। आवड़, ईहड़, गायड़, जसमादे, लाछां, हुरड़ आदि स्त्री नाम; कमधज किराड़ खेड़ेचा, चीबा, पोकरणा, विसनोई आदि जाति नाम; और अटाळ, अणदोर, अरणोद, आफूड़ी, ईकुरडी, किराड़ू और कूड़ो आदि गाँवों के नाम—ऐसे सहस्रों नाम हैं जो अपभ्रंश भाषा से प्रभावित हैं।

मध्यकालीन पुरुष नामों में, यद्यपि भाषा से इस बात का कोई सम्बंध नहीं है, तथापि राजनैतिक दबाव और चापलूसी के कारण कई क्षत्रियों ने अपने नामों का (हिन्दू धर्म में रहते हुए भी) मुसलमानीकरण कर दिया था। तातारखां, लाडखां, अलखां, महमंद और भाखरखां आदि हिन्दुओं के पचासों मुसलमानी नाम मध्यकालीन समाज और इतिहास की एक उल्लेखनीय घटना है। जबकि क्षत्राणियों ने क्षत्रियों (अपने पिता, पति और भाई आदि) का अनुसरण करके ऐसा एक भी उदाहरण प्रस्तुत नहीं किया है।

११. राजस्थान की मध्यकालीन सती-प्रथा

ख्यात में सैकड़ों सतियों का विवरण उल्लिखित है। इसमें ऐसी अनेक वीरांगना और पतिव्रता सतियों का वर्णन है, जिन्होंने राजस्थान का मुख उज्ज्वल किया है। उनमें सतीत्व की सच्ची भावना के दर्शन होते हैं। उन्होंने नारी समाज के सामने पतिव्रत और सतीत्व-धर्म का एक आदर्श पेश किया है। वे अवश्य पूजनीय हैं। परंतु दूसरी ओर इस प्रथा का एक रोमांचक पक्ष भी है, जिसमें इस जाति के साथ बड़ी निर्दयता से अत्याचार हुआ है। मृत पुरुष की लाश के साथ स्त्री को चिता में बिठाये बिना जलाना समाज और उस पुरुष का अपमान समझा जाता था।[२४] एक पुरुष को उसकी अनेक पत्नियों के सिवाय

---

२४. 'ताहरां अ असवार पाछा गया। भायलै देखै तो सगरो तोरण नीचै पड़ियो छै। ताहरां कह्यो—'जी, सती हुवी सगरै नूं लेनै। सती नूं कहो जु बाहिर आवै ज्यूं सगरै नूं दाग

अनेक वेश्याएँ, दासियाँ, नौकरानियाँ, गायिकाओं और गोलियाँ आदि को उसकी चिता में पड़कर जलना पड़ता था[२५]। कितना हृदय-विदारक दृश्य होगा वह? ये सभी भोग्या-स्त्रियाँ सती हुई कहलाती थी और अधिक स्त्रियाँ साथ में जलने से उस पुरुष का अधिक सम्मान समझा जाता था। कहाँ वह दैवी-दृश्य जिसमें एक समाधीष्ट योगी के समान प्राण विसर्जन करके अथवा स्वयं योगाग्नि प्रज्वलित करके परलोक में भी साथ ही में रहने की भावना से पति का सहगमन किया जाता था। यही नहीं, किन्तु पुत्र के लिये माता ने और भाई के लिये बहिन ने, इसी प्रकार अपने प्राणों का विसर्जन करके अपनी स्नेहाकुल और नारी-सुलभ कोमल एवं पवित्र भावनाओं का उच्च आदर्श उपस्थित किया था और कहाँ यह घोर नरमेध का नारकीय दृश्य?

सती प्रथा का प्रारंभ, धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से नारी-समाज के ऊपर उसका प्रभाव, नारी समाज की स्वेच्छा या पुरुष समाज की जबरदस्ती अथवा रिवाज आदि वर्तित व्यवहार, प्रथा का कानूनन निर्मूलन के बाद की स्थिति, जबरदस्ती और रिवाज के कारण हुई सतियों और वास्तविक सतियों के विवरण, सतियों के सम्बन्ध का शिष्ट और लोक साहित्य आदि सभी बातें शोध का महत्वपूर्ण विषय है।

देवा।' ताहरां बींदणी नूं भीतर बाप कहियो। ताहरां बींदणी कह्यो—'खेतसीह मारियो हुवै तो [illegible] सती न हवूं। सगरै नूं धीसनै मांस देवो।' पाछै आपनै कहियो—'जी, हमैं नहीं।' ताहरां कहियो—'जी, म्हे एकलै ही सगरै नूं बाळां?' तो कह्यो—'म्हे मणसमाही ही सती करां?' ताहरा कह्यो—'थावो बारै।' ताहरां जानी ही सिलह पहरै छै, मांढी ही सिलह पहरै छै। बेहु हथियार बांधै छै, सिलह पैंहरीजै छै। ताहरां बींदणी दीठो भर मा भर बाप नै कहियो—'हे ठाकुरां-रजपूतां! [illegible] बैर खेतसीह री छूं, पर एकली रै वास्तै घणा जीव मरै छै, तै हूं सगरै साथ बळीस।' बींदणी बाहिर आयनै सगरै साथै बळी।

—नैणसी री ख्यात, भाग ३, पृ० ४७-४८

२५. बीकानेर महाराजा जोरावरसिंह की मृत्यु पर दो रानियां, एक खवास, बारह पातरियां (वेश्याएँ), [illegible] खालसा, एक वडारण, एक सहेली, दो सहेली पातरियों की और एक पातरियों की रसोईदार ब्राह्मणी=कुल २२ स्त्रियां साथ में जली थीं।

—ख्यात, भाग ३, पृ० २११

जोधपुर महाराजा अजीतसिंह के साथ ६ रानियां, २० दासियां, ९ उर्दाबेगनियां, २० गायनें और २ हजूर-बेगनियां=कुल ५७ स्त्रियां जलकर मरीं थी।

—नैणसी री ख्यात, भा. ३, पृ. २१३ की टिप्पणी और श्री आसोपा का 'मारवाड़ का मूल इतिहास', पृ. २२३

१२. देश-द्रोही और स्वामी-द्रोही

प्रसिद्ध देश-द्रोही जयचंद की परम्परा को जीवित रखने वाले अनेक स्वामी-द्रोही और देश-द्रोहियों का वर्णन ख्यात में आया है। पावागढ़ के पताई रावळ (यशवंतसिंह) के विरुद्ध सईया वांकलिया का, अणहलपुर-पाटण के कर्ण गहलड़े के विरुद्ध नागर-ब्राह्मण माधव का, सिवाना के चोहान सातल और सोम के विरुद्ध भायल सजन का, सिवाना के राव कल्लाजी राठौड़ के विरुद्ध पोलिया नाई का, खेड़-पाटण के गोहिलों के विरुद्ध उनके मंत्री डाभियों का और जालोर के वीर कान्हड़दे के विरुद्ध वीका दहिये इत्यादि का देश-द्रोह। इन देश-द्रोहियों के संबंध में बहुत कुछ लिखे जाने की सामग्री इस ख्यात में प्राप्त है।

जिन्होंने ऐसा द्रोह किया है, उनके राजनैतिक और व्यक्तिगत कारण, वास्तविकता और अवास्तविकता की दृष्टि से शोध का एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय है। इनके कारण हुए अनेक युद्ध, राज्यों का पतन, नये राज्यों का जन्म और उत्थान और जातियों का पलायन और निर्मूलन, राज्यों की आर्थिक, राजनैतिक और सामाजिक स्थिति और जिन कारणों से अपने समझे जाने वाले और विश्वासपात्र व्यक्तियों ने विश्वासघात करके देश-द्रोह या स्वामी। द्रोह किया उनकी दशा कैसी रही, इत्यादि शोध के अनेक उपयोगी अंग इस ख्यात में प्राप्त हैं।

ख्यात का प्रस्तुत संस्करण

प्रस्तुत 'नैणसी री ख्यात' के सम्पादन की भी एक घटना है। सन् १६३४ की बात है। मैं जोधपुर के भूतपूर्व और उदयपुर के तत्कालीन प्राइम मिनिस्टर स्व० पंडित सर सुकदेवप्रसाद के द्वारा तैयार करवाये जा रहे राजस्थानी भाषा के बृहत् डिंगल-कोश के सम्पादन का काम पावटा लाइन्स के उनके उम्मेद-भवन में करता था। तभी एक दिन मातृ-भाषा के परम सेवक मेरे विद्वान् मित्र स्व० श्री रामयश गुप्त इस ख्यात की एक प्रति मेरे पास लाये और इच्छा प्रगट की कि मैं इसका सम्पादन कर दूं। प्रकाशन आदि का व्यय वे स्वयं वहन कर लेंगे। इस पर रात-दिन बड़े परिश्रम के साथ हम दोनों मित्रों ने लगभग एक हजार पृष्ठों में प्रेस-कापी के रूप में इसकी प्रतिलिपि तैयार कर ली और २८४ पृष्ठों तक की शब्दार्थ और व्याख्या आदि की टिप्पणियां देकर पूरी प्रेस कापी भी तैयार करली। एक ख्याति-इच्छुक मित्र भी इसका सम्पादन करना चाहते थे। उनके पास भी इस ख्यात की दो अशुद्ध और त्रुटित प्रतियां थीं। तब तक उन्हें हमें प्राप्त प्रति के जैसी शुद्ध और सुवाच्य प्रति कोई प्राप्त नहीं हुई थी।

एक दिन अवसर पाकर वे हमारी अनुपस्थिति मे हमारी तैयार प्रेस-कापी के २८४ पृष्ठ, ४०७ से ४८६ तक के ८० और ६०५ से ६३४ तक के ३० पृष्ठ—कुल ३७४ पत्रो को, 'रतनरासो' और सपादित 'हरिरस' की पाण्डुलिपियों के साथ उठा ले गये। बहुत अनुनय-विनय करने पर भी उन्होंने इन्हें वापिस देने की कृपा नहीं की।

'रतनरासो' की उस प्रति के कोई २० वर्ष बाद बीकानेर मे श्री अगरचदजी नाहटा के यहां अकस्मात दर्शन हुए जो उनको महाराज-कुमार डॉ० श्री रघुवीरसिंहजी ने श्री काशीराम शर्मा से सम्पादित करवाने को कई अन्य प्रतियो के साथ भेजा था। मेरे हाथ से लिखी हुई मेरी प्रति के ऊपर महाराज-कुमार के हाथ से लिखा हुआ था—'महाराज श्री मांधातासिहजी बीकानेर से प्राप्त।' नाहटाजी को इस घटना का जिक्र पहले किया जा चुका था। अत इस प्रति को देख कर उन्हें बडा आश्चर्य हुआ। प्रति ने न जाने कहां-कहा की यात्रा करके एक सरपरस्त और बहुत ही विश्रुत विद्वान् की शरण ली। आश्चर्य के साथ प्रसन्नता भी हुई। हरिरस और ख्यात के पत्रो का आज तक कोई पता नही लगा।

गारासणी ठाकुर स्व० श्री भीमसिहजी के अनुरोध से मैंने हरिरस का दूसरी बार हिंदी टीका सहित सम्पादन किया था। किन्तु श्री नाथूदानजी महियारिया की 'वीर सतसई' का जोधपुर के राजकीय गैस्ट हाउस मे कई महीनो तक सम्पादन करने के फलस्वरूप जो धोखा खाना पडा और हानि उठानी पडी, इस हरिरस के द्वितीय सस्करण के सबध मे भी ऐसा ही हुआ। अन्य सम्पादको के नाम से ये दोनो ग्रथ प्रकाशित हो गये। वीर सतसई के सम्पादन मे और हानि उठाने मे श्री सीतारामजी लालस भी साथ मे थे।

हरिरस का आज तक प्राप्त प्रतियो से सब से पुरानी और शुद्ध एव विषय-विभाजित प्रति से तीसरी बार भक्ति ज्ञानामृत भावार्थ-दीपिका, शब्द कोश, कथा कोश, प्रक्षिप्त पाठ आदि महत्वपूर्ण विषयो के साथ पुन सम्पादन किया गया है जिसे सादूल राजस्थानी रिसर्च इन्स्टीटयूट, बीकानेर ने प्रकाशित कर दिया है।

ख्यात के चुराए गए उन त्रुटित पत्रो की पूर्ति के लिए बहुत लम्बे समय तक कोई सुवाच्य और शुद्ध प्रति हाथ नही लगी। जिस प्रति से पहले प्रतिलिपि की गई थी वह श्री गुप्त के गूगा गाव के उनके एक सम्बन्धी के प्रयत्नो से प्राप्त हुई थी, उसके लिए भी उन्होंने कोशिश बहुत की, परन्तु वह फिर हाथ नही लगी।

इधर मुहणोत श्री मांगीमलजी एडवोकेट ने नैणसी के सीधे वंशज मुहणोत सुधराजजी के यहाँ की प्रति के लिए भरसक कोशिश की परन्तु उन्हें भी निराश होना पड़ा। बहुत दिनों के बाद स्व० पं० श्री विश्वेश्वरनाथजी रेऊ के सौजन्य से दो प्रतियें प्राप्त हुईं। यद्यपि ये प्रतियां इतनी शुद्ध और सुवाच्य नहीं थीं, फिर भी उनसे खासा काम लिया जा सका था। एक वहीनुमा प्रति सुन्दर मारवाड़ी शिकस्ता लिपि को स्व० पं० रामकर्णजी आसोपा से प्राप्त हुई थी जिससे मिलान करने में अच्छी सहायता मिली थी, परन्तु इसमें भिन्न-भिन्न जगहों के दो तीन पत्र त्रुटित थे। इसलिए अन्य शुद्ध और सम्पूर्ण प्रति को प्राप्त करने के प्रयत्न बहुत समय तक चलते रहे। अन्त में एक बहुत सुन्दर प्रति चि. भूपतिराम के अथक प्रयत्नों से कई हाथों में होकर इन्हें प्राप्त हुई, जो अपेक्षाकृत सुवाच्य और शुद्ध थी जिससे पदच्छेद और पाठों को शुद्ध करने एवं त्रुटित अंश की पूर्ति करने में बड़ी सहायता मिली। बीकानेर में प्रो० नरोत्तमदासजी की एक प्रति से पाठों का मिलान करने में सहायता ली गई। अनूप संस्कृत लाइब्रेरी बीकानेर की प्रति बीकानेर महाराजा करणीसिंहजी द्वारा उस पर शोध-निबंध तैयार करने के कारण दूसरा भाग लगभग आधा छप जाने के बाद हाथ लगी। यह प्रति भी शुद्ध लिखी हुई सीहथल के बीठू पन्ना के हाथ की मूल प्रति है। अधिकांश प्रतियें इसीकी प्रतिलिपियें मालूम होती हैं, क्योंकि उनमें भी बीठू पन्ना का नाम अनेक बातों के अंत में यों का यों उल्लिखित है। प्रस्तुत संस्करण को तैयार करने में इन सभी प्रतियों के आधार से पाठों का मिलान करने और शुद्ध करने में बड़ी सहायता मिली।

मैं जब बीकानेर में था तब मुनि श्री जिनविजयजी महाराज का बीकानेर पधारना हुआ था। उस समय श्री नाहटाजी के द्वारा ख्यात की प्रेस कॉपी दिखाने पर मुनीजी ने इसे पुरातत्वान्वेषण मंदिर, जयपुर (वर्तमान नाम 'राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर) से प्रकाशित करने की स्वीकृति प्रदान कर दी। उनकी कृपा के फलस्वरूप इस ख्यात के ये चारों भाग पाठकों की सेवा में प्रस्तुत हैं।

समस्त ख्यात-ग्रंथ तीन भागों में सम्पूर्ण हुआ है। चौथा भाग इस वृहत् ग्रंथ का महत्वपूर्ण परिशिष्ट भाग है। इसमें चारों भागों की विस्तृत विषय-सूची, भूमिका, नैणसी और महाराजा जसवन्तसिंह के सम्बन्ध की आवश्यक जानकारी और वैयक्तिक, भौगोलिक और सांस्कृतिक नामों के तीन विभागों के सात उप-विभागों में इस ख्यात की वृहत् नामानुक्रमणिका पृष्ठांकों के साथ दी

गई है। इस नामानुक्रमणिका में १०००० हजार से अधिक नामो का संकलन हुआ है। नामो की इतनी बडी सख्या दूसरे ख्यात ग्रन्थो में शायद ही आ सकी होगी। इनके अतिरिक्त पद, विरुद और उपाधि आदि ख्यात में प्रयुक्त विशिष्ट सज्ञाओ की विशिष्ट अर्थों के साथ नामावली, ख्यात में प्रयुक्त पुत्र-सज्ञक ५३ और पौत्र-संज्ञक १७ पर्यायवाची शब्दो की सूची, कुछ विशेष व्यक्तियो का जन्म-समय और जन्म-कुण्डलियें (जो केवल अनूप सस्कृत लाइब्रेरी, बीकानेर की प्रति में ही प्राप्त हैं,) नामानुक्रमणिका की सम्पूर्ति और शुद्धि-पत्र आदि ख्यात से सबधित अनेक महत्त्वपूर्ण और उपयोगी विषय इस चौथे भाग मे दिए गए हैं।

ख्यात के इस सस्करण को तैयार करने मे मुझे जिन महानुभावो की सहायता प्राप्त हुई है, उनमें इसके आदि प्रेरक मेरे परम मित्र और सहपाठी स्व० श्री रामयश गुप्त का नाम चिरस्मरणीय है। इसके प्रकाशन से उनको आत्मा को अपनी उत्कट साहित्यानुरागिता के एक अश को पूर्ति होने के रूप में शांति मिलेगी।

महामहोपाध्याय स्वर्गीय पडित विश्वेश्वरनाथजी रेउ, महामहाध्यापक स्व. प. रामकर्णजो आसोपा और विद्यामहोदधि श्री नरोत्तमदासजी स्वामी तथा दो वे महानुभाव जिनके नाम ज्ञात नहीं हो सके हैं, जिन्होंने अपनी हस्तलिखित प्रतियो का उपयोग करने की सहायता की, बहुत आभारी हूँ।

श्री अगरचन्दजी नाहटा का सहयोग, प्रकाशनार्थ प्रयत्न और प्रेरणा के कारण इनका बडा भारी आभारी हू।

जोधपुर के श्री मागीमलजी मुहणोत एडवोकेट ने अपनी वश-परम्परा में स्वनाम-धन्य नैणसी की शाखा से सीधा सम्बन्ध रखने वाले श्री सुखराजजी मुहणोत से *'नैणसी री ख्यात'* प्राप्त करने के लिए कई बार प्रयत्न किए पर इन्हें भी अन्यो की भाँति निराश ही होना पडा। इनकी इस सहृदयता के लिए मैं इनका बहुत कृतज्ञ हूँ।

आचार्य श्री परमेश्वरलाल सोलकी ने अनूप सस्कृत लाइब्रेरी की प्रति प्राप्त करने और उससे पाठों का मिलान करने, नोट्स तैयार करने आदि की अमूल्य सहायता के लिए इनका बडा आभारी हूँ।

चि. भूपतिराम की सहायता और उस प्रति को प्राप्त करने के प्रयत्न, जिसके फलस्वरूप प्रति प्राप्त हुई और रुका हुआ काम आगे चला, अपनी पितृ-

सेवा की निर्मल भावना और कर्त्तव्य-पालन के उपलक्ष्य में आयुष्मान्, श्रीवृद्धि और सफल जीवन के अनंत आशीर्वादों के निरन्तर अधिकारी हैं।

ख्यात के प्रथम दो भागों का प्रूफ-रीडिंग प्रायः प्रतिष्ठान के वरिष्ठ शोध-सहायक श्री पुरुषोत्तमलालजी मेनारिया ने किया है। इनका भी मैं आभारी हूँ।

साधना प्रेस, जोधपुर के व्यवस्थापक श्री हरिप्रसादजी पारीक का बहुत आभारी हूं जिन्होंने इस सुंदर रूप से ग्रंथ का मुद्रण ही नहीं किया, अपितु बहुत सावधानी से और बार-बार प्रूफ की भूलों को सुधारने में अमूल्य सहायता की है।

अन्त में राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान के सम्मानीय संचालक पद्मश्री मुनि जिनविजयजी महाराज का इसके प्रकाशन के लिए अत्यंत आभारी हूँ, जिनकी कृपा के फलस्वरूप यह महत्वपूर्ण ग्रंथ इस सुन्दर रूप में प्रकाशित हो सका है। और इसी प्रकार प्रतिष्ठान के उप-संचालक पण्डित गोपालनारायणजी बहुरा का आभारी हूँ जिनका मधुर व्यवहार और प्रकाशन के लिए हर संभव प्रयत्न सदा प्राप्त होता रहा है।

साकरिया - सदन
वल्लभ-विद्यानगर
रामनौमि, २०२४ वि.

प्रा. बदरीप्रसाद साकरिया

मुहता नैणसी री ख्यात, भाग ४]
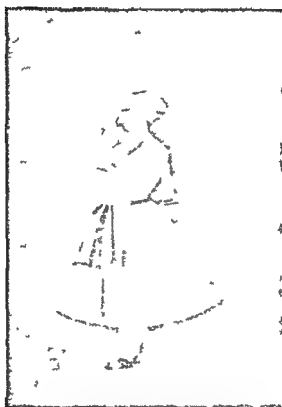
मुहता नैणसी

[नागरी प्रचारिणी सभा द्वारा प्रकाशित 'मुहणोत नैणसी की ख्यात' से सधन्यवाद पुनर्मुद्रित]

जोधपुर के महाराजा जसवंतसिंह-प्रथम के दीवान प्रसिद्ध ख्यात-लेखक मुंहता नैणसी

भूतपूर्व मारवाड़ राज्य के मालाणी परगने के इतिहास-प्रसिद्ध खेड पाटण नगर में गोहिल क्षत्रियों[1] के राज्य को नष्ट कर मारवाड़ मे राठौड़ राज्य की सर्व प्रथम नींव डालने वाले राव सीहा और उनके पुत्र राव आसथान हुए। राव आसथान के पौत्र राव रायपाल हुए। रायपाल के चौदह पुत्रो मे से सब से बड़ा खेड-पाटण का स्वामी राव कनपाल हुआ, जिसके एक भाई का नाम मोहण था। मोहण ने जैसलमेर मे श्री जिनचंद्रसूरिजी से जैन-धर्म स्वीकार कर लिया[2]।

---

१. राव सीहा के पुत्र राव आसथान ने इतिहास प्रसिद्ध खेड-पाटण के स्वामी गोहिल और उनके मन्त्रियों को भगाकर राठोड-राज्य की स्थापना इस नगर मे सर्व प्रथम की। (इसीलिये राठौड़ों की मूल शाखा खेड़ेचा कहलाई)। गोहिल और डाभी आसथान के आतंक से भाग कर सौराष्ट्र मे चले गये और वहां अपने राज्य कायम किये। ओझाजी ने लिखा है कि खेड या खेड़पुर 'क्षीरपुर' का अपभ्रंश रूप होना चाहिये। इस समय यह नगर खंडरों का ढेर है। केवल दो-एक पुराने मन्दिर शेष हैं। बड़े मन्दिर मे श्री रण-छोडराय की बड़ी भव्य और कलापूर्ण मूर्ति दर्शनीय है। मूर्ति की चोकी पर सं० १२३२ फाल्गुन सुदि २ सोमवार का लेख अङ्कित है। कुछ समय पूर्व श्रीऋषभदेव के मंदिर का एक तोरण प्राप्त हुआ है जिस पर सं० १२३७ मे विजयसिंहसूरि द्वारा इस तोरण की प्रतिष्ठा करवाने का उल्लेख है। एक मत के अनुसार मोहणोत शाखा के प्रवर्त्तक मोहणजी ने यहां ही जैनधर्म स्वीकार किया था।

२. भाटों की ख्यातों मे मुहणोत गोत्र की उत्पत्ति के विषय में लिखा है कि एक बार मोहनजी शिकार करने गये। उनके हाथ से एक गर्भवती हरिणी का शिकार हुआ। उसे मरते देख मोहनजी का चित्त व्याकुल होगया और वे खेड ग्राम की बावड़ी के पास आकर खड़े हुए। इतने मे ही उसी रास्ते से जैन यतिवर्य शिवसेनजी आ पहुँचे। उन्होंने मोहनजी को छळ छान पानी पिलाने को कहा। मोहनजी ने पानी पिलाया और हरिणी को जीवन दान देने के लिए यति महाराज से प्रार्थना की। यतिजी ने उसे जीवनदान दिया। मोहनजी ने उनको अपना गुरु माना और वि० सं० १३५१ कार्तिक सुदि १३ को खेड ग्राम में उनके द्वारा जैन-धर्म अंगीकार किया। इससे मोहनजी के परिवार वाले मुहणोत कहलाए।

—'हिन्दुस्तानी' पृ० २६७, मुहणोत नैणसी और उनके वंशज' नामक श्रीहजारीमल बांठिया का लेख और 'ओसवाल जाति का इतिहास' के 'ओसवाल जाति के प्रसिद्ध घराने' नामक खण्ड में 'मुहणोत' उपखंड पृ० ४६ एवं 'महाजन वंश मुक्तावली।'

अतः इनके वंशज भी जैन-धर्मावलंबी ही बने रहे और जैन-धर्म को मानने वाली प्रधान जाति ओसवालों में मिलकर अपने पुरखा मोहणजी के नाम से मोहणोत (मुहणोत) शाखा के ओसवाल कहलाये।

ओसवाल जाति में परिवर्त्तित होने पर भी आत्मीयता के कारण अपने राठोड़ वंश से मोहणोतों का कई पीढ़ियों तक राज्य-प्रबन्ध और संचालन-विषयक सम्बन्ध बना रहा।

मोहणजी से २०वीं या २१वीं पीढ़ी में नैणसी के पिता मुंहता जयमल हुए। जयमल ने महाराजा सूरसिंह और महाराजा गजसिंह के काल में मारवाड़ के जागीरी ठिकानों और राज्य के उच्च पदों पर रह कर मारवाड़ की बड़ी सेवाएँ की थीं[३]। महाराजा गजसिंह के समय वि. सं. १६८६ में यह मारवाड़ राज्य के दीवान बन गये थे[४]। यह बड़े दानी[५] और धार्मिक प्रकृति के होने पर भी बड़े वीर थे। इन्होंने फलोदी और जालोर आदि परगनों को मारवाड़ राज्य में पुनः मिलाने के लिये सेनाओं का संचालन किया था और विजय प्राप्त की थी।

मुंहता जयमल के पांच पुत्रों में नैणसी सब से बड़े थे। इनका जन्म जयमल की प्रथम पत्नी सरूपदे की कोख से वि. सं. १६६७ मिगसर सु. ४ शुक्रवार को

---

३. माधोदास केसोदासोत भलो रजपूत हुवो। सं० १६९४ रावळा थी गांव भवराणी गांवां १० सूं दीधी हुती। इणरा चाकर जैमल मुहणोत खानाजंगी कीवी जद भवराणी छोड़ सं० १६८८ मोहबतखां रै वसियो। पछै अमरसिंघजी रै। पछै राजा जैसिंघजी रै वसियो माधोदास।

—बांकीदास री ख्यात, बात सं० १८१४

४. मुहणोत श्री मांगीमल एडवोकेट, तथा श्री गोविन्दनारायण मोहणोत एडवोकेट द्वारा प्राप्त—'Brief family history of Mohnots' में दीवान बनने का सम्वत् १६९० दिया है।

५. जयमलजी का नित्य साधुओं को जलेबी बांटने का नियम था। जब उनका देहान्त हो गया तो साधुओं को जलेबी मिलनी बंद हो गई। तब किसी कवि ने कहा कि—

परालब्ध पलटया परा, दीजै किणनें दोस।
जैमल जळेबी ले गयो, साधां करो संतोस॥

—विश्वमित्र, पूजा दीपावली अंक, १९६१, श्रीरामनारायण मोहणोत, कलकत्ता के 'प्रशासक व इतिहासकार नैणसी' नामक लेख से।

बांकीदास ने भी अपनी ख्यात की बात सं० २१०३ में अनेक दाताओं के नामों के साथ मुहणोत जैमल, जालोर का नाम भी अच्छे दाताओं में गिनाया है।

हुआ था[१] । नैणसी अपने पिता की भाँति वीर और कुशल कार्यकर्त्ता तथा प्रवन्धक थे । इन्होंने महाराजा गजसिंह और जसवन्तसिंह-प्रथम के काल में कई लड़ाइयों का सचालन किया था । सम्वत् १६९४–९५ में बलोचो से फलोदी की लड़ाई, स. १७०० में राडधरा की लड़ाई हुई जिनमें विजय प्राप्त की । स. १७०६ में पोकरण का परगना बादशाह शाहजहाँ ने महाराजा जसवन्तसिंह को इनायत किया; पर उस पर जैसलमेर वालों का अधिकार था । महाराजा के कारबारियों के पहुँचने पर रावल रामचद्र ने अपना अधिकार छोड़ना स्वीकार नहीं किया । इस पर महाराजा जसवतसिंह ने राठोड वीर सैनिकों और नैणसी को सेना देकर भेजा[२] । लड़ाई के पश्चात् राठौड़ी सेना का पोकरण पर अधिकार हो गया । इधर रावळ मनोहरदास के बाद भी महाराजा ने नैणसी के साथ सबलसिंह की सहायतार्थ सेना भेजकर रावल रामचद्र को जैसलमेर से भगा दिया और सबलसिंह को जैसलमेर का स्वामी बना दिया । इस प्रकार कई लड़ाइयों मे नैणसी ने अपने अद्भुत साहस और युद्ध-कुशलता का परिचय दिया था ।

नैणसी विद्यारसिक, कवि और इतिहास लिखने के शौकीन थे ।

---

६. सवत १६६७ मिगसर सुद ४ वार शुक्र, घ० ४२ । गताच ६ मु० श्रीनैणसीजी जनम
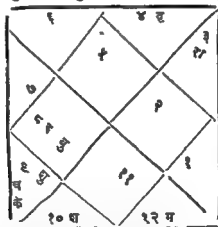
—हमारे निज के सग्रह 'विगत' में से और श्री मदनराव दौलतराम मेहता, जोधपुर के सग्रह में – 'सवत १७६२ रा मिती असाढ सुद ६ मुहणोत अमरसिंघजी री पोथी सूं' ।

७ स० १७०६ रा असाढ वद ३ जोधपुर सू फौज पोहकरण माथै विदा कीवी । राठोड गोपाळदास सुदरदासोत मेडतियो १, राठोड वीठळदास सुदरदासोत मेडतियो २, वीठळदास गोपाळदासोत चापो ३, नारखान राजसिंघोत कूपो ४, भडारी जगनाथ ५, मुणोयत नैणसी ६, सिंगवी प्रताप ७ ।　　—बांकीदास री ख्यात, बात स० ३२१

सम्वत् १७१४ में महाराजा जसवंतसिंह ने नैणसी की सेवाओं से प्रसन्न होकर मियां फरासतखां की जगह इन्हें अपने मारवाड़ राज्य का दीवान बना दिया। सं. १७२३ तक इस महत्वपूर्ण पद पर इन्होंने बड़ी योग्यता से काम किया।

महाराजा जसवंतसिंह को औरंगजेब की आज्ञा से प्रायः जोधपुर से बाहर रहना पड़ता था। उस समय राज्य के अपने सारे कार्य-भार को सम्हालने का अधिकार नैणसी को दिया हुआ था। राज्य को अच्छी सेवाएँ करने वाले को इन्हें गांव बख्शिश कर देने तक का अधिकार था। महाराजा ने अपनी अनुपस्थिति में महाराजकुमार की देख-भाल का काम भी इन्हीं को सौंप रखा था[८]।

कहा जाता है कि बाद में महाराजा इन पर खूब अप्रसन्न हो गये थे[९]।

---

८ दीवानगी के काम में नैणसी कितना विश्वस्त, सच्चा और ईमानदार था इस बात का पता महाराजा की ओर से लिखे गये पत्र से मालूम हो जाता है—

'सिधश्री महाराजाधिराज महाराजाजी श्री जसवंतसिंघजी वचनातु॥ मु॥ नैणसी दिसै सुप्रसाद वांचिजो। अठारा समंचार भला छै। थांहरा देजो। लोक, महाजन रैत री दिलासा कीजो। कोई किण ही सौं जोर ज्यादती करण न पावै। कांठा-कोरां री जापतो कीजो। कंवर रै डील रा पांणी रा जतन करावजो।

अरजदास थांहरी जोधपुर सूं फेर आई। हकीकत मालूम करी। थे जगनाथ लखमीदासोत नूं पटो दियो गांव ३ सु भलो कीनो।

—ओसवाल जाति का इतिहास : 'राजनैतिक और सैनिक महत्व' खंड, पृ० ४६.

९ नैणसी के ऊपर अप्रसन्न होने का कोई विश्वस्त कारण तो ज्ञात नहीं हो सका है; पर बात है यह सच्ची। कोई ऐसी राजनैतिक दांव-पेच की ही बात होनी चाहिए जिसके कारण इतने ऊंचे पद के विश्वस्त अधिकारी को ऐसी मौत का कारण बनना पड़े। श्री हजारीमल बांठिया ने अपने हिंदुस्तानी पत्रिका के लेख में लिखा है कि—

'जनश्रुति से पाया जाता है कि नैणसी ने अपने रिश्तेदारों को बड़े-बड़े पदों पर नियत कर दिया था, और वे लोग अपने स्वार्थ के लिए प्रजा पर अत्याचार किया करते थे। और इसी कारण महाराजा ने नैणसी तथा सुंदरसी दोनों बंधुओं को माघ वदि ६ (ता० २६ दिसंबर) को कैद कर दिया।'

श्री अगरचंद नाहटा ने 'वरदा' वर्ष ३ अंक १ में 'अपूर्व स्वामीभक्त राजसिंह खींवावत की ऐतिहासिक बात' में लिखा है कि—

'महाराजा जसवंतसिंह का नैणसी के ऊपर नाराज हो जाने का कारण प्रजा पर अत्यधिक हासल (कृषि-कर) वृद्धि कर देने के कारण प्रजा का राज्य छोड़ कर अन्यत्र चले जाना और जिससे गांवों का उजड़ जाना एवं जिसके कारण सात वर्षों में अठारह

महाराजा जसवंतसिंह छत्रपति शिवाजी को दबाने के लिये औरंगजेब की

लाख रुपयों की हानि होना बताया है। इन अठारह लाख रुपयों को नैणसी से दंड के रूप में वसूल करने की महाराजा ने आज्ञा करदी। नैणसी किसी भी प्रकार से रुपये देने को तैयार नहीं था। उसने तो एक पाई भी खाई नहीं थी। तब राजसिंह ने महाराजा से बहुत आग्रहपूर्वक प्रार्थना करके वह दंड तो माफ करा दिया, परन्तु महाराजा ने उसी समय नैणसी को दीवानगीरी से हटाकर उसकी जगह मिनें भंडारी को रख दिया और यह आज्ञा करदी कि भविष्य में मेरी कोई भी सन्तान किसी भी मुहणोत को राज्य-सेवा में नहीं रखेगी, ये देश और राज्य का बुरा चाहने वाले हैं।'

श्री रामनारायण मुहणोत कलकत्ता ने 'विश्वमित्र' दीपावली विशेषांक, १९६१ में इसके संबंध में बड़ी महत्वपूर्ण दो घटनाओं का उल्लेख किया है, जो इस प्रकार हैं—

(१) महाराजा जसवंतसिंह के बड़े पुत्र पृथ्वीसिंह की वीरता पर महाराजा को गर्व था। गर्व का परिणाम मजाक ही मजाक में यह हुआ कि पृथ्वीसिंह और बादशाह के एक जंगली सिंह की लड़ाई का खेल बादशाह ने देखना चाहा। प्रोग्राम बनाया गया। कुश्ती हुई, पृथ्वीसिंह ने बिना हथियार के शेर को चीर डाला। इससे पृथ्वीसिंह की वीरता की शोहरत और भी अधिक फैल गई। लेकिन औरंगजेब को बड़ी बेचैनी और ईर्षा हुई। पृथ्वीसिंह की इस वीरता के संबंध में कवियों ने बहुत कुछ कहा है। पृथ्वीसिंह के शिक्षक नैणसी थे। अतः पृथ्वीसिंह के साथ नैणसी भी बादशाह की आँखों में खटकने लगे। नैणसी के लिए भी बादशाह ने पृथ्वीसिंह के साथ ही साथ जाल बिछाना शुरू किया।

(२) *एक बार नैणसी ने एक बड़ी भारी दावत दी, जिसमें महाराजा जसवंत*सिंह भी आये। दावत की तैयारी और भव्यता महाराजा और औरंगजेब के दरबारी देख कर दंग रह गये। औरंगजेब के आदमियों ने यह अच्छा मौका देखा। उन्होंने महाराजा के कान भरे। महाराजा ने नैणसी से एक लाख रुपये की कबूलात के रूप में मांग की। नैणसी ने उस लाख रुपये की मांग को अपनी प्रतिष्ठा के प्रतिकूल और अपनी सेवाओं पर पानी फिराने वाला समझा। उन्होंने इनकार कर दिया और कह दिया कि—

लाख लखारां नीपजै, बड़ पीपळ री साख।
नटियो मूतो नैणसी, तांबो देण तलाक॥

(कबूलात उस प्रथा का नाम था जिसके अन्तर्गत राजा उसके राज्य के किसी भी जागीरदार अथवा प्रतिष्ठित व्यक्ति से अपनी मनचाही रकम मांग सकता था और वह उसे चुकानी ही पड़ती थी।)

नैणसी के कबूलात देने से इनकार कर देने के बाद उन्होंने जोधपुर में रहना उचित नहीं समझा और वह गुजरात की ओर चले गये तथा मार्ग में ही उनका देहान्त हो गया। उसी समय औरंगजेब ने महाराजा को गवर्नर नियुक्त करके काबुल भेज दिया और पृथ्वीसिंह को युवराज बना दिया। युवराज पद के उत्सव के समय औरंगजेब ने

आज्ञा से औरंगाबाद के थाने में नियत थे तब वि. सं. १७२३ में नैणसी और इनका भाई सुंदरसी भी महाराजा के साथ औरंगाबाद में गये हुए थे, वहां इन दोनों को कैद कर दिया और सं. १७२५ में दोनों भाइयों पर एक लाख रुपये दंड के लेने का निर्णय कर छोड़ दिया। परंतु इन्होंने दंड का एक पैसा भी देना स्वीकार नहीं कर के कैद में रहना ही उचित समझा। जब इन्होंने किसी भी प्रकार दंड देना स्वीकार नहीं किया तो महाराजा ने कैदी की ही हालत में इन्हें जोधपुर ले जाने की आज्ञा कर दी। देश में कैदी की हालत में लेजाने का यह अपमान इन्हें सहन नहीं हुआ और इससे भी अधिक मार्ग में महाराजा के मनुष्यों द्वारा तिरस्कार और कठोरतापूर्ण व्यवहार से इन्हें जीवन से ग्लानि हो गई। इसलिये ऐसे अपमानजनक जीवन से इन्होंने मरना अच्छा समझा। जन्मभूमि में पहुंचने के पहले मार्ग में फूलमरी गांव के पास वि. सं. १७२७ की भादों वदि १३ को दोनों भाइयों ने कटारें खाकर अपनी जीवनलीला समाप्त करदी[१०]।

नैणसी और सुंदरसी के दंड नहीं देने की इस घटना ने नट जाने की मनोवृत्ति वाले लोगों के लिये एक लोकोक्ति का रूप धारण कर लिया और जिसके कारण नैणसी जन-जीवन में अमर हो गये। जन-जन के जीवन में स्थान पाया हुआ लोकोक्ति का वह दोहा इस प्रकार प्रसिद्ध है—

> लाख लखारां नीपजै, बड़ पीपळ री साख।
> नटियो मूंतो नैणसी, तांबो देण तलाक[११]॥

पृथ्वीसिंह को विशेष प्रकार की पोशाकें पहनाई जिनके पहिनते ही पृथ्वीराज का काम तमाम हो गया। पृथ्वीसिंह की मृत्यु के समाचार से दुखी होने के कारण जसवंतसिंह की भी काबुल में मृत्यु होगई। नैणसी के कार्यों से प्रेरणा प्राप्त कर फिर वीर दुर्गादास ने जसवंतसिंह के परिवार और मारवाड़ को औरंगजेब के हाथों से बचाया।

१०. देखिये रामनारायण दूगड़ द्वारा अनुवादित 'मुहणोत नैणसी की ख्यात, द्वितीय खंड में ओझाजी द्वारा लिखित मुंहणोत नैणसी का वंश-परिचय' पृ० ९। हिन्दुस्तानी में 'मुहणोत नैणसी और उनके वंशज' लेखक श्री हजारीमल बांठिया, पृ० २७६ और 'ओसवाल जाति का इतिहास' के 'ओसवाल जाति के प्रसिद्ध घराने' नामक खंड में 'मुहणोत' उपखंड।

११. दोहे का भावार्थ इस प्रकार है—

'लाख लखारों के यहाँ मिलती है या वट और पीपल वृक्षों की शाखाओं में उत्पन्न होती है। यहाँ तो वह भी नहीं है। लाख रुपये दण्ड के रूप में की जो बात कही है—उसके

' कहा जाता है कि नैणसी और सुदरसी दोनों भाइयों ने जेल में अपनी ऐसी स्थिति से दुखी होकर परस्पर एक दूसरे को संबोधन करके वेदना-काव्य की रचना की थी, उसमें से दो दोहे प्रस्तुत हैं—

नैणसी—दहाड़ो जितरै देव, दहाड़ै बिन नहीं देव है।
सुर नर करता सेव, (अब) नेड़ा न आवै नैणसी॥

सुदरसी—नर रै नर आवै नहीं, आवै धन रै पास।
सो दिन आज पिछाणिये कहवै सुदरदास॥

नैणसी जिस प्रकार एक राजनैतिक, ऐतिहासिक और वीर पुरुष थे, उसी प्रकार वे एक अच्छे भक्त-कवि भी थे। इनके रचे हुए कई गीत और छंद जानने में आये हैं। यहां ईश्वर-स्तुति का एक डिंगल गीत दिया जा रहा है। गीत के भावों से पता लगता है कि यह रचना भी उनके बंदी-जीवन के समय की ही होगी[१२]।

गीत जातो गोरख मेहता नैणसीजी रो कह्यौ

सदा श्रीनाथ जिण नाम असरण-सरण, तारिया गयद अळ माझ तारण-तरण।
हाथ मत छोडियो सेण वेळां हरण, तो गिरधरण गिरधरण गिरधरण गिरधरण॥१॥
सास री आस जीवत सगळो जगत, अधो आकास पाताळ मांझी अवत।
थिरथियो अटळ ध्रुमंडळ देसो थिकत, तो दीनपत दीनपत दीनपत दीनपत॥२॥
मार मध कीट पहळाद जीतो समर, काज पहळाद हिरणंखि गजै गहर।
दड बळ जीपवा वीर-वीराधिवर, तो सखधर, सखधर सखधर सखधर॥३॥
कूड संसार विख सिंधु भरियो कहर, लोभ री लहर अजाद सुक्रत लैहर।
मयणसी भज सोइ नाथ करिवा निजण, तो साच हरि साच हरि साच हरि साच हरि॥४॥

करुणा से ओत-प्रोत भगवान श्रीकृष्ण से की गई प्रार्थना का गीत वास्तव मे बंदी-जीवन के कष्टों के कारण ही निकले अंतर के निर्मल उद्‌गार हैं। इस गीत के भाव, भाषा-सौष्ठव, वयण-सगाई अलंकार और रचना शैली आदि से

लिये तो नैणसी नट गया सो नट ही गया। एक पैसा भी देने की उसने तलाक ले रखी है।'

ऐसा ही यह एक दोहा दोनों भाइयों के नाम से प्रसिद्ध है—

लेसो पीपळ लाख, लाख लखारां लावसी।
तांबो देण तलाक, नटिया सुंदर नैणसी॥

१२. यह गीत राजस्थानी शोध-संस्थान, चौपासनी, जोधपुर के श्री सौभाग्यसिंह शेखावत ने भेजा है। लेखक इनकी सहृदयता के लिये आभारी है।

पता लगता है कि नैणसी एक उच्च कोटि के कवि थे और भक्त-कवि भी थे।

नैणसी और उनके भाई सुंदरसी को जेल में डालने, जेल से मुक्ति की एवज में एक लाख रुपये दंड किये जाने, किन्तु जीते जी दंड के रुपये नहीं भरने की नैणसी की कठोर प्रतिज्ञा और महाराजा जसवंतसिंह की ओर से दंड को माफ कर देने की, अथवा जेल में बंदी बना कर नहीं रखने की ओर कबूलात वसूल करने की ऐसी अनेक परस्पर-विरोधी इतिहास और लोक-विश्रुत बातों के अतिरिक्त एक यह भी आश्चर्यजनक और महत्वपूर्ण बात है कि महाराजा जसवंतसिंह ने इस दंड को माफ नहीं किया था और नैणसी और सुंदरसी के साथ उनके परिवार को भी कैद कर लिया था जिसे नागोर के सहदेव सुराना के द्वारा दंड वसूल करके छोड़ा था[13]। इससे मालूम होता है कि नैणसी और सुंदरसी का अपराध कोई साधारण अपराध नहीं था। बाल-बच्चों और कबीले को कैद में डाल देना किसी अवांछनीय असाधारण घटना या गंभीर अपराध का सूचक है। चाहे यह दोषारोपण ही हो, पर इसके मूल में कोई ऐसी आघातजनक बात जरूर होनी चाहिये, जिसे असत्य सिद्ध करने की दलीलें किसी समय के अत्यन्त विश्वसनीय दीवान नैणसी के द्वारा महाराजा को संतोष नहीं करा सकी होंगी, जिससे वे लाख रुपये के दंड के अपने निर्णय को बदलने के लिये किसी भी प्रकार राजी नहीं हो सके। और उनके बाल-बच्चे और स्त्रीवर्ग को कैद में डाल कर के एक तीसरे व्यक्ति से ही सही, उनके ऊपर किया गया दंड वसूल कर लिया गया।

किन्तु ओझाजी ने तो इतना ही लिखा है कि नैणसी और सुंदरसी के आत्मघात कर लेने से महाराजा जसवंतसिंह ने नैणसी और सुंदरसी के पुत्रों को भी छोड़ दिया। दंड वसूल करने या नहीं करने का कोई उल्लेख उन्होंने नहीं किया है[14]।

नैणसी के जीवन की ऐसी अनेक अनोखी घटनाओं में से एक घटना इनके एक विवाह के सम्बन्ध में भी कही जाती है। नैणसी जब जालोर पर अमल किए हुए थे तब इनकी सगाई बाड़मेर के कामदार कमा की बेटी कमला(?)

---

१३. राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर द्वारा प्रकाशित 'बांकीदास री ख्यात', बात सं० २१०६ (पृ० १७४)—

'नागोर रै सुराणै सहदेव पूहड़मलोत लाख रुपिया आपरा घर सूं राज में भर मुहणोत नैणसी सुंदरदास रा छोरू कबीला कैद सूं कढाया।'

१४. द्रष्टव्य, रामनारायण दूगड़ द्वारा अनुवादित 'मुंहणोत नैणसी की ख्यात' द्वितीय खण्ड श्री ओझाजी द्वारा लिखित 'मुंहणोत नैणसी का वंश-परिचय' पृ० ३।

से हुई थी। उस समय के राजाग्रो ग्रौर दीवानो के रिवाज के अनुसार इन्होने भी अपने प्रतिनिधि के रूप मे अपना खड्ग विवाह करने के लिए भेज दिया। नैणसी स्वय बरात बनाकर विवाह करने को नही गये। इस बात को कामदार कमा ने अपना अपमान समझा। उसने खड्ग के साथ दुलहिन की बजाय मूसल को भेज कर खड्ग की बरात को अपमानित करके लौटा दिया। इस अविवेक का परिणाम जो होना था सो ही हुआ। नैणसी ने बाडमेर पर आक्रमण कर दिया और लूट-खसोट करके उसको तहस-नहस कर दिया। बाडमेर उजड गया[१५]।

नैणसी कलम ग्रौर तलवार दोनो के धनी थे। उन्होने एक ग्रोर एक वीर की भाँति अनेक विकट घटनाग्रो ग्रौर युद्धों मे सरदारी की, दीवान बन कर मुसाहिबी की; तो दूसरी ग्रोर इतिहास की घटनाग्रो ग्रौर तथ्यो का सकलन कर 'ख्यात' ग्रौर 'मारवाड रा परगना री विगत' (गजेटियर या सर्व-सग्रह) जैसे बृहत् ग्रौर महत्वपूर्ण ग्रन्थो को लिख कर इतिहासकार के रूप मे इतिहास ग्रौर साहित्य दोनो क्षेत्रो मे बडी भारी सेवाएँ की। इतिहासकार इनकी प्रशसा ही नही करते, किन्तु इनसे प्रेरणा ग्रौर ग्राधार भी प्राप्त करते हैं। इनकी ख्यात इतिहास की दृष्टि से अन्य सभी ख्यात-ग्रन्थो से अधिक विश्वस्त ग्रौर महत्व-पूर्ण है। यही कारण है कि राजस्थान के सभी ख्यात-ग्रथो मे इस ख्यात ने सब से अधिक ख्याति प्राप्त की है।

नैणसी का 'मारवाड रा परगना री विगत'[१६] (सर्व-सग्रह) भी प्राय ख्यात जितना ही बडा ग्रथ है। यह मारवाड राज्य की सर्वेक्षण रिपोर्ट ग्रौर गजटियर है। उस काल का ऐसा महत्वपूर्ण ग्रन्थ साहित्य-जगत् में ग्रभी तक दृष्टिगत नही हुआ। इसमे उन्होने मारवाड के सभी परगने, परगनो के गाँव, गाँवो की आमदनी, जागीरी ठिकाने, उनकी रेख-चाकरी, भूमि की किस्म, इक-साखिया,

---

१५ मुहणोत नैणसी जाळोर ग्रामल जद बाडमेर रो कामदार कुमो जिणरी बेटी री सगाई नैणसीजी सू कीवी। नैणसी परणीजण मैं गयो, ('परणीजण न गयो' होना चाहिये) खांडो बाडमेर मेलियो। कमो मूसळ खडग सामो मेलियो। डायडो ग्रोर ठै परणायो। जिण कारण सू नैणसी बाडमेर हदवाट मेलियो। ('दहवाट मेळियो' होना चाहिये)। बाडमेर प्रोळ रै कगार रे काठरा किवाड हुता जिके माण जाळोर गढ री पोळ चढाया। सायद— 'बाहडमेर जुगां लग डूबो कमळा तणी कमाई।'

—बाकीदास री ख्यात : बात स० २१२५, पृ० १७६

१६. इस बृहत् ग्रथ का सम्पादन राजस्थानी शोध-संस्थान, जोधपुर के विद्वान् डाइरेक्टर डॉ० नारायणसिंह भाटी कर रहे हैं। पुस्तक मुद्रणाधीन है।

दु-साखिया फसलों का हाल, तालाव, कुएँ, कोसीटे, अरहट, गाँवों के जातिवार घरों की संख्या और उनकी आबादी और कृषक आदि जातियों की स्थिति का विस्तृत विवरण दिया है। आधुनिक जन-गणना में भी गाँवों की सभी प्रकार की स्थिति का इतना विस्तृत विवरण नहीं दिया जाता।[१७]

नैणसी के भाई सुंदरसी और आसकरण[१८] भी बड़े वीर हुए हैं। सुंदरसी प्रायः नैणसी के साथ ही रहा करते थे। वह महाराजा जसवन्तसिंह (सं० १७११ से सं० १७२३) के तन-दीवान (निजी मंत्री) भी रहे थे और कई लड़ाइयों में भाग लिया था।

नैणसी ने दो विवाह किए थे। पहला विवाह भंडारी नारायणदास की

---

१७ "......मध्ययुग में मुणोत नैणसी के द्वारा इस प्रथा (मर्दुमशुमारी) का आविष्कार देखकर बड़ा आश्चर्य होता है। आपने एक पंचवर्षीय रिपोर्ट लिखी थी। हमने इसकी हस्तलिपि आपके वंशज जोधपुर निवासी श्री वृन्दराजजी मुणोत के पास देखी थी। इसमें उन्होंने मारवाड़ के परगने, ग्राम, ग्रामों की आमदनी, भूमि की किस्म, साखों का हाल, तालाव, कुएँ, विभिन्न जातियों के वृत्तान्त आदि अनेक विषयों का बड़ा ही सुंदर विवेचन किया है।''''''संवत् १७२१ में सोवाणा की मर्दुमशुमारी हुई''''''महाजन ८१, ब्राह्मण २५, सुनार १०, कुम्हार २, भोजग ४, सुतार ४, तुर्क ४०, पिंजारा १, छीपे २, नाई १, ढेढ १६, थोरी २, जागरी १, राजपूत ६५, कुल २८३ घर आबाद थे। ''''''संवत् १७२१ में जोधपुर के हाट की दुकानें ८१५ थीं।''''''संवत् १७२१ आश्विन कृष्णपक्ष दशमी को परगनों की मर्दुमशुमारी की गई।'''—

नाम परगना	कुल ग्राम	आबाद	वीरान	सांसण
१. जोधपुर परगना	११६७	८०२¾	२२०¾	१४४
२. सोजत परगना	२४४	१७६	३२	३१
३. जैतारण परगना	१५२	१०५	२६	१८
४. फलोधी परगना	६८	४६	१०	६
५. मेड़ता परगना	३८४	२६८½	४०	४५½
६. सीवाणा परगना	१४४	६४	२०	३०
७. पोकरण परगना	८५	४१	२८	१६
	२२४४	१५६८¾	३७६¾	२६५½

'''''''''आपकी हस्तलिखित पंचवर्षीय रिपोर्ट से यह भी प्रतीत होता है कि उन्होंने मारवाड़ से संबंध रखने वाली सूक्ष्म से सूक्ष्म बातों का भी विवेचन किया है। यह रिपोर्ट क्या है, तत्कालीन मारवाड़ का जीता-जागता चित्र है।"

—ओसवाल जाति का इतिहास : 'मुणोत नैणसी और मर्दुमशुमारी' प्रकरण, पृ. ४७-५०

१८ 'चीफ फैमिली हिस्ट्री आफ मोहनोत्स' में उदयकरण नाम लिखा है।

पुत्री से और दूसरा मेहता भीमराज की पुत्री से हुआ था। दूसरी पत्नी से करमसी, वैरसी और समरसी नामक तीन पुत्र हुए थे। बड़ा पुत्र करमसी अपने पिता के समान ही वीर था। औरंगजेब के साथ महाराजा जसवंतसिंह और रतनसिंह की उज्जैन के निकट चोरनारायण की लड़ाई मे वह बड़ी वीरता से लड़ कर घायल हो गया था[१९]।

नैणसी और सुंदरसी के आत्मघात कर लेने के बाद जब इनका परिवार (नैणसी और सुंदरसी के पुत्रो आदि को) जेल मुक्त किया गया तो करमसी ने ऐसी उपेक्षित और अपमानित दशा में जोधपुर राज्य में रहना उचित नही समझा। वे राव अमरसिंह के पुत्र राव रामसिंह के पास नागोर चले गये। किन्तु दुर्भाग्य ने वहा भी इनका पीछा नही छोड़ा। कुछ समय बाद जब करमसी आदि रामसिंह के साथ शोलापुर गये हुए थे वहा रामसिंह की अकस्मात् मृत्यु हो गई। इनके सेवको ने यह झूठी अफवाह फैला दी कि करमसी ने इनको विष दे दिया है। रामसिंह के पुत्र इन्द्रसिंह ने करमसी को इस पर जीवित ही दीवाल में चुनवा दिया और इनके पुत्र आदि को बड़ी बेरहमी से मरवा डाला। यह घटना सं. १७३२ की कही जाती है। उस समय करमसी के दो पुत्र संग्रामसी और सामंतसी वहा से भाग कर किशनगढ आ गये और वहा से बीकानेर जा बसे[२०]। लेकिन महाराजा जसवंतसिंह के बाद जब महाराजा अजीतसिंह ने मारवाड़ राज्य पर अधिकार कर लिया तो उन्होने संग्रामसी आदि को बीकानेर से बुलाकर हाकिम जैसी राज्य की उच्च सेवाओ में नियुक्त कर दिया[२१]।

इस प्रकार नैणसी के पूर्वजो और वंशजो ने अनेक संघर्ष और संकटो को सहन करते हुए राज्य की जो सेवाएँ की हैं वे बड़ी महत्वपूर्ण हैं और इतिहास की उल्लेखनीय घटनाएँ हैं। इन सेवाओ के बदले मे इन्हे समय-समय पर जागीरें, जमीन, बाग, हवेलिया, पद, उपाधिया, खास रुक्के और रिआयतें इनायत होती रही है[२२] और मुसाहिब व मुतसद्दी वर्ग मे उच्च स्थान प्राप्त किये हुए हैं। इन सभी

१९ (अ) Brief family history of Mohnots (unpublished).

(आ) चोरनारायण का युद्ध ही संभवतः धर्मत का प्रसिद्ध युद्ध हैं। मारवाड़ का संक्षिप्त इतिहास, पृ. ३९८, पं० रामकर्ण आसोपा ने धर्मतपुर की टिप्पणी में लिखा है कि मारवाड की ख्यातो में चोरनराणा नाम लिखा है और कोई फतिया-बाद बतलाते है।

२०. श्री ओझाजी, 'मुहणोत नैणसी की ख्यात' द्वि० खंड नैणसी का वंश परिचय पृ० १-४

२१-२२. उपरोक्त और 'ब्रीफ फैमिली हिस्ट्री आफ मोहणोत्स' (अप्रकाशित)

सम्मानों को प्राप्त करने का कारण इनकी वफादारी तो है ही, पर नैणसी और उसके पुत्र करमसी का बलिदान भी मुख्य कारण है।

जोधपुर राज्य और महाराजा जसवंतसिंह-प्रथम के समय की वहियें, खरीते, फरमान, पट्टे, परवाने आदि रिकार्डों की जाँच से अथवा तत्कालीन गीत आदि साहित्य से तथा नैणसी के वंशज मोहणोत परिवार के पट्टे-परवानों आदि से नैणसी और उनके परिवार के सम्बन्ध में बहुत कुछ जानकारी प्राप्त होना संभव है। 'ओफ फैमिली हिस्ट्री आफ मोहनोत्स' (अप्रकाशित) में नैणसी और सुंदरसी एवं नैणसी के पुत्र करमसी के सम्बन्ध में कुछ विस्तार से जरूर लिखा है फिर भी अपूर्ण ही है।

नैणसी के वंशज जोधपुर के अतिरिक्त जालोर, किशनगढ़ और मालवा आदि स्थानों में भी स्थित हैं और वे अच्छी स्थिति में हैं।

---

[१]

गीत सांणोर ठाकुरां नैणसीजी रो

सझि दळां कोध नेसणसी सुंदर,
दळे वडा-वड मांझी दोय।
किरमर-हथा न पूजे कळहर,
कलम-हथा नह पूजे कोय ॥१॥

जुव जाणग मांणग जैमलका,
मुणसा गुर-सखतारा मोढ।
ईठ नको असमर-फल आवं,
आवै लेखण-फला न ईठ ॥२॥

भीच बिनै राजेरा मारी,
गहण उधारी घड ग्रहै।
जोड नको विणियांणी-जाया,
रांणी-जाया उरै रहै ॥३॥

[२]

गीत सांणोर नैणसीजी रो

विवेय कवी

सझि दळां कोध नैणसी सुंदर,
लाखां जिसा कहै जुग लोय।
जणणी हेकण किणी न जाया,
दोय बांधव सारीसा दोय ॥१॥

वीजो नको वीकपुर बूंदी,
ढाल-उथाळ नको ढूंढाड।
जैमल-रां सारीसा जोड़ो,
मारू नको, नको मेवाड़ ॥२॥

मेवासियां आसियां माथै,
जैत्राई कसिया जरद।
तढमल नको हिंदवै तुरकै,
मोहणोतां सारीसा मरद ॥३॥

दळ दिखणाध काळ धर उत्तर,
सह पूरब जोवतां सहोध।
दूजी धरा न दीठा दूजा,
जेसाहरा सरीसा जोध ॥४॥

[३]

गीत सांणोर मुंहणोत नैणसीजी रो

गड़ावोड़ गजराज घंट-रोळ पाखर गरर,
भँवरपल चमर छत्र आप भावी।
मारिया महण फोजां पखं महपती,
आवसै चीत गज फोज आवी ॥१॥
सोह दरबार री (दरबारी) दानि ऋन सरीखा,
लोह-रा-भँवर गज-फोज रा लाडा।
मालहरा त्रिनं चीतारसी पुरधरा,
आवती धीम नै हूंत आडा ॥२॥
जन मंत्री लालच वँधै गाजिया,
घणा दिन लगै चित घाट घड़सी।
धगड़ धड़ भाजण मंडोवर से-धणो,
चरड़ अचलाहरा चीत चढसी ॥३॥
त्रिविध घड़ भांजण जोध जैमलतरा,
सांइयरै वाग गैणाग सारे।
कायर्या बांभणां तणो कहियो करे,
मछर-गुर नैणसी सूर मारे ॥४॥
छत्रपती आय वणियो इसो आज छक,
ओरंग तोट पड़ ओतड़ै ऊर।
महाराजा जैसा इसा क्यु मारिजे,
सूरवर - आभरण नैणसी सूर ॥५॥

मुंहता नैणसी के सम्बन्ध के ये अज्ञात गीत और कवित्त बड़े महत्व के हैं। इन गीतों में नैणसी की वीरता, विद्वता आदि कई विशेषताओं के साथ अनेक युद्धों का संचालन करने, युद्धों में लड़ने और उनके स्वयं के मारे जाने के कारणों पर अच्छा प्रकाश पड़ता है। इन गीतों से नैणसी के सम्बन्ध में नये दृष्टिकोण उपस्थित होते हैं।

[४]

कवत मुहणोत नैणसीजो रा

यह सूतो भर निसह घोर करतो सादूळो ,
ओनींदो ऊठियो वडा रावता सफूलो ।
पोहतो तीजी फाळ गजड हाथळ तोलतो ,
मेछ दळा मूगला घात सीकार रमतो ।
मारियो सिरोही मुगल मिळ, खडग डसण घडच खळै ,
गडडियो सोह जैमाल रो, नैणसीह मारियो नळै ॥१॥

दाण भरै घरहरै भावा वाका ग्रस मिलसो ,
मुलक चूथ मुलतान सिसे मूळो गिल्लस ।
फिरसी कूजात जात जत लगा कवाई ,
वूव करै वीवजी भजो वे भजो भाई ।
पचनद परै अनहद वजै, असुरापण गमसो अलग ,
नैणसी कसै जैमाल रो, पिछम घर ऊपर पमग ॥२॥

नैणसी महाराजा जसवंतसिंह प्रथम के दीवान और ख्यात जैसे इतिहास-ग्रंथों के लेखक के रूप में तथा 'नदिया मूतो नैणसी' की लोकोक्ति को जन्म देने वाले के रूप में लोक में प्रसिद्ध हैं, परन्तु इनके अतिरिक्त उनकी अद्भुत साहसिकता और वीरता की कई अज्ञात घटनाओं पर भी ये गीत प्रकाश डालते हैं। नैणसी एक उच्च कोटि के कवि और श्रीनाथजी (श्रीबालकृष्ण) के भक्त थे । उनके स्वयं के रचे हुए बंदी-जीवन के करुणापूर्ण गीत से यह स्पष्ट है। यह गीत काव्य और भाषा की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है जो यथाप्रसंग दिया हुआ है । उपरोक्त गीतों में 'कोड नको विणियाणी जाया, रांणी-जाया उरै रहूं' के विरुद वाला नैणसी एक ओर 'फिरमर-हथा, असमर-झल, मछर-गुर, उधारी-धड़-ग्रहण और सुरधर-आभरण' जैसा अद्वितीय खड्गधारी योद्धा है तो दूसरी ओर 'कलम हथा, लेखण झल, आंषण, माणग और गुर-सवतारां' यदि विशेषणों वाला लेखन-धारी इतिहास-लेखक बहुज्ञ, बहुश्रुत, ऐश्वर्य और अधिकारों का उपभोग करने वाला और दातारों का गुरु है । इन सभी विशेषताओं वाला नैणसी वास्तव में एक युग-पुरुष था । 'जणणी हेकण किणी न जाया, बीय बांधव सारीसा दीप' नैणसी का भाई सुदरसी भी इन्हीं के समान शूरवीर और कवि था ।

ये गीत हमें श्री नाथूरामजी खडगावत, डाइरेक्टर, राजस्थान स्टेट आर्काइव्ज, बीकानेर से प्राप्त हुए हैं, अतः इनका बहुत आभारी हूं । सूचना के लिये श्री सौभाग्य-सिंहजी शेखावत का आभारी हूं ।

नैणसी के जीवन-प्रसंगों की प्रेस कॉपी भेज देने के बाद ये गीत हमें प्राप्त हुए हैं । अब यथाप्रसंग नहीं दिए जाकर यहाँ दिये जा रहे हैं ।—प्रा. बदरीप्रसाद साकरिया

महाराजा जसवंतसिंह - प्रथम

महाराजा जसवंतसिंह-प्रथम (वि. सं. १६८३-१७३५) के जीवनकाल में रचा गया यह महत्वपूर्ण ख्यात ग्रंथ और ख्यात-लेखक मुंहता नैणसी का इन महाराजा के साथ राज-कारणों के ऊंचे-नीचे और पारस्परिक संबंध ऐसे रहे हैं जिनसे महाराजा जसवंतसिंह के राज्य-काल में नैणसी के पूर्व और पश्चात् जितने भी राज्य के दीवान रहे हैं, उन सब में जितनी ख्याति नैणसी ने प्राप्त की है, उतनी किसी ने प्राप्त नहीं की। इसका कारण नैणसी की विद्वता, वीरता और योग्यता आदि तो है ही; किन्तु महाराजा जसवंतसिंह भी परोक्ष और अपरोक्ष रूप से एक कारण अवश्य हैं। नैणसी के जीवन के साथ इन महाराजा का मिष्ट और कटु उथल-पुथलों का इतना गहरा संबंध रहा है जितना अन्य किसी दीवान या राज-कर्मचारी के साथ कदाचित् ही रहा हो। इन संबंधों के विषय में अधिकांश बातें नैणसी की जीवनी के साथ उल्लिखित हो गई हैं। इसलिए उनके संबंध में यहाँ कुछ नहीं लिखा जा रहा है। नैणसी महाराजा के दीवान थे, इस पृष्ठिका को लक्ष्य में रख कर इनके संबंध में परिचय स्वरूप दो शब्द लिखना आवश्यक हो जाता है।

महाराजा जसवंतसिंह, महाराजा गजसिंह के दूसरे पुत्र थे; प्रसिद्ध वीर राव अमरसिंह प्रथम पुत्र थे जिनको नागोर की जागीरी मिली थी। महाराजा जसवंतसिंह का जन्म वि. सं. १६८३ माघ वदि ४ मंगलवार को बुरहानपुर में हुआ था।[1] बादशाह शाहजहां ने वि. सं. १६९५ को आषाढ़ कृ० ७ शुक्रवार

१. पं० रामकर्ण आसोपा द्वारा लिखित 'मारवाड़ का संक्षिप्त इतिहास, द्वि० खंड पृ० १८५ में महाराजा जसवंतसिंह की जन्म-कुण्डली इस प्रकार दी हुई है—
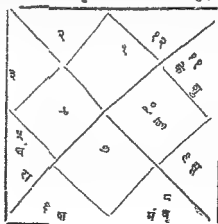
जोधपुर महाराजा जसवंतसिंह - प्रथम

(वि० स० १६८३ – १७३५)

[राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी के सौजन्य से प्राप्त]

को इनका राज्यतिलक आगरा में किया। महाराजा जब दूसरी बार (स० १७००) बादशाह की चाकरी में से मारवाड आये तो राडधरा (राष्ट्रधरा) के महेशदास के उत्पातो को शान्त करने के लिये नैणसी के पिता मोहणोत जयमल को भेजा था। जयमल ने महेशदास से लड़ाई करके राडधरा छीन लिया और उस पर महाराजा का अधिकार करके उसे मेहवे के रावल जगमाल को दे दिया था।

चादपोल के बाहर जोधपुर का प्रसिद्ध श्री रामेश्वर महादेव का मदिर इन्ही महाराजा ने स १७०८ में बनवाया था।

स. १७०९ मे महाराजा के पृथ्वीसिंह प्रथम पुत्र हुआ। जो जबरदस्त वीर था। इसी ने बादशाह के सिंह से कुश्ती करके बिना शस्त्र के उसको चीर डाला था। कहा जाता है कि बादशाह की ओर से इनायत की हुई विषाक्त पोशाक पहिनने से इसकी मृत्यु हुई थी। कोई कहते हैं कि शीतला रोग के कारण इनकी मृत्यु हुई थी।

स १७१४ मे प्रसिद्ध धर्मत (चोरनारायण) में महाराजा जसवतसिंह और रतलाम के रतनसिंह के साथ औरगजेब का भयकर युद्ध हुआ था। महाराजा जसवतसिंह घायल होकर जोधपुर को लौट आये थे। इसमें रतनसिंह और अनेक वीर योद्धा काम आये थे। इसी युद्ध में नैणसी का पुत्र करमसी भी घायल हुआ था। इसी वर्ष नैणसी महाराजा का दीवान बना था।

स. १७२५ मे महाराजा के प्रयत्न से शिवाजी के पुत्र शभाजी और शाहजादा मे सधि होकर शान्ति स्थापित हो गई थी। इसी वर्ष नैणसी और सु दरसी आत्मघात करके (दो वर्ष के) बदी जीवन से मुक्त हुए थे।

स. १७२७ में *महाराजा को बादशाह ने गुजरात के धधुका और पेटलाद* के परगने जागीर में दिये थे।

स. १७२८ मे जब औरगजेब ने गोवर्धन पर्वत के श्रीनाथजी के मदिर को गिराने की आज्ञा दी तो गुसाई दामोदरलालजी श्रीनाथजी के विग्रह को लेकर जोधपुर आये थे, उन्हे चौपासनी के पास कदमखडी मे रहने को स्थान दिया था।

स १७३५ की पौष वदि १० को जमरूद मे महाराजा का देहान्त हुआ।

यह महाराजा सस्कृत, ब्रज और मारवाडी के बडे विद्वान और कवि थे और वेदान्त के अच्छे पडित थे। इन्होने अनेक ग्रन्थो की रचना की है। जिनमे आनन्द-विलास, सिद्धान्त-बोध, अनुभव-प्रकाश, अपरोक्ष सिद्धान्त, सिद्धान्तसार,

ये पांचों ग्रंथ वेदान्त के हैं। आनंद-विलास संस्कृत रचना है। भाषा-भूषण साहित्य का अपूर्व ग्रंथ है।

जोधपुर के अनार इन्हीं महाराजा के कारण प्रसिद्ध हैं। इन्होंने काबुल से अनार, मिट्टी और बागवानों को लाकर कागा के बाग में अनारों के पेड़ों का रोपण करवाया था। कहते हैं कि जोधपुर के प्रसिद्ध कागजी नींबूओं का बीज भी इन्हीं महाराजा ने कहीं से मंगवा कर उनके पेड़ लगवाये थे।

महाराजा के पृथ्वीसिंह के अतिरिक्त तीन पुत्र और हुए थे। जगतसिंह, दलथंभन और अजीतसिंह। जगतसिंह भी दस वर्ष की ऊमर में ही चल बसा। दलथंभन और अजीतसिंह महाराजा के देहान्त के बाद जब रानियां जमरूद से दिल्ली आ रही थीं लाहोर में एक ही दिन में सं. १७३५ को चैत्र सुदि ४ को उत्पन्न हुए थे। दलथंभन भी रास्ते में ही चल बसा। दिल्ली आने पर औरंगजेब ने अजीतसिंह को मुसलमान बनाने या मार डालने की गरज से रानियों को नजरबंद कर दिया था और मारवाड़ पर बादशाही हुकूमत जमा दी थी। बालक अजीतसिंह को बड़ी मुश्किल से औरंगजेब की कैद से गुप्त रीति से दुर्गादास और मुकुन्ददास ने निकाल कर युवा होने तक सुरक्षित स्थानों में छिपा कर रखा था। मारवाड़ को बादशाही हुकूमत से मुक्त करा कर महाराजा अजीतसिंह को राज्य सिंहासन पर बिठाने के लिये वीर दुर्गादास के संचालन में मारवाड़ के राजपूत सरदारों को अनेक वर्षों तक संघर्षों का सामना करना पड़ा था। स्वामीभक्ति के ऐसे उदाहरण इतिहास में विरल ही मिलते हैं।

—प्रा० बदरीप्रसाद साकरिया

मुंहता नैणसीरी ख्यात

परिशिष्ट १

तीनों भागों की नामानुक्रमणिका

(१) वैयक्तिक (जीवधारी) – पुरुष, स्त्री व पशुनामावली

(२) भौगोलिक – ग्राम, देश, पर्वत, जलाशयादि नामावली

(३) सांस्कृतिक – ग्रंथ, संस्था, देवी, देवतादि नामावली

---

१. संकेत परिचय–

प० पहला भाग

दू० दूसरा भाग

ती० तीसरा भाग

दे० देखो

२ कुछ वर्णों के सम्बन्ध में–

(१) ल और ळ वर्णों का अनुक्रम एक वर्ण के समान और उसी प्रकार

(२) ड और ड़ वर्णों का अनुक्रम एक वर्ण के समान किया गया है।

(३) ळ वर्ण का प्रयोग शब्द के आदि में नहीं होता।

(४) शब्द के मध्य और अंत मे ल वर्ण का उच्चारण प्रायः ळ हो जाता है। कई जगहो में अपने सही रूप मे भी उच्चारण किया जाता है; किन्तु वहां अर्थान्तर हो जाता है।

(५) हिन्दी के आकारान्त शब्द (नाम) राजस्थानी मे प्रायः ओकारान्त होते हैं।

[१] पुरुष नामावली

अ

अंगराज प. २८८
अंतरिख सी. १७९
अंतरिख्य प. २८९.
अंधक दू. ३
अंबपसाव रावळ प. १२
अंबराय प. ११९
अंबराव प. १३५
अंबरीष प. ७८, २८८
अंबादित्य प. १०
अंबापसाव प. ५, ७९
अंबाप्रसाद प. ५
अंबुदेव राजा ती. १८६
अंबोपसा रावळ प. ७९
अंशुमान ती. १७८, २८८
अंसमान प. २८८
अंसुमान प. ७८
अकबर पातसाह प २१, ३०, ३२, ३९, १११, १५०, २५५, २६२, २९७, २९९, ३००, ३०१, ३०२, ३०४, ३१२, ३२०, ३२५, ३३१
,, पातसाह दू. ९८, २०५, २३८, २४०, २४२
,, पातसाह ती. २८, ५७, १८३, १९२, २०६, २३८, २४०, २४८, २६६, २६७, २७२, २७४, २७५, २७९
अको केलणोत दू. ३, १४३
अको चाचावत दू. ३३९, ३४०
अको राव दू. ११६
अक्तासु प. २८७
अखैराज प. २३५, ३५३, ३५४
,, दू. १२४, १९८, २००
,, ती. २३४
अखैराज ईसरदासोत दू. १९२
अखैराज जैता रो प. ३५३
अखैराज झालो दू. २६३
अखैराज ठाकुरसी रो प. ३६०
अखैराज डूंगरसी रो प. १२०, १२१
अखैराज दलपतोत दू. १२८, १३१, १३२, १४४
अखैराज धीरावत प. २३७
अखैराज पातळोत दू. १९४
अखैराज प्रथीराजोत दू. १२३
अखैराज भगवानदास रो प. ३०२, ३१०
अखैराज भावावत ती. ११६, १२०, १२१
अखैराज भैरावत दू. १८७
अखैराज रतनसी रो प. ३२७
अखैराज रायपाळोत दू. १५२
अखैराज राव प. १५५, १५६, १५७, १५८, १५९
अखैराज राव जगमाल रो प. १३५, १३७, १६१, १८९, १९०
अखैराज रावत कल्याणदे राजा रो प. २९५, २९६
अखैराज राव राजसिंघ रो प. १३६, १८९, १९०
अखैराज रावळ प. ३३५
,, ,, दू. १०९
अखैराज सहसा रो दू. १२०
अखैराज साह प. ९६

अखैराज सोनगरो प. २०, २१, २८, २०७, २०८
,, सोनगरो तो ३१, ६५, १००
अखैराज हाडो प १०६
अखैसिंघ प ३२२
,, तो २३०
अखैसिंघ रावळ प १०६
,, ,, तो ३६, २२०
अखो दू ८७, ७८, ६५
अखो गागा रो प ३६३
अखो दयाळदास रो प २३१
अखो नेतसी रो प २४०
अखो भाण रो प. ३४१
अखो राम रो प ३५८
अखो रायापळ रो प ३४१
अगर प २२, २५
अगरसिंघ प ३००
अगस्त प १२२
अगिनीवरण प ७८
अग्नवरण प २८८
अग्निवर्ण प ७८
,, तो. १७६
अग्न सर्मा प ६
अचल प ७८
अचळदास प ६७, ११५, १६५, २१२, ३२०
अचळदास दू ६६, १६१, १६२
,, तो २३१
अचळदास किसनावत दू १२५
अचळदास केसवदास रो प ३१३, ३१५
अचळदास खीची तो १३५
अचळदास जगमालोत दू १२१
अचळदास जैतसिंघोत तो २०५
अचळदास प्रागदासोत प. २३६
अचळदास बळभद्रोत प ३०७
अचळदास भाटी दू ६५, १०६, १७४, १६२
अचळदास माधोदासोत दू १४६
अचळदास रुघनाथ रो दू ११६
अचळदास लूणकरण रो प. ३१७, ३२०
अचळदास विक्रमादीतोत दू १३०
अचळदास सावतसीग्रोत प २३४
अचळसिंघ प. ३००, ३२४
अचळो प २७, ६८, ७८
,, दू ८५, १६८, १७८, १८२, १६७
अचळो खेतसी रो प. ३६०
अचळो नेतसी रो प २४०
अचळो मंडणासोत दू १८१
अचळो रायमलोत तो ११६, २४६, २४८
अचळो रिणमलोत दू. १२, १४१
अचळो सिवराजोत दू. १८०
अचळो सुरताण रो दू. १०४, १५६
अचळो सैंसा रो प ३२६
अज प ७८, २८८, २६२
,, तो. १७८
अजबसिंघ प २७, ६६, ८७, ३०५, ३०६, ३१८, ३२०, ३२१, ३२८
अजबसिंघ तो २२४
अजबसिंघ करणसिंघोत तो २०८
अजबसिंघ बिन्द्रावन रो प ३०६ ३०७, ३०८, ३१०
अजबो [illegible] ६६
अजमखान नवाब दू २०५
अजमल चूंडावत दू, ३१०
अजयपाल चक्रवर्ती प २६२
अजयभूपाल राणो तो. १७५
अजयवार दे० अजवाराह।
अजवार दे० अजवाराह।
अजवाराह तो २१६
अजसिंघ प ३२२, ३२४
अज सोहोजी रो तो २६
अजादित्य प. १०

अजीत मोहिल ती. १५८, १५६, १६०, १६७
अजीतसिंघ महाराजा ती. २१३
अजीत हाडो मालदे .त ती. २१६
अजु रावळ प. ७८
अजू दू. ३८, १०७
अजैचंद ती. १८०
अजैदेव प. २६१
अजैपाळ प. २६१, २८०, २६२
अजैपाळ गंध्रपसेन रो प. ३३८
अजैपाळ चक्रवै प. २६२
अजैचंघ प. २६२
अजैराव प. २५१
अजैवाह प. १२३
अजैसी प. १४, १५, १६३, १६४
अजैसी अजैपाळ रो प. ३३८
अजो प. ५१
,, दू. ७७, ८०, १००, ११७
अजो किसनावत दू. १४४
अजो चूंडावत ती. ३१
अजो (जांम) दू. २२४, २४०
अजो प्रथीराव रो प. २४३
अजो राजा रो दू. २६२
अजो सांवतसीयोत प. २३५
अटेरण दू. १, ११, १७
अड़माळ ती. १३८
अड़माल रिणमलोत दू. २३८
अड़राज ती. ४६
अड़वाल प. ३६१, ३६२
अड़वाळ चीहळ प. २२५
अड़वाल सोढो प. ३६१, ३६२
अद्रु प. १६
अणंद दू. १४३
अणंदसिंघ प. ३१६
अणंदसिंघ ती. २२६, २३०
अणंदसिंघ अनोपसिंघोत ती. २०८
अणखसी राणो रायसी रो प. ३४६, ३५२
अणघो दू. १०
अणतसिंघ ती. २२६
अणदो राव प. २८१
अणपाल सांणच दू. ५८
अणहल प. १०१, १३५, १७२, २३०, २५०, २५८
अतर प. १२३
अतिय प. ७८
अतिथि ती. १७८
अतिरथ प. २८८
अत्रि दू. ६
अद्रु प. १६
अदो वाघेलो प. १३७
अनंगपाल ती. १८७, २३८
अनंगराव प. १०१
अनंतपाळ प. २८६
,, ती. १८७
अनंतसी प. १४
अनंदराज प. ७८
अनरण्य ती. १७८
अनळ खीची प. २६४
अनादि प. २६१
अनाभि प. ७८
अनियो (अनो) भाटी दू. ५८
अनिरुद्ध (अनुरुध) दू. ६
अनिरुद्ध गौड़ प. ३३०
अनिरुध प. २१२
अनुरुध दू. १५
अनुरुध राजा गौड़ प. ३३०
अनूपरांम प. ३०८
अनूपसिंघ प. ३०६
अनूपसिंघ जुझारसिंघ रो प. २६८,३१०
अनूपसिंघ महाराजा ती. ३२, १७७, १८०, १८१, २०८ २०६
अनूपसिंघ सुरसिंघ रो प. ३२२
अनेकसाह ती. १८६
अनेकसिंघ राजा ती. १८६

अनेना ग २८७
„ तो. १७७
अनरण प ७८
अनोपसिंघ प. १३३, ३०९ ३२४
„ तो २२३, २३६
अपर डोडियो दू. २०५
अबदुला खा प १३१
अबदुलो प ५६, ५७, ५८
अबाबकर मुलतान तो १९१
अबुल फजल प १३०
अभगमसेन प ७८
अभग सेन प. ७८
अभीहड प. ३५२
अभैकरन प. ३०१
अभैचद तो. १८०
अभैमल पिथो रो तो १९०
अभैराम प ३०७, ३१०, ३२३
अभैराम तो. २२८
अभैराम अखैराज रो प ३०२
अभैराज धुधमार रो तो २१८
अभैसिंघ तो २३३
अभैसिंघ भाटी दू. ११०
अभो ऊदावत दू १४१
अभो खेतसी रो प. २४०
अभो भोजा रो प ३५४
अभो साखलो दू १८१
अभो सेखा रो प ३२७
अमर प ३४३
अमर जाडेचो दू २०९
अमर तेज प. २९२
अमरभाण प. ३२४
अमरवण प. २८९
अमरसिंघ प. १६०, ३२२, ३२४
„ दू. १९१
„ तो ३६, ३७, २२३, २२४, २२८, २३३, २३५, २३६
अमरसिंघ अणदसिंघोत तो. २०८
अमरसिंघ करणसिंघोत तो २०८
अमरसिंघजी दू १४६, १५७, १६०, १६३, १६५, १६७, १६८, १६९, १८३, १८८, १९३
अमरसिंघजी कुवर प. २०९, २३८, २४०
अमरसिंघ राणो प ६, १५, २४, २८, २९, ३०, ३१, ४८, ५३, ५६ ५७, ५९, ६२, ६३, ६४, ९२, ९५
अमरसिंघ रामदास रो प ३०३
अमरसिंघ राजा प १३३
अमरसिंघ राजावत तो ३५
अमरसिंघ राव तो १८२, २१४
अमरसिंघ रावळ दू ९३. ९५, १०८, १०९
अमरसिंघ सबळसिंघोत तो ३५, २२०
अमरसिंघ हरिसिंघोत तो २४९
अमरसी रावळ प. ७९
अमरसी सोमावत प ३४१
अमर सोहड रो प. ३४३
अमरो प ६८, १५७, १५९, १६४, १६६, १६७, १७२, १७३, १९५, १९७, २१२
अमरो दू. ३८, ८८, ९२, १२२, १७५, १७७
अमरो अहीर प. ३१८ ३१९
अमरो कल्याणमलोत तो २०६
अमरो केसोदासोत दू १६८
अमरो खगारोत प ३०६
अमरो पिराग रो प २३८
अमरो भाणोत दू १८६
अमरो भाखर रो दू. ७९, १६९, १९८
अमरो भोजावत प ३५९
अमरो रतनावत दू १६३
अमरो राणो दे० अमरसिंघ राणो।
अमरो राणो झालो दू. २५७, २६४
अमरो रूपसी भाटी दू १९८
अमरो सोढो प. ३६१

अमीखांन पठांण दू. २०५, २४०, २४१
अमीपाळ प. २८६
अमीरखांन दे० अमीखांन पठांण ।
अमृतपाल तो. १८८
अमेदसिंघ तो. २३०
अमर्यरा प. २८३
अमर्षण तो. १७६
अयुनायु तो. १७८
अरजण रायमलोत तो. ११५, ११६
अरजन प. २७, ३०, १६६, १६८, १६०, २६१, २८०
अरजन दू. ११, ८८, १३१
अरजनदे प. २६१
अरजनदेव तो. ५१
अरजन भींव रो प. ३३५
अरजन रांणो मोहिल तो. १५३, १६६
अरजन, राव मालदे रो बोहीतो दू. ६८
अरजनसिंघ प. ३२२
अरजुण सूरसिंघोत तो. २०८
अरजुन पांडव दू. ३५, ३६
अरड़कमल प. २०५
अरड़कमल कांधळोत तो. १५
अरड़कमल चूंडावत प. ३४८, ३४६
„ „ दू. ३१२, ३२४, ३२६, ३२७, ३२८
अरड़कमल चूंडावत तो. ३०
अरघविंव दू. १, ६
„ तो. ३७
अरसी प. २२५
अरसी रांणो प. १४, १५, ३२, ६८
अरसी रावळ प. ७६
अरसीह समरसी रो प. २०३
अरहड़ रावळ प. ७६
अरिमरदन प. ७८
अरुमक तो. १७८
अरोड़ भाखर दू. १७
अर्क तो. १७६
अर्जुन दे० अरजन व अरजुन
अर्जुनदे राजा प. १२६, १३०
अर्जुनपाळ राजा प. १२८
अर्जुनसिंघ तो. २२८, २२६, २३०
अर्द्धविंव दे. अरघविंव
अर्धसोम तो. १८५
अर्बुद दू. ३
अलइयो दू. २१५
अलखां प. ३२७
अलखो चांदरा रो प. ३१५
अलण प. २४७
अलवरो काकिल रो प. २६४, ३३२
अलफखां तो. २७४
अलमखां दे. अलफखां
अलाउदीन खिलजी प. ६, १४, १६३, २३०, २३१, २६२, २७६
अलाउद्दीन दे. अलावदीन पातसाह
अलावदी प. १४, २१३, २१६, २२०, ३३२, ३३५
अलावदीन पातसाह तो. २८, ५०, ५३, १८३, १८४, २६३
अलावदीन सुलतांण तो. १६०, १६१
अलावरदीखां तो. २७७
अलीखां दू. १०३
अलु प. ४, ५
अलैदियो दू. २०६
अल्लट महेन्द्र दू. ४
अवतारदे खोमरा रो प. ३५५, ३६१
अवलफजल प. १३०
अश्वमेघ राजा तो. १८५
असकरी कामरां प. ३००
असमंज प. ७८, २८८, २६२
असमंजस तो. १७८
अहमंद प. २६२
„ तो. १७, १८, ५७
अहमंदखांन तो. ५३
अहमंद चाहिल तो. १७

अहमदशाह सुलताण तौ १६१
अहिजन दू ७५, ७८
अहिनपु प ७८
अहिनाग प. २८८
अहिपय तौ १८७
अहिराव तौ २१८
अहीम तौ १७६

आ

आनो खीचो प २५३, २५४, २५५
आनो वाघेलो तौ ५६, ६०, ६३, ६८, ६६, ७०, ७२
आबा मालावत दू १७७
आबो राजसी रो, राणो प ३४६
आईदान दू ६६, २००
" तौ. २२७, २३३
आईदान ईसरदासोत दू १५१
आकडराय तौ ५१
आकूखां तौ. २७६, २७६
आजमखां दू २५६
आजमखान दू. २४०, २४१
आटेरण दू १७
आणद प ३५२
" दू ६५
आणदचद तौ १८७
आणद जेसावत दू १७८
आणदसिंघ प २६६, ३०७, ३१८ ३१६
आदित्य राजा तौ १८६
आदिसध तौ १८५
आनभराय प २८८
आपमल देवडो प १७८
आपमलसूरा रो प २००
आमत्र प २८६
आयसजी तौ २८३
आयोतास प २८८
आलण प १६२, १८६, २०२, २४७
आलण मादडेचो प २८४
आलणसी कुतल रो राजा प २६५, २६६, ३३०
आलणसी मेहराज रो प ३४८, ३४६
आल राजा उदेचद रो प ३३६
आलुस रावळ प १२
आलू दू ४, ५
आल्हण आसराव रो प १३५
आल्हण देवडो प २७५
आल्हण माणकराव रो प १७२ २०३, २३०
आल्हणसी थोजड रो प १३४
आल्हणसी सालसी मेहराजोत व ३२७, ३४८, ३४६
आल्हण सोहड प २२५
आल्हो चारण दू ३०४ ३०५, ३०६
आसकरण प २५ १६७, १६५, ३०५
" दू ६४
" तौ १४७, १४८, २२१
आसकरण ईसरदासोत दू १८६
आसकरण कला रो प १६०
आसकरण खेतसी रो दू १२३
आसकरण जसहडोत दू ४३, ४४, ५१, ५४, ५६, ७४
आसकरण झालो दू २५६
आसकरण भारावत दू १८८
आसकरण भीमावत तौ २१४ २१७
आसकरण राणो झालो दू २५६ २५७
आसकरण राजा प २६०, ३०२
आसकरण राव तौ ३६
आसकरण राव कान्ह रो दू १३६
आसकरण राव चद्रसेनोत प ७५
आसकरण रावत प ११७
आसकरण राव पूगळियो दू १३०, १३२, १३३
आसकरण रावळ प ७६
आसकरण लाडखान रो प ३२१
आसकरण सत्तावत तौ. ३८, ३६
आसथान प ३३३
आसथांन राव दू २७६, २७७, २७८, २७६

आसथांन राव ती. २६, १७३, १८०
आसपखां प. ३३०
आसमक राज प. २८८
आसराव प. १३४
,, ती. २२१
आसराव कालए रो दू. ३८
आसराव जिंदराव रो प. १०१, ११६, १३५, १७२, १८६, २०२, २०३, २२६, २३०, २४७, २५०
आसराव धारावरीस रो प. ३५५
आसराव रतनूं-चारण दू ५६, ७२, ७४
आसराव रिणमलोत ती. ३०
आसराव सोढो प. ३६३
आसल प. ३४३
आसल मोहिल ती. १५८, १७०
आसल लाखण रो प. २०२
आसादित प. ३
आसावुद्धि ती. १८६
आसो प. १२५, १६६, २३८, ३४३
,, दू. ३८, ६३, १६४, १६५, १८६, १६१, १६६, १६६
आसो (आसथांन) दू. २७६
आसो कचरावत प. ३५७, ३६०
,, ,, दू. १७४
आसो डाभी दू. २७६
आसो पूना रो प. २००
आसो प्रागदासोत दू. १८४
आसो भील ती. ५३
आसो मांना रो दू. २६४
आसो रांमचंदोत दू. १५६
आसो रायपालोत दू. १४५
आसो वरजांग रो प. २३२
आसो वरसिंघोत दू. १७३
आसो संकर रो प. २४३
आसो सांवळदासोत प. ३४३
आहड़ मोहिल ती. १५८, १७०
आहूठमा नरेश प. ६
आहेड़ ती. १५४

इ

इंदराव मोहिल दे. इंद्रवीर रांणो।
इंद्र ती. १७७
इंद्र फिलंग रो प. ३३६
इन्द्रचंद प. ३१६
इंद्रजीत प. १२६, ३१०
इंद्रपाळ प. २६०
इंद्रभांण प. ६८, ३२१, ३२४
,, ती. २३३
इंद्रभांण केसरीसिंघोत दू. १५७
इंद्रभांण जैतसी रो प. ३१५
इंद्रभांण पंवार प. ४४
इंद्र राजा परमार ती. १७५
इंद्रराव दे० इंद्रवीर रांणो।
इंद्रवीर रांणो ती. १५३, १६६
इंद्रसिंघ ती. २२१, २२४, २२६, २३५
इंद्रसिंघ मानसिंघ रो प. १३३
इंद्रसिंघ राणावत ती. ३२
इंद्रसिंघ राजर रो प. २४
इंद्रलवा प० २८७
इक्ष्वाकु प. ७८, २८७
,, ती. १७७
इखूक प. ७८
इवार प. २८८
इसमाइलखां दू. १०४

ई

ईंदो प. १५३
,, दू. ३१४
ईतपाळ सोलंकी प. २८०
ईलियो चावड़ो दू. २०५
ईसर प. १६८, ३५१
,, दू. ७८, १४४, १७८
ईसर कपूर रो प. १२१

ईसर जैसा रो प १९६
ईसरदास प. ६६, १६०, २८१
" दू. १२०, १२३
" ती. ११८
ईसरदास प्रथीराज रो प. ३५४
ईसरदास उदैसिंघोत दू. १३०, १३६
ईसरदास कल्याणदासोत दू. १५६
ईसरदास कूंपावत प ३१८
ईसरदास खेतसीओत दू ९३, ९४
ईसरदास जीवा रो प. २४१
ईसरदास जैमलोत प. ३२८
ईसरदास भोपतोत दू. १६०
ईसरदास मानसिंघोत दू १९३
ईसरदास मोहिल ती. ३१
ईसरदास राणावत दू. १५१
ईसरदास राणो भोजराज रो प. ३५५, ३५९
ईसरदास रायमलोत दू १८२, १८६
ईसरदास लूणकरण रो प. ३१९
ईसरदास वीरमदेओत दू १६६
ईसरदास वैरा रो प. २८१
ईसरदास सूजावत दू. १९१, १९२
ईसरदास सोढो प. ३६१
ईसरदास हरदासोत दू. १७९
ईसर पता रो दू. २००
ईसर बारहठ प. १५२
" " दू २२३, २३९, २४९
ईसर रायपाळ रो प. ३५१
ईसर वीरमदेओत प. ३२
ईसर सीसोदियो प. १११
ईसरीसिंघ ती. २२०, २३३
ईससिंघ प. २९०
ईसो बाभण दू. ३५, ३६
ईहड राणो प. १२४
ईहड सोळंकी ती. २५७
उगमणसीह सिखरोवत ती. ३०
उगरसेन प. ३२५
उगरो प १६३, १६८
" दू १२२, १६८
उगरो लिखमीदासोत प. २३९
उगसिंघ प. २९९
उग्रसेण चन्द्रसेणोत प. २३५, २३९
उग्रसेण नरसिंघदास रो प ३१९
उग्रसेण प. १९५, ३०४, ३०६, ३१७, ३२५
उग्रसेन प्रथीराजोत प. २९२
उग्रसेन केसोदास रो प ३१४
उग्रसेन छत्रसिंघ रो प २९९
उग्रसेन रावळ कल्याणमलोत प ७४, ७५, ७६, ७७ ८७, १२०
उछरंग ती २२१
उणगराव ती. २२२
उत्तम रावळ प. ५, ७९
उत्तमरिख प १९३
उत्तमसिंघ ती. २२४
उदय मोहा रो प. ३३९
उदय सीहड रूणेचा रो प. ३४२
उदतराज रावळ प १२
उदयसिंघ करणसिंघोत ती २०८
उदयसिंघ महाराणा ती. १७३, २०७
उदयसिंघ दे० उदैसिंह मोटो राजा
उदयसेन ती. १८७
उदयादित्य राजा ती १७६
उदैकरण राजा प ३१३, ३२९
" दू ९३
उदैकरण सवाई रो प. ३२३
उदैकरण (जवणसी) जुणसी रो प २९०, २९५, २९६, २९७, ३२९, ३३०
उदैकरण परसरामोत प. ३१६
उदैकरण रामनारणोत प ३५८

उदैकरण वेणीदास रो प. ३१३
उदैकरण राजा प. ३१८, ३२६
उदैकरण राजा ती. १७५
उदैकरण रायमलोत ती. १०२
उदैकर पद्मनेत्र प. ७८
उदैचंद राजा प. ३३६
उदैभांण प. ३२४, ३२७
,, दू. १६०
,, ती. २२८, २२६, २३०
उदैभांण ईसरदासोत दू. ६४,१०६
उदैभांण देवड़ो प. ३२, १५७, १५८
उदैभांण फरसरांम रो प. ३१६
उदैभांण रावळ प. ८७
उदैमल पिथोरो ती. १६०
उदैरांम प. ३०८
,, ती. २३६
उदैरांम ब्राह्मण ती. २७६
उदैसिंघ प. १६६, ३११, ३२८
,, दू. ८०, ८१, १६५, १८४, २०१
,, ती. २२६, २२७, २२६, २३१
२३७
उदैसिंघ अखैराजोत प. २०७, २११
उदैसिंघ कीरतसिंघोत ती. २१७
उदैसिंघ कूंभा रो प. ३१३
उदैसिंघ खंगारोत प. ३०६
उदैसिंघ गोपाळदासोत प. ३४३
उदैसिंघ जगमाल रो दू. ६८
उदैसिंघ जैमल रो प. ३१२
उदैसिंघ दूदोत प. १६६
उदैसिंघ पंचाइण रो दू. १२०
उदैसिंघ भगवांनदासोत दू. १७२
उदैसिंघ भादावत दू. १८८
उदैसिंघ भैरवदासोत दू. १६६
उदैसिंघ मालदेग्रोत दू. ६२
उदैसिंघ मोटो राजा प. १४२, १७०,
२०८, २१०, २३२, २३३, २३८,
२४१, २४२, २६७, ३००, ३०३,
३१२, ३२६
मोटो राजा दू. १२१, १२८
उदैसिंघ महाराजा जोधपुर ती. १८२,
२१४, २१७
उदैसिंघ रांणो प. ६, १५, १६, २०, २१,
२२, २३, २५, २६, २८, ३२, ३४,
३६, ४८, ४६, ५०, ५१, ५२, ६०,
६२, ७०, ७६, ८७, ६३, १०३,
१०४,१०८,१०६,११०,१११,११२,
१५०, १५७, १६०, २०७, ३४२
,, रांणो ती. ३१
उदैसिंघ रायमल रो दू. १२३
उदैसिंघ राव प. १६१, १६४
,, ,, ती. ३६
उदैसिंघराव रायसिंघ रो प. १३५, १३७,
१३८, १३६, १४१
उदैसिंघ रावळ प. ७६
उदैसिंघ राव वाघोत सीकूंपुर धणी दू.
१३०, १३१, १४१, १४४
उदैसिंघ विजा रो प. ३५८
उदैसिंघ वीठळदास रो प. ३०८
उदैसिंघ साहिब रो प. ३५८
उदैसिंघ सूरजमल रो प. १०६
उदैसी ती. १२४, १२६, १२७
उदैसीह अरसी रो प. २०३
उदोतसिंघ ती. २१७
उद्धरण राजा प. २६७
उधरण दू. १०३, १०४, १२१, १२६
उधरण अनवी प. १२३, १२४
उधरण गेहलोत प. २००
उधरण भोजदेओत प. २३१
उधरण वणवीर रो प. २६०, ३१३
उधरण सारंग रो प. ३५१
उधरसिंघ प. ३२२
उपलराई प. ३३७

उपल राजा ती. १७५
उरक्रिय प २८६
उरजण नरबद रो प. ५०, १०६, ११०
उरजन प १६४, १६७, ३६२
,, दू ८०, ११६, १६६
उरजन कचरावत दू १८५
उरजन गोपाळदास ऊहड़ रो दू ६६
उरजन नरबद रो दे० उरजण नरबद रो
उरजन पचाइणोत प २३७
उरजन महेसदासोत दू १७०
उरजन विहळ प २२४
उरजन सत्तावत दू १४५
उरजन सोढो प ३६२
उसं राजा प २६३

ऊ

ऊगम प ३६१
ऊगमडो ईंदो प ३४६
ऊगमडो ईंदो दू ३४२
,, ,, ती २५१, २५६, २६६
ऊगमसी रांणो दे० ऊगमडो राणो।
ऊगो पिथ रो दू ३८
ऊगो मेहवचो दू १६४
ऊगो वैरसी रो दू २, ८१
ऊवळ भाटो दू ६६
ऊदो प १६, १७, ३६, ५१, ५२, ६८, १०१, २३६, २८१, ३५१
,, दू ८०, ८४
, ती २३५
ऊदो ऊगमणावत ती २५२, २५६, २५७, २५८, २५६, २६१, २६२, २६३, २६४, २६५
ऊदो करण रो प ३४३
ऊदो कू भावत प ३६, ५१
ऊदो गोगादेम्रोत दू ३१७, ३१६, ३२०
ऊदो चाद रो प ३३१
ऊदो जेता रो दू १४१
ऊदो जेसा रो प १६६
ऊदो डूगरसीम्रोत दू १७८
ऊदो त्रिभुवणसीम्रोत दू ३१४, ३१५
,, , ती २४
ऊदो भैरवदास रो प २४०, २४१
ऊदो माना रो प ३६०
ऊदो मू जावत प ३४६, ३४७, ३५२
ऊदो मूळावत दू ३००, ३०१
ऊदो रांमावत प. १६६
ऊदो रामावत दू १६४, १७३
ऊदो रायपाळ रो प ३५१ ३५३
ऊदो रायमलोत प ३५६
ऊदो राव लाखा रो प १३६, १४२, १५८
ऊदो लाला रो प ३१८
ऊदो सुरताण रो सोळंकी प २८१
ऊदो सोळंकी दू १०७
ऊदो हमीर रो प ३५६, ३६०
ऊदो हिमाळा रो प २४४
ऊधो साला रो प ३४१
ऊनड़ जाम दू २१५, २१६ २३१ २३७, २३८
ऊनड़ भाटो दू ३
ऊनड़ मूळराज रो दू ५४, ६६, ६७
ऊमजी ती. २३३
ऊहो दू ६६

ऋ

ऋतुपर्ण ती १७८

ए

एलविल ती १७८

ओ

ओभड़ प १४
ओठो दू. २०६
ओढो दू २०६
ओढो रावण दोदो दे ओढो रावण दोदो।
ओसल राजा ती १८७

औ

औरंगजेब पातसाह प. २६
" " ती. १६२, २१४, २३८
औरंगसाह आलमगीर दे. औरंगजेब पातसाह ।

क

कँवरपाळ सोळंकी प. २६०, २६१
कँवळ दे. कमळ
कँवरसाल भैरू रो प. ३२५
कँवरसी प. ३५२
कँवरसी ऊहड़ दू. १००
कँवरसी रांणो खींवसी रो प. ३४६
कँवळसी प. १२४
कंसेन प. ७८
कउकुस्त प. २६२
ककड़ प. १४
ककुरथ प. ७८
कचरदास प. २७
कचरो प. २००, ३४३
कचरो दू. ८८, १३१, १४३
कचरो छवैसिंघ रो प. ३१२
कचरो गोयंददासोत दू. १८०
कचरो जैसा रो प. २८, ६८ १६५, ३५७
कचरो जैसिंघदे रो प. २३२
कचरो देईदास रो प. २३३
कचरो पीथावत दू. १६०
कचरो मेहाजळोत दू. १७४
कचरो संसारचंद रो दू. १८४
कचरो सांगा रो प. ३१५, ३१७
कड़वराव रांणो प. १२३
कनकसिंघ प. ३०६
कनकसेन प. ७८
कनीदास प. ३२६
कनीराम ती. २३३
कनीरांम दलपतोत प. २३५
कन्ह प. २८, १६२
कन्ह पंचायणोत प. २१
कन्हीदास (कान्हीदास) दू. १२०, १५१
कपिल मुनि दू. २१६
कपूर प. १२१
कपूरचंद दासा रो प. ३१८
कपूरो मरहठो दू. ४७, ४८, ४६, ५०, ६७
कमधज धुंधमार रो ती. २१८
कमरो प. ३००
कमळ प. ७७, १२२, १८६, २८०, २८७, २६२
" दू. ६
" ती. १७५
कमलादित्य प. १०
कमालखो दू. ४६, ४७, ४६, ५०, ५१, ५२, ५४, ६६, ६७
कमालदीन ती. ३३
कमालुद्दीन दे. कमालखो
कमो प. २७, ६८, ६६, १५६, ३४३
" दू. २१५
कमो कल्याणदास रो प. ३४३
कमो केलण रो प. १६८
कमो घोरंधार दू. १२
कमो बुध रो दू. १४०
कमो भैरव रो प. १६६
कमो मदा रो प. १६७
कमो रूपसी रो प. ३५६
कमो सीसोदियो रतनसी रो प. ५०
कमो सोळंकी दू. १०७
करण प. ५, १३, ३०३, ३१५, ३५३
" दू. ६६, ८२, ८४, ६०, ११६, १२२, १२५, १८२
" ती. २२१
करण अखैराज रो प. ३५३
करण कान्हावत दू. १७७
करण गिरधरदासोत प. ३०५

करण गेहलो प २६१
,, , ती ५०, ५३, १८४
करण देईदासोत दू १६६
करण पोधो दू २०६, २१०
करण मांनसिंघोत दू १६१
करण रणमलोत ती २२६
करण रतना रो प ३४३
करण रांमचंदोत दू १२८ १६६
करण राजा दू १३६
करण राव (बीकानेर) दू १३२
करण रावळ प ३५२
,, , दू १०, १४, ३६, ७५,
९६, १२१, १३०
करण वैरसल रो प १६६
करण सकतसिंघोत दू १५५
करणसिंघ महाराजा ती. १८ ३१, १८०
१८१, २०८, २१०
करणसिंघ राव ती ३७
करण सूरजमल रो प १६०
करणावित रावळ प ५, १२
करणावित्य प १०
करणो ठहुरियो प १३२
करन प १४, २१, ६३ ६६, ७०, १२८,
१४२, १५६, १६१, १६४, १६६,
१६७, १६८ १६६, २०६, २३८,
२६०, २८०, ३०३
करन कान्हा रो प ३५२
करन गेहलो प २६१
करन चतुरभुज रो प ३४३
करन पताघत प ६७
करन महाराजा प १२८
करन, रतनसी रो भाई प २१
करन राणो प ६, १५, ३०, ३१
करन रावळ प ५, १३, ७६
करन वीसावत प १६८
करम (करमसी) रावळ प ७६
करमचंद प २१, १०६, १२२
,, दू ६६, ७६, ६१, ६६, १२४,
२०१
करमचंद अचळा रो प ३२६
करमचंद कल्याणोत ती २०१
करमचंद केलण रो प २०५
करमचंद जगनाथ रो प ३०१
करमचंद दासा रो प ३१४, ३१५
करमचंद नरहरदासोत दू १६६
करमचंद रावत ती १७६
करमचंद वरसिंघ रो दू १२७
करमसिंघ ती. २२१
करमसी प २६, १५६, २२६, ३२६
,, दू १२४, २६४
करमसी अचळावत दू १८६
करमसी आसियो खींवसरोत प १६१
करमसी कहड दू १००
करमसी कल्याणदास रो प ३११
करमसी खींवा रो प ३४१, ३४२
करमसी चहुवाण प ६७
करमसी जोधो प ११६, ११७, १६८,
१७४, १७६
करमसी जसवीर रो प २०३
करमसी राजसी रो प ३४६
करमसी रायसिंघोत दू १६३
करमसी रावत दू ८६, ८७, ८८
करमसी रावळ प ७६
करमसी लूणकरणोत ती २०५
करमसी वीकावत दू १७३
करमसी सहसमल रो प ३२५
करमसी साखलो, हरिभक्त प ३४२
३४६
करमसेन प २६, ३२४
,, दू १२३, १५२, १८६, १६३
,, ती. २२३
करमसेन राव दू ६५

करमो प. ६६, २४७
„ दू. ८०, ८१
करमो सेखावत प. १६५
करहीरो दू. २२६, २३०
करहो घुंघमार रो ती. २१८
कर्ण प. २१, २८, १६०, १६२
कर्ण वाघगदे रो ती. ३३
कर्णदेव ती. ५१
कर्मादित्य प. १०
कलंकी राजा ती. १८७
कलकरण केल्हण रो दू. ११६, १४४
कलकरण केहर रो दू. २, ७६, ७७, १५२
„ „ ती. २०, ३४, १०४, २२१
कलमव राजा प. २६२
कलस सर्मा प. ६
कलादित्य प. १०
कलिकर्ण दे. कळकरण
कलो प. ६७, १६७, १७१, १७२, २३६, ३२६, ३४१
„ दू. ७७, ८५, १४३, १६६
कलो अखैराज रो प. ३२७
कलो केसोदासोत दू. १६८
कलो गांगावत दू. १६१
कलो ठाकुरसी रो दू. १६२
कलो भाटी दू. ६६, ७७, ६६
कलो भुजबळ रो प. १६४
कलो रतनावत दू. १३८
कलो रांमसिंघ रो प. ३६१
कलो रांमावत प. १६६
कलो रायमलोत दू. १८२
कलो राव मेहाजळ रो प. १४५, १४६, १४७, १४८, १६०, २४६
कलो रावळ दू. ७७, ६३, ६६, ६८, १०४
कलोर्लसिंघ ती. १६०
कलो वरसिंघ रो दू. १२७
कलो वीदावत ती. १२४
कलो वीसळ रो प. २०१
कलो संसारचंद रो दू. १८४
कलो सांवतसीओत प. २३५
कलो साहरण रो प. १०१
कलो सिवराज रो प. ३५६
कल्यांण प. २७, २६०
कल्यांण किसना रो प. ८७
कल्यांणदास प. २५, २८, ३०७, ३२७, ३४३
„ दू. १५०, २६४
„ ती. २२५, २३६
कल्यांणदास उग्रसेणोत प. ३२०
कल्यांणदास करणोत प. ३२०
कल्यांणदास किसनदास रो दू. १२७, १२८
कल्यांणदास नारायणदासोत प. २४६, ३४३
कल्यांणदास प्रथीराज रो प. ३११
कल्यांणदास भांणोत प. २११
कल्यांणदास भाखरसीओत प. १६६
कल्यांणदास भाटी ती. १८
कल्यांणदास राजधर रो दू. १७७
कल्यांणदास रार्जसिंघ रो प. ३०३
कल्यांणदास रायमलोत दू. १७३
कल्यांणदास राव दू. ८६
कल्यांणदास रावळ दू. ७६, ६८, १०२, १०३
„ „ ती. ३५
कल्यांणदास लाडखांन रो प. ३२१
कल्यांणदे राजादे रो प. २६४, २६५, २६६, ३०१
कल्यांणमल प. १५६
„ दू. १००
„ ती. १०१, १०२
कल्यांणमल उदैकरणोत ती. १५१, १५२
कल्यांणमल जैतमालोत प. २२
कल्यांणमल फतैसिंघ रो प. ३१८

कल्यांणमल राव तौ १७, १८, ३१, १८०, १८१, २०५, २०६, २०६

कल्यांणमल राव ईडर रो दू २५६

कल्यांणमल रावळ दू. ११

कल्यांणसिंघ प २६ ४५, ३०५, ३०६, ३२१, ३२३, ३२४

" तौ २३५

कल्यांणसिंघ मानसिंघोत प २६१, २६६

कल्लो प १६६

कल्लो रायमलोत तौ २१४, २२०, २७२

कवरो प ३६२

कवाड दे कंवाड

कस्तूरियो मृग (बिजो ई थो) दू ३४२

कश्यप प ७८, २८७, २६२

कश्यप तौ १७५

कहनी राजा प २६३

कहवाड दे कंवाड

कागडो बलोच दू ५५

कांतिसेन तौ १८६

कापडनाथ जोगी दू २१४

कांधळ प ६६, १६५

कांधळ आलेचो प २१७, २१८, २१६

कांधळ ओलेचो (आलेचो) तौ २६३, २६४

कांधळ कचरा रो प १६५

कांधळजी तौ १५ २१, २२

कांधळ देवडो प २२४

कांधळ भुजबळ रो प १६५

कांधळ मेहा रो प ३४१

कांधळ रिणमलोत दू ३३५, ३४२

" " तौ १६१, २२६

कांधळ सिवदासोत दू १४५

कांन प. २७, ६८, १५६, १६०, १६१, १६३, १६४, १६७, २०५

कांन किसनावत दू १६४, १७३

कानड प २८१

कांनडदास प ३०६

कांनडदे प १४

कानडदे भाटी दू. ५२, ५४, ६६, ६७

कांनडदे मेर दे कांनो मेर

कांनडदे राव राठोड दू २८०, २८१, २८२, २८३

कांनडदे रावळ प २०४, २१३, २१६, २१७, २१८, २१६, २२०, २२१, २२२, २२३, २२४, २२५, २३०, २३१

४०, ४१, ४२

कांनडदे सांवतसीओत सोनगरो दू ३६, ४०, ४१, ४२

कांनड भाटी दे कानडदे भाटी

कांन राव रायमलोत प २५६

कांन सीसोदियो प ६६

कांनो प २००

कानो आलेचो प २२४

कानो खेतसी रो प ३६०

कांनो गोपाळदासोत दू १८६

कांनो चारण प ३०७

कांनो मेर दू २७७, २७८

कानो सोढो दू १३५

कांन्ह प २१२, ३०७

" दू १५, ७७, ८१, ८८, ८६, ६३, ६६, ६७, ११६ १२३, १२४, २६२, २६४

" तौ २६

कांन्ह अखेराज रो प. ३२७

कान्ह कल्याणदास रो प ३१२

कांन्ह कल्यांणोत तौ २०५

कान्ह केल्हणोत तौ ३०

कांन्ह तेजमालोत दू १२५

कांन्हड (बंस०) तौ २२१

कांन्हडदे राव तौ २३, २४

कांन्हडदे रावळ प १४, १८१

कांन्हडदे सोनगरो तौ २८, १८४, २६३, २६४

कांन्ह दूदावत दू. १९७
कांन्ह भगवंतदास रो प. २६१, २६६
कांन्ह भोपतोत दू. १६१
कांन्ह रांणो झालो दू. २६५
कांन्ह राठोड़ रायसलोत प. ३२२
कांन्ह राव (कनपाल) ती. १८०
कांन्ह राव जेसा रो दू. १३६
कांन्ह राव पूगळ रो ती. ३६
कांन्ह सहसा रो प. ३१४, ३१६
कांन्हसिंघ जेतसीयोत प. २३७
कांन्ह सिंघ रो दू. २६४
कांन्ह सूजावत दू. १५१
कांन्हीदास प. ३२०
कांन्हीरांम दे. फतीरांम
कांन्हो प. १५, २१, १२०, २३५, २४२
कांन्हो दू. १७६; १६३, २००
,, ती. १६, २०, ३१
कांन्हो आंबावत दू. १७७
कांन्हो कोळी दू. २५६
कांन्हो चूंडावत प. ३५३
,, ,, दू. ३१०, ३१३, ३१४, ३३६
कांन्हो जांझणोत प. २३६, ३५७
कांन्हो तेजसी रो प. ३५८
कांन्हो पंचाइणोत प. २०७
कांन्हो मेर दे. कांनो मेर
कांन्हो सादूळ रो प. ३१५
कांन्हो हमीरोत दू. १८०
कांमकामचंद राजा ती. १८८
कांमरां दे. कुंवरो
कांहियो दू. २१५
काकस्त प. ७८
काकिल राजा प. २९३, २९४, २९६, ३३२
काकिलदेव प. २९०
काकुस्त प. २८७
काकुस्थ प. २८७; २९२
काबो प. ३३७
कामपति सर्मा प. ६
कारतन राजा प. ३३६
कालण रावळ दू. १०, ३८, ३९, ६४
काळमुधो दू. १०३
काळसेन राजा ती. १७५
काळो गोहिल दू. ३२६, ३२७
काळो चोर प. २७२
काळो टीवांणो दू. ३१४, ३१५
काल्हण जेसळ रो दू. २, १५, ३९, ६२
,, ,, ती. ३३, ३४, २२१
काश्यप प. २९२
कासिब प. २९२
किरसो आहेड़ोत ती. १५४
किलंग प. ३३६
किसन प. २७, १२१
किसनचंद प. ३१९
,, दू. ६२
किसनचंद राजा ती. १८९
किसन चूंडावत दू. १४४
किसनदास प. १६०, १६४, ३१३
,, दू. ८८, ९०, १२३, १३६
,, ती. २२६, २३१
किसनदास अखैराजोत दू. १८७
किसनदास करमचंद रो दू. १२७
किसनदास पंचाइण रो प. ३०७, ३०९
किसनदास मेघराज रो प. ३५६
किसनदास रायमलोत दू. १५९
किसनदास राव लूणकरण रो प. ३१६
किसनदास सूजा रो प. ३१३
किसन भाटी बळूओत दू. १०७, १२४, १३४
किसन साह प. १२६
किसनसिंघ प. २५, ३१, २३५, २४७, ३०६, ३११, ३२०, ३२५, ३३०
,, दू. ९५, ९७, १३३, १३६, १५१,

१६५, १६६, १६८, १७१, १७४
,, ती. २२३, २२४, २२५, २२८, २३०, २३१, २३२
किसनसिंघ उदैसिंघोत दू १५५
किसनसिंघ खगारोत प ३०६, ३०७
किसनसिंघ गिरधर रो प ३२२
किसनसिंघ जूझारसिंघ रो प. २९८
किसनसिंघ रामचदोत दू १५८
किसनसिंघ राजसिंघ रो प ३०३
किसनसिंघ राजा ती २१७
किसनसिंघ रायसिंघोत ती. २०७
किसनसिंघ रावत प. ३१६, ३१७
किसनसिंग लूणकरणोत ती २०५
किसनसिंघ वाघावत प ३१६, ३१७, ३२०
किसनसिंघ सादूळसिंघोत ती २११
किसनसिंघ साहिबखान रो प. ३३०
किसनसिंघ हमीरोत प ३०५
किसनो प १६, ६६, ८७, १५२, १६७, २३५
,, दू. ७७, ८०, ९९, १४३, १७४, २००, २६२
,, ती. ३७
किसनो खींवा रो प ३६०
किसनो जगमालोत दू १६१
किसनो जांझण रो प ३५२
किसनो तेजसीयोत दू. १६४
किसनो नींबावत दू १५४, १६१
किसनो मेहाजळोत दू १७४
किसनो रामावत दू १६४
किसनो वाघावत ती. ३७
किसनो सिंघ रो दू २६४
किसोरदास ■ ३०७
,, दू ९६
किसोरदास गोपाळदासोत दू १५८
किसोरदास महेसदासोत दू. १५८
किसोरसाह प १२६
किसोरसिंघ प. ३१०, ३२६
कीतपाळ प २०५, २८०
कीतू प १३५, १६६, १८७, २०३, २४५, २४७
कीतो प २८
कीतो भवतारदे रो प ३५५
कीतो गोगली दू ३
कीतो सांडा रो प ३५४
कीरतखां मलखा रो प. ३१५
कीरतपाळ राठोड ती. २६
कीरत ब्रह्म रावळ प ५, ७६
कीरतसिंघ प २९८, ३११
,, दू ९१, १९६
,, ती २२१, २२३, २३२
कीरतसिंघ जैसिंघ रो प ३३०
कीरतसिंघ ताजखान रो प ३२४
कीरतसिंघ राजा जयसिंघ रो प २९१, ३३०
कीरतसी राणो प १२३
कीरतमल ती १८७
कीर्तिसेन ती १८९
कील प १२४
कीलणदे राजदेवोत प. ३३१, ३३२
कीलू करणोत प. ३४७
कुत प १२४
,, दू. ३
कुतपाळ प २०३
कुतल प ३३०
कुतल कीलणदे रो प ३३१
कुतळ केल्हणोत ती ३०
कुतल माला रो प १२४
कुतल राजा कल्याणदे रो प २९५, २९६
कुतसीह प १०१
कुभ प २८७
कुभकरण प ५४, १८८, ३२८
,, दू ९६, ३४३

कुंभकरण ती. २३१
कुंभकरण सायावत ती. ३७
कुंभकरण रुद्र रो प. ३१६
कुंभकन दे. कुंभकरण
कुंभकर्ण दे. कुंभकरण
कुंभो दू. ९२, १२०, १२३, १२५, १८३
१९६, १९९, २०१
,, ती. २३४
कुंभो ईसरदासोत दू. १७९
कुंभो कांपलियो प. २४८, २४९
कुंभो किसनदासोत दू. १८७
कुंभो खेराड़ो प. २७९
कुंभो चाचा रो दू. ११७
कुंभो जगमाल रो दू. २८८, २९०, २९१,
२९२, २९३, २९४, २९५, २९६,
२९७, २९८
कुंभो देवीदास रो दू. ८४
कुंभो नरसिंघ रो प. १६६, १६७
कुंभो पत्तावत दू. १७१
कुंभो मनोहरदासोत दू. १६७
कुंभो रांणो दू. १५३, ३३९, ३४०
,, ,, ती. १, २, १३६, १४६,
१५०, १६१, १६२, २४८
कुंभो वीरसिंघोत दू. १७३
कुंभो वीसारो प. १६६
कुंवरपाळ ती. ५२
कुंवर मांडणोत प. ३५४
कुंवरो प. ३००
,, ती. १६, १७
कुकर दू. ३
कुतबतारखां सुलतांन प. २६२
कुतबदीन ममारख सुलतांण ती. १९१
कुतबदीन ती. ५३, ५४, १९०
कुतुबखांन दू. २२४
कुतुब तातारखां दे. कुतबतारखां सुलतांन
कुतुबुद्दीन मुबारक सुलतान दे. कुतबदीन
ममारख सुलतांण
कुदाद सुलतांण ती. १९१
कुमसी (कुंभरसी) रावळ प. ७९
कुरथ-सुरथ प. ७८
कुरमेर रावळ प. १३
कुरड़ो ती. २१८
कुलखत प. १२३
कुळसिंघ रावळ प. ८७
कुवलयाश्व ती. १७७
कुश ती. १७८
कुस प. ७८, २८८, २९२, २९३, २९५
कुसळचंद प. ३१९
कुसळसिंघ प. २०८, ३०५, ३०९, ३१०
३१७, ३२०
,, दू. ९४
,, ती. २२३, २३१, २३५
कुसळसिंघ रायसल रो प. ३०९, ३२४
कुसळो दू १३३
कूंतळ चूंडावत प. ६९
कूंतळ सीसोदियो प. ६६, ६९
कूंपो ती. ८१, ८३, ८४, ८५, ८७, ८९
कूंपो अखैराजोत प. २३७
कूंपो ऊदावत प. ३६०
कूंपो मालावत दू. २८८
कूंपो मेहराजोत प. २०, २०७, २१२
,, ,, दू. १७८, १८७, १९२
कूंभो प. ३६१
कूंभो कछवाहो पुणसी रो प. ३२९, ३३०
कूंभो गोपाळदेओत प. ३४८
कूंभो गोयंद रो प. २३९
कूंभो चंद राजा रो प. ३१३
कूंभो देवराज रो प. ३५६
कूंभो रांणो प. ६, १५, १६, १७, ५१,
५३, ५४, ६१, ३४२
कूंभो रांमसिंघ रो प. ३४३
कूंभो वीरमदे रो प. ३४१
कूंभो सीहड़ रो प. ३४१

कूंभो सूजा रो प. १६७
कूंभो सेखा रो प ३२८
कृतजय तो १७६
कृपाळदेव तो २१६
कृशाश्व तो १७७
कृष्णादित्य प. १०
केलण प. २०५
, तो ७२, २२१
केलण तेजसी रो प १६३, १६८
केलण दुजणसाल रो प. ३५५
केलण भाटी दू ३१५
,, ,, तो २०, ३४
केलण राव प २०३, ३५३
केलण रावळ दू २, ३, १२, ७५, ७६, १००, १०६, ११२, ११३, ११४, ११५, १२६
केलण सीसा रो प १६८
केल्हण राव तो ३६
केल्हणराव केहर रो दू ११२, ११४, ११५, ११६, १२६, १३७, १४०, १४१
केल्हण वीकावत तो. २०५
कल्हो दू ११२, ११३
केवळदास गोयदोत प. ६७
केशव प २६२
केसर मिलक दू ४७, ४८, ४६, ५०, ५२
केसरसिंघ प २०८
केसरिदेव रावळ दू २८०
केसरीसिंघ प २७ २८, २६, ४६, ११६, १६१, १६६, ३०१, ३०५, ३०६, ३०७, ३०६, ३१०, ३१३, ३२०, ३२८
,, दू ६५, ६७, १७६, २६४
, तो २२६, २२७, २२८, २२६, २३०, २३१, २३५, २३६
केसरीसिंघ अचळदासोत प ३५६
,, ,, दू १५६
केसरीसिंघ करणसिंघोत तो २०८
केसरीसिंघ ठाकुर तो १७६
केसरीसिंघ दयाळदासोत दू १४७
केसरीसिंघ दूदावत दू १६३
केसरीसिंघ भाटी रावतसिंघोत दू १०६
केसरीसिंघ भोजराज रो प ३२३
केसरीसिंघ राव तो ३७
केसरीसिंघ रावळ प ७६
केसरीसिंघ लाडखान रो प ३२१
केसरीसिंघ सूजकरण रो प ३१७
केसवदास तो २३१
केसवदास देईदास रो प २३३
केसवदास भैरव रो प ३१३
केसव सर्मा प ६
केसवादित प. ३, ७८
केसवादित्य प १०
केसो प १६६, १६६
,, दू १४३
केसो उपाधियो प ३४४, ३४५
केसोदास प २६, २७, ६५ ६८ १२८, १६३, १६८, २१२, ३०४, ३१५
केसोदास दू ८८ १२१ २६४
केसोदास अखैराजोत दू १५२, १८८
केसोदास ईसरदास रो प १५२ ३५४
केसोदास कीरतसिंघ रो प ३११, ३१४
केसोदास खंगारोत प ३०६
केसोदास जगमालोत दू १७७
केसोदास जसवंत रो प १२०
केसोदास जोधोदासोत दू ११६
केसोदास द्वारकादास रो प १६१
केसोदास नाथावत प ३११
केसोदास नारणदास रो प. ३२७, ३३२
केसोदास नारायणदासोत दू २५६
केसोदास पंचाइण रो प २३७
केसोदास पतावत दू १७७
केसोदास प्रागदासोत दू १८३
केसोदास भाणोत प २११

केसोदास भाटी भारमल रो दू. ८४
केसोदास मांन रो प. १०६
केसोदास मालदे रो प. ३१५
केसोदास रायसिंघोत दू. १६३, १६७
केसोदास राव प. ३१५
केसोदास वाघावत दू. ६०
केसोदास सहसमलोत दू. ६७
केसोदास सूरजमलोत दू. १८६
केसोदास हमीरोत दू. १७६
केसोदास हाडो प. ११७
केसो मुंहतो दू. १५८
केसोराय प. १३१
केसो लाडखांन रो प. ३२१
केसोसेन राजा ती. १८६
केहर दू. ४६, ५०, ११६, १५२
केहर रांणो भालो दू. २६५
केहर रावळ दू. १, २, १०, १४, १५, १७, ५०, ५३, ६३, ७३, ७४, ७५, ७६, ७७, ७८, ६२, ११२, ३२५
,, रावळ ती. ३४, २२१
कैकमरी लसकरी प. ३००
कैमास दाहिमो ती. २६
कैरव ती. १५३, १५४
कैवाट दू. २०२, २०७
कोजो चूंडा रो प. ३५१
कोदो रावत ती. १७६
कोळीसिंघ प. १५१, १५२
कौरव दे. कैरव
कौसल्य प. ७८
क्यांमखांन ती. २७३, २७४
क्रतराय प. २८६
क्रतांगराज प. २८६
क्रन दानेसवर प. १६१, १६२
क्रम प. २७८
क्रमपाळ प. २८६
क्षत्र ती. १७६
क्षीमराज ती. ५०
क्षुद्रक ती. १८०
क्षुद्रकराय प. २८६
क्षेमध्वनि दे. खेमधुनी

ख

खंगार प. १५, २७, ३६. ४७, ८६, ६२, १५०, १५५, ३१३
,, दू. ८१, १२३, १२४, १४०, २०६ २१५, २१६, २१८, २१६, २२०, २२१, २२२, २२३, २४१
खंगार जगमालोत प. ३०४
खंगार तेजमाल रो दू. १२५
,, ,, ,, ती. ३७
खंगार जांभण रो प. २४०
खंगार देपा रो प. ३६३
खंगार मगा रो, भील प. ४७
खंगार भाटी नरसिंघ रो दू. १०७
खंगार राव दू. २०२, २३८, २३६, २५४
खंगार रावत रतनसीश्रोत प. ३६, ६६
खंगार राहिव रो प. ३५८
खंगारसिंघ ती. २३१, २३२
खंगारो हमीर रो प. १५
खंधारो प. ३५२
खंधारो थोरी ती. ५६
खटवांग ती. १७८
खड़गल तुंवर प. ३२०
खड़गसिंघ ती. २३२
खड़गसेन प. ३१२
,, ती. २२३, २२८
खरहथ डूंगरसी रो प. ३२६, ३५६
खरहथ वाला रो प. ३२६
खलमल थोरी ती. ५६
खवासस घाड़ भाई प. ७१
खांडेराव प. ३३१
खांन दू. ३००, ३०१
खांन खांनो प. ३२५
खांन दोरो ती. २७८

खान नापा रो प ३३१
खानजिहां प २६६ ३०५, ३२१
३२२, ३२६
खांन मिरजो तौ ६६, ७०, ७१, ७२
खान हबीब प ३०७
खानजहा दे खानजिहा
खापू पोरो तौ ५६
खाफरो चोर प २७२, २७३, २७४, २७५
खिजरखा लोदी तौ १६१
खिलचखा तौ १६१
खिलजी प ६, १४
खींदो प १६६
„ तौ १४५ १४६
खींवो गोयंद रो प १६५
खींवो बारहठ दू ११८
खींदो वैरा रो प ३४१, ३४३
खींमरो वुजणसाल रो प ३५५
खींवकरण प ३२५, ३२८
खींवराज प १६३
खींवराज खिडियो प २०, ४८, ६६
खींवराज चयवाडियो प ६०, १८०
खींवसी राणो प्रणमसी रो प ३४६, ३५२
खींवसी सुरताणोत प ३४३
खींवो प १३, ६१, ६२, १०१, १४५,
१५१, १५३, १६०, १६६, १७१,
१६५, २०७
„ दू ८१, ८४, १२२, १२४, १४३,
१६६
खींवो करण रो प ३६०
खींवो जसहड रो प ३४७
खींवो जेठवो दू. २२१
खींवो राव दू १८४
„ „ तौ ३७
खींवो रावत सेखावत दू १२१
खींवो वरजागोत दू १६२
खींवो सोढो प ३६१
खींवो सोनगरो दू १२७
खीटवाळ दू १, ६
खीमपाळ तौ २१६
खीमराज दे खेमराज
खीमरो प ३५५
खीमो तौ २३५
खीमो ऊदावत तौ १००, १०१
खीमो मुहतो तौ ६५, ६८, ६६
खीमो राव पोकरणो तौ १०३, १०४,
१०७, ११०, १११, ११२, ११३,
११४
खीर दू १
खोरपुर प ७८
खोरज प ७८
खुदु प ७३
खुमाणसिंघ रावळ प ७६
खुरम प २४, २६, २८, २६, ३०, ४८,
५३, ५६ ५८, ५६, ३०१
खुरम साहजादो दू १४८, १५२, १५६,
खुसरो दे खुसरू सुलताण
खुसरू सुलताण तौ १६१
खूट (चारण) दू २०२, २०३
खूमाण रावळ बापा रो प ४, १२ ५६,
७८
खेकादित्य प १०
खेडो वानर प २५०
खेतसी प १५, २३६, ३४३
„ दू ८५, १०४, १०५, १०६, १८५
खेतसी अरड़कमलोत तौ १६, १७
खेतसी ऊदा रो प. २४१
„ „ „ दू १७३
खेतसी किसनदासोत दू १८७
खेतसी जाडेचो दू २०६
खेतसी जैसिंघदे रो प ३५२
खेतसी तेजसी रो प ३५७
खेतसी घाघू प १५२
खेतसी नेता रो प ३५२
खेतसी मडळीक रो दू १२१

खेतसी महीरांवण रो प. ३६०
खेतसी मालदेग्रोत दू. ६, ९३, ९४, ९५, ९६, ९७
खेतसी मालदेग्रोत ती. ३५, २२०
खेतसी रांणो प. १५
खेतसी रांम रो दू. १४१
खेतसी राव दू. १३२
खेतसी सादूळोत दू. १६८
खेतसीह रतनसीहोत प. ६७
खेतसीह रतनसीहोत ती. ४१, ४२, ४३, ४४, ४५, ४६, ४७, ४८
खेतो प. ६, १५, १६, ५६, २५०
,, दू. ७५, ७७, ८१, १४३
खेतो कांपलियो प. २४६
खेतो तेजा रो प. ३५२
खेतो परवत रो दू. ८१
खेतो भाटी दू. ९६
खेतो रांणो प. ६
खेतो रांणो दू. ३२५
खेतो सहसमल रो प. ३५२
खेमचन प. ७८
खेमधुनी ती. १७८
खेमराज प. २५६
,, ती. ४६
खेम सर्मा प. ६
खेमादित्य प. १०
खेमो किनियो-चारण ती. ६१
खेलूजी ती. २७९
खेराज खरहथ वाला रो प. ३२६
खेराज रावत फीलणदे रो प. ३३१
खोखर दू. ३१०
खोटोवाळ दू. ६
खोहराव प. १६५

ग

गंग ती. १५३
गंग रांणा थाह रो दे. घणसूर
गंगादास प. ४३, ४६, ३५८
,, दू. ८०, १९८
गंगादास वैरसल रो प. ३५३
गंगादित्य प. १०
गंगाघरादित्य प. १०
गंजमादित्य प. १०
गंद्रपसेन राजा ती. १७५
गंघपाळ प. २६०
गंधर्वसेन दे. गंद्रपसेन राजा
गंध्रपसेन प. ३३६, ३६८
गजनीखान दू. ९७
,, ती. १२४, १२५
गजनी पातसाह दू. ३३
गज सर्मा प. ६
गजसिंघ प. १६, २६, २७, ९८, १३३, १६१, १६७, २२७, २३३, २४७, २६६, ३००, ३०१, ३०८, ३१५, ३२८, ३४२
,, दू. १३४, २५७
,, ती. २२१, २२५, २२६, २२७
गजसिंघ केसोदासोत प. ३१०, ३११
गजसिंघ कुंवर दू. १५५, १६६, १९४
गजसिंघ जोधा रो प. ३५६
गजसिंघ महाराजा (जोधपुर) दू. ११०
,, ,, ती. १८२, २१४
गजसिंघ महाराजा (बीकानेर) ती. ३२ १८०, १८१, २०८
गजसिंघ राजा प. ३२५, ३४२
गजसिंघ राजा दू. ८१, ९८, १५६
गजसिंघ हरनाथोत प. ३२३
गजू अचलदे रो प. ३५५, ३५६
गजसी प. ३४२
गजो भांभा रो प. १६२

गजो रिणमल रो प १३६
गट्टू प १६
गणेसदास राव ख्यी ३६
गदाकर प २६२
गयासुदीन तुगलक साह ख्यी १६१
गयासुद्दीन बलबड ख्यी १६१
गयासुद्दीन बलबड (बलबन) दे० गया-
सुदीन बलबड
गरीबदास प ३१, १२८, ३२५, ३२८
,, दू. ६२
गरीबनाथ जोगी दू २०६, २१०, २११,
२१२, २१४
गहनपाळ प १३०
गहर राव दू २०२
गहरवार प. १२८
गागो प ७६, १३७, १४१, १४६, ३४३
,, दू ७४, ८१, ८८
गागो किसनावत दू १६७
गागो खींवे रो दू. १२१, १२२
गागो गोयद रो प ३१६
गागो चापा रो (बोपा रो ?) प ३५५
३५८
गागो डूंगरसीप्रोत ख्यी. ८४
गागो नरसिंघ रो प ३४३
गांगो नींबावत दू. १५४ १६१
गागो भाखरसी रो प ३६३
गांगो भाटी धीरमदेप्रोत दू १००
गांगो भैरवदास रो प २४१
गागो राव ख्यी ८०, ८१, ८२, ८३, ८४,
८५, ८६, ८७, ८८, ८६ ६०, ६१,
६२, ६३, ६४, १८२, २१५
गागो रावळ प ७६
गागो वरजांगोत दू १६२
गागो हमीर रो प ३५८
गाडण सहजपाळ प. २२५
गाभड प ५, ७६
गारियो दे० गाहरियो
गालण राव प २५३
गालवदेव सर्मा प ६
गालव सर्मा प ६
गालवसुर सर्मा प ६
गाहड दू २, ३३
राजा गाहडदेव (गाहडदे) ख्यी. ४६
गाहड राव दे० गहर राव।
गाहरियो दू २०२, २०६
गिरधर प २७, ४६, ७६, ३०७, ३०८,
३१६, ३२२, ३२५, ३२७, ३२८,
३४३
,, दू ८८, ६५, ६७, १२२, १२३
गिरधर अचळदास रो प ३०७, ३२५,
३२७
गिरधर कुंभार प ३५३
गिरधर चावावत ख्यी २४६
गिरधरदास प ३२६, ३४३
गिरधरदास दू १८५
गिरधरदास नराइणदासोत प ३०५,
३२६
गिरधरदास माधोदासोत दू १४६
गिरधरदास रायसलोत प ३२१, ४४३
गिरधरदास सुरजनोत दू १८५
गिरधर भाटी गोवरधनोत दू १०६
गिरधर राजा प ३२६
गिरधर रावळ प ७६
गींदो प. २५३
गोगन राणो दू २६५
गुणरग मडळीक प १२३
गुमांनसिंघ ख्यी २२७, २३१
गुरुक्रिय ख्यी १७६
गुरु गोरख दे० गोरखनाथ
गुरुप्रिय दे० गुरुक्रिय।
गुलालसिंघ सिरदारसिंघ रो प १२१
गुहादित्य प ३, ७

गूंगो जगदेव रो प. ३३७
गूंडराज प. २५६
,, ती. ४६
गूंडो प. १२७, १२८, १३१
गूंदळराव खीची, प्रथीराज रो सांवत
प. २५१, २५२, २५३
गूदड़सिंघ भ्राणंदसिंघोत ती. २०८
गैचंद प. ३३८, ३३६
गैमल गर्जसिंघोत ती. २०
गैहूलड़ो प. ३३७
गोइंददास दे० गोयंददास।
गोकळ दू० १४०, १७४
गोकळदास प. २६, ६६, २०८, २०६,
३०६, ३१२, ३१६, ३२५
,, दू. ६७, १२०
गोकळ पँवार प. ३४३
गोकळ पत्तावत दू. २००
गोकळ रतनू दू. ६, ३१
गोकळ सोढो प. ३६१
गोग रांणो दू. २६५
गोगादे ऊगमणोत ती. ३१
गोगादेजी प. ३४७, ३४८, ३४६, ३५०
गोगादे वीरमोत दू. ३०४, ३१२, ३१७,
३१८, ३१६, ३२०, ३२१, ३२२,
३२३
गोगादे वीरमोत ती. ३०
गोगारांम प. ३२३
गोगो प. १३५
गोगोजी चहुवांण ती. ६२, ७२, ७३, ७४,
७५
गोतम दू. ६
गोतमादित्य प. १०
गोदभ प. ३३६
गोदत्तोदित्य प. १०
गोदसीस स्रर्मा प. ६
गोदो राजसिंघोत ती. ३०
गोपाळ प. १७, ३२६
गोपाळ दू. ७८
गोपाळ कान्हा रो प. ३५२
गोपाळ खेतसी रो प. ३६०
गोपाळदास प. २६, ६८, १६१, २३६,
३०१, ३१३, ३१७, ३४३, ३६२
,, दू. ८१, ६१, ६२, ६३, ६५,
१०८, १२२, १२८, १६१, १६७
,, ती. २३०, २३१, २३२
गोपाळदास ग्रासावत दू. १४५, १४६
गोपाळदास ऊहड़ प. २४३
,, ,, दू. ६६, १०० १०२,
गोपाळदास कल्यांणमलोत ती. २०६
गोपाळदास किसनदासोत प. १५२
गोपाळदास गिरधर रो प. ३२२
गोपाळदास गौड़ प. ३०१
,, ,, ती. २७२
गोपाळदास जैसावत दू. १४६
गोपाळदास धनराजोत दू. १२२
गोपाळदास नाथावत प. २६०
गोपाळदास प्रथीराज रो प. ३०६
गोपाळदास भाटी ग्रासावत प. १६१
गोपाळदास भींवोत दू. १६४
गोपाळदास मांडणोत दू. १६७
गोपाळदास मेरावत दू. १८८
गोपाळदास रांणावत दू. १६८
गोपाळदास राठोड़ दू. २०१
गोपाळदास सहसमल रो प. ११४, ३१७
गोपाळदास सांवतसोत प. २३१
गोपादास सुंदरदासोत दू. १५२
गोपाळदास सुरतांणोत दू. ६८
गोपाळदास सूजावत ती. २७४
गोपाळदे प. ३४६
गोपाळदे सींधल प. २५७
गोपाळ राव प. १५३, २५६
गोपाळसिंघ प. ३०१
गोपाळ सूजा रो प. ३२५, ३२६
गोपिंद प. ३३६

गोपीचंद राजा तौ १८६
गोपीनाथ प १२०, ३०५, ३१५, ३१६, ३२६
गोपो प १६
,, दू १२, १७४
गोपो धर्मराज रो प २३८
गोपो गयादास रो प ३५३
गोपो देवड़ो दू १००
गोपो रांमा रो प ३५७
गोपो रावळ प १६, ७६, ८६
गोपो राव वीकूपुर तौ ३६
गोपो रिणमलोत दू १४१
गोयंद प १२, १७, ७८, १६४, १६५, १६६, ३२६
,, दू ७७, ८०
,, तौ ११४
गोयंद ऊदा रो प ३६०
गोयंद ऊहड़ दू, १००
गोयंद कूंपावत तौ १२१
गोयंद खंगार रो प ६६, ६२, ६३
गोयंददास प ६६, १६४, १६५, १६७, २३४, २३८, २३६, २४३, ३०८
,, ८८, ६४, १२२ १२३, १२५, १८३, १८६, १६८
गोयंददास ग्रासकरणोत दू १३६
गोयंददास ईसरदास रो प ३५४
,, ईसरदास रो दू १०६]
गोयंददास उग्रसेनोत प २५६, ३२०
गोयंददास किसनावत दू. १६७
गोयंददास जेसावत दू १५०
गोयंददास तेजसी रो प ३५४
गोयंददास देवड़ो देवीदास रो प १४३
गोयंददास पचाइणोत दू ११६
गोयंददास प्रताप रो प १२६
गोयंददास बळभद्रोत प ३०७
गोयंददास भाटी दू ८१, १००, १५०, १५१, १५८, १६६, १७४, १८८, १९३, १९६
गोयंददास मानावत दू १५४
गोयंददास लखावत दू १६१
गोयंददास सहसमल रो दू ६६
गोयंददास सुरजमलोत दू १२८
गोयंददास हमीरोत दू. १८०
गोयंद देवड़ो दू १००
गोयंद राजधर रो प ३५६
गोयंदराज सोळंकी प २८१
गोयंदराव प २५१
गोयंद रावळ प १२, ७८
गोयंद सांवतसी रो दू ७८
गोयंद हमीर रो प ३५८
गोरखवांन (कतर) तौ २२७
,, (गैडाप) तौ २२७
गोरखनाथ दू २११, ३२०
,, तौ ७६
गोरधन गिरधर रो प ३२२
गोरधन रांमसिंघ रो प ३४१
गोरो प २५२
गोरो राधावत पड़िहार प १५२
गोरो सोनगरो तौ २८०, २८६ २६०, २६१
गोवंद रावत खंगार रो प ६२, ६३
गोवरधन प ६८, १६०
,, दू ६५, १२२, १२३, १८६
गोवरधन कूंभा रो प ३४१
गोवरधनदास प ३१६
गोवरधन सर्मा प ६
गोवरधन सुंदरदासोत प ११७, १२५
गोवरधन सोढो प ३६१
गोवरधनादित्य प १०
गोविंद कवियो चारण तौ २७०
गोविंदचंद राजा तौ १८६

गोविंददास प. ३०४, ३०८, ३१६, ३२६
,, ती. २३१, २३२, २३४
गोविंददास उग्रसेणोत प. ३२०
गोविंददास बळभद्रोत प. ३१८
गोविंददास भाटी दू. २५३
गोविंददास राजा ती. १८८
गोविंद राजा ती. १८६
गोविंद सर्मा प. ६
गोविंदादित्य प. १०
गोसील दे० गोसील रांणो ।
गोसील रांणो ती. १७५
गौतम प. २६३
ग्यांनसिंघ प. ३००
ग्रहादित प. ३, ७८
ग्रहादित्य प. १०

घ

घड़सी प. २३१
घड़सी रतनसीप्रोत दू. २८८
घड़सी रावळ दू. १०, १३, ५२, ५३, ५४, ६६, ६७, ६८, ६६, ७०, ७१, ७२, ७३, ७४, ७५, ११२, ११३, २८५
,, ती. ३४, २२१
घड़सी रायमलोत दू. १८६
घड़सी वीकावत ती. २०५
घड़सी सोढो प. ३६१
घणर दे० घणसूर
घणसूर (रांणा चाहड़रो बेटो) ती. १५३, १६६
घनादित्य प. १०
घाघड़दे (राजा) ती. ४६
घायड़दे ती. ४६
घोघो अवतारदे रो प. ३५५

च

चंढो प. १६
चंद प. २८७
चंद उधरण रो प. ३१३
चंदगिर प. २६०
,, ती. ५०
चंद रांणो परमार ती. १७५
चंदराज प. ३५८
चंद राजा प. ३१३
चंदराव दू. ७६
चंदेल घुंधमार रो ती. २१८
चंदो प. २६, १४२, १७३
चंदो राव ती. २४८
चंद्रपाळ राजा ती. १८८
चंद्रभांण प. ३२७, ३२८
चंद्रभांण जैतसी रो प. ३१५
चंद्रभांण दुरजणसाल रो प. ३०५
चंद्रभांण परसोतम रो प. ३२३
चंद्रभांण रांमसिंघोत प. ३२०
चंद्रभांण सांवळदासोत प. १०२
चंद्रभांण हिरदैरांम रो प. ३२४
चंद्रमिण प. १३०
चंद्र राजा प. १३०
चंद्रराव प. २५१
,, दू. १६८
चंद्र रावळ प. २०४
चंद्रव रतनूं-बारहठ दू. ५४
चंद्रसेखर कवि ती. २६६
चंद्रसेण ती. २३०
चंद्रसेण राव प. २३, ७८, १६४, १६८, २०८, २३७, २३६, २४३, २६०, ३५६
,, राव दू. ६७, ११६, १२७, १३२, १४५, १६१, १६३, १६७, १६८, १६६, १७५, १८६, १६४
,, ती. १२८, १८२

चद्रसेण राजा उद्धरण रो प २६७
चद्रसेण पता रो प. ३५५
चद्रसेन प ७८, २६०
चद्रसेन दू १३४
चद्रसेन झालो दू २५६, २६३
चद्रसेन झालो मानसिंघ रो दू. २५६
चद्रसेन युधसेन रो प २६२
चद्रसेन भगवतदासोत प २६१
चद्रसन भाटी दू ८१
चद्रसन राणो रायसिंघ रो दू २५४
    २५५, २५६
चप सी. १७८
चपक दे० चप ।
चपतराय प १३१
चपराय प ११६
चकसी भोपत रो सी. ३७
चक्रसेन प. १२७
चतुरंग प २८६
चतुरभुज जोगीदासोत दू १८५
चतुरभुज रायसिंघोत दू. १६४
चतुरसिंघ प. ३२१
चतुरसिंघ भगवत रो प. ३२६
चतुरसिंघ (रावतसर) सी. २२६
चतुरसिंघ रूपसी रो प. ३०६, ३१२,
    ३२१, ३२३
चतुरसिंघ हररामोत प. ३२४
चतुर्भुज (रणाईसर) सी. २२६
चत्रभुज प. २८, ६६, १३३, २६०, ३०८,
    ३१८, ३२५
चत्रभुज दयाळदासोत सी. २१३
चत्रभुज प्रथीराजोत प. ३११
चत्रभुज मालदे रो प. ३१५
चत्रसाल प. ३१५
चरडो सी. १४०
चरडो चद्रावत दू. ३४२
चहुवाण प. ११६
चहुवाण सी १५३, १६६
चांदण प ३१५
चांदण खिड़ियो दू ३३३, ३३४
चादण सोढो प ३६३
चांदराज जोधावत सी ११६, ११७, ११८
चादराव अरड़कमलोत सी १४०
चाद, राव जोधा रो प ३५७
चांदराव रतनसी रो प ३५८
चांदराव वाघोत दू १४६
चादरो भीमसी रो सी २३६, २४०, २४७
चादसिंघ प ३२३
चांदसिंघ (साबिया) सी २५३
चादसिंघ सूरसिंघ रो प ३००
चादसे (चद्रसेन) प. ७८
चादो प १५४, १५५, १५६ १५७,
    १५८, १६४, १६८
,, दू ६५, ६६, १४२, १६७
चादो खीची दू १८६
चादो गागा रो प ३६३
चादो चूंडावत सी ३१
चादो जगमाल रो प ६८
चादो वीरो सी ५१, ६१ ६३ ६५,
    ६६, ६८, ६६, ७०, ७१, ७५, ७६,
    ७७, ७८, १२१
चादो नारण रो प ३५८
चादो माडण प २४३
चादो मेहवचो दू ६५
चादो रायमलोत दू. १२३
चादो रावत दू १२२
चादो विहळ प २२४
चादो सूजा रो प ३२५
चानणदास (चादण) दासा रो प ३१४,
    ३१५
चानण दासै रो प ३१५
चापो प १६३, १६७
,, दू १४४

चांपो गंगादास रो प. ३५३
चांपो छैलो दू. १६
चांपो तेजसी रो प. ३५७, ३५८
चांपो पूना रो प. २००
चांपो बालो दू. २०५
चांपो भाखरसी रो प. ३५६
चांपो रांणो दू. ६
चांपो सामोर-चारण ती. १६८
चांमुंडराय प. २५२, २५९
चांवड़दे दू. ३२
चाच. प. २६१, २८०, २८८
चाच दू. १५
चाचग आसथांन रो ती. २९
चाचगदे प. ३६३
चाचगदे करमसी रो, रावळ प. २०३, २०४
चाचगदे कालण रो, रावळ दू. १०, ३८, ३९, ९२
,, कालण रो, रावळ ती. ३३, २२१
चाचगदे वैरसी रो दू. ११, ४२, ४३
चाचगदे सोहै रो प. ३५५
चाचग वीरम रो प. ३४०
चाच रांणो प. १२३
चाच सोळंकी प. २६१, २८०, २८८
चाचो प. १५, १६
चाचो दू. ३३८, ३३९
,, ती. १३४, १३५, १३६, १३७, १३८, १४९
चाचो कांना रो प. ३५८
चाचो केल्हण रो दू. ११६, ११७, १२६, १३७
चाचो पूना रो दू. ६६
चाचो राव ती. ११३
चाचो राव (पूगळ) ती. ३६
चाचो रावळ ती. ३४, ३५
चाचो रावळ वैरसी रो दू. ११, ८०, ८२, ८३, ९२
चाचो सिवा रो प. ३५१
चाचो सीसोदियो ती. १३४, १३५, १३६
चापोत्कट दू. २६६
चामंडराज प. २५९
चामंड राजा ती. ४९
चामुंडराय ती. ५०
चामंडराय दाहिमो प. २५२
चाय प. ११९
चालुक्य दू. २६६
चावंडराज प. २६६
चावंडो प. २०४, २६०
चावोटक दे० चापोत्कट।
चासल मोरी ती. ५९
चाह चहुवांण रो ती. १५३, १६६
चाहड़दे प. १८६
चाहुवांण प. ३६५
चित्ररथ राजा ती. १८५
चित्रसेन राजा ती. १८७
चित्रांगद मोरी ती. २८
चित्रांगद राजा परमार ती. १७५
चिराई बारहठ आसराव रो दू ७४
चीनसखां दू. २०२
चीवो प. १६९
चीर सर्मा प. ६
चूंडराव प. २५६; ३४३
,, ती. ४६
चूंडराव देला रो प. ३४१
चूंडो असहड़ रो दू. ३०४, ३०५, ३०६, ३०७
चूंडो राव प. १५, १६, ३४७, ३४८, ३५०, ३५३
,, राव दू. ६५, ८४, ११४, ११५, २८५, ३०८, ३०९, ३१०, ३११, ३१२, ३१३, ३१४, ३१५, ३१६, ३२४, ३२८, ३२९, ३३६

चूंडो राव ती. ३०, १२६, १८०
चूंडो सालावत राणो प. ६६
,, ,, ,, दू. ३३१, ३३२, ३३३, ३३४
चूंडो हरभम रो प ३५१, ३५२
चूंडासमो दू १, १६
चैनसिंघ (कुंभाणो) ती. २२८
चैनसिंघ (गंमल्यावास) ती. २३५
चैनसिंघ (भेडू) ती. २२५
चोथो रजपूत ती. १२६
चोरंग राव प. २२६
चोरासी-मिलक प. ८०, ८१, ८२
चोहथ प. २००
चोहिल सूत्रधार प. ३५३
चोहथ हूंदो ती. १३३
च्यवन प. ७८

छ

छतरसिंघ दे० छत्रसिंघ (कतर)।
छत्रपति शिवाजी प. १५
छत्रराज प. २८६
छत्रसिंघ प. ३२६
छत्रसिंघ कछवाहो प. ३१, ३०५
छत्रसिंघ (कतर) ती. २२७
छत्रसिंघ माधोसिंघ रो प. २६९
छाजू चदावत ती. २४०, २४१, २४२, २४३, २४७
छाडो राव ती. ३०, १८०
छाताळ प. ३१०
छाहड़ धरणीवराह रो प. ३५५, ३६३
छाहड़र दू. २०९
छीकण दू. १, ११, १७
छीतर ,, ६२
छीतरदास प. ३०७, ३०८
छीतरदास दयाळदासोत दू १४६, १४७
छीतर नरा रो प. ३१३
छीतर पूरणमल रो प. ३१३
छेलो दू. १, ११, १६
छोहिल राजपाळ रो प ३३६, ३४०

ज

जगजीवणदास ती २२४
जगजोत जोसी प १८०
जगतमिण प १३०
जगतसिंघ प. ६, १५, २२, २५, ३१, ३३, ३५, ४५, ६८, ६६, ११७, १२१, २०६, २६१, ३१०
,, दू १२२, १५७
जगतसिंघ अचळदासोत दू. १५६
जगतसिंघ अमरसिंघोत प. ३०३, ३१०
जगतसिंघ जसवतसिंघोत दू. १०६
,, ,, ती ३६, २२०
जगतसिंघ (जेसळमेर) ती. २२०
जगतसिंघ (नींबी) ती २२५
जगतसिंघ (नींबोळ) ती. २३६
जगतसिंघ (मलकासर) ती २३०
जगतसिंघ मानसिंघ रो प. २६१, २६७
जगतसिंघ (रायतसर) ती २२६
जगतसिंघ (सांखू) ती २२४
जगतसिंह राजा ती २७२
जगतहर प १२७
जगदीशसिंह गहलोत ती २६६
जगदे दू १२४
जगदेव प ३२२
जगदेव पवार (परमार) प ३३६, ३३७
,, ,, ,, ती १७६
जगदेव राव आसकरण रो दू. १३९, १४०
जगदेव राव (पूगळ) ती. ३६
जगधर प. १२४
जगनाथ प. २७, ६७, ६९, ११३, १६५, २३६, ३०६, ३१६, ३६२
,, दू. ६१, ११६, १२३, १६५, १७१, १९८
जगनाथ अमरा रो प. ३५९

जगनाथ ईसरदासोत दू. ६४, १०६
जगनाथ उर्दैसिघोत प. ३०८, ३१४
जगनाथ कलावत दू. १६२
जगनाथ कल्यांणदास रो प. ३४३
जगनाथ किसनदासोत दू. १८७
जगनाथ गोइंददासोत प. ३१७, ३२५, ३२७
जगनाथ जसवंतोत प. २०६
जगनाथ देवड़ो प. १६५
जगनाथ नांदा रो प. ३५८
जगनाथ प्रथीराजोत दू. १६३
जगनाथ भाखरसीयोत दू. १६८
जगनाथ भारमल रो प. २६१, ३००, ३०१
जगनाथ भैरवदासोत दू. १६६
जगनाथ माधोदासोत दू. १६३
जगनाथ मूंहतो दू. १३१
जगनाथ राघोदासोत दू. १४८
जगनाथ राजा प. २६१, ३१४
जगनाथ राजा दू १५५
जगनाथ राव दू. १६७
जगनाथ रूपसीओत दू. १४७
जगनाथ विजा रो दू. १०४
जगभांण प. ३१०
जगमाल प. १८६, २३२, ३४३, ३६२
,, दू. ७७, ८४, ६४, १०७, १२१, १२२, १२६, १२८, १५६, १६६
,, ती. २३४
जगमाल कल्यांणदास रो प. ३४३
जगमाल चंद्रसेणोत प. २६०
जगमाल जैसिघदेवोत प. २४२
जगमाल देवड़ो प. १३६, १८०
जगमाल नेतसी रो प. २४०
जगमाल पंचाइणोत दू. १७७
जगमाल प्रथीराज रो दू. ६८
जगमाल भाटी खींवावत दू १३२
जगमाल भारमल रो प. ३१७
जगमाल मालावत प. २४६, २५०
,, ,, दू. १३, १४, २४, ५४, ५५, ६८, १०३, २८५, २८६, २८८, २८६, २६०, २६१, २६७, २६६, ३००
,, मालावत ती. ३,४,२५२,२५३,२५४
जगमाल रांणा उर्दैसिघ रो प. २२, २३, २४, २८, १६६
जगमाल रायमल रो प. ३२६
जगमाल रावत प. १४३
जगमाल रावळ उर्दैसिघ रो प. ७०, ७१, ७२, ७३, ७४, ८७
,, रावळ उर्दैसिंघ रो ती. २६६
जगमाल राव लाखावत प. १११, १३५, १३६, १६०, १६१
,, राव लाखावत दू. १६१
,, ,, ,, ती. २१५
जगमाल रिणमलोत दू. १२, १४१
जगमाल वरजांगोत प. २३२
,, ,, दू. १६१
जगमाल वैरसल रो दू. ११८, ११६, १२०, १२७
जगमालसिंघ (भनाई) ती. २२४
जगमालसिंघ (सांडवो) ती. २२४
जगमाल सीसोदियो उर्दैसिंघ रो प १५०, १५१, १५२
जगमाल सीसोदियो वाघावत प. ६६
जगमाल हाडो प. ५०
जगरांम प. ३०२
जगरांम जवणसीओत मोहिल ती. १६५
जगरांम (जुणलो) ती. २३६
जगरांम (नींबाज) ती. २३५
जगरांम (नींबोळ) ती. २३६
जगरांम (रास) ती. २३५
जगरूप प. २६, ६८
,, दू. १३४

जगरूप जगनाथ रो प ३०१
जगरूप प्रतापसिंघ रो प ३१५
जगरूपसिंघ तो २२४
जगरूपसिंघ परमार तो १७६
जग सर्मा प ९
जगसो मुध रो दू ३१
जगसो सींधळ प २२६
जगहथ खेतसी रो प २४१
जगहथ धूहड़जी रो तो २९
जगहथ मेहाजळ रो प ३४१
जगादित्य प १०
जगो प ५१, ६७
" दू ८८
जगो ग्रासल रो प ३४३
जगो चूड़ावत तो ४७
जगो लाडखांन रो प ३२१
जगो सोळंकी दू १०७
जगो हमीरोत दू ८०
जजात राजा दू ९
जतहर दे० जगतहर।
जदु राजा दू ६, १६
जनकादित्य प. १०
जनकार सर्मा प ९
जनमेजय दे० जनमेज राजा।
जनमेज राजा प ८ १०
" " तो १८५
जन सर्मा प ९
जनागर दू २०९
जन्हू प ७८
जबदू प १०१
जबो सींगटोत मोहिल तो १६५ १६६
जमलो ग्रहीर दू २२६ २२७ २२८
जयचंद तो १८०
जयदेव राजा परमार तो १७६
जयवंत घुघमार रो तो २१८
जय सर्मा प ९
जयसिंघ (कूदसू) तो २२६
जयसिंघ (बेसणसर) तो २२०
जयसिंघदेव सघु (ग्रणहिलपुर) तो ५१
जयसिंघ (पातळासर) तो २३३
जयसिंघ महासिंघोत प २६१
जयसिंघ राजा प २६१, ३१७
जयसिंघ (सलमणसर) तो २३३
जयसिंहदेव (ग्रणहिलपुर) तो ५१
जरसो, राय कीलणदे रो प ३३१
जरसो रावळ प २६६
जलादित्य प १०
जलाल बलूचो तो ९९
जलालदीन ग्रकबर पातसाह तो १९२
जलालदी सुरतांण प २०३
जलालदी सुलतांण तो १९१
जलालुद्दीन दे० जलालदी सुलताण।
जलालुद्दीन ग्रकबर दे० जलालदीन ग्रकबर पातसाह।
जलालुद्दीन सुलतान प २०३
जवणसो कुंतल रो प २९० २९५ २९६ ३२९ ३३०
जवणसो मोहिल तो १६५
जवानसिंघ (रास) तो २३५
जसकर प ६
जसकरण प १५, ३०६
" दू ९४
जसकरण (छिपियो) तो २३७
जसकरण नरहरदास रो प ३०८
जसकरण (बासो) तो २३०
जसकरण भोम रो प १२१
जसचंद घुघमार रो तो २१८
जसपाल रांणो तो १७६
जसमाई प २९२
जसराज (कल्याणसर) तो २२७
जसराज रावळ कल्यांणदे रो प २९५

जसवंत प. ६, २५, २७, २६, ६७, ७६, १६३, १६५, १६८, १८७, २०८, २१२, २८५, ३१३, ३२५
,, दू. ७८, ८८, ६१-६३, ११६, १२२, १२४, १२८, १२६, १४०, १७४, २५२, २६४
जसवंत करमसी रो प. १२०
जसवंत केसोदास रो प. ३१३
जसवंत डूंगरसीग्रोत दू. १५१
जसवंत नारणदास रो प. ३५८
जसवंत परसरांम रो प. ३१६
जसवंत भाटी दू. ७६, १०८, ११६, १२२
जसवंत मदनसिंघ रो प. ३१७
जसवंत मांनसिंघोत प. २१२
जसवंत रावत नरहरोत प. ६६
जसवंत रावळ प. ७६
जसवंत रूपसीग्रोत दू. १४८
जसवंत लूणकरण रो दू. ८१
जसवंत वीजड़ देवड़ा रो प. १३४, १८१
जसवंत (जसूंत) वीरमदेग्रोत दू. ११७
जसवंत वैरसलोत दू. ८०
जसवंत साधूळोत दू. १६१
जसवंतसिंघ प. २६, १३०, १७२, २११, २३४, २७६
जसवंतसिंघ (कलासर) ती. २३०
जसवंतसिंघ (पहलू) ती. २२६
जसवंतसिंघ (महाजन) ती. २२८
जसवंतसिंघ महाराजा प. २११
जसवंतसिंघ महाराजा दू. १०५, १०६, १०८
जसवंतसिंघ महाराजा प्रथम (जोधपुर) ती. १८२, २१४, २१६
जसवंतसिंघ राजा दू. १५७, २०२
जसवंतसिंघ रावळ ती. ३६, २२०
जसवंतसिंघ रावळ ग्रमरसिंघोत दू. १०६
जसवंतसिंघ (सांडवो) ती. २३२
जसवंतसिंह महाराजा प. २३४
जसवंत हरीदासोत दू. १६२
जसवीर उदैसी रो प. २०३
जसहड़ प. ३६३
जसहड़ ग्रासकरणोत दू. ७४
जसहड़ (जैसलमेर) ती. २२१
जसहड़ जैतुल रो प. ३५५
जसहड़ पाल्हण रो दू. २, ३६, ४३, ५३, ५४, ५५, ६४, ६५
,, पाल्हण रो ती. ३४, २२१
जसूंत नाथावत प. ३०६, ३१०, ३१३
जसू प. ६६
जसो प. ६६, १६७, २०१, २२६
,, दू. ३३, ७६, १६६
जसो ग्रमरा रो प. ३५६
जसो कचरा रो प. १६६, १६७
जसो जगनाथ रो प. ३०१
जसो त्रिभणा रो प. २००
जसो नाथावत प. ३२७
जसोवह्म रावळ प. ७६
जसो सोढो दू. १०३
जसो हरधवळोत जाड़ेचो दू. २३६, २४४, २४५, २४६, २४७, २४८, २४६, २५०, २५६
जहांगीर नूरदीन पातसाह ती. १६२
जहांगीर पातसाह प. २४, २६, ३०, ५६, ६३, १३०, २५६, २७६, २८३, २६८, ३०३, ३३१
,, पातसाह दू. १५५, २५६
,, ,, ती. २१४, २१७, २३८, २७२, २७४, २७६, २७६
जांभण दू. ३८, १४३
जांभण पूंजा रो प. ३५२
जांभण वरसिंघ रो दू. १२७
जांभण साजनोत ती. २४७

जांनडदे हणू रो प २९६
जानसाखान (जांनिसारखां) प २६
जांभ वाघोडो प ३५०
जामणीभाण (यामिनीभानु) प १३३
जाम रावळ दू २१०, २१३, २१५, २१७ २२०, २२१, २३९ २४७, २४९ २५०, २५४
" रावळ तो २९
जामळसिंघ (पडिहारो) तो २३३
जाटव तो १५६
जाडो ऊम तो १५
जादम दू ६
जादूराय तो २७६
जान कवि तो २७४, २७५
जानिसारखा फोजदार प ६६ (दे० जानसाखान)
जापाल (प्रजापाळ) प ७८
जाय सर्मा प ७
जालणसी राव (जोधपुर) तो २६, ३०, १८०
जाळप दू १४३
जाळपदास (खूहडो) तो २३१
जाळपदास धरावत मोहिल तो १७१
जाळप राणो दू २६५
जाळप सिवदासोत दू १९७
जालमसिंघ (पडिहारो) तो २३३
जालमसिंघ (बीवासर) तो २३१
जालमसिंघ (सिंघमुख) तो २२४
जालमालादित्य प १०
जालाप प ३५२
जावदोखा तो २०७
जिंदराव चहुवाण प ११६, १३५ १८५ १८६
जिंदराव हाडो प १०१
जितमत्र प ७८
जितसत्र (जितशत्रु) प ७८
जींदराव प १७२, १८७, २०२ २३०
जींदराव खीची प २५०
" " तो ५६ ६४, ७५, ७६, ७७, ७८ ७९
जींदराव बोडो प २४७
जींदो जोधा रो प ३५६
जीतमल प १०१, १११
जीवो ईसे रो तो १३३
जीवण भारण रो प ३५८
जीवराज राजा तो १८७
जीवो प ६८, २४३, ३५३
" दू ७७ ७८, ६०, १४३, १५६, १६६
जीवो मांगावत प २४१
जीवो जगमाल रो दू १२२
जीवो जेसा रो प १६६
जीवो देवराज रो प १५७
जीवो नरहरदास रो प ३६१
जीवो भोजराज रो प ३५३
जीवो रतनू धरमदासाणी दू २५३
जीवो लूणकरण रो दू ८१
जुगराज प १२८, १३०, १३१
जुगलो भाभी तो १२१
जुणसी कुतल रो दे जवणसी कुतल रो।
जुर्धासंघ प ३१०
जुधिष्ठिर राजा तो १८५
जूझारसिंघ प २६, २१२, ३०७, ३२९
" तो २२०
जूझारसिंघ चत्रभुजोत प ३११
जूझारसिंघ जगतसिंघोत प २६१, २६८
जूझारसिंघ दळपतोत प २३४ २३५
जूझारसिंघ परसोतम रो प ३२३
जूझारसिंघ राजा परमार तो १७६
जूझारसिंघ (सलो) तो २३२
जूझो चोधरी तो २७४
जेठो शाह प ३४९, ३५०
जेठो दू १९६

जेठो गंगादास रो प. ३५३
जेठो मांडण रो प. ३५७
जेसळ रावळ दू. १०, १५, ३२, ३४,
३५, ३६, ३७, ३८, ६२
,, ,, ती. २६, ३३, २२२
जेसावर राजा ती. १८७
जेसो प. २२६
जेसो कलिकरण रो दू. १५२, १५३
,, ,, ,, ती. २१५
जेसो जैता रो दू. २६४
जेसो पतावत दू. २००
जेसो भाटी दू. ६६, १६५, १८१, १८२,
१९७
,, ,, ती. ७
जेसो भैरवदासोत दू. १६४
,, ,, ती. २६६
जेसो रायपाळोत दू. १४६
जेसो राव (पूगळ) ती. ३६
जेसो लाखा रो दू. २२४
जेसो (लिखमी रो भाई) ती. १०५
जेसो वणीर दू. २४०
जेसो सरवहियो दू. २०२, २०६, २०७,
२०८
जेहो भारावत दू. २१५, २१६
जैकिसन प. ३०८
जैकिसनसिंघ प. २६८
जैचंद दू. ६६, ७४
,, ती. २२१
जैचंद लखमसी रो दू. २, ३६
जैत दू. ४५, ५३
जैतकरण वेगू रो प. ३५२
जैतकरण सीहड़ रो प. ३४०
जैत पंवार प. १८०, १८१
जैतमल प. २२, २२५
जैतमल सीहावत दू. १५२
जैतमाल प. ६१, २४६
,, दू. ८१, १६५
जैतमाल गोयंदोत ती. ११४
जैतमाल राजधर रो दू. ८०
जैतमाल सलखावत दू. २८१, २८४
,, ,, ती. ३०
जैतमाल सोढो ती. ३१
जैतराय प. १०१, १८५
जैतल दू. १४
जैतल मलेसी रो प. २६४
जैत लाखण रो प. २०२
जैतसिंघ प. २२, ३०६, ३१५, ३१६,
३१६, ३२६
,, ती. २२५
जैतसिंघ अग्रसेण रो प. ३२०
जैतसिंघ आसकरण रो प. ३०३
जैतसिंघ (करणीसर) ती. २२४
जैतसिंघ (छिपियो) ती. २३६
जैतसिंघ (डुसारणो) ती. २३१
जैतसिंघ द्वारकादास रो प. ३२३, ३२५,
३२६
जैतसिंघ राजावत दू. ८१
जैतसिंघ राव ती. १५२
जैतसिंघ राव मोहणदासोत दू. १३५
जैतसिंघ (सांड्यो) ती. २३२
जैतसी प. २३५, २४३, ३२७, ३४१
,, दू. ६२, १०२, १७१, १६१
जैतसी अचळावत दू. १८६
जैतसी ऊदावत प. २३८
,, ,, ती. ८१, ८२, ८३, ६५,
६६, १००, १०१
जैतसी कूंभा रो प. ३२८
जैतसी जगनाथ देवड़ा रो प. १६५
जैतसी (जेसळमेर) ती. २२१
जैतसी नागावत प. २३७
जैतसी पीथावत दू. १६४
जैतसी, रांणा भोजराज रो प. ३४१

जैतसी रांणो प ६
जैतसी राव दू. ६३, २२१
" " तो १६ १७, ३१, ८०, ६०, ६१, ६२, १८०, १८१
जैतसी रायत प. ६६
जैतसी राव भांणोत दू १०७, ११६ १२१ १३४
जैतसी रावळ प १३, ७६
" " दू. ११, ८४, ८५, ८६, ८७, ८८, ६२, १००, १२१
" रावळ तो ३३, ३४, ३५, २२१
जैतसी रावळ तेजराव रो दू. ४२, ४३
जैतसी रावळ वडो दू. १०, १४, ३६, ४४, ५१, ६२
" रावळ वडो तो २२१
जैतसी राव (बीकूपुर) तो. ३७
जैतसी वीरमदे रो प ३५६
जैतसी सिंध रो प ३१५
जैत सीसोदियो प ६८
जैतसी हमीर रो प २३७
जैतसेन दू ६
जैतुग दू १०७, ११३, १३४
जैतुग कोल्हावत दू ७२, ७४, ११२, ११३
जैतुग तणु रो दू १, १७
जैतो प १६४, ३६२
" दू ५३, ६६, ७७, २००, २६४
जैतो ऊदावत दे० जैतसी ऊदावत।
जैतो ऊँगोवत चोबो प १५३, १७०
जैतो खेता रो प ३५२, ३५३
जैतो जगमालोत दू. १२, १४१
जैतो जोगावत दू. १८७
जैतो जोधा रो तो ३७
जैतो देवडो प. २२४
जैतो मेहाजळ रो प १६१
जैतो रतनोत प. २४३
जैतो रायमल रो प ३६०
जैतो वाघेलो प. २२४
जैतो सांवळदासोत दू १७६
जैतो सोढो प. ३६२
जैनू जाट तो २७३
जैपाळ प ८६
जैपाळ राजा तो. १८७
जैब्रह्म प ३६३
जैभाण प ३२४
जैमल प. १११, १६६, ३६२
" दू ६६, १६६
जैमल अखैराजोत प २०८, २१२
जैमल आसावत दू १७६
जैमल ऊहड दू १६७, २०२
जैमल किसना रो प ३५२
जैमल कूंभा रो प. ३२८
जैमल जैसावत मुहतो प २२७
जैमल तिलोकसी रो दू १६२
जैमलदास तो २२७
जैमल दासै रो प. ३१७
जैमल प्रथीराजोत प. १२५
जैमल भा० प १५२
जैमल भाटी कलावत दू १३२
जैमल (भेळू) तो २२६
जैमल मुहतो प २११, २२७
जैमल रतनावत प १६७, १६६
जैमल रांणो प. २८१, २८२, २८३
जैमल, राम सोढा रो प ३५८
जैमल राठोड तो १८३
जैमल रायमलोत प १७ १८
जैमल रासावत दू १०७
जैमल रूपसीग्रोत प ३१२
जैमल वीरमदेग्रोत प ३२, ११२
" " तो. ११५, ११६ ११७, ११८, ११६, १२१, १२२
जैमल वीरमदे सोढा रो प ३५८

जैमल सांगावत प. ६९
जैमल साहणी प. १३८
जैमल सीसोदियो प. २१
जैमल हरराज रो प. १६३, १६४, १६८
जैमाल प. ११७
जैमुख राजदे रो प. ३५५
जैरांम प. ३०७
जैरिख प. १२२
जैवराव प. १३५
जैसा ती. १८७
जैसिंघ प. १२४, २७७, २७८, ३२१
    ३२२
,, दू. १२२, १३३, १७९, ३०४,
    ३०५
,, ती. २२०
जैसिंघ करमचंद रो प. २०५
जैसिंघदे प. १४२
जैसिंघदे ऊदावत प. ३४६, ३५२
जैसिंघदे जोधा रो प. ३५९
जैसिंघदे रावळ दू. ८५, ८७, ८९
जैसिंघदे वरजांग राव रो प. २३२
जैसिंघदे सिघराव प. २७२, २७७, २७८
,, ,, दू. ३३
,, ,, ती. २९
जैसिंघ महासिंघ रो प. २९७
जैसिंघ राणो प. १२०
जैसिंघ राजा प. २५, ३०६, ३०९, ३१०,
    ३११, ३१५, ३१७, ३१९, ३३०,
    ३३१, ३३२, ३५९
जैसिंघ राव प. १६६, १६७
जैसिंघ राव मोहणदासोत दू. १०७
जैसिंघ राव (वीकूंपुर) ती. ३६, ३७
जैसिंघ वीरमजी रो ती. ३०
जैसिंघ सिलार रो प. १९४
जैसो खींदा रो प. १९५, १९६
जैसो जगमालोत प. ३०६
जैसो भैरवदासोत प. २१, २०७
,, ,, दू ९९
जैसो मांडण रो प. ३५७
जैसो मालदे रो प. २०५
जैसो राव दू. १२०, १२२, १२७
जैसो राव वरसिंघ रो दू. १३७, १३८,
    १३९
जैसो लखावत प. ३६०
जोगराज प. ५, २५९
,, ती. ५०
जोगराज रावळ प. ५, १२, ७९
जोगराव प. २५९
जोगाइत दू. १२३, १२८
जोगाइत वैरसल रो दू. ११८, १२०
जोगावित प. ७८
जोगी प. ३५३
जोगी दू. १९, २०, २३, २४, २५
जोगीदास प. १९९, ३१८, ३५९
,, दू. ८०, ८८, १२३
जोगीदास ऊदावत प. ३५६
जोगीदास कचरावत दू. १७४
जोगीदास कांधळोत ती. १८
जोगीदास गोयंददासोत दू. ११९
जोगीदास ठाकुरसी रो प. ३६०
जोगीदास मेदावत दू. १७२
जोगीदास वेरसीग्रोत दू. १८५
जोगीदास सीसोदियो प, ६२
जोगी दूहा रो प. ३५३
जोगो प. १२४, १६०
जोगो अखैराजोत दू. १८७
जोगो ग्रासावत दू. १७६
जोगो गौड़ ती. २६७
जोगो जोधावत ती. १६४, १६५
जोगो बारहठ दू. ७४
जोगो मथुरोत दू. १४५
जोगो मांडण रो प. ३५७

जोजड प २६३
जोजळ लाखण रो प २०२
जोध प १०१, २०६, ३१२
जोध गोपाळ रो प ६२, ६७
जोध गोयंदोन प ६७
जोध मानसिंघोत दू १८८
जोधरथ राजा ती १८६
जोध विहारी रो ती ३७
जोधसिंघ प ३०६
जोधसिंघ (जीळी) ती. २३३
जोध सीसोदियो प २७, ९३ ९४, ९५
जोधा प ३५६
" दू १७७
जोधो कवर राव रिणमल रो प १७
जोधो करमा रो दू ८०
जोधो कायळ रो प ३४१
जोधो तेजसी रो प ३५४
जोधो नारण रो प ३५८
जोधो भाटी दू १५३, १६४
जोधो मानसिंघ रो प ३५६
जोधो मेहराज रो प ३४८
जोधो मोकल रो ती ११६
जोधोजी राव ती. ५, ६, ७, १२, २१, २२, २८, ३१, ३८, ४०, १४०, १५८, १५६, १६०, १६१, १६२, १६३, १६४, १६६, १६७, १८०, १८१, १८२, २३१, २३५
जोधो राव प. २०७, ३४६ ३५१, ३५१
" , दू ६६, ८८, ३३५, ३३६, ३४०, ३४२
जोधो लाडखान रो प. ३२१
जोधो लोलावत प. २३८
जोधो सहसा रो प ३५६
जोधो सागावत प ३६०
जोधो सिंघावत प. २४३
जोपसाह राठोड ती २८०
जोवनारय प २८७
जोरावरसिंघ ती २२०
जोरावरसिंघ महाराजा (बीकानेर) ती. १२, १८०, १८१, २११
जोवनजीत राजा ती १८७
जोवनार्थ प २८७
जोवनाथ प ७८
ज्ञानपति ती १८०

झ

झरडो बूडावत ती ७६
झांझण पडिहार प. २२५
झांझण भडारी प २२५
झांझण भुणकमळ दू २
झांझणसी चद्रावत ती २३६
झांझो प १६२, २००
झांझण बीठू चारण प. ५५
झालक राजा ती १७६
झूटो आसियो ती. ८६
झूलो भांण प ८६, ८८
झूलो सूरदास प ८६, ८८
झूलो साइयो प ८६, ८८
झेरडियो खूम प. २२८

ट

टॉड कर्नल ती. १६८, १६६
टोडरमल ती २७६

ठ

ठाकुर कचरा रो प १६६
ठाकुरजी प. २८६
ठाकुरसी प. १६७, १६४, २४८, ३२८
" दू ७७
ठाकुरसी आसावत दू १४८
ठाकुरसी करण रो प ३६०
ठाकुरसी करमसोओत दू. १८६
ठाकुरसी करमा रो दू ८०

ठाकुरसी जगनाथ देवड़ा रो प. १६५
ठाकुरसी जगमालोत दू. १६२
ठाकुरसी जैतसिंघोत ती. १७, १८, १५२, २०५
ठाकुरसी तेजमाल रो दू. १२४
ठाकुरसी धनराज रो दू. १२२, १२३
ठाकुरसी रांणावत दू. १७२
ठाकुर सेखा रो प. २००

ड

डंडघर ती. १८७
डंडपाल ती. १८६
डांबियो ती. ७५, ७६
डांबो थोरी ती. ७५, ७६
डाभ रिष प. ३३७
डाहलराय प. ५
डाहळियो सिसपाळ रो ती. १५४, १५५
डाह्याभाई पीतांबरदास देरासरी ती. २६३
डूंगर देवड़ो प. १३६
डूंगर भील प. ८२, ८३
डूंगर मांना रो प २०१
डूंगर रिणमल रो प. १६२
डूंगर वीमा रो प. ३३१
डूंगर सिवा रो प. ३५१
डूंगरसी प. ६८, ७०, १५६, १६७, १६६, ३२८, ३४२
„ दू. १६८
डूंगरसी आसावत दू. १४८, १७५
डूंगरसी कल्यांणमलोत ती. २०६
डूंगरसी जगनाथ देवड़ा रो प. १६५
डूंगरसी धनराज रो दू. १२४
डूंगरसी वाला रो प. ११६, १२०, १२१
डूंगरसी मालदेओत दू. ६२
डूंगरसी मेळा रो प. ३५६
डूंगरसी राव दुरजणसल रो दू. १२८, १२६, १३०, १३३
डूंगरसी रावळ प. ७६
डूंगरसी (लखमणसर) ती. २३३
डूंगरसी लूंणा रो प. ३६१
डूंगरसी सांकर रो प. १६४, १६६, १६६
डूंगरसी (सांपू) ती. २२४
डूंगरसी सुरावत दू. १७८
डूंगरसी हरदासोत दू. १६५
डूंगरसीह ती. ३६
डूंगो प. २०५
डेल्हो आसकरणोत दू. ७४

ढ

ढाहर जाड़ेचो दू. २०६
ढील रवारी ती ७१
ढेढियो मंगरियो दू. ३२
ढोलो नळ रो प. २६६, २६३

त

तक्षक ती. १७६
तगो प. २२३
तणु केहर रो दू. १०, १५, १७, ७८
तणुराव ती. २२१
ततारखांन प. ३२५
„ ती. ५३
ततारसिंघ जगतसिंघ रो प. २६१
तप प. ११६
तपेसरी चहुवांण रो प. ११६
तपेसरी धुंध रो प. ११६
तमाइची जांम रायसिंघ रो दू. २२४
तमाइची जाड़ेचो रायधण रो दू. २०६
तमाइची वीरमदे रो प. ३६१
ताजखांन रायसल रो प. ३२३, ३२४
ताड़जंघ प. ७८
तातारखां प. ३२५
तानसेन कलावंत प. १३३
तारासिंघ अणंदसिंघोत ती. ८०८
तिरमणराय रायसल रो प. ३२३
तिलोकचंद प. ३१६

तिलोकदास प ३०४
तिलोकराम प ११७
तिलोकसी प २३६
,, दू ८६, १२२
,, ती २२१
तिलोकसी कलावत दू १६२
तिलोकसी जैतसिंघोत ती. २०५
तिलोकसी परबतोत दू १६२
तिलोकसी फरसराम रो प ३२३
तिलोकसी भाटी दू ३६, ४३, ५३, ५४, ५५, ५६, ५७, ५६, ६०, ६१, ६५
तिलोकसी रूपसी रो प ३१२
तिलोकसी वरजांगोत दू १८०
,, ,, ती १०१
तिलोकसी वैरसलोत दू. १२०
तिलोकसी वैरागर रो दू ११८
तिलोकसीह ती १८४
तिहुणपालदेव ती. ५१
तिहुणपाळ राणो ती ५२
तीडो राव दू २८०
,, ,, ती २३, २४, ३०, १८०
तीहणराव वारहठ रतन रो दू ७४
तुगनाथ ती. १८०
तु वर (बूलहदेव रो भाणेज) प २६०
तुगलकशाह ती. १६१
तुगलसाह सुलताण ती. १६१
तुळछीदास प १०१, ३२३
तुवसत प २८७
तेजपाळ साह प १५६
तेजमाल प ६१, १६३, १६६
,, दू ६१, ६५, १२३
तेजमाल अमरावत दू. १८६
तेजमाल किसनावत दू १२४, १२५, १३२
,, ,, ती ३७
तेजमाल गोयद रो ■ २४०
तेजमाल घना रो प २३६
तेजमाल (रोहीवो) ती २२६
तेजमाल सुरजमलोत दू १२८
तेजराव चाचगदे रो दू ३६, ४२, ४३, ६२
,, चाचगदे रो ती ३३
तेजल दू १४
तेजसिंघ जसवंतसिंघोत दू १०६
,, ,, ती ३६
तेजसिंघ (जैसलमेर) ती २२०
तेजसिंघ माधोसिंघ रो प २६६, ३०५
तेजसी प ६०, ६१, ६६, १६२ १६३, १६८, ३४१, ३४२, ३५८
,, दू. ३८, ५३, ६६, ७३ ७४, ११२, १६७
तेजसी केसोदास रो प ३१४
तेजसी चहुवाण प १८३, २२७
तेजसी चू डावत प ७०
तेजसी डूगरसोघोत प ६२
तेजसी भाटी केहर रो दू. ७८
तेजसी भोजा रो प ३५४
तेजसी रांमावत दू १२०
तेजसी रायमल रो प ३२६
तेजसी रावळ प ७६
तेजसी रावळ देवीदास रो ३५
तेजसी राव वरजांग रो प २३२, २४१
तेजसी लूणकरणोत ती २०५
तेजसी वणवीरोत दू. १६२
तेजसी विजड रो प १८१, १८३, १८४
तेजसी सेखा रो प २०१
तेजसी सोढो वीसा रो प ३५५, ३५७
तेजसीह प १८८
,, ती १४०
तेजसीह राव ती ३७
तेजस्वी विजड रो प १३४
तेजो प ६६, ६६, १०१, १६५
तेजो जाळप रो प. ३५२

तेजो प्रताप रो प. १५६
तेजो भाटी दू. ६६
तेजो रायमल रो प. ३६०
तेजो सांनर दू. ३२१, ३२२
तेलोचन दू. ५६
तैस्सितोरी डॉ० ती. १७३
तोगो प. २००
,, दू. ८४, १४३
तोगो कचरा रो प. १९५
तोगो किसनावत दू. १६७
तोगो दीवांण प. २०६
तोगो सिवा रो प. ३५१
तोगो सूरावत प. १५३, १६७, १७०
तोडरमल भोजराज रो प. ३२२
त्रभवणो प. २८५
त्रसिंघ प. २६२, २६३
त्रिदस ती. १७८
त्रिदस्यु दे० त्रिदस।
त्रिधामध प. २८७
त्रिबंधन ती. १७८
त्रिभणो करण रो प. १९९, २००
त्रिभुवणसी कान्हड़ोत ती. २४
त्रिभुवणसी, राव तीडा रो दू. २८०, २८३, २८४, ३१४
त्रियारोम प. २८७
त्रिलोचन दू. ५९
त्रिसंकु प. ७८
त्रिसाख प. २८७

थ

थांनसिंघ प. ३१३
थांनसिंघ खांडेराव रो प. ३३१
थाहरू प. ६१
थाहरू सोढो-बारहठ प. ५९
थिरो दू. ३८
थिरो श्रवतारदे रो ३५५, ३६०

द

दंडपाल ती. १८६
दत सर्मा प. ६
दधीच प. १२३
दधीचि ऋषि प. १२३
दधीचि ऋषि ती. १७३
दयाच दू. २०२
दयाळ प. ३२७
,, दू. ७७, ७८, १२४, २०२
दयाळ राेड ती. १३१
दयाळदास प. २३९, ३०६, ३२७
,, दू. ६०, १२३, १२४, १६२, १७०, १७५, १८७
दयाळदास खेतसीश्रोत दू. ६३, ६४, १०४, १०६
,, खेतसीश्रोत ती. ३५, २१७
दयाळदास गोपाळदासोत दू. १४६, १४७
दयाळदास (छिपियो) ती. २३७
दयाळदास (जैसलमेर) ती. २२०
दयाळदास तेजसी रो प. ३४२
दयाळदास वेईदासोत दू. १६६
दयाळदास बळभद्रोत प. ३०७
दयाळदास भाटी प. १६१
दयाळदास (भादळो) ती. २२५
दयाळदास भील प. ४६
दयाळदास माधोदासोत दू. १४९
दयाळदास (रायपुर) ती. २३६
दयाळदास रायसल रो प. ३२४
दयाळदास राव दू. १२१, १३०
दयाळदास रावत दू. २६४
दयाळदास राव (बरसलपुर) ती. ३७
दयाळदास लिखमीदासोत दू. १८०
दयाळदास सिंढायच ती २०६
दयाळदास सिखरावत प. २३३
दयाळदास सूजा रो प. २३१
दयाळ सोढो प. ३६१

दवास रा' दू २०२
दरमादि सर्मा प. ६
दरियाखांन प. ३२८
दळकरण राव तो ३५
दलजी तो २३१
दळथंभन दे० गजसिंघ महाराजा।
दळपत प. २७, ६७, १६०, १६७, १८३,
१८७, २३३, २३५, २४१, २९५,
३०६, ३०८, ३३१
" दू ६०, ६३, १०७, १२१, १३१,
१३४, १३६, १५७, १८७, १८६
दळपत मळसा रो प ३१५, ३२७
दळपत कवर प. ३५४
दळपत केसोदासोत दू १६५
दळपत जगनाथोत प २०६
दळपत जसवत रो प २८५
दळपत नेतावत दू १६६
दळपत पवार प १८३
दळपत रामदास रो प ३३१
दळपत राम रो प ३४८
दळपत रायसिंघोत प २१२
दळपत राव प २८१
दळपत लिखमीदासोत दू १८०
दळपतसिंघ (कणवारी) तो २३२
दळपतसिंघ (महाराजा बीका०) तो २१
१८१
दळपतसिंघ रायसिंघोत तो २०७
दळपतसिंघ राव दू १४८
दळपत सीसोदियो प १४८
दलराव प १३५
दलसिंघ (अजीतपुरो) तो २२३
दलसिंघ (भेळू) तो २२५
दलियो गहलोत दू ३०३
दलीप प २८८
दलू प १६६
दलो प २०५, २६४, ३५२, ३६०, ३६१
दलो दू २०६
दलो आसियो प १७१
दलो जोईयो प ३४७
" " दू २६६, ३००, ३०२,
३०३ ३१७, ३१८
दलो गुजवळ रो प. १६५
दलो राजधर रो प २०५
दलो राजादे रो प २६४
दलो विजा रो प ३५८
दसरथ दे० दसरथ।
दसमनखांन प ३०४
दसरथ प ७८, १७८, २८८, २९२
दस सह मायो तो १६०
दससेन तो १८६
दसाक दू ३
दान (देवीदान) दू ७८
दानसिंघ (पड़िहारो) तो २३३
दानसिंघ (पातलासर) तो २३३
दानसिंघ (साडवो) तो २१२
दानो भाटी दू ५७
दामो मेता रो प ३५२
दाऊदखान प २२३, २६१
दामोजी दू २३७
दामोदरसेन तो १८६
दाराशाह दे० दारासाह।
दाराशिकोह दे० दारासुकर।
दारासाह तो. १६२
दारासुकर तो १६२
दासु वहणीवाळ तो १५
दासो प. १६३, १६८, १६६
दासो नरु रो प ३१३, ३१४, ३१५
दासो पातळोत दू १७६
दिनकर राणो प ६
दिनमिणदास प ३३१
दिलराम प. ३२१
दिलीप प. ७८, २८८, २९२

दिलीप तो. १७८
दिवाकर प. १६२
दीत प. १०
दीत ब्राह्मण प. १०
दीपचंद नाराणदास रो प. ३२६, ३२७
दीपसिंघ प. ३१४, ३१६
दीपसिंघ (अजीतपुरो) तो. २२३
दीपसिंघ (कणवारी) तो. २३२
दीपसिंघ (दुसारणो) तो. २३१
दीरघबाहु प. २८८, २६२
दीर्घबाहु तो. १७८
दुजण जोधावत दू. १६४, १७४
दुजणसल प. १६६, ३६३
,, दू. ६३, ६५, ६६
दुजणसल धारावरीस रो प. ३५५
दुजणसल राव वरसिंघोत दू. १२७, १२८, १२६
दुरजणसल लूंणकरणोत दू. ८६, ६०
दुरंगदास दे० दुर्गादास (साहोर)
दुरगदास भाटी दू. ६०, ६६, १०८, १२२, १२३, १३१, १३२
दुरगदास (भावलो) तो. २२५
दुरगदास मेघराजोत दू. १४५
दुरगादास सहसमल रो प. ३१४
दुरगो प. ६२, ६५, १०१
,, दू. ८६, ६१, २००
दुरगो राव तो. २४०, २४६, २४८
दुरगो सेला रो प. ३२७
दुरगो हमीर रो प. ३४३
दुरजणसाल राव (बोकूंपुर) तो. ३६
दुरजणसाल प. २८१, ३२५, ३२६
,, तो० ३२६
दुरजणसाल नाराइणदासोत प. ३०४
दुरजणसाल वळभद्रोत प. ३०७
दुरजणसाल महिळू रो प. २८१
दुरजणसिंघ प. २०६, ३२४
दुरजणसिंघ मांनसिंघोत प. २८१, २६८
दुरजणसिंघ (सांखू) तो. २२४
दुरजनसिंघ प. २१, २५
दुरजो दू. ६५
दुरजो ठाकुरसी रो प. ३६०
दुरजोधन प. १३३
दुरवासा प. १२२
दुरसदास प. ४०
दुरसो आढो प. १७०
दुर्गादास राठोड़ तो. २१३, २२६
दुर्गादास (वैणासो) तो. २३१
दुर्गादास (साहोर) तो. २३०
दुर्जनमल राजा तो. १६०
दुर्जनशाल दे० दुजणसल व दुरजणसल।
दुर्लभराज तो. ५१
दुलराज प. २६३
दुलह प. १६
दुलहरांम प. १२६
दुलेराव कारांणी दू. २१४, २३७
दुसाझ जैतकरण रो प. ३५२
दुसाझ रावळ दू. १, १०, १५, ३१, ३२, ३३, ३४, ३५
,, रावळ तो. २२२
दूगड़जी तो. ४६
दूदो प. १५०, १६६, ३१६, ३४३
,, दू. ८१, १२४, १६८
दूदो अड़वाल रो प. ३६१
दूदो आणंदोत दू. १५४, १५६, १६२
दूदो कांन्हावत दू. १८१
दूदो चीवो प. १५६
दूदो जैमल रो प. १६७
दूदो जोधावत तो. ३८, ३६, ४०
दूदो नोवावत दू. १६७
दूदो प्रथीराजोत दू. १६३
दूदो प्रागदासोत दू. १८३
दूदो भांना रो प. ३६०

दूदो भींव रो प ३२७
दूदो माना रो प. २०१
दूदो मेहरावत प १६८, १६६
दूदो राजधर रो प २०५
दूदो राव प्रथीराज रो प. १३५, १३७, १४०, १६१
दूदो रावत प ५०, ६६
दूदो रावत जगधर रो प १२४, १२५, १२६
दूदो राव नगा रो ती २४६
दूदो रावळ दू. ३१, ४३, ४४, ५१, ५३, ५४, ५५, ५६, ५७, ५६, ६०, ६१, ६२, ६३, ६४, ६५
" रावळ ती. ३४, १८४, २२१
दूदो राव सुरजन रो ती २६६, २६७, २६८, २६६, २७०, २७१, २७२
दूदो लकड़खान रो प १११, ११२
दूदो वैरसल रो प ३१३
दूदो सकतसिंघोत दू १६५
दूदो सहसमल रो प ३१४
दूदो सागावत प ६८
दूदो सुरजन रो प ३१५, ३१६
देo दूदो राव सुरजन रो।
दूलहदेव प. २६०
दूलहराव सोढल रो प २६५
दूलेराव लूणकरण रो प ३१६
दूसळ दू ५८
देईदास प २४२, २४३
" दू १६६, १६८
" ती २३४
देईदास कानावत दू १६५
देईदास जैतावत दू १६२, १६३
देईदास तेजा रो प ३५२
देईदास पतावत मेहवचो दू १७५
देईदास भानीदास रो दू १०४
देईदास भायल प १६४, १६८, २४०, २४१
देईदास भोपत रो प ३१७
देईदास मनोहरदासोत दू १७०
देईदास महकरणोत प २१३
देईदास मायोदासोत दू १८८
देईदास वीरावत दू १७७
देईदास सहसमल रो प. ३१४
देद दू १५
देदत दू १४
देदो प १६८
देदो दू १०७, १२४
देदो चहुवाण वागड़ियो प ११६, १७२
देदो भैरवदासोत दू १७८, १६०
देदो रतनू-बारहठ दू ७४
देदो रावळ प ७६
देदो वणवीरोत प २४२
देदो सीहड़ धनराज रो दू १०४
देदो सोळकी दू १०७
देदो हमीर रो प २३७
देपाळ प २३२, २६१, २८०
देपाळ जोईयो दू ३०४
देपो प ३६३
देमो प २०५
देलण काकिल रो प. २६४, ३३२
देलो प ३४१, ३४३
देल्हो देo देलो।
देवकरण दीवाण गोपाळ रो प ३१०
देवकरण राजा ती १७५
देवनीक ती १७८
देवराम वीरमावत ती १५७
देवराज प १२७, १६८, २३६, २६१, २८५, ३६०, ३६१, ३६२
" दू ५८, ६३, १०४, १६६, २०१, ३०४
देवराज आसराव रो प ३६३
देवराज कायळ रो दू १४५
देवराज मूळराज रो दू १०, ५३, ७३, ७५ ६२, १४४

देवराज मूळराज रो ती. ३४, २२१
देव राजधर रो प. ३५६
देवराज भोहा रो प. ३३६
देवराज मांडण रो प. ३५६
देवराज घाघेलो प. २६१
,, ,, ती. ५०
देवराज विजैराव चूड़ाळा रो
देः देवराव विजैराव चूड़ाळा रो ।
देवराज वीका रो ती० २०५
देवराज वीरमोत ती. ३०
देवराज वीसा रो प. १६६
देवराज सांखलो प. ३५३
देवराज सातळोत दू. ८४
देवराज सीहड़ रो प. ३४०
देवराजादित्य प. १०
देवराव विजैराव चूड़ाळा रो दू. १०, १८, १६, २०, २१, २२, २३, २४, २५, २६, २७, २८, २६, ३०, ३१
देव सर्मा प. ६
देवसिंघ प. ३०४
देवांनी प. २६३
देवाइत दू. १६
देवाणिक प. ७८
देवादित प. ३, १०
देवादित्य देः देवादित ।
देवानीक प. २८८
देवायर प. १६२
देवियो थोरी ती. ५६
देवीदांन दू. १०८, १६८
देवीदांन सोम-भाटी दू. ७७
देवीदांन सांवतसी-भाटी दू. ७७
देवीदास प. १६, ३३, १४३, १६३, २११
,, दू. ८२, १०२, १२३, १३०, १६७
देवीदास (फणवारी) ती. २३२
देवीदास चाचा रावळ रो दू. ११, ८३, ८४
,, ,, ,, ,, ती. ३५
देवीदास चूडासमा रो दू. १
देवीदास जैतावत प. ६१, ३५४, ३५७
देवीदास (जैस०) ती. २२१
देवीदास भाटी दू. ८५
देवीदास सकतसिंघोत दू. ६५
देवीदास सूजावत राव प. ५०, २५६
देवीसाह प. १२६
देवीसिंघ प. ३०६
देवीसिंघ (ऊडसर) ती. २२६
देवीसिंघ करणसिंघोत ती. २०८
देवीसिंघ (जैतपुर) ती. २३०
देवीसिंघ (भनाई) ती. २२४
देवो ऊदावत प. १५२
देवो त्रिभणा रो प. २००
देवो विक्रमादीत रो दू. १४४
देवो हाडो (बांगा रो) प. ६७, ६८, ६६, १००, १०१
देवो हिमाळा रो प. २४४
देसपाल ती. १८८
देसळ दू. १०, ३२
देसायर राजा ती. १८६
देसावळ माधो ती. १६०
देहड़ मंडळीक प. १२३
देहु रांणो प. १५
देहुल विजैराव रावळ रो दू. ३३
देहो दू. १२६
दोदो सूंमरो ती. ६२, ६७, ६६, ७१, ७२, ७३
दोराव रांणो प १२३
दोलतखांन प. १०१
दोलतखांन भाटी दू. २, १०, १२२
दोलतखांन भोजू दू. १८६
दौलतखां कवि ती. २७५
दौलतखांन ती. ६०, ६१, ६३, २३०
दौलतखांन वहियो ती. २६८, २६६, २७०, २७१

दौलतसिंघ प. ३२२
दौलतसिंघ (कल्याणसर) ती. २३४
दौलतसिंघ (खनायडी) ती २३६
दौलतसिंघ सर्जासिंघोत भाटी ती २१३
दौलतसिंघ (तिहांणदेसर) ती. २२७
दौलतसिंघ (नींबाज) नी २३१
दौलतसिंघ (वाप) ती. २२३
दौलो गहलोत दू ११४
द्यास दू २०२
द्रढहास प. २६२
द्रढाख ती १७७
द्रोण दे० द्रोणाचार्य महर्षि ।
द्रोणगिर प २६०, २८०
द्रोणाचारज दे० द्रोणाचार्य महर्षि ।
द्रोणाचार्य महर्षि ती. १५३, १५४
द्वारकादास प ३०६, ३२२, ३२३, ३२७
द्वारकादास गिरधरदास रो, राजा प.
३२१, ३२७
द्वारकादास नरसिंघदास रो प ३२०
द्वारकादास नाथा रो प ३११, ३१२
द्वारकादास पतावत दू १७१
द्वारकादास भाटी दू ६४, १०६, १३१,
१३२, १६७, १८८, १९७
द्वारकादास मनोहरदासोत दू १२०
द्वारकादास मेड़तियो दू. १७७
द्वारकादास मेहाजळ रो प १६०

ध

धणसूर दे० धणसूर ।
धनपालसेन ती. १८९
धनकपाळ प २८१
धनराज प १६७
,, दू. ८१, ९३, १२१, १२२,
१२४, १२८, १३८
,, ती २३१
धनराज खेतसीओत दू ९६
धनराज गोयददासोत दू. १८०
धनराज जैतावत दू २००
धनराज नेतावत दू. १०७
धनराज सोकावत दू १७३
धनराज सावळदासोत दू १८१, १८२,
१८४
धनराज सीहड उधरणोत दू १०३, १०४
धनराज हरराज रो प १६३, १६४
धनासेन ती १८९
धनुर्द्धर प ७८
धनो आसावत दू १७७
धनो गौड ती २७०
धनो जोगा रो प ३५७
धनो मांडणोत प. २३६
धनो बीसा रो प १९९
धरण सा प. ३६
धरणीवराह प ३३७, ३३८, ३५५, ३६३
,, ती १७५
धरमधव प. ३२६
धरमदेव प ३३७
धरमानद प. २७
धरमो दू १४३
धरमो धीठू प ३४७
धरमोस प २९२
धर्म सर्मा प ६
धर्मानद राजा ती १७५ (दे० धरमानद)
धर्माद प. २८८
धवळ आडेचो दू २२५
धवळोजी राय ईंदो दू ३१०
धांधळ ती २९, ५९
धांधू प ३३७
धाऊ मेछळो दू. ६०, ६१
धारागिर राजा ती १७५
धारदे दे० धीरदे जोईयो ।
धारदे मदोत जोईयो ती. ३०
धार धवळ दे० धीर धवळ ।

धारावरीस सोमेसर रो प. ३५५, ३६३
धालू आनळोत प. २५३, २५४, २५५, ३४०
,, आनळोत ती. २८६
धारो देवड़ो प. १५६
धारो सोढो प. २२५
धाहड़ राजा ती. १७५
धिखनाश्व प. ७८
धिषताश्व दे० धिखनाश्व।
धीरजदे दे० धीरदे जोईयो।
धीरतसिंघ (सांडवो) ती. २३२
धीरतसिंघ (सिरंगसर) ती. २२४
धीरतसिंघ (हरदेसर) ती. २३२
धीरदे जोईयो दू. ३१७, ३१८, ३१९, ३२०
धीरधवळ ती. ५३
धीर राठोड़ ती. २१९
धीरसेन राजा ती. १७५
धीरो जैसिंघदेवोत प २३२, २३६
धीरो देवराज रो दू. २०१
धीरो मालक रो प. ३३१
धुंभाळक परमार ती. १७६
धुंध प. ११९
धुंधमार प. ७८, २८७, २९२
धुंधळ प. १७२
धुंधळियो लाहणी प. २२६
धुंधुमार ती. १७७, २१८ (दे० धुंधमार)
धुवसंध प. २८८
धूंधळीमल जोगी दू. २०९, २१०, २१२
धूमरिख ती. १७५
धूम्रऋषि दे० धूमरिख।
धूम्रज्वालक दे० धुंभाळक।
धूहड़जी राव ती. २९, १८०
धृतस्यंद ती. १८५
धोधादास दू. ८१
धोधो दू. ८०
धोम ऋषि प. ३३७
धोमरिख प. २८०
धोमरिष प. २९१, ३३७
धोमारिख प. ३५४
ध्रुवसंध ती. १७९
ध्रुवसंधि ती. १७९
ध्रुवसिन्धु ती. १७९

न

नंदराय प. ४७
नंदराय वालणोत प. २७९
नंदियो प. १७४
नंबो प. २७९
नकोदर पांदे रो ती. १४, १५
नगजी राव चंदे रो ती. २४८, २४९
नगराज खींदे रो प. ३४१
नगो प. १७, २२, २७, ६७, १६६, १९८, २०५
,, दू. ७७, ७८, २६४
नगो भारमलोत ती. ११७, ११८, ११९, १२०, १२१
नगो सवरा रो प. १६७
नबो सोढो दू. २२१, २२३
नयपाल राजा ती. १८८
नरदेव प. ५, २९०
नरनाथ सर्मा प. ६
नरपत जाम दू. २०९
नरपति रांणो प. ६
नरपाळ प. २८९
नरवद प. ४९, ५०, १०९, ११०, १२५, १२६
,, दू. १९७, १९९
नरबद मेघावत मोहिल ती. १६१, १६२, १६३, १६४, १६६
नरबद सत्तावत दू. ३३६
,, ,, ती. ३८, १३०, १३१, १३२,

१३३, १४०, १४२, १४३, १४४, १४५, १४६, १४७, १४८, १५०
नरबिंब रावळ प. १२
नरब्रम रावळ प. ७९
नरब्रह्म रावळ दे० नरब्रम रावळ।
नरवाहण प. १२३
नरवाहण रावळ प. ७९
नरवाहन रावळ प. ५, १२
नरवीर रावळ प. ७९
नर सर्मा प. ६
नरसिंघ प. १२९, १६३, १६६, १६७, २००
,, दू. ६६, ८१, १०७, १२०, १६०, २००
नरसिंघ उदैकरणोत प. २६०, २६५, २६७
नरसिंघ ऊदावत दू १७३
नरसिंघ खींवावत तो १४१
नरसिंघ गोयददासोत दू १८०
नरसिंघदास प २३६, ३०४, ३०५, ३२०, ३२४, ३२५
,, दू १८४
नरसिंघदास ईसरदास रो प ३५४
,, ,, ,, दू. १६१
नरसिंघदास कल्याणदासोत दू १५८
नरसिंघदास छीतरदास रो प ३०८
नरसिंघदास चाट तो १४, १५
नरसिंघदास देवीदासोत दू ९५ ८७, ८९
नरसिंघदास (नींबोळ) तो २३६
नरसिंघदास फरसराम रो प ३१६, ३२४
नरसिंघदास भाखरसीओत दू १५२
नरसिंघदास (मेळू) तो. २२५
नरसिंघदास मानसिंघ रो प. ३२६
नरसिंघदास मुहतो जैमलोत प. ७७
नरसिंघदास राघत प. ४६, ६१, ६६
नरसिंघदास (रोणवो) तो. २२६
नरसिंघदास लूणकरण रो प. ३१६, ३२०
नरसिंघदास सांवळदासोत दू. १७४, १८२
नरसिंघदास सींधळ तो ३८, १४१, १४३, १४४, १४५, १४६
नरसिंघ दूंवडो तेजा रो प १६५
नरसिंघ बाघा रो प ३४३
नरसिंघ भाणोत दू १५१
नरसिंघ राजा तो १६०
नरसिंघ वाघावत दू १६२
नरसिंघ सींधळ प २२६ (दे० नरसिंघदास सींधळ)
नरसिंघ सोढो प ३६१
नरहर प १२, १३३
,, दू ८८, ९०, ९४, १२३, २००
नरहरदास प २७, ६७, १०२, १११, १२५, १५६, १६१, १६५, १७८, २१२, २३४, २३८, ३०८, ३१६ ३२५
,, दू १७४, २६४
नरहरदास ईसरदासोत दू १५५, १५६
नरहरदास केसोदासोत दू १७
नरहरदास गोयददासोत दू १५०, १५५
नरहरदास दुरगावत प ३४३
नरहरदास पचाइण रो प ३०७
नरहरदास भानीदासोत दू १६६
नरहरदास भैरवदासोत दू १६६
नरहरदास रामोत दू १२०, १२२
नरहरदास रायसिंघोत दू ११४
नरहरदास सांवळदासोत दू १७९
नरहरदास सोढो प. ३६१
नरहर रावळ प १२
नराइण ओघावत दू १७३
नराइणदास प. ६७, ६९, २१०, २११, ३२०
नराइणदास आसावत दू १४७

नराइणदास खंगारोत प. ३०४
नराइणदास हाडो प. १०४
नरू प. १५, ३१८
नरू मेहराज रो प. ३१३
नरो प. २०५, ३५७
,, दू. ८१
नरो प्रजावत दू. १४४
नरो राजा चंद रो प. ३१३
नरो बीकावत ती. २०५
नरो सूजावत ती. १०३, १०५, १०६, १०७, १०६, ११०, १११, ११२, ११३, ११४
नळ प. २८६, २६३
,, ती. १७८
नलनाभ प. २८८
नवखंड रावळ प. १३
नवघण प. २४६, २४७
,, दू. २०२
नवब्रह्म प. ११७
नवलसिंघ (खूहड़ी) ती. २३१
नवलसिंघ (गोरीसर) ती. २३१
नवलसिंघ (सालू) ती. २२४
नवसहँसो दे० मालदेव राव।
नवसेरीखांन प. २५७
,, दू २६२
नस्ता (नरू) रावळ प. ७६
नांगड़ दुरजणसाल रो प. ३५५
नांदण दू. ६६
नांदो विजा रो प. ३५८
नांनग चावड़ो दू. ३११
नांनगदे प. १३०
नागदे प. १२६
नागपाळ रांणो प. ६, १५
नागादित प. ३, १०
नागादित्य दे० नोगादित।
नागारजन खूंट रो दू. २०२, २०३
नागार्जुन दे० नागारजन।
नागोरीखांन ती. १२६, १३२
नाटो प. १५६
नाड़ीजंघ प. ७८
नाथ ती. १०८
नाथू प. २०५
नाथू माला रो दू. १७८
नाथू रतनसी रो प. ६७
नाथू रिड़मलोत दू. ११६. १४३
नाथो प. १२१, २३६, ३१६, ३२१
,, दू. ७५. ७६, ८८, ६०, १२३, १२५, १८४, १८७, १६१, १६६, २६४
नाथो खंगारोत ती. ३७
नाथो गोपाळदास रो प. ३१०
नाथो घाय-भाई दू. १८०
नाथो पतावत दू. १७१
नाथो भाटी किसनावत दू. ७८
नाथो रूपसी रो दू. १६६, १६७. १६८, १६६
नाथो लिखमीदासोत दू १६६
नाथो लूंणा रो प. ३२७
नाथो वीरम रो प. १६७
नाथो सिंघ रो प. ३१५
नादो दू. १४३
नादो रायचंदोत भाटी दू. ६६, १००
नापो प. १०१
,, दू. १४३
नापो घीरा रो प. ३३१
नापो मांणकराव रो प. ३४६, ३५३, ३५४
नापो रिणधीरोत ती. १३०
नापो वरजांग रो दू. १६८
नापो सांखलो ती. ५, ८, ६, ११, १६, २०, २१
नाभंगराय प. २८८

नाभ प ७८
, ती १७८
नाभसुत (नाभसुत) प ७८
नारण प १०१, २३५
दू १४३ २६४
नारण जोधावत दू १६४
नारणदास प २७ ६३ १६५, ३२७
, दू ८१ ६६, १६२, १८६
नारणदास मखैराजोत दू १८८
नारणदास ईसरदासोत दू १८६
नारणदास पातावत प ३१
नारणदास भाडा रो प १०२
नारणदास भांनीदास रो प ३४३
नारणदास मानसिंघ रो प ३२६
नारणदास माधोदास रो प ३५८
नारणदास मालदेवोत दू ६२
नारणदास रायसिंघोत दू २५५ २५६
नारणदास रावळ जैतसी रो दू ८५
नारणदास साईदास रो दू १७६
नारणदास सांवळदासोत दू १७६
नारणदास सूजावत दू १६०
नारसिंघ ती २२८
नाराइण गोयंद रो प ३५८
नाराइणदास प ३२०
नाराइणदास जगसोत प ६६
नाराइणदास पत्ताइणोत प ३०६
नाराइणदास भाणोत प २१०
नाराइणादित्य प १०
नाराणदास बीडो प २४६ २४७
नाराणदास बाघावत प २४७
नारायण प १६७ १६६ २३७ २४२
३३१
नारायण ती २२०
नारायणदास आसकरणोत दू १२६
नारायणदास (करेम्हडो) ती २२७
नारायणदास (तिहांणदेसर) ती २२०
नारायणदास (भळू) ती
नारायणदास भैरवदास रो
नारायण मुहणोत प २६६
नारायणदास (मेवसर) ती
नारायणदास रावत प ६२
नारायण सीमलोत दू १
नारायणसेन राजा ती १८
नास प २८८
नाल्हो सीहड़ रो प ३४१
नासरदीन सुलताण ती १६१
नासर संद ती २७३, २७५
नासिर संयद दे० नासर संद।
नासिरद्दीन दे० नासरदीन सुलताण।
नाहड़राव पड़िहार ती २८
नाहर दू ६५
नाहरखान प २७, ६५ ६६, ११७
१४२, १५४, १५५ १५८, ३२५
नाहरखान दू १०८, १३०, १५६
१८८, २६३
नाहरखान गोकळदास रो प २०६
नाहरखान नाराणदास रो प ३५८
नाहरखान राघोदास रो प २८३
नाहरसिंघ (जाकरी) ती २३३
नाहरसिंघ (रावतसर) ती २२६
निकुंभ प १२२
ती १७३, १७७
निकुंभ ऋषि दे निकुंभ।
निखध प ७८
निगम राजा ती १८६
निजांम साह ती २७६
नित्यानंद सर्मा प ६
निरघोस प ६
निषधराइ प २८८
निषध ती १७८
नींबो प ७०
नींबो भाणदोत दू १५४, १६०

नींबो कांधळोत ती. १६, २१
नींबो जैसिंघदे रो प. २३२
नींबो जोधावत ती. ३१
नींबो मुंहतो दू. १३५
नींबो राव महेसोत दू. १८२
नींबो सिवदास रो दू. १६७
नींबो सीमाळोत दू. ४१, ४२
नींभड़ पोहड़ दू. १३
नीतपाळ प. २८६
नीत राजा ती. १८६
नील प. ७८
नूरद्दीन जहांगीर बादसाह दे० जहांगीर नूरदीन पातसाह।
नेतसी प. १६६
„ दू. १६२, १७४
नेतसी अजावत दू. ८०
नेतसी दुजणोत दू. १७५
नेतसी भा० प. १५२
नेतसी मालदेओत दू. ६६
नेतसी मेहरांवण रो प. ३६१
नेतसी रामोत दू. १२०
नेतसी राव दू. १२१
नेतसी वीरमोत प. २४०
नेतसीह राव (वरसलपुर) ती. ३७
नेतो दू. १९८
नेतो चाचा रो प. ३५१
नेतो जैमलोत दू. ६६, १६६
नेतो परबत रो दू. ८२
नेतो विजा रो दू. ११७
नेमकादित्य प. १०
नैणसी मुंहतो प. ८८, १७२, २७६
नैणसी मुंहतो ती. ४६, १६८, १७३, १७४, १७७, २१४, २१६, २६४
नैणसी सिवराज रो प. ३५६
नोंधण रा' दू. २०२
न्यामतखां कवि ती. २७४

प

पंच दे० चंप।
पंचाइण प. २२, २५, १०६, १६५, ३०६
„ दू. ६६, १२०, १४२, १५१
„ ती. ६६, ६७, २२०
पंचाइण कचरा रो प. १६५
पंचाइण खेतसी रो दू. ६३, ६५
पंचाइण जैतसीओत दू. १६६
पंचाइण जोधावत दू. १६४, १७७
पंचाइण पंवार प. १४१
पंचाइण प्रथीराजोत प. २६०, ३०७, ३०६
पंचाइण भगवानदासोत दू. १५२
पंचाइण मूळावत दू. १६०
पंचाइण मेहाजळ रो प. १६१
पंचाइण राणा भोजराज रो प. १७२
पंचाइण रूपसी रो प. ६७
„ „ „ दू. १४८
पंचाइण हमीर रो प. २३७
पंचायण दे० पंचाइण।
पंचायण रावत ती. १७६
पंजुन सामंत प. २६०
पंजू प. २२०, २२१
पंजू पायक दू. ४१, ४२, ६१
पंडरिख्य प. २८८
पंडवो प. १६
पंवार प. ३३६
पताई रावळ ती. २५, २६
पताळसिंघ दे० पातळसिंघ राजा।
पतो प. २७, ११६, १६८, १६८, ३३०, ३५८, ३६२
पतो दू. ८१, ८८, १३२, १३३, १४४, १६७
पतो गांगा रो प. ३५५, ३५६
पतो चारण प. १३६
पतो चीबो प. १४८

ो जैमल रो दू १४५
ो जौगीदास रो दू. १६६
ो वहियो प २२६
ो देवडो सांवतसीप्रोत प. १५३
ो नगावत दू. १८१
ो नींबावत दू. १५४, १६०
ो मदा रो प. १६७
ो महणसी रो प. १३५
ो महिपा रो प. ११६
ो मूळावत दू १६०
ो रांणावत दू. १५१, १७१
ो रांणो प. ३५८
ो राजघर रो दू. १७७
तो रायमल रो प. १६
ो राव कला रो प. १६०
तो रूपसी रो दू. १६६, १६७
तो सिघावत प २४३
ो सिखरा रो प. १६५
तो सींधळ प. २२५
तो सीसोदियो प. ३२, ६७, १११, ११२
„ „ तो. १८३
तो सुरताणोत दू. ६६, १०८
तो सूजा रो प. २३६
तो सूरा देवडा रो प. १७०
यनेत्र प. ७८
वमपाळ प. २८६
बम राणो दू. २६५
दम रिख दू. [illegible]
दमसिंघ दू. ६३
दमसिंघ करणसिंघोत तो २०८
दमसिंघ (जोळी) तो. २३२
दमसिंघ (जेसळमेर) तो. २२०
दमसिंघ (जैतपुर) तो. २३०
दमसिंघ भाटी दू ११०
दमसिंघ (भादळो) तो. २२५
पदमसी प. १६३
पदमसी कांनडदेप्रोत दू. २८३, २८४
पदमसी राषळ प ७६
पदमसी विजैसी रो प. २३०, २३१
पदमादित्य प. १०
पदमो सेठ तो. २१५
पदारथ तो. १८०
पद्म ऋषि दू. ६
पद्मनाभ कवि प. २०४, २१२
„ „ तो. २६२
पवो जाडेचो दू २५३, २५४
पमार डाहळियो तो. १५४
पमो धोरधार तो. ५८, ६०, ७८, ७६
परताप प. ११७
परतापसिंघ मानसिंघोत दू. १६३
परतापसी सूजकरणोत तो. २०५
परपाळ राजा तो १८५
परबत प ३६१, ३६२
परबत आणंदोत दू १५४, १६२
परबत केहर रो दू ७८
परबत गांगा रो दू ८१, ८२
परबत रावत प. ७१, ७२
परबतसिंघ प. ४०, १७४
परबतसिंघ मेहाजळ रो प. १६१
परबतसिंघ सीसोदियो प. १५५, १५६, १५७
परबत सेला रो प. १६८
परमपथ राजा तो. १८६
परमार प ४
परवेज साहिजादो प ३२१
परसराम प. ६८
परसराम भारमलोत प. २६१
परसराम रायसलोत प. ३२३
परसरांम (हरदेसर) प २३२
परसोतम प. ३२३
परसोतमसिंघ प. २६८, ३२२, ३२३

परांछित ती. १८६
परिपाल ती. १८५
परियत्रराइ प. २८८
परीश्राइत हू. ६
परीक्षित ती. १८५
परीखत प. ८, १०
परीख्यत राजा प. १०
परुपत प. २८७
परुरव पंवार री प. ३३६
परूराई ती. १७५
पवन्य प. ७८
पसायत गाडण हू. ११८
पसो प. २१
पहुपलकराज प. २८८
पहुलादसिंघ प. ३११
पहाड़सिंघ ती. २२४
पहाड़ो ती. २२४
पहोड़ हू. १७ दे० पाहोड़
पांचो हू. ८१, १६६
पांचो नगा री प. १६७
पांचो मांना री प. १६८
पांचो वीसा री प. १६६
पांडव ती. १५३, १५४
पांडो गोवा री ती. १३, १४
पांणराज प. २८८
पातळ किसनावत हू. ११४
पातळ लोगावत हू. ८४
पातळ धरसिंघ री हू. १२७
पातळसिंघ राजा ती. १७६
पातो चीवो प. १४६
पातो त्रभवणा री प. २८५
पातो फरास प. १४५
पातो भरमा री प. १७२
पातो रावत हू ६७
पातो वीकमसी री प. २३१
पातो सांगा री प. १७२
पाबूजी ती. ४०, ५८, ५६, ६०, ६१, ६२, ६३, ६४, ६५, ६६, ६७, ६८, ६६, ७०, ७१, ७२, ७३, ७४, ७५, ७६, ७७, ७८, ७६
पायक प. २८८
पारजात प. ७८
पारारिख प. १२२
पारियात्र ती. १७६
पाल उदैचंद राजा री प. ३३६
पालण काल्हणोत दे० पाल्हण काल्हणोत
पालण पंवार प. १८१
पालणसी छोहिल री प. ३४०
पालदेव सर्मा प. ६
पाल्हण काल्हणोत हू. २, ३६, ५४
,, ,, ती. ३४, २२१
पासेनजित प. २८७
पाहड़सिंघ प. १३०
पाहुण ती. २२१
पाहु बापा राव री हू. १, १०, ३३
पाहू जेठी प. ३४६, ३५०
पाहोड़ हू. १ दे० पहोड़
पियुराव हू. ७७
पिथोरो राजा ती. १६०
पिराग जांझणोत प. २३८
पिरागदास प. ३२३
,, हू. १३३
पिरागदास वीरमदेवोत हू. १७१
पिराग भाटी हू. ६६
पिरोजशाह दे० पीरोसाह।
पीच सर्मा प. ६
पीत सर्मा प. ६
पीताम्बरदास वेरासरी ती. २६३
पीथड़ घूहड़ री ती. २६
पीथम राव प ३६२
पीथमराव तेजसीयोत प. २३२, २४१
पीथळ दे० प्रिथीराज कल्यांणमलोत।

ोपळसिंघ दे० पातळसिंघ राजा
ोयो प. १६४, १६६, १६६, ३१६, ३२६, ३३०
ोयो दू ६६, ७७, ६०, ६२, ६५, १२८, १७५, १६८
ोयो माणंदोत दू १५४, १६३
ोयो कान्हावत दू १८१
ोयो जसूंतोत दू. १७०
ोयो देदावत दू १६०
ोयो वीसावत दू, १६४
ोयो सीसोदियो बाघावत प ६४, ६६
ोरजादो दू. ४५
ोर महाम चिसती प. ३१८
ोरो मालियो दू. १०१
ोरोज दू ३४२
,, ती. १८
ोरोजशाह पातसाह दू. १
,, ,, ती १८४
ोरोसाह पातसाह दू. १, १०, ५०
ोरोसाह सुलतांण ती. १६१
जन राजा प. २६३, २६४, २६६
ज राजा ती १८०
डरीक प. ७८
,, ती. १७८
णपाल रांणो प. १५
ण्यपाल दे० पुनपाळ।
धन्वा (सुधन्वा) प. ७८
नपाळ ऊदा रो प. ३४६
नपाळ आगळघो प. ३५४
नपाळ रांणो प ६
नपाळ रावळ लखणसेन रो दू ४२, ४३, ११४
नपाळ रावळ लखणसेन रो ती. ३३
नराज दू ३२
नसी दू. ८६
नसी, रावळ जैतसी रो दू ८५
पुरस बहादर प. ३२२
पुरुकुत्स ती १७८
पुररवा दू ६
पुरुरवा दे० परूराई और पुररवा।
पुरुषोत्तमसिंह प. ३२३
पुष्कर ती. १७६
पुष्पसेन दे० पोहपसेन।
पुष्य ती. १७६
पूंजो दू. ८६
पूजो चूडा रो प. ३५१
पूजो पाता रो प. १७२
पूजो राजा रो प ३५२
पूजो रावळ प. ७७, ७६, ८७
पूनो प. १६६, २००
पूनो ईंदो दू. ३४२
पूनो चवंड रो दू. ३१०
पूनो दोला गहिलोत रो दू. ३१४, ३१५
पूनो भाटी रांणावत दू. ६६
पूरणमल प १०४, १०८
,, दू १२५
पूरणमल कांधळोत ती. १६
पूरणमल गोपाळदासोत दू १८६
पूरणमल जैतसिंघोत ती २०५
पूरणमल दासा रो प. ३१८
पूरणमल प्रताप रो प. २८
पूरणमल प्रथीराजोत प. २६०, ३१३
पूरणमल मांडणोत दू. १८६
पूरणमल मालदेवोत दू. ६२
पूरणमल राजा दू. ३३५, ३३६
पूरो प १०६, १६६, ३१६, ३४२
,, दू १२६, १३०, २६२
पूरो जैमलोत प. ६६
पूरो भाणोत प २६
पूरो रांणावत दू. १७२
पूरो सिंघ रो दू. २६४
पृथीप प. ६

पृथुश्रवा प. २८८
पृथ्वीराज कुंवर ती. २४७
पृथ्वीराज चौहान प. २६६
पृथ्वीसिंघ (लोवो) ती. २३२
पेथड़ प. ६, १४, १५
,, दू. १००
पेमलो चोरी ती. ५६
पेमसिंघ प. ३०८
पेमसिंघ छत्रसिंघ रो प. २६६
पेमसिंघ (नींवां) ती. २२५
पेमसिंघ (लाखिया) ती. २३५
पेमसिंघ (वाघ) ती. २२३
पेरजखांन जोगा रो प. १२४
पेरोसा सुरतांण दू. ५०
पैनारखांन प. ४६
पैरोज प. ३२८
पैंहळाव प. ३२१
पोलस्त अगस्त रो प. १२२
पोलियो नाई ती. २१४
पोहड़ दू. ११, १२, १३, १४
पोहपसेन प. १२४
,, ती. १७५
प्रछेमपत्वा पी. २८८
प्रजापाळ प. ७८
प्रणव ती. १७८
प्रलक प्रवेस प. २८६
प्रतबिंब प. २८६
प्रताप (चंडावो) ती. २३४
प्रतापचंद प. ३१६
प्रतापमल रांम रो प. ३१४
प्रताप रांणो प. ६, १५, २१, २८, ३०, ३६, ३६, ४८, ७४, १०६, २०८
प्रताप रावळ प. ७३
प्रताप रिणधीर रो प. १४२, १५६
प्रतापरुद्र प. १२६, १३०
प्रतापसिंघ प. ६८, ३०५, ३११
प्रतापसिंघ कछवाहो दू. १५२
प्रतापसिंघ कल्यांणमलोत दू. २७६
प्रतापसिंघ कुंवर ती. १५२
प्रतापसिंघ (गोरीसर) ती. २३१
प्रतापसिंघ (छिधियो) ती. २३७
प्रतापसिंघ जसकरण रो प. १२१
प्रतापसिंघ भगवंतदासोत प. २६१
प्रतापसिंघ भगवांनदास रो प. ३००
प्रतापसिंघ भाटी सुरतांणोत दू. १००
प्रतापसिंघ मनोहरदासोत प. ३०५, ३११
प्रतापसिंघ (महाजन) ती. २२८
प्रतापसिंघ मालदे रो प. ३१५
प्रतापसिंघ राजा (किसनगढ) ती. २१७
प्रतापसिंघ रावत प. ६६
प्रतापसिंघ (सिधमुख) ती. २२४
प्रतापसी प. १११
,, दू. ८८, २५६
प्रतापसी चहुवांण, राव ती. १८३
प्रतापसी रावत दू. २६४
प्रतापादीत प. १३३
प्रतापी रावळ प. ७६
प्रतिव्योम ती. १७६
प्रतीक प. २८६
,, ती. १७६
प्रथम रांणो प. ६
प्रथसवा प. २८८
प्रथीचंद मनोहर रो प. ३१६
प्रथीदीप भारमल राजा रो प. २६१
प्रथीमल प. १८५, १८६
प्रथीमाल प. १८६
प्रथीराज प. १७, १६, ५५, ५६, ६६, १२५, १२६, १३०, १४४, २०६, २४१, २५२, २८६, ३०७, ३११, ३१३, ३२४, ३२८, ३४१, ३४४
प्रथीराज दू. ८६, ६२, ६५, ६७, ६८, १२३, १२४, १४७, १६१, १६५,

१८२, १६७, २०२, २६४
प्रथीराज ती. ११६, ११७, ११८, ११६, १२०, १२१, १४०
प्रथीराज चहुणो-प्रलो प. १७, १६
प्रथीराज कघरावत दू. १७४
प्रथीराज करमचद रो प ३१५
प्रथीराज राव, कल्याणमलोत बीकानेरियो प २५६
प्रथीराज कांन्हावत दू. १६३
प्रथीराज गोयवदासोत दू. १५५, १५६, १५७
प्रथीराज चद्रसेणोत प. २६०, २६७
प्रथीराज चहुवाण राजा प. १८०, १८१, २६६, ३३६, ३४४
प्रथीराज जूफारसिंघ रो प २६८
प्रथीराज जैतावत दू. २०१
प्रथीराज झालो मानसिंघ रो दू २५६
प्रथीराज देवड़ो सूजावत प. १५४, १५५, १५६, १५७, १६१, १६२, १६५, १६६
प्रथीराज (भूकरी) ती. २२१
प्रथीराज पातावत दू. १४६
प्रथीराज बलूग्रोत दू. १७३
प्रथीराज भोजराजोत दू. १२२, १३८
प्रथीराज राजा कछवाहो ती. १५२
प्रथीराज रायमल रो प. ६१, ६२, २८१, २८४
प्रथीराज रावत, जैतावत प ६०, ६६
प्रथीराज राव दलपतोत दू. १३१, १३२, १४४
प्रथीराज रावळ प. ७०, ७१, ७२, ७३, ७६
प्रथीराज रावळ उदैसिघोत प. ८७
प्रथीराज राव (वैरसलपुर) दू. १२१
प्रथीराज हरराजोत प. २५६
प्रथीराज हाडो केसोदास रो प ११७
प्रथीसिंघजी कंवर प. ३२२
प्रथीसिंघ परसोतम रो प. ३२३
प्रथु प. २८७
प्रदमन दे० प्रदुमन।
प्रदुमन प. ७८
,, दू. १, १५, १६, २०१
प्रद्युम्न दू. ६, १५, २०६
प्रयागदास ती. ११६, १२०
प्रशासनु दे० प्रसयतु।
प्रसयतु ती १७६
प्रसेनजित प. २८७, २६२
,, ती. १७६, १८०
प्रसेनपत्वा प. २८८
प्राग दू. ६
प्रागदांन ती. २३३
प्रागदास प. २१२
,, दू. १२०
प्रागदास करमसीग्रोत दू. १६३
प्रागदास कलावत दू. १६२
प्रागदास दयाळदास रो दू. ६४
प्रागदास सांवळदासोत दू. १८३
प्राक्षित राजा ती. १८६
प्रासेनजीत प. २८६ (दे० प्रसेनजित)
प्रिथीचंद प ३१६
प्रिथीराज कल्याणमलोत ती. २०६, २०७ (दे० प्रथीराज कल्याणमलोत)
प्रिथीराज वैरसलपुर राव ती. ३७
प्रिथु प. ७८
प्रेतारथ दू. ६
प्रेमचद प ३१६
प्रेम मुगल प. २४४
प्रेमसाह प १३१
प्रेमसिंघ प ३२१, ३२८

फ

फतैसाह ती. २७६

फतैसिंघ प. २५, १३३, ३०६, ३११, ३१८
,, दू. ६५
,, ती. २२३, २२४, २२५, २३१, २३२, २३३, २३४, २३५
फतैसिंघ किसोरदासोत प. ३०७
फतैसिंघ लाडखांन रो प. ३१८
फतैसिंघ विजैसिंघोत दू. ११०
फतैसिंघ हररांमोत प. ३२४, ३३५
फदनखां ती. २७५
फरसरांम प. ६६, ३०७, ३२३
फरसरांम उदैसिंघोत प. २१, ३०८
फरसरांम कचरावत प. ३१६
फरसरांम सिदावन रो प. ३०७
फरसो प. १२१
फरसो सूजा रो प. ११६
फरीव शेख ती. २७६
फरेखांन (फरेखान) प. २६२
फार्बस ती. १७३
फिरोजशाह बादशाह दू. १०
,, ,, ती. १८४
फूंदो कांधड़ प. २०३
फूल दू. २२१, २३३
फूल जाड़ेचो छाहर रो दू. २०६
फूल जाड़ेचो घवळ रो दू. २२५, २२६, २२७, २२८, २२६, २३०, २३१, २३३
फूलांणी दू. २३३

ब

बंध प. ३३८
बंध राजा प. ३३६
बंधादत्त प. ३३८
बंभ दू. २१५
,, ती. १८०
बंभणियो नांम दू. २२४
बंभ राजा (भारवणी रो बाप) प. २६३
बंभेसर दू. २१५
बद्धुवं राजा ती. १८६
बद्री तिरमणोत प. ३२३
बद्रीदास प. ३०६
बळ प. ११६, १३५, २४७
बळकरण प. १०१
,, ती. २२१
बळकरण जगनाथ रो प. ३०२
बळकरण नरहरदास रो प. ३०८
बळकरण पूरा रो प. ३४२
बळभद्र प. २१२, ३१०, ३१८, ३२७, ३२६, ३५६
,, दू. ६०, २६४
,, ती. २२८
बळभद्र नरसिंघदास रो प. ३२०
बळभद्र नारायणदासोत प. ३२४, ३२६, ३२७
बळरांम प. २८, ३०६
,, ती. २३६, २३७
बलराज प. १००
बळराज तेजसी रो प. ३५७
बळ राजा प. १६०
बळ लाखण रो प. २५०
बळवीर प. १२६
बळसोही राव लाखण रो प. १७२,२०२.
बलाहक राजा ती. १८७
बळिकरन पूरावत दू. १७२
बळिवाल प. २८६
बळिभद्र प्रथीराज रो प. २६०
बळिभद्र बांकड़ो राजा प्रथीराज रो प. ३०७
बलिरांम फरसरांमोत प. ३१६,३२३
बलिरांम भगवंतदासोत प. ३००
बलि राजा प. १६०

वलि राव लाखण रो प. २३०
वली प १०० (दे वलि राव लाखण रो)
वलीराम नरसिंघदासोत दू. १८३
वलू प २५, ६८, ३०७, ३०८, ३१२, ३२५, ३२६, ३४१
,, दू ९४, १२४, १२८, १२६, १३१, १३२, १४३, १४४, १७४
वलू उदैभाणोत देवडो प. ३२
वलू कान्हावत
वलू केसोत दू १८८
वलू चहुवाण प. ६३
वलू जसवंतोत दू १४८
वलू जैमल रो प. ३१७
वलू राव प २२७, २२८
वलू सकतावत प. २७
वलू सावतसीओत प २३४
,, ,, ती २१७
वलू सावळदासोत दू १७६
वलू साहूळोत दू १६४
वलू सुरजनोत दू १८५
वलू सुरताणोत दू १५०
वलू हुल प २७६
वहलीम प २२८
वहलोल लोदी पातसाह ती. २७३
वहलोल सुलतांण ती. १६०
वहवन मोकरा रो प. ३३३
वहादर प ६२ दे० वाहदर
वहादर पातसाह प २०, ४६, १०६
,, ,, दू. २६२
,, ,, ती ५५, ५६
वहादर राजा प. २०, २६८
वहादुर प २६२
वहादुरशाह वादशाह दे० वहादर पातसाह।
वहादुरसिंघ ती. २२३, २२७, २२६
वहादुरसिंघ राजा (किशन०) ती. २१७
वहिराम सुलतांण ती. १६२
वहुवं राजा ती १८६
वांगण ती. २२१
वागण जसहडोत दू ३६, ४३, ५४
वांगो हाडा रो प. १०१
वाकळियो दू २५७
वागण दे० वागण।
वागुळ धुधमार रो ती. २१८
वाघसिंघ (नींवा) ती. २२५
वापो कगा रो प. ३४३
वापो राव ती. २२२
वापो रावळ प. ३, ४, ७, ८, ११, १२, ७८
वापो रावळ दू १, १०, ३३
वावर पातसाह प. १६
,, ,, दू २६२
,, ,, ती १६२
वावूराम रायसल रो प. ३२४
वाळग धाव रो प २६१, २८०
वाळनाथ जोगी प ३५१
,, ,, ती १०३, १०७
वाळप सोळंकी प २८०
वाळवध सालवाहन रो ती ३७
वाळव ती ३७
वाळवध ती. ३७
वाळव भाट प ३६३
वालहराव राणो मोहिल ती १७०
वालो प ५० ६७, ११६
वालो उदैकरणोत प. २६५, २६६, ३१३, ३१८
वालोजी प २६४
वालोजी जगनाथ रो प ३०२
वालो भोजा रो प ११६
वालो राव दू ६५
वालो सेलहथ प. १२३
वाहड धरणीवराह रो प. ३३७, ३३८

बाहदर प. ३२८ दे० बहादर
बाहुक ती. १७८
वाहेली गूजर दू. ५५
बिंवपसाव रावळ प. १२
बिजड़ प. १३५
बीका राव } दे० बीको राव।
बीकाजी राव }
बीज प. २५८, २६३, २६४, २६७, २६८, २६६
बीज राजा ती. १८५
बीबो प. १२४
बीझो जांम दू. २५४
बीरसीह रावळ प. १२
बुकण भाटी-म्रभोहरियो दू. ३०२
बुद्धसेन राजा ती. १७५
बुध दू. १, ६, ११, १५, १६, १४०
बुध ईस (बुधईस) ती. १७६
बुधरांम प. ३०८
बुधसिंघ प. ३०८
,, ती. २३२
बुधसिंघ जगतसिंघ रो दू. १०६
,, ,, ती. ३६, २२०
बुधसेन प. २६२
बुलाकी प. २६८
बूजो बारहठ दू. ३८, ७४
बूड़ो धांधळोत ती. ५६, ६२, ६४, ६५, ६६, ७५, ७६, ७७, ७८, ७६
बूबनो दू. २५४, २५५
बूहड़ मंडळीक प. १२३
बोजो चूंडा रो प. ३५१
बोटो दू. ६
बोड़ो भाखरोत प. २४५, २४७
बोबो रांणो ती. १५८, १७१
बोहड़ बीठू दू. ६३
बोहड़ सोलंकी प. २८०
ब्रह्मदेव रांणो दू. २६४
ब्रह्मसिंघ प. २६१
ब्रह्माण्य प. ७८
ब्रहदस (बृहदश्व) प. २८७
ब्रहांनखां ती. ५७

भ

भईया दू. १, ११
भगवंतदास प. ३२६
,, ती. २२६
भगवंतदास राजा आरमलोत प. ११२, २६१
भगवंत राय प. १३१
भगवंतसिंघ प. १४, १५
भगवंतसिंघ ती. २२५, २३३
भगवांन प. २६
,, दू. ७७, ८१, ८६, १२२, १२८, १७७
भगवांन किसनावत दू. १६१
भगवांन मेघराज रो प. ३५६
भगवांन सोढो प. ३६१
भगवांनदास प. १३०, १६०, १६३, १६७, २३८, ३२१, ३२७, ३२६
भगवांनदास दू. ६८, १२६
भगवांनदास अखैराजोत दू. १५२
भगवांनदास कल्यांणमलोत ती. २०६
भगवांनदास गोपाळदासोत दू. १८६
भगवांनदास दयाळदासोत दू. १४७
भगवांनदास नारणदासोत दू. १८७
भगवांनदास करसरांम रो प. ३१६
भगवांनदास (भूकरो) ती. २२३
भगवांनदास रांमचंदोत दू. १५६
भगवांनदास राजा कछवाहो दू. १४५
भगवांनदास राजा आरमलोत प. २६१, २६७, ३०२
भगवांनदास रायसिंघोत दू. १२५, २५५, २५६
भगवांनदास लूंणकरणोत प. ३२०
भगवांनदास वीरमदेओत दू. १६६

भगवानदास सीहावत द्व १२४
भगवान सकतावत प २७
भगवान हरराजोत द्व ६६
भगीरथ प २८८
भड़ लखमसी रांणो प १५
भड़सी कुतल रो, कछवाहो प २६५
  २६६ ३३०
भद्दसूर रायळ ■ ७६
भवो पत्तायणोत प २१, २०७
भवो सावतसी रो प २००
भरत ती १८०
भरथरी प ३३६
भरमो भाटी द्व २४२
भरमो चहुवांण प १७२
भरह रांणो प १२३
भरूक ती १७८
भव ती १७६
भवणसी लाखण रो द्व ३८
भवणसी भूचर रो प १६
भवणसी (भीमसी) रांणो प १५
भवणसी राणो ती २३६, २४७
भवनो रतनू द्व १४
भवसी राणो प १५
भवानीसिंघ ती २२३, २३२, २३७
भाडो जैतावत द्व ६६
भाडो मैरा रो प. १०२ १०३
भाण प २२, १२०, १४१ १८६, २३५,
  २३७, ३६०
 , द्व १२२, १४३
 ,, ती ८७, ८८
भाण अखैराज रो प २०७ २०६, २१०
भाण अभावत पड़िहार प १५२
भाण कल्यांणमलोत ती २०६
भाण खींवा रो प ३६०
भांण जैसावत द्व. १५० १५१
भाण झूलो चारण प ८६, ८८
भाण तेजमालोत द्व १२४
भांण दुजणसाल रो प ३५५
भांण दूदा रो प ३६१
भांण नारणोत द्व ६६
भांण (भेळू) ती २२६
भांण मनोहरदासोत द्व १६७
भांण मोटल रो प ३४१
भांण रायमलोत द्व. १८६
भाण रायसिंघोत द्व १६४
भाणराव भोजराजोत द्व १३७
भांण रिणधीर रो प १४२, १५८
भाणल द्व ६१
भांण वाढेल द्व २२०
भाण सकतावत प २६
भाण सहसावत द्व १८६
भांण साईदासोत द्व १७६
भांण सिंघोत द्व १६३
भाण सीहावत द्व १२४
भांणो वायळ प २२५
भांणो मीसण-चारण प १०५, १०६
भाणो सीसोदियो प १११
भांन प्रतंबिब रो प २८६
भानीदास प २७६
  , द्व ११, ८० ६२, ६३,
  १३६, १६३
  ,, ती २२०
भानीदास कांह रो द्व ८८
भानीदास दुजणसलोत द्व १२८ १२६,
  १३२
भांनीदास धरनांगोत द्व १६१
भांनीदास वीरमदेग्रोत द्व १६८
भानीदास (भवानीदास) वैरसलपुर राव
  ती ३७
भानीदास हरराजोत ती ३५
भांनीदास हमीर रो प ३४३
भानीसिंघ ती २२३, २२८ २३७

भांनो दू. १६६
भांनो खेतसी रो प. ३६०
भांनो जोगा रो प. ३५७
भांनो रावत प. २७, ६४, ६५
भांनो सोनगरो तो. ४१, ४२, ४३, ४४, ४५, ४६
भांमो साह तो. १२३
भाखर प. २४१, २४७
,, दू. ७६, १६८
भाखर रांणो प. १५, २३१
भाखरसिंघ तो. २३६
भाखरसी प. २७, १५६, १६६, ३६१, ३६३
,, दू. ११, १७८, १६६
,, तो. २३६, २४०, २४१
भाखरसी कल्यांणमलोत तो. २०६
भाखरसी खंगारोत प. ३०६
भाखरसी जसवंत रो प. २०८
भाखरसी दासावत प. १६३, १६६,२३७
भाखरसी दूदावत दू. १६७
भाखरसी भांनीदास रो दू. १६८
भाखरसी महिकरन रो प. ३५६
भाखरसी रायपाळोत दू. १४२
भाखरसी वैरसल रो प. ३६३
भाखरसी सादूळोत दू. १६६
भाखरसी हरराज रो दू. ६८
भागचंद दू. ८०, १२४, १४२, २०१
,, तो. २२८
भागचंद जैतावत दू. २००
भागचंद हाडो प. १०१
भागस सकता रो प. १६८
भागादित्य प. १०
भागीरथ प. ७८, २६२
,, तो. १७८
भाटी द. ६, १६
भाटी सालवाहन रो तो. ३७
भादू रावळ प. ५, १२
भादो नारणदासोत दू. १८८
भादो भोजा रो प. ३५४
भादो मोकळ रो तो. ११६
भादो रावळ प. ७८
भाद्रावळ जोगी दू. २१६
भानु तो. १७६
भानुमान तो. १७६
भामाशाह दे० भांमो साह।
भायसिंह तो. २२६, २२८, २३०
भारतसिंघ तो. २२६, २३५
भारथचंद्र राजा प. १२६
भारथसाह प. १२६
भारथसिंघ प. २६८
भारथी प. ३०७
भारद्वाज तो. १५४
भारमल प. १५६, १६६, १७१, २०५, ३०६
भारमल दू. ६६, ८४, ६१, १५६
भारमल जगमालोत तो. ३, ४
भारमल जोगावत तो. ३१
भारमल प्रथीराजोत प. २६०, २६१, २६७
भारमल मंडू रो प. ३२५
भारमल राजा तो. २१७
भारमल राजा प्रथीराज रो प. २६१
भारमल रावळ प. ३५६
भारमल बीकावत प. २००
भारमल सांगावत प. ३६०
भारमल सेखा रो प. ३२८
भारमल सोम रो प. १६६
भारो दू. २०६, २१५
भारो साहिब रो दू. २५३, २५५
भालो रावळ प. ७६
भावसिंघ प. २७, १०२, ११३, १६०, ३०४, ३२४

भार्वासिघ दू ६३, १६६, २६३
,, तो २३७
भार्वासिघ कान्होत दू १५०, १८४
भार्वासिघ मानसिघ राजा रो प २६१, २६७, २६८, ३१०
भार्वासिघ राजा दू १४७
भार्वासिघ सेखा रो प ३१७
भासादित प ७८
भींदो प १६२
भींव प २६, २७, २२६, ३४१, ३४३
, दू. १, ७७, ८१, ६६ ११६, १५१
भींव करणोत प २३५
भींव करमा रो प १६५
भींव कल्याणदासोत दू १६६
भींव कूभावत प २३६
भींव जगमाल रो प ३२६
भींवड पूजन रो प. २६४, २६६ ३३२
भींव डोडियो प ६२
भींव दूदावत दू १६३
भींव देवडो प १६६
भींव पचाइण रो दू २५५
भींव प्रथीराज रो प ३१५
भींव प्रागदासोत दू १८३
भींव भगवतदासोत प २६१
भींव राणावत प १६६
भींवराज दू १२४, १२८, १७८
भींवराज प्रथीराज रो प ३०२
भींवराज मेळावत दू १६६
भींवराज सादा रो प ३६२
भींवराय प १३१
भींव रावळ दे० भीम रावळ।
भींव रुघनाथोत दू १६०
भींव वाघ रो प २०८
भींव सावतसोम्रोत प २३४
भींवसिंघ परसोतम रो प ३२३
भींवसी प २६०
भींवसी रांणो दे० भवणसी रांणो।
भींव सीहड रो प ३४३
भींव सुरताणोत दू १७१
भींव हमीरोत दू. २०६, २११, २१२, २१३, २१४, २१५, २१६, २१७
भींवो दू ७८, १६६
भींवो साडावत प २४३
भींवो साहणी दू १६४
भीलो प २०५, २६०
भीम प ५७, ५८, ५६, १०६, १५६, २६०
,, दू २११
भीम ईसर रो प १२१
भीम लगार रो प ३६३
भीमचद राजा तो १८८
भीम चधडोत (चूडावत) दू ३१०, ३४२
,, ,, तो ३१
भीम जसहडोत दू ७३
भीम जेठवो दू २२०
भीमदे प २६१
,, तो २२१
भीमदे भ्रासकरणोत दू ५७ ५६, ६०
भीमदे नानग सुत प २६०
भीमदेव लघु तो ५१
भीमदेव वृद्ध तो ५१
भीमपाल प २६०
भीमपाळ छत्रमणोत तो २१३
भीम मेघराज रो प ३५६
भीम राणो झालो दू २६४
भीमराज तो २२५
भीम राला प ३०
,, , तो ५२
भीमराय जैनसिंघोत तो २०५
भीम रावळ हरराजोत दू १, ६, ११, १४, १५, ६४, ६८, ६६, १००, १०१, १०२

भीम रावळ हरराजोत ती. ३५
भीम वडो दू. २०६
भीमसिंघ ती. २२५, २२८
भीमसिंघ महाराजा ती. २१३
भीमसिंघ रावळ प. ८७
भोमसी रांणो दे० भवणसी रांणो।
भीमसोळंकी प. २८०
भीमो दू. ३४२
भीमो रावत दू. ८६, ८७
भुंहसाजळ साहजी प. १५
भुजबळ रतना रो प. १६४, १६५
भुजो संढायच दू. ३३६
भुटो दू. २१, २२
भुणंगसी रांणो प. ६
भुणकमळ दू. २, ३८, ३६
भुवनसिंघ प. ६
भूधर दू. १६८
भूपमीच प. २८६
भूमांन प. २८६
भूवड़ राय ती. ५१
भूवर प. १६
भेंटो दू. ८१
भैरव प. २३२, ३१३
भैरव दू. ६६, ६७
भैरव कवि प. ७
भैरवदास प. २१, १११
„ दू. ८८, १२४, १८२, २००
भैरवदास जेसावत दू. १५३, १७८, १६२
भैरवदास देवड़ो प. १५३, १५४, १५५
भैरवदास मरोटवाळो दू. १२०
भैरवदास मेळावत दू. १६६
भैरवदास रांणो दू. ६४, ६८, ६६
भैरवदास वेणीदासोत दू. १६८
भैरवदास सोळंकी नाथावत प. ५०
भैरव देवड़ो प. १६६
भैरव भांना रो प. ३६०
भैरव राव प. २३२
भैरूं प. ३१३
भैरूंदास जैसिंघदेवोत प. २३८
भैरूं सूजा रो प. ३२५
भोंसला शाहजी दे० भुंहसाजळ साहजी।
भोभो नाई प. २४८, २४६
भोगादित प. ३, १०, ७८
भोगादित्य दे० भोगादित।
भोज प. २८, ७६, १११, ११२, ११६, १५३, १६०, २०५, ३६२
भोज दू. १, ३
„ ती. २२१
भोजदे प. २३१
„ दू. ८२, ८३
भोजदे गांगा रो प. ३५६
भोजदे रावळ विजैराव रो दू. ३३, ३४, ३५
भोज पंवार प. २६३
„ „ ती. २८, १७५
भोज पंवार सिंघळसेन रो प. ३३६
भोजराज प. २१, १६३, ३०६, ३२३
„ दू. १३८, १८६, १६६, २०६, २१५, २५६
„ ती. २२५, २२६
भोजराज अखैराजोत प. २०८, २१२
भोजराज उदैसिंघ रो प. २१
भोजराज कांन्ह रो प. ३५३
भोजराज चंद्रसेन रो प. ३५५, ३५६
भोजराज जगनाथोत प. २०६
भोजराज जसूंतोत दू. १७०
भोजराज जोवा रो प. २४१
भोजराज जैतसिंघोत ती. २०५
भोजराज नींबावत दू. १५४, १६२
भोजराज पंचाइण रो प. २३७
भोजराज मालदेओत दू. १७८, १६३
भोजराज रानदे रो प. २६४, २६६, ३३२

भोजराज वाघोत दू १७६
भोजराज रांणो प १७२
भोजराज रायसलोत प ३२१, ३२२
भोजराज रूपसी रो प ३०५, ३१२
भोजराज सावळदासोत दू १७४, १७६
भोजराज साला रो प ३४१
भोजराज सिघोत दू १६४
भोज राव दू १७१
भोज विजैराव लांजा रो ती २२२
भोज सुरजन रो ती २६६, २६७, २६८, २६६, २७२
भोजादित प ३, ७८
भोजा दाय प १२
भोजो प ११६, २४०
,, दू ८०, ६६ १६४
भोजो कूंभा कांवळिया रो प. २४६, २५०
भोजो जोधावत दू १७७
भोजो देवावत प २८४, २८५
भोजो साडा रो प ३५४
भोजो सोढो प ३६१
भोपत प २७, २८, ६६, १४२, १५६, १६४, २३७, २३८, २४२, २६१
,, दू ८१, ८२, १२३, १६६, २६४
भोपत ऊहड गोपाळदासोत दू. ६६
भोपत कचरावत प ३१६, ३१७
,, ,, दू १६५
भोपत चकतो ती ३७
भोपत जसवंत रो (जसूतोत) दू ८०, १७०
भोपत पतावत दू १६०
भोपत भारमल रो प २६१, ३०२
भोपत माडणोत प ३५४
भोपत मानावत दू १७६
भोपत रांम रो प ३५८, ३६०
भोपत राघोदासोत प. ३२७, ३२८
भोपत रायसिंघोत दू १०७
,, ती. २०७
भोपत राहडोत दू ३२
भोपत लिखमीदासोत दू १६६
भोपत सहसावत दू १७६
भोपत सांवळदासोत दू. १७४
भोपतसिंघ प ३२२
,, ती २२७, २३०
भोपत सिंघोत दू. १६३
भोपत सोढो प ३६१
भोपाळ प ६८
भोपाळ दू ६१
भोमपाळ राजा ती १८८
भोमसिंघ ती २२५, २२६, २३२
भोमसिंघ सादूलसिंघोत ती. २१३
भोवड प २५६
भोवडराज प २५६
, ती. ४६
भोवो नाई प २४८, २४६
भोहो तेजपाळ रो प. ३३६

म

मगळराव मछमराव रो दू ६, ११, १५ १६, ३१
मगळराव, रावळ वछु रो दू १४०
मछमराव दू १, ६, ११, १५, १६ १४०
मडळीक दू ८८, २६३
मडळीक चहुवाण ती ३
मडळीक जगमालोत ती ३, ४
मडळीक राव (वेरसलपुर) दू १२१, १२६, १३०
मडळीक राव (वेरससपुर) ती. ३७
मडळीक सरवहियो दू २०२, २०३, २०४, २०५, २०६
मक रांणो दू. २६५
मजाहिदखा प १३६
मथुरादास प. ३०८
मदनपाळ राजा ती. १८८
मदनसिंघ प. २५, ३१०

,, ती. २२३
मदनसिंघ करणसिंघोत ती. २०८
मदनसिंघ फरसरांम रो प. ३२३
मदनसिंघ सेखा रो प. ३१७
मदनो प. १४६
मदफरखांन ती. ५३
मदो रांमदास रो प. १६७, १६८
मधु दू. ३
मधुकरसाह सतापवत रो प. १२६, १३०
मधुकीटभ प. ४७
मधुकैटभ दैत्य दे० मधु कीटभ
मधु रांणो परमार ती. १७५
मधु राजा परमार ती. १७६
मधुबनदास प. ३१०
मधुसूदन प. १३३
मनदेव प. २८९
मनभोळियो डूंम दू. २३२, २३३, २३४
मनरदास ती. २२३
मनरांम (खनावड़ी) ती. २३६
मनरूप जगनाथ रो प. ३०१, ३०६
मनरूपसिंघ प. ३००
मनरूप (हरदेसर) ती. २३२
मनहरदास (कल्यांणसर) ती. २३४
मनहरदास (जीळी) ती. २३३
मनहरदास (गैलपुर) ती. २३०
मनहरदास (लखमणसर) ती. २३३
मनहरदास (सांख्यो) ती. २३२
मनु प. २८७
मनोरदास नरहरदासोत प. २३८
मनोहर प. २३, २७९, ३१९, ३४३
,, दू. ७८, ८५, ८८, ९०, ९६, १२२, १७६, १७८
मनोहरदास प. ९, १६५, ३१८, ३२७, ३४२
मनोहरदास दू. १२०, १२९, १६१, १६७. १८६, १९४
मनोहरदास ती. २२३
मनोहरदास अखैराजोत दू. १५२
मनोहरदास उदैसिंघोत दू. १८८
मनोहरदास कलावत दू. ६, ११, ९३, १०२, १०३, १०४, १८२, १८४
मनोहरदास खंगारोत प. ३०५
मनोहरदास जसूंतोत दू. १७०
मनोहरदास नाथावत प. ३१०
मनोहरदास पातळोत दू. १९४
मनोहरदास पिरागदासोत दू. १७१
मनोहरदास रावळ प. ३५९
,, ,, ती. ३५
मनोहरदास रुद्र रो प ३१६
मनोहरदास सांवळदास रो प. ३४२
मनोहर राव प. २७९, ३१९
मनोहर रावळ दू. ७७, ८०
मनोहर रूपसी रो प. ३४३
मनोहर (सिंघराव-भाटी) दू. १०७
मनोहर सोढो प. ३६१
मन्होर प. २३७
ममारखसाह सुलतांण ती. १९१
ममूसाह अमराव प. २१८, २१९
मयणसी रावळ प. ७९
मरीच प. ७७, २८७, २९२
मरीच रांणो दू. २६५
मरीचि ती. १७५
मरु राजा ती. १७९, १८५
मरुदेव ती. १७९
मर्दनादित्य प. १०
मलकंवर ती. २७६, २७८, २७९
मलिक दू. ४८
मलिक अंवर दे० मलकंवर।
मलीनाथ रावळ ती. २७, ३०, २५१, २५२, २५५, २५६
मलूकचंद राजा ती. १८८
मलूखां राजा प. १३०
मलेसी डोडियो ती. १३४, १३५

मलेसी पुजनराव रो प २६०, २६४, २६६, ३३२
मलो सोळकी प. ३४२
मलो सोळकी दू. १५३
मल्लिनाथ दे० मलीनाथ रावळ।
मल्लीनाथ राव दू २४८, २८१, २८२, २८३, २८४, २८५, २८७, २८८, २८९, २९०, २९१, २९६, ३००, ३०७, ३०८, ३०९
मल्लीनाथ रावळ दू. १३० (दे० मलीनाथ रावळ)
महंदराव प. १७२, २३०, २४७, २५०
महकरण रांणावत प. २३३
महड द. २१५
महड़ कनड़ दू. २३८
महणसी प. १३४, १३५, १६६, १८७
महदराव प. १०१
महवसी प ३४३
महपाळ राणो (परमार) ती. १७५
महपो पमार (परमार) दू. ३३८, ३३९, ३४०, ३४१ (दे० महिपो पवार)
महपो पमार (परमार) ती. १७६ (दे० महिपो पवार)
महमद प. २६२
,, द. ३४३
,, ती ५४, ५५, ५७
महमंद ख्वालो दू. २५८
महमद पातसाह ती. १, २, २८
महमद बेगड़ो प २६२
,, द. २०२, २०३, २०४, २०५
,, ती. २५, ५६
महमदअली सुलताण ती १९२
महमदखांन ती. ५३
महमदसाह ती १९१
महमदो आदल सुलताण ती. १९१
महमूद प. २६२
महमूद बेगड़ा बादशाह–दे० महमद बेगड़ो
महर जाड़ेचो दू. २०९
महरांवण प. ३६१ (दे० महिरांवण)
महरांवण तिलोकसी रो दू. १६२
महाजोध राजा ती. १८७
महानंद प ७८
महाबळ राजा ती. १८७
महामति प. ७८
महायश ती. १७८
महारिख रिखेस्वर प १६१
महासिंघ प. २८, ६६, ९६, १२५, ३२३, ३२८, ३२९
,, द. ९३, २६३
,, ती २२०, २३६
महासिंघ ईसरदासोत दू ९५
महासिंघ उग्रसेन रो प ३१९, ३२२, ३२४
महासिंघ कछवाहो मांनसिंघोत दू. १३३
महासिंघ जगतसिंघोत प २६१, २९७
महासिंघ राजसिंघोत प. २०९
महासिंघ राव प. २८१
महिंद्रराव प २०२ (दे० महंद्रराव)
महिकरण प. ३५७
महिकरन कूंभा रो प ३५६
महिपाळदे ती ५२
महिपाळ राजपाळ रो प ३४४
महिपाळ राजा ती १८८
महिपाळदे बोडो सखा रो प २४७
महिपो केल्हा रो दू ११२
महिपो केहर रो दू ७७, ७८
महिपो चहुवाण प ११९ (दे० महियो चहुवाण ?)
महिपो पंवार प १६, १७ (दे० महपो पमार)
,, ,, दू. ३३८, ३३९, ३४०, ३४१ (दे० महपो पमार)
,, ,, ती १, २, १३४, १३५, १३८, १३९, १४०, १७६ (दे० महपो पमार)
महिपो भूवर रो प. १६
महिमंडल-पालक ती. १८०
महियो चहुवांण प. १७२ (दे० महिपो चहुवाण ?)
महियो सीसोदियो प. ९२ (दे० महिपो सीसोदियो ?)

महिरांवण दू. ८८ (दे० महरांवण)
महिरांवण चाचा रो दू. ११७
महिरांवण वाघेलो प. २२६
महिळू प. २८१
महीकरण नारण रो प. ३५८
महीदास प. ७८
महीपाळ प. २८६
महीपाळ राजपाळ रो प. ३३६
महींपिंड प. ३३६
महीराव प. १३५
महीरावण वैरसल रो प. ३६०
महेवर प. ४
महेंद्रराव प. १८६ (दे० माहिंद्रराव)
महेंद्रादित्य प. १०
महेस प. ८, २२, १६४, २०१, २३५, २४०, ३६०, ३६१, ३६२
महेस दू. ८४, १००, १०४, १८३, १६७, १६६
महेस करमा रो दू. ८०
महेस कलावत प. ३५४
महेस घड़सी रो दू. १८६
महेस जीवा रो प. २४१
महेस ठाकुरसी रो प. ३६०
महेसदास प. १३५, १७६
,, दू. ६५, १८४, २६३,
महेसदास अचळदासोत दू. १५६
महेसदास आढो किसनावत दू. १५, २६५
महेसदास कलावत दू. १८४
महेसदास खेतसी रो दू. १२३
महेसदास गोयंददासोत दू. १५०
महेसदास जगदेवोत दू १४०
महेसदास दळपतोत प. २३४, २४६
,, ,, दू. १७७
महेसदास पीथा रो प. ३३०
महेसदास राव सुरजमलोत दू. ६०
महेसदास रूपसीओत दू. १४८
महेसदास ललावत दू. १६१
महेसदास लूंणकरणोत दू. ६०
महेस प्रतापसिंघोत तो. १५२
महेस भैरव रो प. १६६
महेस मांनसिंघोत प. ३५६
महेस सांईदासोत दू. १७६
महेस सेखावत दू. १७३
मांखण सेद प. २७, ६५
मांगळ प. २६३
मांगळराय प. २८६
मांजो चूंडावत प. ६६, ७०
मांडण प. २४३, ३६१, ३६२
,, दू. १४३, १७०, १७२, १८२, १८४
मांडण ऊहड़ प. २४३
मांडण ऊहड़ गोपाळदासोत दू. ६६
मांडण कूंपावत दू. १८१, १८७, १८६
,, ,, तो. १२३, १२४, १२५, १२६, १२८, २७४
मांडण खांट तो. ५६
मांडण जोधा रो प. ३५७
मांडण रांणावत प. २३६
मांडण रुणावत सांखलो तो. ३१
मांडण वैरसी रो प. ३५६
मांडण सकतावत प. २७
मांडण सोहड़ रो प. ३४१
मांडण सोढो दू. ८२, ८३, २६२, २६३
,, ,, तो. ३४, ३५
मांडो प. ६६
मांडो जैतसी रो, रांणो प. ३४१
मांडो मुंहतो दू. १३५
मांडो हरमम रो प. ३५२
मांणकराव आसराव रो प. १०१, १७२, २०३, २३०, २५०, २५१
मांणकराव पुनपाळ रो प. ३४६, ३४७, ३५३

माणकराव रांणो मोहिल दू ३२२, ३२३, ३२५
,, रांणो मोहिल ती १५८, १७१
माणकराव सिवराज रो प ३५६
मांणकराव सोढो प ३६३
मापल देवाइत दू १६
मांधाता चकवै ती १७८
मांधाता चक्रवर्ती ती १७८
मांन प १०१
मांन ऊीमावत दू ६, १३६, १६१
मांन चहुवांण प ७४, ७५, ७६, ७७
मांन तुवर, राजा ती १८३
मांनधाता प ७८, २८७
मान पूरा रो प १०६
मान रांणो प २३१
मांन लणवायो प २२४
मान वीरभांण रो प १२०
मांन सांखळदासोत प ७३
मानसिंघ प १६०, ३१६, ३२८, ३२६
,, दू ८८ ६५, १२२, १२६, १७०, १६२, १६४
,, ती २३०, २३१, २३२
मांनसिंघ अखैराजोत प २०७, २०८
मांनसिंघ ऊदावत दू १७३
मांनसिंघ कछवाहो प ३० ३६, ४०, ४८, १३३, २५५, २५६, ३०८, ३१३
मांनसिंघ करणोत प ६५
मानसिंघ कांन्ह रो दू १३६
मानसिंघ गांगावत प ३५८, ३५६
मानसिंघ जैतसिंघोत ती २०५
मांनसिंघ जैमलोत प ६६
मानसिंघ झालो दू २४५, २५६, २५६
मानसिंघ तेजसी रो प ३२६, ३५४
मानसिंघ दुरसावत प ३२७
मानसिंघ भगवतदासोत प २२५, २२६, २६१ २६७
मांनसिंघ भांणोत प २६
मांनसिंघ भाखरसी रो प ३५६
मांनसिंघ मेहकरणोत दू १६३
मानसिंघ राजा प २६१, ३०८, ३४२
,, ,, दू. १४७
,, ,, ती २१७
मांनसिंघ राव प. १४२, १४३, १५०, १६१, १६५, १६६
मांनसिंघ रावत, सीसोदियो प ६६, ६८
मांनसिंघ राव दूदा रो प १३५ १३८, १३६, १४०, १४१
मांनसिंघ रावळ प ७३, ७४, ७५, ७७
मांनसिंघ राव (वैरसलपुर) ती ३
मांनसिंघ राव सीरोही प० २२, २३,
मांनसिंघ लखावत दू १६१
मानसिंघ सांवळदासोत दू १७४
मांनसिंघ हाडो प ११७
मांनो प २६, १४६, १५६ १ २३८, ३६२
,, दू ६६, ७७, १४३, २६४
मांनो केसोदासोत दू १८८
मानो जोगा रो प ३५७
मानो डूंगरसोमोत दू १७६
मांनो देवराज रो दू २०१
मानो नरबद रो प २४८
मानो नीबावत दू १५४
मानो मदा रो प १६८, १६६
मांनो महिपद दू ६२
मानो राव प १४३
मानो रूपावत ती ८४
मांनो लखमण रो प ३४१
मानो वीसळ रो प २००, २०१
मानो साईदासोत दू १७६
मानो सिखरा रो प १६५

मांनो सिवदासोत दू. १४४
मांनो हमीर रो प. ३२८
माखनखां सैयद दे० मांखण सैद।
माघ राजा परमार ती. १७६
माथुर दू. ३
माधवदास केसवदासोत प. २११
(दे० माधोदास केसोदासोत)
माधवदे प. ३३६
माधव ब्राह्मण प. २६२, २७७
" " ती. ५०, ५१, ५३, १८४
माधव माधो राजा ती. १६०
माधवसेन ती. १८६
माधवादित्य प. १०
माधू भाटी दू. ५८
माधो प. १६६, १६७, २४२, ३४३
माधो कांना रो प. ३६०
माधो गिरधर रो प. ३४३
माधोदास प. ३१३, ३२५
" दू. ६०, ६२, ६६, १२२, १२३, १२५, १७०, १८४, १६१, २६३
माधोदास कलावत दू. १६२, १८४
माधोदास कांन रो प. ३१४
माधोदास केसोदासोत दू. १६३
(दे० माधवदास केसवदासोत)
माधोदास गोवाळदासोत दू. १४६
माधोदास छीतरदास रो प. ३०८
माधोदास नारणदासोत दू. १८८
माधोदास राघोदास रो प. ३२८
माधोदास वांकीदास रो प. ३५८
माधोदास सुरतांणोत दू. १७२
माधो रिणमलोत दू. १६१
माधो लाडखांन रो प. ३२१
माधोसिंघ प. २२, २५, ६८, ३०६, ३२६
माधोसिंघ ती. १७६, २२८, २३३
माधोसिंघ कछवाहो दू. १५१
माधोसिंघ जसवंत रो प. २०८
माधोसिंघ जोधा रो प. ३५६
माधोसिंघ भगवंतदासोत प. २६१, २६६
माधोसिंघ मालदे रो प. ३१५
माधोसिंघ सीसोदियो दू. २६३
माधोसेन राजा ती. १८६
मारू रांणा रावळ रो प. १६६
माल प. ३४३
मालू दू. २१५
मालक खैराज रो प. ३३१
मालण कचरावत प. ३५७
मालण जैसा रो दू. १८१
मालदे दे० मालदेव राव
मालदे कचरावत प. ३१५, ३१६
मालदे जैतसिंघोत ती. २०५
मालदे नाराइणदासोत प. २११
मालदे (जोळी) ती. २३३
मालदे पमार ती. १८३
मालदे (पल्लू) ती. २२६
मालदे भाटी दू. ६०, ६२, १०२, १३३
मालदे मूंधाळो सांवतसी रो प. २०४,२०५
मालदे राव (राव मालदे राठोड़) प. ६०, ६२, १६८, २०७, २३३, २३८, २६७, ३१६
" राव (राव मालदे राठोड़) दू. १३, १४, ५३, ५४, ६८, ६८, १४५, १६१, १६२, १६३, १६४, १७४, १७७, १८०, १६०, १६२, १६४
" राव (राव मालदे राठोड़) ती. २८, ८६, ८७, ६३, ६४, ६५, ६७, ६८, ६६, १०१, १०२, ११४, ११५, ११६, ११७, ११८, ११६, १२०, १२१, १२२, २१५
मालदे रावळ लूंणकरणोत दू. ११, १३, १४, ८६, ६१, ६७, १०६

मालदे रावळ लूणकरणोत सी ३५
मालदे राव (बैरसलपुर) दू १२१, १२२
१५४
,, राव (बैरसलपुर) सी ३७
मालदेव राजा परमार सी १७६
मालदेव राव गांगावत दू १३७, १३८,
१५४
मालदे सोढो प ३६१
माल पवार प २८०
माळीदास करणसिंघोत सी २०८
मालूजी सी २७६
मालो प २७, ५०, १६८, १६६
,, दू. १४, ७७, ७८, ८६, १४२
मालो किसनावत दू १२४, १२५
मालो चारण प १८४
मालोजी रावळ दे० मलीनाथ रावळ
मालो जोधावत दू १७७
मालो देवराज रो दू १०४
मालो रतनू-बारहठ दू ५४
मालो रावत बूदा रो प १२४
मालो रावत हांमा रो प १४६
मालो रावळ दे० मल्लीनाथ रावळ
मालो सिंघ रो दू २६२, २६४
मालो सिलार रो प १६५
मालो सूजावत प १४४
मालो सेखा रो प १६५
माल्हण सूर दू १५३
मावल वरसडो दू २३२, २३३
माहगराव गींदा रो प २५३
माहप प. ५, १३, १४, ७०, ६०
माहिसिंघ प ११६
मित्रावरण प १२२
मिरजो खान दे० खान मिरजो
मिलक केसर दे० केसर मिलक
मिलक खान प १४६, १४७
मिलक खांन हेतावत प २४६
मिलक बेग दू २६०
मिलक मीर प. २३१
मीर्या प १०१
मीर गामरू प २१८, २१६
मीर मलिक प २३१
मुगदराय प १३३
मुंजपाळ हेमराजोत सी ३०
मुंध प ११६
मुंधपाळ प ११६
मुंध रांणो दू २६५
मुंध रावळ देवराज रो दू १०, १५,
३१, ३२
मुकंद प १६, २०
,, दू ६६, १२३, १८० १६६
मुकंद ईसरदासोत दू ६४
मुकंददास प १२५, २११, २१२, २३३
३०८, ३२०
,, दू ८८, १७०, १६०
,, सी २३५, २३६
मुकंददास कचरावत दू, १७४
मुकंददास जैतसिंघ रो प. ३०३
मुकंददास नरसिंघोत दू १८३
मुकंददास भोपत रो प ३१७
मुकंददास माधोदासोत दू १४६
मुकंददास सांवळदासोत दू १७४
मुकंददास सीसोदियो प १४८
मुकंददास सुरताणोत दू १६०
मुकंददास हरदासोत दू १६५
मुकरबखां सी २७७
मुकुंदसिंघ प. ११५
मुकुंद सुरतांण रो प ३५६
मुक्नपाळ प २६०
मुगटमणि ताजखान रो प ३२४
मुगलखान हसमाइलखा रो दू १०४
मुधरादास प २५, ३१०
मुधरो दू. १३२, १४२

मुथरो रांणा रो दू. १०४
मुथरो रायमलोत दू. १४४
मुथरो हरावत दू. १४४, १४५
मुदफर प. २६२
मुदफरखांन प. २२३
मुदाफर प. ११६, २६२, ३०२
„ दू. २४१
„ ती. ५५
मुराद प. ३०५
मुरादवगस प. ३१
मुरारदास प. ३०६
„ दू १४६
मुहमुद्दीन म्राविल ती. १६१
मुहम्मदशाह ती. १६१
मूंजो प. ३४६, ३४७, ३५२
मूलक ती. १७८
मूळदेव प. २६१, २९०
मूळदेव लघु ती ५२
मूळपसाव दू. २, ७६ ४३
„ ती. २२२
मूळराज दू. ६२, १०६, १४४
मूळराज चालुक्य दू. २६६
मूळराज चावड़ो दू. २६७, २६८
मूळराज रावळ दू. १०, १४, ३६, ४३, ४४, ४५, ४६, ४७, ४८, ४६, ५१, ५२, ५३, ५४, ५५, ६६, ६७, ६८, ७३, ७५, १०२, ११०, ११२
मूळराज रावळ ती. ३३, ३४, १८३, २२०, २२१
मूळराज लघु ती. ५१
मूळराज वाघनायोत ती. २६
मूळराज वृद्ध ती. ५१
मूळराज सोलंकी प. २६०, २६१, २६२, २६७, २६८, २६६, २७१, २७८, २८०
मूळराज सोळंकी दू. २५८
„ „ (मूळदेव) ती. ४६
मूळघो दू. २१५
मूळ सांगमरावोत ती. २८५; २८६, २८७, २८८, २८६, २९०, २६१, २६२, २६३
मूळ सेपटो प. २२६
मूळो दू. १६८, २०१
मूळो नींबावत दू. १५४, १६२
मूळो प्रोहित ती. ६७
मूळो रावत रिणधीर रो दू. ११७
मूळो वणावत दू. १६०
मूसाखांन दू. २५३
मेघ दू. २०६, २६४
मेघनाद प. १०५, १०६
मेघराज प. १५६, ३५६, ३६०
„ दू. १२०, १६७, १७०, १८८ १८६, २०१
मेघराज अखैराजोत दू. १६२
मेघराज गांगावत प. ३५८, ३५६ (दे० मेघो गांगावत)
मेघराज झालो-मकवांणो दू. २५६
मेघराज दूदावत दू. १६२
मेघराज रांणो दू. २५७
मेघराज रावळ दू. ६७
मेघराज वीरदासोत दू. १४५
मेघराज हमीरोत दू. १७६
मेघ रावत दे० मेघो रावत।
मेघवीसो ती. २०५
मेघादित्य प. १०
मेघो प. २०५
मेघो कचरा रो प. १६६
मेघो गांगावत दू. १०० (दे० मेघराज गांगावत)
मेघो नरसिंघदासोत ती. ३८, ३६, ४०
मेघो भैरवदास रो प. २४१
मेघो महेस रो दू. १०४
मेघो रांणा रो दू. १०४, १७२
मेघो रावत प. ६२, ६३, ६४, ६५, ६६

मेघो राव वछु रो ती १६१, १६६, १७१
मेड कछवाहो प २६४
मेढारि राजा ती १८५
मेवनीमल प १२६, १३०
मेर प १७२
मेरादित्य प १०
मेरो प १५, १६, १६७, १८३, २२५, ३५७
„ दू ३३८, ३३६
„ ती १३५, १३६, १३८ १४६
मेरो प्रचलावत दू १८७, १८६
मेळो दू ८०
मेळो गजू रो प ३५६
मेळो सांगावत दू १६६
मेळो सेपटो ती २५८, २५६ २६०, २६१, २६२, २६३, २६४, २६५
मेवादित्य प १०
मेहकरण प ३२०
मेहकरण सेजसीप्रोत दू १६३
मेहदो पालणसी रो प ३४०
मेहर तुरक दू ३१
मेहराज प २०
मेहराज प्रखैराप्रोत दू १७८
मेहराज गोपळदेप्रोत प ३४७ ३४८, ३४६, ३५०
मेहराज मांगळियाणी रो प ३४७
मेहराज वरसिंघ रो प ३१३
मेहराज सालखो दू ३१२, ३२६, ३२७
मेहराज सोढो प ३६१
मेहरो प. १६६, २००
मेहाजळ प १४५, ३६०
मेहाजळ केहर रो दू २, ६ ३८, ७८, ८१, १०७
मेहाजळ जयमाल रो प १६०, १६१
मेहाजळ नारणोत दू १७४
मेहाजळ रायपाळ रो प ३५१
मेहो प ३४१, ३४२, ३५३
मेहो तजसीप्रोत दू १६४
मेहो भागस रो प १६८
मंगळ प १६८
मंगळदे वैवडो दू ६७ ६८
मंगळदे भाटी दू ५२
मंडो वोवा रो प ३४२
मंहदमसी (महदमसी) दू १५१
मैहपो रांणो ती २३६
मैहरांवण कां'हावत प २३६
मैहरांवण सांईदासोत दू १७६
मोकळ प १०६, २०३
मोकळ (जेसळमेर) ती २२१
मोकळ वाले रो प ३१८ ३१६
मोकळ रांणो प ६ १५, १६, ६१, ६२, ३४२
„ रांणो ती १२६, १३०, १३४, १४१, १४६
मोकळ साखा राणा रो दू ३३४, ३३५, ३३७
मोकळसी जाडेचो दू २०६
मोकळ सोभ्रम रो दू १००
मोखरो राजा प ३३३
मोजदीन सुलताण ती १६१
मोजदे जेसिंघदे रो प ३५२
मोटल प ३४१
मोटो राजा प
मोटो राजा दू ६०, ६३, ६६, १२४, १२६, १३०, १३२, १४५, १४६, १५४, १५५, १५७, १६३, १६४, १६५ १६६, १७६, १७६, १८०, १८१, १८२, १६४, २५६ (दे० उदैसिंघ महाराजा)
मोटो दू ६६, १२३
मोड खांम दू २१४
मोडो रावत कुतब रो प १२४

मोडी मूळवांणी ती. ५, ६
मोबतसिंघ ती. २२७
मोरी प. ८, १२
मोहकमसिंघ प. २४, २६, २९९, ३०५, ३०७, ३१०, ३१६, ३२२, ३२४
,, ती. २३०, २३२, २३३
मोहण प. ३७, १६५
,, दू. ८८, ८९
मोहण जोगा रो प. ३५७
मोहण दहियो ती. २७०, २७१
मोहणदास प. ६६, १२५, १६७, ३०७, ३१६, ३२५, ३२७
,, दू. ९१, १२०, १३३, १६८, १७४, १७५, १७७, १९८
,, ती. ३६
मोहणदास ईसरदासोत दू. ९४, १०६
मोहणदास कल्यांणदास रो प. ३१२
मोहणदास गोयंददासोत दू. १५५
मोहणदास चतुरभुजोत दू. १८५
मोहणदास जैतसी रो दू. १६४
मोहणदास नरहरदास रो प. ३०८
मोहणदास भगवांनदास रो प. ३०२
मोहणदास राजावत दू. ८२
मोहणदास रूपसीयोत दू. १४८
मोहणदास सुरतांणोत प. ३०४
मोहणसिंघ प. २५, २८, ६७
मोहणसिंघ करणसिंघोत ती. २०८
मोहणसिंघ सुरते रो प. ३१
मोहनरांम प. ३१०, ३२०, ३२६
मोहबतखांन (मोहबतखां) प. २५, ३१, २३४, २४३, ३१०, ३११, ३१४, ३२१, ३२५
,, दू. ८०, ११९, १३१
,, ती. २४६, २७७, २७९
मोहित रावळ प. ७८
मोहिल प. ४५, ८९
,, ती. २५०
मोहिल सुरजनोत ती. १५१, १५५, १५८
मोजुद्दीन सुलतान दे० मोजदीन सुलतांण

य

यमादित्य प. १०
ययळ दू. १२४
ययाति दू. ६
यशपाल रांणो परमार ती. १७६
याकूबखां ती. २७६, २७९
यादव दू. ६
यामिनीभानु प. १३३ (दे० जांमणी भांण)
युधिष्ठिर प. १९०
,, ती. १८५
युवनाश्व प. ७८
युवनाश्व ती. १७७
,, द्वितीय ती. १७७
योगराज ती. ४९
योगी दू. २४

र

रघु प. ७८, २८८, २९२
,, ती. १७८
रघोस प. २९२
रजमाई प. २९२
रना बहादुर प. ३०४
रढ रांवण इंद्रराव ती. १९९
रणंजय ती. १७६
रणकीरतसिंघ ती. २३२
रणधीर प. १४२
,, दू. १७७, १९९
रणधीर गाजणियो दू. २२१, २२२
रणधीर चवंडे रो दू. ३०६
रणधीर चाचा रो दू. ११७
रणधीर माधू रो दू. १९८
रणधीर मूळावत दू. १३६
रणमल जांम दू. २२४

रणमल नींबा रो दू. १६१
रणमल वाघेलो दू. २५३
रणसिंघ राजा ती. १६०
रणसिंह दे० रैंणसी राणो।
रणसीह दे० रैंणसी राणो।
रतन प. ११२, ३०५, ३१६, ३२१, ३२३, ३२६
,, दू १४, ६०, ६५, ६७, १५७, १६६
रतन चारण दू. ३८, ७४
रतन जैसिंघदे रो प. २३२
रतन दासे रो प. ३१५, ३१७
रतन महेसदासोत प. २४६
रतन राव प. ११३, २४६, २५६, २८३
,, ,, दू. १५८, १५६
रतन लूणोत बांभण दू. १६, २५, २६
रतन सांखलो सीहड़ रो प. ३४२
रतनसिंघ ती. १८३, २२०, २२८, २३५
रतनसिंघ भाटी दू. ११०
रतनसिंघ महाराजा ती. १८०
रतनसी प. २७, १६५, १६६, १७२
,, दू ८०, ६३, ६८, १२४, १२६, १८५, १८८, २६३
,, ती २२१
रतनसी अखैराज रो प २०८, २१२
रतनसी अजैसी रो प. १४, १६, २०
रतनसी आसावत दू. १७६
रतनसी कमा रो प ३५६
रतनसी गांगा रो प. ३५६
रतनसी चहुआण ती १८३
रतनसी जैतसी रो दू. १८६
रतनसी नरहरदासोत दू १५०
रतनसी नाढावत सींघळ ती. ४१
रतनसी भोंवराज रो प. ३०३
रतनसी भींवसी रो प. २६०
रतनसी भींवोत दू. १८३
रतनसी महकरणोत प २३५
रतनसी माला रो दू. १७८
रतनसी रांणो प. १६, २०, २१, १०४, १०५
रतनसी रांणो ती. ३४
रतनसी रांणो अमरा रो प. ३१
रतनसी रांणो जैतसी रो दू. ३, १०, ३६, ४३, ४४, ४५, ४७, ४८, ५१, ५३, ५४ ५५, ६६, ६७, ६८
रतनसी राजा प २६०
रतनसी राव प ६२, २६७
रतनसी राव काधलोत प. ६६, ६७
रतनसी रावळ प. ७६
रतनसी रावळ पदमणीवाळो प. १३
रतनसी राव लाखण रो पोतरो प. १७२
रतनसी लूणकरणोत ती. २०५
रतनसी वीजा रो प. ३५८
रतनसी सांगावत प. १०२, १०३
रतनसी सिवराज रो प. ३५६
रतनसी सीसोदियो प. ५०, ७४
रतनसी सीहड़ रो प. ३४०
रतनसी सेखा रो प. ३२७
रतनसी सोढो प. ३६१
रतनसेन प. १२६
रतनसेन रांणो ती. १८४
रतन हमीरोत प. ३०५
रतनो दू. १४५, १६६
रतनो गांगा रो प. ३४३
रतनो पीथावत दू. १६३
रतनो वीरम रो प. १६४
रतनो वीसा रो प. १६६
रतनो वैणा रो प १६६, १६७
रतनो सकरोत प. २४३
रतनो सांखलो प. १८, २८२, २८३
रतो दू. १४३
रतो पिरा रो प. ३५६

रत्नसिंघ महाराणा प. ६, १४
रत्नसिंह रावल प. ६
रत्नादित्य ती. ४६
रनजीत प. १२६
रनधीर प. १२६
रनादित्य प. १०
रत्नादित्य ती. ४६
रवदंत प. २६२
रवो सुरतांणियो बारहठ दू. २०२
रसलंडयोज राजा ती. १८७
रांणगदे राव दू. ११४, ११५, १३८, ३१२, ३१३, ३१८, ३१६, ३२०, ३२४, ३२७
रांणक राय प. २८६
रांणगदे प. ३४८, ३४६, ३५०
रांण वरजांगोत ती. ३०
रांणादित्य ती. ४६, ५०
रांणो प. २४०
,, दू. ६४, १०४, १२८, २५६
,, ती. २२१
रांणो अखैराजोत प. २१
रांणो तेजमालोत दू. १२४
रांणो दूदावत दू. ६५
रांणो नरवद रो दू १६७
रांणो नींबावत प. २३३
रांणो नेता रो प. ३५२
रांणो भींवावत प. २४३
रांणो रांमावत दू. १६४, १७१
रांणो रायपालोत दू. १५१
रांणो रावळ रो प. १६६
रांणो राहड़ोत राहड़-घोघो दू. ३२
रांणो सहसावत दू. १७६
रांम प. १३०, १४२, १५४, १५५, १५६, १७२, २३७, ३६४
,, दू. ७७, ८६, १४१, १६०
रांम उदैसिंघ रो प. ३१३
रांम उरजण रो प. ११०
रांम कंवर प. ३१५
रांम कंवरावत ती. २१५
रांम कूंभावत दू. १७६
रांम खेराड़ो प. २७६
रांमचंद प. २७, ६३, १११, ३०७, ३०८, ३०६, ३२८
,, दू. ७७, ८८, ६२, १०५, १२१, १२२, १२४, १२८, २००
,, ती. २२५
रांमचंद ईंदो ती. २८२, २८३, २८४, २८५
रांमचंद करमसी रो प. ३२५, ३२६
रांमचंद गोपाळदासोत दू. १०६
रांमचंद गोयंददासोत दू. १७५
रांमचंद जसवंत रो प. २०६
रांमचंद नरहरदासोत दू. १६६
रांमचंद फरसरांम रो प. ३१६
रांमचंदर प. २६८
रांमचंद राजा वीरभांण रो प. १३३
रांमचंद राव प. १०१
रांमचंद राव जगनाथोत प. ११३
रांमचंद रावळ दू. २००
रांमचंद रूपसी रो प. ३१२
रांमचंद वाघावत दू. १६२
रांमचंद वेणावत मोहिल ती. १७२
रांमचंद सिंघोत रावळ दू. ६३, १०३, १०४, १०५, १०८
,, ,, रावळ ती. ३५
रांमचंद सुरतांणोत दू. १५८
रांमचंद्र दसरथजी रा प. ७८, १२६ (दे० श्रीरांमचंद्रजी अवतार)
रांमचंद्र राजा ती. १८८
रांमचंद्र रायमलोत प. ३१८
रांम चवंडे रो दू. ३१०
रांम जयमालोत दू. १६१

राम जादव तो. १८३
रामण प १६०
रामदास प. १२४, १२५, १६४, १६६, ३१७
,, दू. ८०, ८६, १२३, १४७, १८१, १८४, १८८, १६६
रामदास ईसरदास रो प. ३५४
रामदास ऊदावत प. ३०२, ३३१
रामदास केसोदासोत दू. १८८
रामदास चांदावत दू. १५८, १६६
रामदास देदा रो प. १६८, १६६
रामदास नाथा रो दू. ७५
रामदास भाखरसोप्रोत दू. १५२
रामदास माल्हण रो दू. १५३
रामदास मेहाजळ रो प. ३५१
रामदास राजसिंघ रो प. ३०३
रामदास राजसी रो प. १६७
रामदास वणवीर रो प. ३३१
रामदास सुजावत दू १६०
रामदे पीर प. ३५०, ३५१
रामदेव राठोड़ तो. १६६, १६७
राम नारणोत प ३५८
राम पचाइण रो दू ११६
राम मालदेप्रोत दू. १६७
राम रतनसोप्रोत प. १५१
राम राणो दू २६५
राम राव प. २१२
राम रावळ जैतसी रो दू. ८५
राम रावळ देवीदास रो दू. ८४, ८५
राम लूणकरणोत तो. २०५
राम वरजांग रो प २३२
राम सहसमल रो प. ३१४
रामसा (रामस्या) दू. ४८, ४६
रामसाह प. ३०८, ३१०
रामसाह नाथावत प. ३१०
रामसिंघ प ६६, १५६, १६३, १६४, १६५, २००, २११, ३०७, ३२४, ३२७, ३२६, ३६१
,, दू. ८५, ८८, ६२, ६५, ६६, १२२, १२३, १२४, १६५, १७०, १७१, २६३
,, तो. २२३, २२५, २२७, २३०
रामसिंघ प्रखैराजोत प. ३६०
रामसिंघ प्रभैराम रो प. ३०२, ३०७
रामसिंघ प्रभैसिंघोत दू. ११०
रामसिंघ प्रासावत प. ३४३
रामसिंघ उग्रसेण रो प ३१६, ३२०
रामसिंघ कवर प्रैसिंघोत प. २६८
रामसिंघ करमसेनोत प. ६६
रामसिंघ कल्याणमलोत तो. २०६
रामसिंघ कान्ह रो दू. १३६
रामसिंघ खींवो प. १७४
रामसिंघ खानमाल रो प २३
रामसिंघ तेजसी रो प. ३२६
रामसिंघ नरसिंघदासोत दू. १८३
रामसिंघ पचाइणोत दू. १०५, १०८
रामसिंघ बलू रो प ३२६
रामसिंघ भींवोत दू. १७०
रामसिंघ भोपत रो प. ३२८
रामसिंघ महासिंघोत प २६१
रामसिंघ मानसिंघ रो प. ६८
रामसिंघ मेहाजळोत दू. १७४
रामसिंघ राजा प. १३०
रामसिंघ रावळ प. ७६
रामसिंघ वाघेलो प. १७२
रामसिंघ वीकावत दू १७३
रामसिंघ वीरमदेप्रोत दू. १६७
रामसिंघ सिखरावत प. २३३
रामसिंघ सूरजमलोत दू १८६
राम सुजावत प. ३५६
राम सोढो प. ३६४
रामेस्वर राजादे रो प. २६४, २६६

रांमो प. १६, २४२
,, दू. ६६, १२६, १६७
रांमो चारण प. १११
रांमो जांझण रो प. २३६
रांमो जोधावत दू. १६४
रांमो देवड़ो प. १५५, १५६, १५७, १६५, १७६
रांमो नाथू रो दू. १६६
रांमो नारण रो प. ३५८
रांमो भाखरसी रो प. ३५६
रांमो मांडण रो प. ३५७
रांमो माधा रो प. ३६०
रांमो लूंणावत प. २३५
रांमो सोहड़ ती. १०६, ११०
रांमो हाडो प. ११८
रांवण प. ४७, ११६, १६० (दे० रांमण)
रा' दयास दू. २०२
रा' नोंघण दू. २०२
राइसी (रासी) राघळ प. ७६
राखाइच दे० राखायच सोळंकी ।
राखाइल दू. २६६, २६६, २७०, २७१, २७२, २७३, २७४
राखायच सोळंकी प. २६५, २६६, २६६, २७०, २७१
राखो दू. १०४
राघवदास प. ११७
राघवदास दू. १२८
राघवदास कल्यांणमलोत ती. २०६
राघवदे प. १६
,, दू. २६४
राघवदे घरजांग रो प. २३२
राघवदे सीसोदियो-लाखावत प. ५३, ५४
राघो प. २०५
,, दू. ८५, १६०, १६७, १६६, २१५
राघो किसना रो प. ३५२
राघोदास प. १६०, १६७, २३३, ३२७, ३२८
राघोदास दू. ८६, १२२, १७७, १८८
,, ती. २२६
राघोदास अखैराजोत दू. १५२
राघोदास उदैसिंघ रो प. ३१२
राघोदास खंगारोत प. ३०५
राघोदास डूंगरसीओत दू. १४८
राघोदास तिलोकसी रो दू. १६२
राघोदास देवड़ो जोगावत प. १५७
राघोदास धीरावत दू. २०१
राघोदास फरसरांम रो प. ३१६
राघोदास महेसोत प. २०१
राघोदास रांम रो प. ३१४
,, ,, ,, दू. १६१
राघोदास वीठलदास रो प. ३०८
राघोदास वीरमदेओत दू. १७१
राघोदास सादूळोत प. २८३
राघो नाथू रो दू. १६८
राघो वालो ती. १२६
राघो भाखरसी रो प. ३६१
राज प. २५८, २६१, २६३, २६४, २६५, २६७, २८०
राजकुळ प. २६०
राजचंद्र प. १२६
राजडियो सुर-माल्हण रो दू. ४२
राजदे प. ३३२
राजदे चाचगदे रो प. ३५५, ३६३
राजदेव प. २६०
राजधर प. ११६
,, दू. २
,, ती. २२१
राजधर पवंडे रो दू. ३१०
राजधर जोधा रो प. ३५६
राजधर भोजावत दू. १७७
राजधर मांनसिघोत प. ३५६
राजधर रिणधीर रो प. २०५
राजधर लखमण रो दू. ७६, ८०

राजधर वैरसी रो प ३५६
राजपांण भाट प २८७
राजपाळ प २६०
,, ती २२१
राजपाळ रांणो वच्छु रो दू. १४०
राजपाळ रांणो सांगा रो दू १, ११, १२, १३, १६
राजपाळ वैरसी रो प ३३६, ३४२, ३४४
राजमल उदैसिंघ रो प ३१३
राज रावळ दू ३
राजरिख प १२२
राज सर्मा प ६
राजसिंघ प ३१, ३२, ४६, ५२, ५३, ३०६, ३१६, ३१७
,, दू ८८, ६३, १२२, १४०, १६५, १७६, १८१, १८४, १८५, २६४
,, ती १८१, २२६, २३६, २३७
राजसिंघ आसकरण रो प ३०३
राजसिंघ करनोत प ६८, ७०
राजसिंघ खींवावत दू १८२, १८४
राजसिंघ गोपाळदासोत दू १०६
राजसिंघ जसवंतोत दू १४६
राजसिंघ दयाळदासोत दू १४७
राजसिंघ म० कुवार दू ११०
राजसिंघ रांणो प ६, १५, ३१, ३२, ४६, ५२, ५३
राजसिंघ रामसिंघोत प ३२६
राजसिंघ राघोदास रो प ३१४
राजसिंघ राजा ती २१७
राजसिंघ रावत प ६६
राजसिंघ राव सुरताण रो प १३६, १५३ १५४, १५८, १६१, १६३, १६४
राजसिंघ लखावत दू १६१
राजसिंघ वेणीदासोत दू १५७, १६८, १६१
राजसिंघ हमीरोत प ३०५
राजसिंघ हररांमोत प. ३२४
राजसी प १६५, १६८, ३४३
,, ती २२२, २३६
राजसी कवरसी रो, रांणो प ३४६
राजसी तेजसी रो प ३४२
राजसी देवड़ो प १५७
राजसी नाथा रो प १६७
राजसी भैरवदासोत दू १६६
राजसी राघावत प १५३
राजसी हींगोळ रो प १७२
राज सोळंकी प २६१, २६५, २८०
राजादित प २५६
,, ती ४६
राजादे बीजळदे रो प २६४, २६५, २६६
राजा सर्मा प ६
राजो प ३०८, ३०६, ३१०, ३११
राजो ती २२६
राजो ऊगमणावत ती २५२
राजो करण रो प ३५२, ३५३
राजो कांधळोत ती २१
राजो (बाहड़मेरो रो) दू ८८
राजो रांणो दू २६२, २६५
राजो वीकाजी रो ती २०५
राज्यसिंघ राजा ती १६०
रामनारायण दूगड़ प १३४
रामशाह दे० रांमसा।
रामादित्य प १०
रायकवर प ३१५, ३१७
रायकरन दू १२३
रायचंद भाटी दू ६६, १००
रायचंद मनोहर रो प ३१६
रायधण दू १, २०६, २१५, २१६, २५४
रायधण हमीर रो २०६, २११

रायधवळ ऊगमणावत ती. २५२
रायपाळ तेजसी रो प. ३४१
रायपाळ नापा रो प. ३५४
रायपाळ राव ती. २६, १८०
रायपाळ साहणी ती. ८४
रायपाळ सिवा रो प. ३५१
रायपाळ सीहावत दू. १४५
रायभांण हाडो रार्यसिंघ रो प. ११७
राय भूवड़ ती. ५१
रायमल प. १११, २०५, २८५, ३१३, ३२६, ३२७
,, दू. ७८, ८१, १२८, १४३, १४५, २००, २६३
,, ती. ८०, ८१, ८२, ८३, ८४, ८५, ८६, ८७, ८८
रायमल अचळावत दू. १८५
रायमल उदैसिंघोत दू. १४६
रायमल कछवाहो ती. १५१, १५२
रायमल करमा रो प. १६५, १६६
रायमल किसनावत दू. १२४, १२५
रायमल गोयंददासोत दू. १७५
रायमल दासा रो प. ३१८
रायमल दुरजणसलोत दू. ६६
रायमल देवावत दू. ७६
रायमल धनराजोत दू. १२२, १२३
रायमल महकरणोत प. २६५
रायमल मालदेवोत ती. १५२
रायमल रांणावत दू. १५१
रायमल रांणो प. १५, १७, १८, १६, ५१, ५२, ५५, ६१, ६२, २४१, २८१, २८४, ३५२, ३५६
रायमल राव ती. २४६, २४७, २४८
रायमल सिवराज रो प. ३५६
रायमल सुरा रो प. ३६०
रायमल सेखावत प. ३१६
रायसल प. ३२२, ३२३, ३२४, ३५८
,, दू. ६६
रायसल खीची प. २५५, २५६
रायसल दूदावत ती. ६४, ६७, ६८
रायसल राजा परमार ती. १७६
रायसल सूजा रो प. ३२०, ३२४
रार्यसिंघ प. २२, २३, २५, ३१, ४७, ७४, १०१, ११७, १४२, १४६, १५१, १५२, १५४, १५५, १५६, १५७, १५६, १८६, १६१, १६२, १६४, १६६, २३७, ३५६
,, दू. ६५, ७७, १२४, १४३
,, ती. २३३, २३६
रार्यसिंघ कछवाहो ती. ३२
रार्यसिंघ कल्यांणदास रो प. ३१२
रार्यसिंघ किसनावत दू. १२५
रार्यसिंघ गोयंददासोत दू. १५५, १५६, १५७
रार्यसिंघ चंद्रसेनोत (चंद्रसेणोत) प. १५१ १५२
,, ,, दू. १७५, १८६
रार्यसिंघ जांम लाखा रो दू. २२४
रार्यसिंघ जाळपोत दू. १६७
रार्यसिंघ जैसावत दू. १५०
रार्यसिंघ झालो दू. २४४, २४५, २४६, २४७, २४८, २४६, २५०, २५१, २५२, २५३, २५४, २५५, २५६, २५६
रार्यसिंघ ठाकुरसी रो प. ३६०
रार्यसिंघ पंवार दू. २६०
रार्यसिंघ पोथावत दू. १६३
रार्यसिंघ भीमावत दू. १०३
रार्यसिंघ भैरवदासोत दू. १६६
रार्यसिंघ महाराजा ती. १८, ३१, १८०, १८१, २०६, २१०, २२४
रार्यसिंघ मांडण रो दू. २६३, २६४, २६५ २६७
रार्यसिंघ मालदे रो प. ३१५

रायसिंघ राजा दू ९४, १२८, १३२
१३६, १४६
रायसिंघ राव अखैराज रो प १३५,
१३६, १३७, १४१, १६१
रायसिंघ वणवीरोत प २४२
रायसिंघ वीसावत दू १९४
रायसिंघ सूजावत प २४२
रायसिंघ हरदास रो दू २६३
रायसी रांणो महिपाळ रो प ३४४,
३४५, ३४६
रालण कांकिल रो प २६४, ३३२
रावत प ६५, ६६
,, दू ९१, १४३
रावत देवड़ो सेलावत प १४३, १५८,
१६३, १६४
रावत महकरणोत प २३५
रावतसिंघ प ६३, ६५, ६६
रावत हामावत प १४६
रावळ खूमांण बापा रो प ४, १२,
५६, ७८
रावळ बापो प ३, ४ ७, ८, ११, १२,
७८
रावळो रांणो, सजन रो प १६३, १६४
रासो दू ८६, १६२, २००
रासो उदैसिंघ रो दू. १३०
रासो धमराजोत दू १००
रासो नरसिंघदास रो दू १८३
राहड़ रावळ विजैराव रो दू २, ३२
३३
राहप रांणो, रावळ करण रो प ५, ६,
१३, १५, १६, ७०
राहप रावळ प ७६
राहिब दू २०६, २३६
राहिब हमीर रो प ३५८
राहुड़ राजसी रो ती २२२
रिखीश्वर प. १०
रिखी सर्मा प. ६
रिड़मल सारंगोत दू १७४
रिणछोड़ मनावासोत ती २२०
रिणधवळ प ३३६
रिणधीर प २०, १५८ १५६, २०५,
२०७, ३४८
रिणधीर चूंडावत ती १२६, १३०,
१३२, १४०
रिणधीर सूरावत ती १४०
रिणमल प ३५७
रिणमल केलणोत दू १२, ११६, १४०,
१४१
रिणमल चहुवांण प १२१
रिणमल देवड़ा सलखा रो प १३५,
१३६, १६२, १८८
रिणमल नींबावत दू १५४
रिणमल भाटी दू ३, ७७
रिणमल राव राठोड़ (राव रिड़मल)
प १५, १६, १७, २१, ५३, ५४,
२०६
,, राव राठोड़ (राव रिड़मल)
दू ३८, ६६, ८४, १४५, ३०६,
३१२, ३१३, ३१४, ३१५, ३१६,
३२६, ३३१, ३३२, ३३३, ३३४,
३३५, ३३६ ३३७, ३३६, ३४०,
३४१ ३४२, ३४३
,, राव राठोड़ (राव रिड़मल)
ती १, २, ३, ४, ६, ९ ३१, ८४,
६०, १२६, १३०, १३२, १३३,
१३४, १३५, १३६, १३७, १३८,
१३६, १४०, १४१, १४६ १८०,
२२६, २२६
रिणमल लाला रो प ३५२
रिणसिंघ प ३१८
रिणसी प १६६
रिय राजा ती १८५

रिसाळू राजा सालवाहन रो दू. ९
" " " " ती. ३७
रुकनदीन सुलतांण ती. १६०; १६१
रुकनुद्दीन दे० रुकनदीन सुलतांण ।
रुखमांगदजी चंद्रावत दे० रुखमांगदजी चंद्रावत।
रुखमांगद चांदावत ती. २४६
रुखमांगदजी चंद्रावत ती. ३२
रुघनाथ प ६६, ३२३, ३२५
" दू. ६०, ६२, ६६, ६७, १०५, ११६, १२३, १२८, १३०, १६८, १८५, १८८
रुघनाथ ईसरदासोत दू. ६४, १०७, १३१, १३२
रुघनाथदास प. २५
रुघनाथ पतावत दू. १७१
रुघनाथ भांणोत दू १०४, १०८
रुघनाथ भोजराज रो प. ३२३
रुघनाथ राव दू. १२१
रुघनाथसिंघ प. ३०६, ३१४
" ती. २२३, २२४, २२५, २२६, २२८, २२६
रुघनाथसिंघ उग्रसेण रो प. ३२०
रुघनाथ सुरतांणोत दू. १६०
रुघनाथ सेखावत दू. १७३
रुणक ती. १८०
रुणकराय प. २८८
रुदो प. १७२
रुदो चवंडै रो ती. ३१
रुदो देवड़ो तेजसी रो प. १६२, १६३, १६४
रुदो रांणा लाखा रो प, १६
रुद्रकंवर प. ३१६
रुद्रदास भूलो-चारण भांण रो प. ८६, ८८
रुद्रनाग प. १६०
रुद्रसिंघ प. २१, २३
रुद्र ती. १७८
रुरुक प. २९२
रुरुक ती. १७८
रूपचंद भारमलोत प. २६१, ३१४
रूपड़ो रांणो पड़िहार दू. १२, ५३, ७३, १४०, १४२
रूप राघोदास रो प. ३१६
रूपसिंघ प. २३, १०१, ३२०
" ती. २२४, २३०
रूपसिंघ भारमलोत प. २७६
रूपसिंघ राजा (किशनगढ़) ती. २१७
रूपसिंघ राव भारमलोत दू. १०४, १०५, १०६
रूपसिंघ रुखमांगदोत ती. २४६
रूपसी प. ३१२, ३१३, ३१८, ३१६, ३२६
" दू. ११६, १७६, १८२, १८७
" ती. २२१
रूपसी आसावत प. ३४३
" " दू. १४७
रूपसी जसवंत रो प. ३१७, ३१८
रूपसी जोधा रो प. ३५६
रूपसी प्रथीराज रो प. ६७, १११, १६५, ३१२
रूपसी रायमल रो दू. १४५
रूपसी रायसिंघोत दू. १६८
रूपसी लखमण रो दू. ७६, १६६
रूपसी लूंणकरणोत ती. २०५
रूपसी वैरागी प. ३१३
रूपसी सोमोत दू. ७५, ७६, ७७
रूपो प. १६७, २०१
" दू. १४३
रूमीखां करमसीओत ती. २१४
रेड़ो घायभाई ती. ८३
रेवकाहीन प. २९०

रैणसी राणो तो १५८, १७०
रोमीलान तो ५५
रोह राणो प १२३
रोहिताश्व तो १७८
रोहितास प ७८
रोहितास राजा हरिचंद रो प २८७, २९२, २९३

ल

लकड़खान प १११
लक्ष्मणसिंह प ६
लक्ष्मीदास तो २२८, २३१
लखण दू २१५
लखणसेन दू २, ३९, ४०, ४१, ४२, ४३
लखणसेन राव तो १५८
लखणसेन रावळ दू ११४
,, , तो ३३
लखधीर प १८९
,, दू २४१
,, तो ३७
लखधीरसिंघ तो २२९
लखमण प ११७, १६१ २२६
,, दू १४, ५२, १८८
लखमण ईसरदासोत दू १७९
लखमण केहर रो दू २, १०, ११, ७५, ७६ ७८, ७९, ८०, ९२, ११२
,, तो ३४, २२१
लखमण(लछमण)ढोला रो प २८९, २९३
लखमण नारणोत दू १६०
लखमण भादावत प ६१
लखमण रावत रिणधीरोत दू ११७
लखमण रावळ दू १९६
लखमण सातळ रो प ३४१
लखमणसी भड दू १४
, ,, तो १८४
लखमणसेन रायपाळजी रो तो. २९
लखमसी कालण रो दू २, ३९
लखमसी राणो प. ६, १४, १५
,, ,, तो १७६
लखमसेन प्रमसेनोत चहुवाण तो २९
लखमीदास दू १२८, १३० १६१, १७०, १८३, १८५, २००
लखमीदास धनराजोत दू १२४
लखसेन राजा तो १७५
लखो प १८७
लखो दू १८७
लखो प्रमरा रो दू १२२
लखो सेनसी रो प
लखो जगनाथोत दू १९९
लखो नरबद रो प १२/
लखो बोडो प २४७
लखो मुहतो दू ६
लखो बीजड रो प १३४
लखो बीरमदेवोत दू १६१
लछपाल राजा तो १८८
लछमणसेन राजा तो १८६
लढपाळ राजा तो १८८
लपोड दू १, ११, १७
ललाखान प ५६
लल्ल भाट प २७७, २७८
लव रामचंद्रजी रो प २९३
लसकरी कामरां प. ३००
लहुवो दू १, ११, १६
लाखल तो १८०
लाघा बलाय प ६१
दे० पृथ्वीराज उडणो।
लांप बांभण दू १९, २५, २६
लाखण पुनन रो प २९६
लाखण राणो परमार तो १७६
लाखण राव प ९७, १००, ११६, १३४, १३५, १७२, १८६, २०२ २३०, २४५, २४७ २५०, २५१
लाखणसी दू १२४
,, तो. २३२

लाखणसी मलेसी रो प. २६४
लाखाइत प. २६६
लाखो प. १८६, ३६१
लाखो अजा रो डू. २२४, २२५, २४१
लाखो ऊगमणावत ती. २५२
लाखो गोवावत प. २३८
लाखो जमला रो डू. २२८, २२९, २३०
२३१, २३२, २३३, २३४, २३५
लाखो जाड़ेचो प. २६४, २६५, २६६,
२६९, २७०, २७१
,, ,, डू. २५८
लाखो जाम डू. २१७, २१८
लाखो जाम मारू डू. २६६, २६७
लाखो डूंगरसी रो प. १२१
लाखो फूलाणी डू. २०६, २१६, २१७,
२१८, २३६, २६८, २६९, २७०,
२७१, २७२, २७३, २७४
लाखो राणो प. ६, १५, १६, ३४
,, ,, डू. ३११
लाखो राव प. १३५, १३६, १४२,
१४४, १५८, १६०, २८४
लाडक वजीर डू. २१६
लाडखांन प. २७, ३६१
,, डू. १२४, १७४, १८३, २०१
,, ती. ३७, २२७
लाडखांन ऊदा रो प. ३१८
लाडखांन किसनावत प. ६६
लाडखांन जैमल रो प. ३१७
लाडखांन भैरवदासोत डू. १९६
लाडखांन रायमल रो प. ३२१
लाडखांन रायसिंघोत डू. १९४
लाडखांन वाघावत डू. १६२
लाडखांन स्यांमदासोत प. ३०६
लाधो प. १६८
लालचंद डू. ९२
लाल डूंगरसी रो प. १२०
लालरंग प. २८९
लालसिंघ प. ५६, ११६
,, ती. २२३, २२४
लालो प. १०१, २२६
लालो चवंडेओ रो डू. ३१०
लालो जैमल रो प. ३५२
लालो मह रो, राव प. ३१८
लालो नाथा रो डू. ७५
लालो साहणी डू. १९६, १९८
लिखमण सोभत (-सोभावत ?)
प. २२४
लिखमसी डू. ८८
लिखमीदास गोयंददासोत डू. १८०
लिखमीदास देईदासोत डू. १६६
लिखमीदास वाघोत डू. १६१, १६२
लिखमीदास सेखावत प. २३९
लिखमीदास हाडो मानसिंघोत प. ११७
लिलाट सर्मा प. ६
लीलामाधो राजा ती. १६०
लूंको ती. १०८, ११३
लूंढो सेलोत प. २२५
लूंभो प. १८७, १८८, ३४८
लूंभो चवंडेओ रो डू. ३१०
लूंभो पता रो प. १३५
लूंभो विजड़ रो प. १३४, १६२, १८१
लूणकरण प. २२४, ३०२
,, डू. ८१, ८६, ९१, ९२,
१०३, ११०
,, ती. २२०, २२७
लूणकरण भवानसिंघ रो प. ३१७
लूणकरण राव डू. ८५
लूणकरण ,, ती. ३१, १८०, १८१,
२०५, २२८
लूणकरण रावळ प. २२
,, ,, डू. ११, ८७, ८८, ८९
,, ,, ती. ३५, १५१, १५२
लूणकरण राव सुरतांणोत प. १५२
लूणकरण राव सूजा रो प. ३१६

लूणकरण राव हमीर रो दू १४५
लूणकरण सोहड रो प ३४०
लूणग भाटी ऊदल रो दू. ६६, ७०, ७१, ७४
लूणराव दू. २, ३६, ४३
लूणो प. १५, ६६, १४६, १६१, १८३, १८७, ३१६
लूणो मजा रो दू २६२
लूणो उदैसिंघ रो प. २२
लूणो दहियो प. ११६
लूणो मोहिल दू १८, १६
लूणो माणकराव रो प. ३६३
लूणो मेहराधण रो प ३६१
लूणो राणावत प २३५
लूणो राम रो प. ३११
लूणो रायसिंघोत दू. १६८
लूणो रावत तो ७, ८
लूणो राव भोजा रो प ३५४
लूणो राहिब रो प. ३५८
लूणो बिजड रो प १३४, १८१, १८२, १८३
लूणो बिजा रो प १६३
लूणो साईदास रो प ३२७
लूणो सीसोदियो प. ६६
लूणो सूजावत दू १५१
लूणो हरराज रो प. १६४
लेख सर्मा प. ६
लोढचद तो १८६
लोदचद तो १८६
लोदो जनागर रो दू. २०६
लोलो गोपावत प २३८
लोलो घवडंजो रो दू ३१०
लोलो राणा रो प २०६, २०७
लोलो सोनगरो तो. १३३
लोहचद राजा तो १८६
लोहट प १०१
लोहट राणो मोहिल तो. १५८, १७०, १७१
लोसल्य दू. ७८

व

वंसीदास प. ३०८
वखतसिंघ तो. २२५, २२८, २३२, २३५
वखतसिंघ परमार तो. १७६
वखतसिंघ महाराजा तो. २१३
वच्छो प ३५३
वछराज राणो मोहिल तो. १५६, १६०, १७१
वछराव दू [illegible]
वछवधराज प. २८६
वछु, राणा सीहड रो प ३४३
देo वछो सीहड रो ।
वछु राव तो. १६१
वछु रावळ मुंध रो दू १, १०, १५, ३१, ३२, १४०
वछो अवडू रो प. १०१, १०२
वछो माला रो दू. १७८
वछो सीहड रो प ३४०, ३४१
देo वछु, राणा सीहड रो ।
वजरदीप देo वज्रद्वीप
वज्रद्वीप प. २६३
वज्रधर प. ७८
वज्रधाम वालरण रो प २८८
वज्रधाम सलमत रो प २८६
वज्रनाभ प ७८
वज्रनाभ तो १७६
वज्रनाभ प्रद्युमन रो दू. १, ६, १६
वडगच्छो जतो तो. १६
वडसीस रावळ प. १२
वणराज चावडो तो. २६, ४६, ५०
वणवीर प. १७, २०, २१, १६३, २७६, २६०, ३१२, ३३१
„ दू १६
वणवीर उधरण रो प ३१३
वणवीर कान्हा रो प. ३५९

वणवीर जेसा रो दू. १५३, १६२
वणवीर भांनीदास रो प. २७६
वणवीर मालदे रो प. २०५, २०६, २२२
वणवीर मेर रो प. १७२
वणवीर राव सांकर रो प. १६४
वणवीर वैरसी रो दू. ८१
वणवीर सिंघावत प.
वणवीर हरराज रो प. १६४
वणसूर ती. १५३
वत्स ती. १७५
वत्स वृद्ध ती. १७६
वनमाळीदास भगवंतदास राजा रो
प. २६१
वनराज चाम्रोड़ो प. २५८, २५६
" " दू. २६६
(दे० वणराज चावड़ो)
वन सर्मा प. ६
वनैसिंघ ती २३५, २३६, २३७
वनो प. २६१
वनो गौड़ ती. २७०, २७१
वनो भाटी दू. ६६
वयरसीह चावड़ो ती. ५०
वरजांग प. १६८, २४४, ३६२
" दू. ८६, १७२, १७७, १७८, १६८
वरजांग चूडावत ती. ३१
वरजांगदे प. २४४
वरजांग पोकरणो ती. ११३
वरजांग भीमावत दू. ३४२
वरजांग भैरूंदासोत दू. १६०, १६२
वरजांग राव दू. ११७
वरजांग राव पाता रो प. २३१, २३२
वरजांग हमीर रो प. ३५६
वरदायीसेन ती. १८०, १६३, २०४
वरदेव सर्मा प. ६
वरसिंघ प. १०१, १२७, १२८, १६५, २५६
" दू. ७६, ७७, १४३, १६१, १७७
वरसि...
वरसि...
वरसि...
वरसिं...
वरसिंघ...
वरसिंघ
वरसिंघदे ...
वरसिंघदे ...
वरसिंघ रा...
वरसिंघ राव...
वरसिंघ राव ...
१२७, १२८...
वरसो राठ ती. ...
वरसो हरदास रो ...
वरहो प. २८६
वर्त तेजस राजा ती.
वर्हो ती. १७६
वलभराज सोळंकी प. ...
" " ती. ५...
वल्लभराय ती. २३६
वल्लभराज प. २८०
वसिष्ठ ऋषि (दे० वसिस्ठ रि...
वसिस्ठ रिसीस्वर प. १३४, १३६
" " ती. १७५
वसुदांन राजा ती. १८६
वसुदेव दू. ६
वसुदेव बांभण लूंणोत दू. १६
वसु सर्मा प. ६
वस्तपाळ इंद्रपाळ रो प. २६०
वस्तो दू. १३०
वस्तो लाला रो प. ३५२
वह ती. १७६
वांकीदास दू. २०१
" ती. २२०
वांकीदास जसावत दू. १०३
वांकीदास जैमल रो प. ३५८

बाकीबेग मोहबतखां रो प ३०१
बाको दू. ९०
बांदर तौ २२१
बांनग देव दू १४
बांनर दू २
बाक्पतिराज प १००
बाक्य सर्मा प ६
बाघ प. २८ ६४, ६७, १४२, १५६, १६५, १६७, १६८, ३४४
" दू ८९, ९१, ९३, १२१, १२२, १३१, २६४
, तौ २३०, २३१
बाघ प्रमरा रांणा रो प ३१
बाघ कांन्हावत दू १९३
बाघ खीची प २५६
बाघ खाहड़ रो प ३६३
बाघ जसवत रो प २०८
बाघजी प ३०८
बाघ ठाकरसीग्रोत तौ १८
बाघ तिलोकसीग्रोत दू १९२
बाघ पवार प ३३८
बाघ प्रथीराज रो प. ३१२
बाघ फरसराम रो प ३१६
बाघ भारमल रो प ३२८
बाघमार पूहड़जी रो तौ २९
बाघ रतनसीग्रोत दू १७६
बाघ राणो दू २६५
बाघ राजा परमार तौ. १७६
बाघ रावत प ९१, ९२, ९३, ९४
बाघ रिणमलोत दू १९१
बाघ बीदा रो दू. २६३
बाघ साखलो प ३३८, ३४४
बाघ सांवळदासोत दू १९९
बाघ सिरग रो दू १२२
बाघ सुरताणोत प ३०४
बाघो प १६, २०, ५१, २४१, ३५६
,, दू ९०, २०१
बाघो कांधलोत राठोड तौ २१, १९२, १९३
बाघो कान्हा रो प ३५८
बाघो जीवा रो प २४१
बाघो प्रथीराज रो प २४२
बाघो राठोड सूजावत तौ ८६, १०५
बाघो राव दू ११९
" " तौ २१५
बाघो रावल सूरमचद रो प ५०
बाघो विजा रो प २४७
बाघो सूजावत प ३२०
बाघो सेखावत दू ११९, १२०, १२१, १२४
,, ,, तौ ३७
बाटूसन तौ १७३
बाघळ सोमगरो तौ २८० २८९, २९०, २९१
बाय सर्मा प ६
बाळद तौ ३७
बाळग प २८०
बाल्हर राणो तौ १५८
बाळावबय तौ ३७
बालो (दे० बालो)
बाळो प १२१
बासत सर्मा प ६
बाहड़ प्रोहित तौ २४
बाह्नीपति तौ १७९
बिकुक्षि प ७८
बिकुप प ७८
बिक्रम प १९०
बिक्रमचद राजा तौ १८८
बिक्रम चरित राजा तौ १७५
बिक्रमपाल राजा तौ १८८
ब्रिक्रमाजीत प. १३०, १३१, १३३
बिक्रमादित प २०, ५०, १०३, १०४, १०८, १०९, ३०३, ३३६
बिक्रमादित्य प १०, ३१९

र जेता रो दू. १५३, १६२
र भांनीदास रो प. २७६
र मालदे रो प. २०५, २०६, २२२
र मेर रो प. १७२
र राव सांकर रो प. १६४
र संरसी रो दू. ८१
र सिंघावत प.
र हरराज रो प. १६४
: ती. १५३
ती. १७५
द्ध ती. १७६
ठौदास भगवंतदास राजा रो
[. २६१
न चाम्रोड़ो प. २५८, २५६
,, दू. २६६
वे० वणराज चावड़ो)
र्मी प. ६
घ ती. २३५, २३६, २३७
प. ३६१
ौड़ ती. २७०, २७१
भाटी दू. ६६
ीह चावड़ो ती. ५०
ग प. १६८, २४४, ३६२
दू. ८६, १७२, १७७, १७८, १६८
ग चूंडावत ती. ३१
गदे प. २४४
ग पोकरणो ती. ११३
ग भीमावत दू. ३४२
ग भैरूंदासोत दू. १६०, १६२
ग राव दू. ११७
ग राव पाता रो प. २३१, २३२
ग हमीर रो प. ३५६
ौसेन ती. १८०, १६३, २०४
सर्मा प. ६
व प. १०१, १२७, १२८, १६५,
२५६
दू. ७६, ७७, १४३, १६१, १७७
ती. ३६, २२७
वरसिंघ उदैकरणोत प. २६५, ३१३
वरसिंघ खेतसीओत दू. १७३
वरसिंघ जोधावत ती. २८
वरसिंघदे द्वारकादास रो प. ३२२
वरसिंघदे धीरावत प. २३६
वरसिंघदे मधुकरसाह रो प. १३०
वरसिंघदे वाघेलो प. १३२, १३३
वरसिंघदे वीसलदे रो प. ११६
वरसिंघ रांणो दू. २६५
वरसिंघ रावळ प. ७६
वरसिंघ राव हररा रो दू. १२१, १२६,
१२७, १२८, १३७
वरसो ऊांट ती. ५६
वरसो हरदास रो दू. २६३
वरही प. २८६
वर्त तेजस राजा ती. १८१
वर्हो ती. १७६
वलभराज सोळंकी प. २६०
,, ,, ती. ५१
वल्लभरांम ती. २३६
वल्लभराज प. २८०
वशिष्ठ ऋषि (वे० वसिस्ठ रिखीस्वर)
वसिस्ठ रिखीस्वर प. १३४, १३६
,, ,, ती. १७५
वसुदांन राजा ती. १८६
वसुदेव दू. ६
वसुदेव बांभण लूंणोत दू. १६
वसु सर्मा प. ६
वस्तपाळ इंद्रपाळ रो प. २६०
वस्तो दू. १३०
वस्तो साला रो प. ३५२
वह ती. १७६
वांकीदास दू. २०१
,, ती. २२०
वांकीदास जसावत दू. १०३
वांकीदास जैमल रो प. ३५८

वाकीबेग मोहबतलो रो प ३०१
वाको दू. ६०
वांदर तो २२१
वांनग देव दू १४
वांनर दू. २
वाक्पतिराज प. १००
वाक्य सर्मा प ६
वाघ प. २८ ६४, ६७, १४२, १५६, १६५, १६७, १६८, ३४४
" दू ८६, ६१, ६३, १२१, १२२, १३१, २६४
" तो २३०, २३१
वाघ अमरा राणा रो प. ३१
वाघ कान्हावत दू १६३
वाघ खीची प २५६
वाघ छाहड रो प ३६३
वाघ जसवत रो ■ २०८
वाघजी प. ३०८
वाघ ठाकरसीग्रोत तो. १८
वाघ तिलोकसीग्रोत दू १६२
वाघ पवार प. ३३८
वाघ प्रथीराज रो प. ३१२
वाघ फरसराम रो प ३१६
वाघ भारमल रो प ३२८
वाघमार पूहडजी रो तो २६
वाघ रतनसीग्रोत दू. १७६
वाघ राणो दू २६५
वाघ राजा परमार तो. १७६
वाघ रावत प ६१, ६२, ६३, ६४
वाघ रिणमलोत दू १६१
वाघ वीदा रो दू. २६३
वाघ सापलो प ३३८, ३४४
वाघ सावळदासोत दू. १६६
वाघ सिरग रो दू. १२२
वाघ सुरताणोत प ३०४
वाघो प. १६, २०, ५१, २४१, ३५६
" दू ६०, २०१
वाघो कांधळोत राठोड तो २१, १६२, १६३
वाघो कान्हा रो प. ३१८
वाघो जोवा रो प २४१
वाघो प्रथीराज रो प २४२
वाघो राठोड सूजावत तो ८६, १०५
वाघो राव दू ११६
" " तो. २१५
वाघो रावत सूरमचद रो प ५०
वाघो विजा रो प २४७
वाघो सूजावत प. ३२०
वाघो सेखावत ■ ११६, १२०, १२१, १२४
" " तो ३७
वादूसम तो १७३
वावल सोनगरो तो २८०, २८६, २६०, २६१
वाय सर्मा प ६
वालद तो ३७
वालण प २८०
वालहर राणो तो. १५८
वालावखण तो ३७
वालो (दे० वालो)
वाळो प १२१
वासत सर्मा प. ६
वाहड प्रोहित तो २४
वाह्नीपति तो १७६
विकुक्षि प ७८
विकुप प. ७८
विक्रम प १६०
विक्रमचद राजा तो १८८
विक्रम चरित राजा तो १७५
विक्रमपाल राजा तो. १८८
विक्रमाजीत प. १३०, १३१, १३३
विक्रमादित प. २०, ५०, १०३, १०४, १०८, १०६, ३०३, ३३६
विक्रमादित्य प. १०, ३१६

विक्रमादित्य राजा ती. १८८
विक्रमादित्य सांगा रो, रांणो प. ४६
विक्रमादीत राव केल्हण रो दू. ११६, १४३, १४४
विक्रमादीत राव मालदेग्रोत दू. ६०
विक्रमायत झालो ती. ११
विक्रमायत राजा प. ३१६
विक्रसाज प. २८८
विजड़ प. १८३
विजड़ प्रोहित ती. २४
विजपाळ दू. १५
विजय ती. १७८
विजयमल राजा ती. १६०
विजय राजा ती. १८६
विजयसिंघ महाराजा ती. २१३, २१५
देo विजैसिंघ महाराजा ।
विजयादित्य प. १०
विजलादित्य प. १०
विजै प. ७८
विजैचंद ती. १८०
विजैदत्त प. २, ३
विजैनित्य प. ७८
विजैपाल प. ६
विजैपाळ प. १०१
,, ती. २६
विजैपाळ रांणो दू. २६५
विजैरथ प. ७८
विजैरांम प. ३२३, ३२६
,, ती. २३५, २३६
विजैरांम ग्रखैराज रो प. ३०२
विजैरांम उदैसिंघोत प. ३०८
विजैराज दहियो प. २२६
विजैराय प. २८८
विजैराव दू. ६, ११
विजैराव चूड़ाळो दू. १, १०, १७, १८
विजैराव रावळ वछु रो दू. १४०
विजैराव लांजो (—लंजो) दू. २, ३१, ३२, ३३, ३४
,, ,, ती. २२२
विजैराव लूणकरण रो दू. ६१
विजैराव वीरमोत ती. ३०
विजैवाह प. १२३
विजै सर्मा प. ६
विजैसिंघ प. ३२४
,, ती. ३६, २२०, २२६
विजैसिंघ गिरधर रो प. ३२२
विजैसिंघ महाराजा दू. ११०
देo विजयसिंघ महाराजा ।
विजैसी प. २२५, २३१
विजैसी ग्राल्हण रो प. २२६, २३०
विजैसेन राजा ती. १८६
विजो प. २२, २३, २७, २८, ३०, १६३, २००
,, दू. ७७, ७६, १०४, २००, २०८
,, ती. २२१
विजो ईंदो (कस्तूरियो मृग) दू. ३४२
विजो ऊदावत ती. ११
विजो करमा रो प. २४७
विजो पूंजा रो प. १७२
विजो भांमीवास रो दू. १६१
विजो भाटी दू. ३४२
विजो रूपसी रो दू. १६६
विजो वीरमदे रो दू. ११७, १२०
विजो सीहड़ रो प. ३४१
विट्ठलनाथजी गोस्वामी ती. २०६, २७५
वियक देo विश्वक ।
विदूरथ ती. १८१
विद्रुथ राजा ती. १८६
विनिजंघि प. ७८
विमळ राजा प. १२३
विरदसिंघ राजा ती. २१७
विरसेह (वीरसेन) रावळ प. ७६
विराज सर्मा प. ६
विराट सर्मा प. ६
विराम साह ती. १६१

विलापानस प ७८
विल्हण प १२२, १२४
विवसत प २६२
विवसान प २६२
विवस्वत दे० विवसत।
विवस्वांन दे० विवसान।
विशाक दे० विश्वक।
विश्व प २८६
विश्वक सी १७९
विश्वनि (विश्वाजित) प ७८
विश्वसवत ती १७६
विश्व सर्मा प ६
विश्वसह ती १७८
विश्वसिवत ती १७६
विश्वस्त सी १७६
विश्वस्तक ती १७६
विश्वावसु प ७८
विष्ण दू ३
विसनदास प ३१७
,, दू १६४
,, सी २८१, २८२, २८५
विसनदास राम रो प ३१४
विसनसिंघ रामचदोत दू १५६
विसनो दू ८०
विसरजन दू ३
विसोढो चारण ती २८६, २८७, २८८, २८६, २६०
विस्वसेन प २८८
विस्वावसु प ७८
विहारी प १२५ २३५, २४६, ३२७
,, दू १२३
विहारी कुंभे रो ती ३७
विहारीदास प २०८, ३०५
,, ती २२०
विहारीदास उग्रसेण रो प ३२०
विहारीदास दयाळदासोत दू ६४, १०६
विहारीदास नाथावत प ३१०
,, ,, दू १६६
विहारीदास रायसल रो प ३२४
विहारीदास सुरसिंघ रो दू १३३
,, ,, सी ३६, ३७
विहारी प्रागदासोत दू १८४
वींजो वेणीदासोत दू १६८
वीकम प १६०
वीकमचित्र प. ३३६
वीकमसी प २३१
वीकमसी केल्हणोत दू २, ३६
वीकमसी सोहड दू ४३, ४४, ४५, ५०
वीकाजी जोधावत प ३४३
वीकाविरप प १०
वीको प ३२७
,, दू ७६, १७०, १७४, १७८, १६२
वीको ईडरियो दू २५४
वीको कल्याणदास रो दू ६३
वीको खेतसीग्रोत दू १७३
वीको जयसिंघ रो प १६४
वीको वहियो प २२६
वीको भदा रो प २००
वीको राव ▮ ८५, ८६, ६४, १२०, १४५
,, ,, ती १३, १४, १५, २० २१, २२, २८, ३१, १६५, १८०, १८१, २०५
वीको रावत प ६२, ६३
वीको वरसिंघ रो प २३६
वीजड प १३४, १६२, १८१, १८३, १८७, १८८
वीजळ प २६०
वीजळ जगनाथ रो प ३०१
वीजळदे मन्नेसी रो प २६४, २६६
वीजळ राव ती २२१
वीज सोळकी प २६३, २६४, २६५, २६७, २६८, २६६
वीजो प. २४०

बीजो गोयंद रो प. ३५८
बीठळ प. १६५
,, दू. ७८, १६६
बीठळ गोयंदोत दू. ७९
बीठळदास प. २५, ३१४, ३१६, ३१७, ३२३, ३२७
,, दू. ३, ८८, १०८
बीठळदास केसोदासोत दू. १६३
बीठळदास गोपाळदासोत दू. १५०
बीठळदास गौड़ प. ३०४
बीठळदास नारणदासोत दू. १८८
बीठळदास पंचाइणोत प. ३०८
बीठळदास प्रागदासोत दू. १७१
बीठळदास राजा प ३०४, ३०६
बीठळदास राठोड़ जैमलोत प. ३२१
बीठळदास लखावत दू. १६१
बीठळदास सहसमलोत दू. ६६
बीठळदास सांवळदासोत दू. १८४
बीठळदास हरदासोत दू. १६५
बीणो जाळपदासोत मोहिल ती. १७२
बीदो प. १९८, २४१, ३४१
,, दू. १४३, २६३
बीदो खालत दू. १०७
बीदो भालो प. ४०
,, ,, दू. २६३
बीदो तेजसी रो प. ३५७
बीदो भारमलोत ती. ९५, १००
बीदो राव ती. २८, ३१, १६५, १६६, १६७, २३१
बीदो रावत दू. १२१
बीदो राहड़ दू. १०७
बीदो बीसळ रो प. २०१
बीदो साह दू. ११३
बीदो हरावत दू. १२६
बीर ती. १७९
बीरघन ती. १८७
बीरचरित प. २९२
बीरड़ रावळ प. ७९
बीरदास दू. ७८ ८०, ८१, ८८, ९१
बीरदास नीसळोत दू. ७९
बीरदास मांना रो दू. २०१
बीरदास रांमा रो प. ३५७
बीरधन राजा ती. १८७
बीरधवळ अवतारदे रो प. ३५५
बीरधवळ चारण लांगड़ियो दू. २०६, २०७, २०८
बीरधवळ (राजा) ती. ५३
बीरमरसिंघ रांणो प. ३४१
बीरनाथ राजा ती. १८७
बीरनारायण प. १८७
बीरनारायण पंवार प. २०३
बीरनारायण भोज पंवार रो ती. २८
बीरवलसेन राजा ती. १८६
बीरभद्र प. १३३
बीरभांण प. ११६, १२०, १३३
,, ती. २३१
बीरम प. १५, १६, १६६
,, दू. १७०
बीरम ऊदावत प. २४०
बीरम कूंभा रो प. १९७, १९८
बीरम खावड़ियांणो रो प. ३४७
बीरमजी राव ती. ३०, २१५
बीरमदे प. १६७, २६१. २८५, ३४१
,, दू. ३२, ८८, ९४, ९६, १००, १२१
,, ती. २२८
बीरमदे अवतारदे रो प. ३५६, ३६१
बीरमदे उदैसिंघ रांणा रो प. २२
बीरमदे कंवरांगुर, कान्हड़दे रावळ रो प. २०४, २०६, २२१, २२२, २२३, २२४, २२५
,, ,, ,, ,, दू. ४०
,, ,, ,, ,, ती. २८, १८४

वीरमदे गोकुळवास रो प. २६
वीरमदे धाचा रो प ३५८
वीरमदे जसवत रो प २०८
वीरमदे दूदावत तो १०४
वीरमदे देवराज रो प २८५
वीरमदे, राणा जैतसिंघदे रो प ३५९
वीरमदे रामावत दू. १६४, १६७
वीरमदे राव तो. ८०, ८१, ८२, ८३, ८४, ८५, ८६, ८७, ८८, ९१, ९४, ९५, ९६, ९७, ९८. ९९, १००, १०२, ११५, १८०
वीरमदे रायसिंघोत दू १२५
वीरमदे रावत रिणधीरोत दू ११७
वीरमदे वरजांगोत दू १६१
वीरमदे वाघेलो प २६१
वीरमदे सहसमल रो प ३१४
वीरमदे सूरजमल रो प ३०
वीरमदे हुरदास रो दू. २६३
वीरमपाळ राजा तो १८८
वीरम माला रो प. १६६
वीरम वीका रो प १६४
वीरम वेगू रो प. ३५२
वीरम सलखावत दू २८१. २८४, २८५, २९९, ३००, ३०१, ३०२. ३०३, ३०४, ३०६, ३१७, ३२०
वीरम सोढल रो प ३४०
वीरम हमीर रो प २३७
वीर विक्रमादित्य राजा तो. १७५
वीर सर्मा प ६
वीरसिंघ राजा तो १९०
वीरसीह रावळ प. १२, ७९
वीरसेह (वीरसेन) प ७८
वीरसेन राजा तो १८६
वीरू राजा गहरवार रो प १२८. १३०
वीरो दू. ८५
वीरो भोजावत दू १७७
वीर्यपाल तो १८८
वीलण सोभत प. २२६
वीवर प. २८८
वीसम रांणो दू २६५
वीसळ प २६१
वीसळ दू २०३
वीसळ ठाकुर रो प. ३००, ३०१
वीसळदे दूदावत दू. ६५
वीसळदे मुधपाळ रो प. ११९
वीसळदे राव प २६१
वीसळदेव तो ५१, ५३
वीसळदे सोळंकी तो २८०, २८५. २८६, २८७, २८८, २९०, २९१
वीसळ सामत रो प २०२
वीसळ सांखलो तो. ३०
वीसो प २०५
" दू १००, २०९
वीसो आसमल रो प २००
वीसो उधरण रो प २३१
वीसो जोधावत प २४३
वीसो पूना रो प १९९
वीसो वणवीरोत दू १६४
वीसो वीका रो तो. २०५
वीसो वीरम रो प १६८
वीसो हमीर रो प ३५५, ३५६, ३५७
वूढ मेघराजोत तो २९
वृक तो १७८
वढ़पाल तो. १८८
वृहत् तो १७९
वृहदर्य प २८९
वृहद्दल तो १७९
वृहदभानु तो १७९
वृहदृण तो १७९
वृहद्रण तो १७९
वृहद्रथ प २८९
वृहदश्व तो १७७, १७९

वृहसत प. २८७
वृहस्थल ती. १७६
वेगड़ रांणो दू. २६५
वेगड़ो भील प. ३३५
वेग सर्मा प. ६
वेगू भोजदे रो प. ३५२
वेणो रांणो मोहिल ती. १५८, १७१
वेण राजा प. २८७
वेणादित्य प. १०
वेणीदास प. ६७, ३०७, ३०८, ३१३, ३२७, ३३०
,, दू. ६२, १२०, १४६, १८३, १६६, १६६
वेणीदास केसोदासोत दू. १६८
वेणीदास गोयंददासोत दू. १५५, १५७
वेणीदास जोगावत दू. १७७
वेणीदास ठाकुरसीग्रोत दू. १४८
वेणीदास दूदा रो प. ३६१
वेणीदास पूरणमलोत दू. १५१, १६०
वेणीदास बलुग्रोत प. २३४
वेणीदास सहसमल रो प. ३१४
वेणीदास सिंघ रो प. ३१५
वेणो देवावत दू. १६०
वेणो रायमलोत दू. १२३
वेद सर्मा प. ६
वेन प. ७८
वेरड़ दू. ११८
वेलावळ प. १२१
वेलो प. १६६
वेहाग्रभाज प. २८६
वैजल रावळ ती. ३३
वैजल सालवाहन रो दू. ३७, ३८
वैणो प. १६६
वैणो अमरा रो प. ३५६
वैणो मोहण रो प. ३५७
वैणो राजधर रो प. १६६
वैरड़ रावळ प. ५, ६
वैरसल प. २४३
,, दू. ८८, ११६, १२०, ३४२
वैरसल कूंपा रो प. ३६०
वैरसल खंगारोत प. ३०५
वैरसल गांगा रो प. ३५६
वैरसल गोपाळ रो प. ३१०
वैरसल जसा रो दू. ३३
वैरसल जैता रो प. ३५२, ३५३
वैरसल प्रथीराजोत दू. १६७
वैरसल बलू रो प. ३४१
वैरसल भीम रो प. ३६३
वैरसल भोजावत दू. १७७
वैरसल मालू रो प. १६६
वैरसल रांणावत दू. १५२
वैरसल रांणो ती. १५८, १६१, १६२, १६३, १६४, १६६, १७०, १७१
वैरसल राठोड़ प्रथीराजोत प. १५३
वैरसल राव चाचा रो दू. ११७, ११८, ११६, १२०, १२६, १३७
वैरसल राव (पूगळ) ती. ३६, ३७
वैरसल रूपसी रो प. ३१२
वैरसल सांकरोत दू. १८०
वैरसल हमीर रो प. १५
वैरसिंघ राजा ती. ४६
वैरसी प. ३१८
,, दू. ८२, ६२
,, ती. २२७, २२८
वैरसी नारणोत प. ३५८
वैरसी रांणो प. १२३
वैरसी रायमलोत दू. १८२, १८५
वैरसी रावळ प. ५
,, ,, दू. २, ८१
,, ,, ती. ३४, २२१
वैरसी लखमण रो दू. ११, १४, ७६, ८०
वैरसी लूणकरणोत ती. १५२, २०५
वैरसी वाघावत प. ३३८, ३३६, ३४४
वैरसी हमीरोत प. ३५६

वैरागर द्व ११८
वैरागी प ३१३
वैरीसाल प २५
" द्व २२८, २३२, २३६
वैरो प १०१, १०२, १०६, २८१
३४३
वैरो भीव रो प ३४१
वैवस्वत प ११६
वैवस्वत मनु प ७८
वोटी द्व १
वोडो-रावण, वोदो दे० वोडो सूमरो।
व्रद्मीस प २८८
व्रहदा प २८६
व्रहान चिसती पीर प ३१८
व्रह्मा प (व्रह्मान्ध) प ७८
विदावनदास प ३०७

श

शत्रुपाल राजा ती १८८
शत्रुंजय राजा ती १८६
शत्रुघ्न राजा ती १८७
शत्रुजित दे० सत्राजीत।
शम्सखा दे० समसखां।
शम्सुद्दीन दे० समसदीन सुलताण।
शलादित्य ती ४६
शहरयार दे० साहयार पातसाह।
शहरयार शाहजादा दे० सहरियाल
साहिजादो।
शादमा प ३००
शालिवाहन दे० सालवाहन।
शालिवाहन परमार राजा ती १०५
शावस्त ती १७७
शाह आलम प ५६
शाहजहा दे० साहजहा पातसाह।
शाहजहां शहाबुद्दीन दे० साहजहां
सायबदीन।
शाहजी भोंसला दे० भुहसाजळ साहजी।
शाहबुद्दीन बादशाह दे० साहिबदी
पातसाह।
शिवधन प २९२
शिवब्रह्म कछवाहा प ३२६
शिवाजी छत्रपति प १५
शिविर राजा ती १७५
शिशुपाल ती १५४
शीघ्र ती १७६
शुद्धोद ती १७६
शुद्धोदन ती १७६
शेख पीर बुरहान चिश्ती प ३१८
शेख फरीद ती २७६
शेरशाह सूर बादशाह द्व १५४
श्यामदास प १४४, १५६
श्राव ती १७६
श्रावस्त दे० शावस्त।
श्रीकरण रावळ ती २३६
श्रीपाल प २८६
श्रीपुंज रावळ प ५
श्रीमोर ती १५५
श्रीय ती १७६
श्रीवछ प २९२
श्रीवत्स ती १७७
श्रुत ती १७८

ष

षटग प २८८
षटवाग प २८८
" ती १७८

स

सकर द्व ८४, ८८
सकरदास प १२१
सकरदास रामोत द्व ८४, १२०
सकर माधो ती १६०
सकर लाला रो प १३६

संकर सिंधावत प. २४३
,, ,, दू. १००
संकर हींगोळ रो प. २३५
संक्रमाधो ती. १६०
संग्रामसाह प. १२६
संग्रामसिंघ ती. २२६
संग्रामसिंघ हररांमोत प. ३२४
संग्रामसी दुरजणसाल रो प. ३५५
संघदीप प. २८८
संजय ती. १७६
संदोव राजा ती. १८६
संतन वोहरो ती. १५७
संतोप प. २६२
संभरांण प. १०१
संभूसिंघ ती. २३५, २३६, २३७
संमत प. ७८
संसाद प. २८७
संसारचंद प. २०५
,, ती. २३१
संसारचंद श्रचळावत दू. १८१, १८२, १८४, १८५
सइयो धांकलियो ती. २५, २६
सकत प. ७८
सकतकुमार रावळ प. ५, १२
सकतसिंघ प. १११, १३१, २११, २३४, ३०३, ३११, ३१४, ३२०
सकतसिंघ दू. १६६
सकतसिंघ ग्रासकरण रो प. ३०४
सकतसिंघ उदैसिंघोत प. २१२
सकतसिंघ खेतसीश्रोत दू. ६३, ६५
सकतसिंघ तेजसी रो प. ३२६
सकतसिंघ मांनसिंघोत प. २६१, २६८
सकतसिंघ राव दू. १६४
सकतसिंघ वेणीदासोत प. २३४
सकतसिंघ विंद्रावन रो प. ३०७
सकतसिंघ सुरतांणोत प. ३०४
सकतसिंघ हमीरोत प. ३०५
सकतसिंघ हरदासोत दू. १६५
सकतो प. २६, ६२, १६७, २३८
,, दू. १७४, २६४
सकतो गोयंद रो प. १६६
सकतो रायमलोत दू. १४५
सकतो वीरमदेश्रोत दू. १७०
सकतो वैरसल रो दू. ८०
सखितकुमार रावळ प. ७८
सगण ती. १७६
सगतसिंघ ती. २२०, २३२
सगतो दू. १८०
सगर प. ३०, ७८, २८८, २६२
,, ती. १७८
सगर रांणो प. ६२, ६५
सगर रांणो उदैसिंघ रो प. २२, २३, २४, २५, २७
सगरांमसिंघ प. २६८
,, ती. २२३
सगरो बालीसो प. ६७
,, ,, ती. ४१, ४३, ४७, ४८
सजन भायल प. १६३
सजो राजा रो दू. २६२
,, ,, ,, ती. २१४
सजोसराय (सुजसराय) प. २८६
सझो राजावत दे० सजो राजा रो।
सत राजा परमार ती. १७५
सतीदांन रूपावत ती. २२५
सतो प. ६६
,, दू. २. ५३
,, ती. २२१
सतो खीमराज रो प. ३५५
सतो चूंडावत दू. ३००, ३०६, ३१०, ३३६, ३३७
सतो चूंडावत ती. ३०, १२६, १३०, १३२, १३३

सतो जांम द्व २०५, २३७, २४०, २४१, २४२, २४३
सतो जोधावत प २४३
सतो तमाइची रो प. ३६१
सतो देवराज रो प ३६२
सतो भाटी लूणकरणोत ती. १४०
सतो रांणो द्व २६५
सतो रांमावत प २६६
सतो राव प १५, १६
सतो रावत रतनसी रो प ५०
सतो रिणमलोत द्व १२३, १४२
सतो लूणकरणोत द्व. १४५
सतो लोला रो प २०७
सत्यव्रत ती १७८
सत्यव्रत हरिश्चंद्र ती १७८ दे० हरिश्चन्द्र।
सत्रजीत प १२६
सत्रसाल (शत्रुशल्य) प. १२०, २०६
,, ,, द्व १५६, १६५, २६४
सत्रसाल नराइणदासोत प ३०५
सत्रसाल राव द्व १२३
सत्रसाल सूरसिंघोत ती. २०८
सत्रसिंघ द्व ६६
सत्राजित दे० सत्राजीत
सत्वाल द्व ३
सदरथराज प. २८८
सप्त राजा ती १८५
सबळसिंघ प २५, ३१, ६८, ६६, ७०, २३५, ३०५, ३०६, ३१६, ३२०, ३२५, ३२८,
सबळसिंघ द्व १, १२०, १३१, २००
,, ती २३०
सबळसिंघ ईसरदासोत द्व १८६
सबळसिंघ कवर प. ३०८
सबळसिंघ किसनसिंघ रो प ३०६
सबळसिंघ चतुरभुजोत पुरबियो प ६६
सबळसिंघ पूरावत प २६
सबळसिंघ प्रथीराजोत द्व १५७
सबळसिंघ प्रागदासोत द्व १८३
सबळसिंघ फरसराम रो प ३२३
सबळसिंघ मानसिंघोत प. २६१, २६८
सबळसिंघ राजावत द्व १५०, १७०
सबळसिंघ रावळ दयाळदासोत द्व. ६३, ६७, १०४, १०५, १०६, १०७, १०८, १०६
सबळसिंघ रावळ दयाळदासोत ती ३५, ३६, २२०
सबळसिंघ व्रिंदावनदास रो प ३०७
सबळो प १५८, २०६
,, द्व ८८, १२१, १६६, १७१, २६४
सबळो सावळोत प ३६०
समपू प २८६
समरसी प. १०१
समरसी कीतू रो प १६६, २४७
समरसी रावळ प १३, ७६, ८०, ८१, ८२, ८७, २०३
समरो प १३४ १६५ १८७
समरो देवड़ो प १४४, १४५, १४६, १४७, १५१, १८१
समरो नरसिंघ रो प १६६
समसखां ती २७४
समसदी द्व ६६, ७१
समसदीन सुलतांण ती. १६०
समसद्दीन दे० समसदी।
समुद्रपाळ राजा ती १८८
समो बलोच द्व १३०, १३६
सरखेलखां ती ८५, ८८, ६०, ६१
सरदारसिंघ ती २२०, २३१
सरदारसिंघ महाराजा (बीकानेर) ती १८०
सरफराजखां ती २७७
सरवासू प. २८७

सराजदी दू. ४८, ४९
सराजुद्दीन दे० सराजदी।
सरूपसिंघ प. १३३
,, ती. २२८, २३०
सरूपसिंघ अनोपसिंघोत ती. २०८
सर्वकाम ती. १७८
सलखो प. १६
,, दू. २८०, २८१, २८४
सलखो देवराज रो प. ३६३
सलखो राव तीडै रो ती. २३, २४, २६, २७, ३०, १८०
सलखो लूंभावत देवड़ो ती. २६
सलराज प. २८८
सलाजीत (सत्राजित = शत्रुजित) प. ७८
सलूंणो प. २२५
सलेमखां दू. ११५
सलेमसाह पातसाह ती. १९२
सलेहदी राजा भारमल रो प. ३०२
सलैदी सुरतांणोत दू. १५२
सलो राठोड़ प. २२५
सलो सेपटो प. २२५
सल्हैदी प. २९१, ३३१
सल्हैदी गिरधर रो प. ३२२
सल्हैदी रतनसी रो प. ३५६
सल्हैदी राजावत प. ३२१
सल्हैदी सांगा रो प. ३२५
सवरो प. १६६, १६७
सवीर प. ७८
सवाईसिंघ ती. २२३, २२४, २२५, २२६, २२९
सवाईसिंघ रावळ दू. १०९
सहंस राजा प. ३३६
सहजइंद्र राजा प. १२८
सहजग प. १३०
सहजपाळ राजा प. १२८
सहजपाळ गाडण प. २२५
सहजसेन दू. ९
सहणपाळ ती. २६
सहदेव प. २८९
,, ती. १७९
सहदेव सकतावत प. ३०४
सहरियाल साहिजादो दू. १५६
सहबाजखां प. २१०
सहवण (सहवर्ण) प. ७८
सहसमल प. ६७, ६९, १३६, १७४, १८८, १८९, २३१, ३६१
,, दू. ९२, १४३
सहसमल चवडै रो दू. ३१०
सहसमल चांनण री प. ३१४
सहसमल चूंडावत ती. ३१
सहसमल दुसाऋ रो प. ३५२
सहसमल देवड़ो ती. २६, ३१
सहसमल मालदेवोत दू. ९६, ९७
सहसमल रायमल रो प. ३२५
सहसमल रायसिंघोत दू. १२५
सहसमल राव प. १३५, १३६
सहसमल रावळ प. ७४, ७९
,, ,, ती. २६६
सहसमल वीसळ रो प. २०१
सहसमल सोम रो दू. ७६, ७७, ११६, ११९
सहसमल हाडो प. ११०
सहसमांन प. २८९
सहसो प. २४३, ३६१
,, दू. १२०, १३०, १७०, १९८, २००
,, ती. २२०
सहसो ऊदावत दू. १७९
सहसो खरहथ रो प. ३५६
सहसो ठाकुरसीओत दू. १८९
सहसो वयाळदासोत दू. १६६
सहसो प्रताप रो प. २८

सहसो मोकल रो प. ६२
सहसो सुजा रो दू १६१, १६२
सहस्रार्जुन दू. ६
सहस्वान तौ १७६
सहाबुद्दीन गोरी प १८०
सहिसो तौ. ६५
सांइयो मूलो चारण प. ८६, ८८
साईदास प. १११, १४२, २७६, ३२१
साईदास प्रभा रो प ३२७
साईदास तिलोकसी रो दू १६२
साईदास प्रथीराज रो प २६०
साईदास भाटी दू ६६
साईदास राजसीप्रोत दू. १७६
साईदास रावत प. ६६
साईदास हरदासोत दू. १६०
साकर चांपा रो प. २००
सांकर पीथावत दू १६३
साकर प्रथीरायोत दू १६३
सांकर भुवबल रो प. ११४
सांकर सूरावत दू. १८०
सांखलो प. १८, १३७, ३६३
सागण प १६६
,, दू. ३६, ४३, ५४, ८४
,, तौ २२१
सांगम मगळराव रो दू १६
सांगमराव खीचो प. २५१
सांगमराव राठोड तौ २८०, २८१, २८२, २८३, २८४, २८५, २६०
सांगो रबारी दू. १६, २०
सांगो प. २८०
सांगो दू. ८१, ८८, १४४
,, तौ. २३१
सांगो ऊदावत प. २६०
सांगो करमा रो प १६५
,, ,, ,, दू ८०
सांगो खडेर दू. १०३
सांगो खींवा रो दू १२१
सांगो गोयदोत दू. १७६
सांगो पीथावत दू. १६०
सांगो प्रथीराजोत प. २६०, ३०७, ३१४
सांगो बोहड सोळंकी रो प २८०
सांगो भाटी तौ १७
सांगो भैरव रो प. १६६, ३२५
सांगो मम्मणराव रो दू. १, ११
सांगो राणो प ४६, २८६
,, ,, दू २६२, २६४
,, ,, तौ. २४८
सांगो रांणो माणकराव रो तौ. १५८, १७१
सांगो राणो रायमल रो प. ६, १५, १८, १६, २०, २१, २३, १०२, १०३, १०४, ११६ १५०
सांगो रावळ वछु रो दू. १४०
सांगो वरवज प १५६
सांगो वणवीर रो ■ १७२
सांगो विजावत दू १६६
सांगो सिघोत प ६८
सांगो सुलताण राजा तौ ११०
सांगो सेलार प २२५
सांगो हिमाळा रो प. २४४
साधण रावत तौ १७६
सांडो डोडियो प ३६
सांडो पुनपाळ रो प ३५४
सांडो रायपाळोत तौ २६
सांडो सांखलो तौ ८४
सांडो सिघावत प २४३
सांदू प. १११
सामतसिंघ तौ. २२६
साम दू. १, ६, १६
सांम उर्दैसिघोत प २२
सांमतसी रावळ प. ७६

सांमदास दू. ७८, ९०, १२६
सांमदास अमरा रो दू. १२२
सांमदास खेतसीओत दू. ९५
सांमदास गोपाळदासोत दू. १०७
सांमदास जोगा रो प. ३५७
सांमदास जोगीदासोत दू. १८५
सांमदास माथावत प. ३११
सांमदास भांणोत दू. १९४
सांमदास मेघराज रो प. ३५९
सांमपत जांम दू. २०६
सांमसिंघ प. २६, ३२४, ३२७
सांमो प. ३६१
सांमो दू. ८०, २००
सांम्ब दे० सांम।
सांवत प. २४७
सांवत करमचंद रो प. २०५
सांवतसिंघ प. ३२८
सांवतसिंघ ती. २२६, २३२, २३५, २३७
सांवतसिंघ चायड़ो दू. २६७
सांवतसिंघ सेखावत ती. ३२
सांवतसिंघ सोनगरो ती. २६१, २६२, २६३
सांवत सिढायच-चारण ती. २८०, २८१
सांवतसी प. १६७, १८७, २१३, २८५
,, दू. २, ४, ७७, ७८, १०३
सांवतसी केहर रो दू. ७७
सांवतसी चीवो प. १३८, १३९
सांवतसी महकरणोत प. २३३
सांवतसी रांणो ती. १५८
सांवतसी रायमल रो प. २८४, २८५
सांवतसी रावळ चाचगदे रो प. २०४
सांवतसी वीकावत दू. १७३
सांवतसी वीसा रो प. २००
सांवतसी सेदूळ रो प. १९४
सांवतसी सूरा सेवड़ा रो प. १७०
सांवतसी सोनगरो रावळ ती. २३
सांवळ प. २६, १९५, ३३९
,, दू. ७७, ८४, १९९
सांवळदास प. २७, ६७, ७०, १०१, १०२, ११५, ११७, १२०, १२५, १६८, २०८, ३०६
,, दू. १२५, १२६, १६१, १९१, २६४
,, ती. २२७
सांवळदास कलावत दू. १६२, १७४
सांवळदास डूंगरसीओत दू. १७५, १७६
सांवळदास देवकरण रो प. ३१०
सांवळदास नारणदास रो प. ३५८
सांवळदास पंचाइणोत प. ३०९
सांवळदास बळकरण रो प. ३४२
सांवळदास भांनीदासोत दू. १६६
सांवळदास भाटी गोपाळदासोत दू. १०७
सांवळदास मेहकरणोत दू. १९३
सांवळदास रायमल रो दू. १२३
सांवळदास रावळ प. ७०
सांवळदास लूणकरण रो प. ३१६, ३२२
सांवळदास संसारचंद रो दू. १८१, १८२
सांवळदास हमीरोत प. ३४३
सांवळ मांडणोत प. २३६
सांवळ माधवदे रो प. ३३९
सांवळसुध रोहड़ियो-चारण दू. २३६, २३८
सांवळो प. १९४
सांसतथ प. २८७
सागण ती. २२१
सागर रांणो दू. १५८
साजन ती. २३९, २४७
साह जांम दू. २१४
सातळ प. १९३, २२५
,, ती. १८४
सातळ अखा रो प. ३४१

सातळ केहर रो दू ७७
सातळ चहुवांण दू ५८
सातळ भाटी दू ८४
सातळ रांणो दू २६५
सातळ राव जोधावत तो ३१, १०४, १८२
सातळ वरसिंघ रो दू. १२७
सादमत प ३००
सादमो सुलतान प. ३००
सादूळ प २२, २७, ११७, १६४, ३०६, ३१३, ३२८ ३४३
„ दू ७८, १६८, २००, ३२७, ३२८
सादूळ कचरावत दू १८४
सादूळ किसनावत दू १६४
सादूळ खेतसी रो प ३६०
सादूळ गोपाळदासोत दू १०५
सादूळ गोयदोत दू १७५
सादूळ जगहथ रो प २४१
सादूळ जाभ्रण रो प २४०
सादूळ दुजणसल रो दू ६०
सादूळ दूदावत दू १६७
सादूळ नरहरोत प ६६
सादूळ भानीदास रो दू १२८
सादूळ भाखरसीग्रोत दू १६६
सादूळ भारमलोत प २६१, ३०२
सादूळ मनोहर रो प ३४३
सादूळ मानावत दू १६०
सादूळ मालदे रो प ३१५
सादूळ राणावत [illegible] १५२
सादूळ राणो सूजा रो प. २३१
सादूळ रामावत प १६६
सादूळ रावत परमार तो १७६
सादूळ राव महेसोत प १५२
सादूळ वीठळदासोत प ३०६
सादूळ साकर रो प १६४
सादूळ सांवतसीग्रोत प २३४
सादूळसिंघ तो २२५, २२६
सादूळ सिंघोत [illegible] १७६
सादो दू ३२७, ३२८
सादो कुवर दू ३१२, ३२५, ३२६, ३२७, ३२८
सादो देवराज रो प ३६१, ३६२
सादो रांणगदेवोत मोहोट प ३४८, ३४६
साबर तो २७८
सायबसिंघ तो २२३, २२८, २३०
सायब हमीरोत दू २४४, २५० २५१, २५२, २५३, २५४, २५५, २५६
सायर प ३६२
सारग ईसर रो प ३५१
सारगखान तो २१, २२, १६३, १६४
सारगदे जैमल रो प २१२
सारगदेव वाघेलो तो ५१
सारग मारणोत दू १७४
साल काल्हण रो दू २
सालवाहण प ६६
„ दू १५, ३८
सालवाहण राजा परमार तो १७५
सालवाहण रावळ प ७८
सालवाहन प १२३ १३५ २५६, ३३६
„ दू २ ३६, ३७
सालवाहन भ्ररमबिब रो तो ३७
सालवाहन चपनराय रो प १३१
सालवाहन राजा प २५६
सालवाहन राजा दू ६
सालिवाहन रावळ प ५, १२
„ „ दू १०
„ „ तो ३३, २२१
सालो सोहड रो प ३४०, ३४१
साल्ह दू ३६
साल्हो सोभ्रम रो प २३० २३१
सावत हाडो प ११७

सावटू भाटी दू. ३१६
सावर प. १२२
साहजहां पातसाह प. ४८
" " दू. १०५
" " ती. १८, १६२, २३८, २४६, २७७, २७८
साहजहां सायबदीन पातसाह ती. १६२
साहली ती. २७७
साहणपाळ राणो मोहिल ती. १५८, १७०
साहणमल दे० साहणपाळ राणो मोहिल।
साहबखांन प. २२
" दू. १३४
" ती. २७७
साहयार पातसाह ती. १६२
साहरण जाट ती. १३
साहरण पद्मा रो प. १०१, ३३८
साह, रांणा उदैसिंघ रो प. २२, २५
साहिजहां पातसाह दे० साहजहां पातसाह
साहिब प. २७
" दू. २०६, २१६, २२२, २२३
साहिबखांन प. १५७, २७६
साहिबखांन वेणीदास रो प. ३३०
साहिब गांगा रो प० ३५८
साहिबदी पातसाह ती० १८३
साहिल प. ११६
साहुर अमरा रो प. १६५
सिंघ प. २३, १६०, २१२, २५६, ३०४, ३२८
" दू. ११, ६०, १००, १०३, १०४
सिंघ भालो, अजा रो प. ५१
" " " दू. २६२, २६३, २६४
सिंघ करमचंद रो प. ३१५
सिंघ कांधळोत प. ६७
सिंघ कान्हावत दू. ११३
सिंघ खेतसीग्रोत दू. ६५
सिंघ जैतमालोत दू. १८७
सिंघ ठाकुरसीग्रोत दू. १८६
सिंघ देवकरण रो प. ३१०
सिंघ भांनीदासोत दू. ६३
सिंघ रतनसिंघोत दू. १७६
सिंघ राव प. ११६
सिंघ राव प. १३५
" दू. १. १०
" ती. २२२
सिंघ रावत प. ६५
सिंघ रूपसीग्रोत दू. १४७
सिंघलसैन राजा परमार प. ३३६
" " " ती. १७५
सिंघसैन राजा दे० सीहोजी राव।
सिंघो वाघावत प. २४२
सिंधराज प. २८६
सिंध राजा ती. १७६
सिंधु ती. १७६
सिंधु प्रसयतु का पुत्र ती. १७६
सिंहल राजा ती. १८५
सिंहल कवि दू. ७५
सिकंदर प. २६२
" ती. ५५, १७१
सिकंदर लोदी ती. १६२
सिखर प. १६
सिखरो दू. ३०७
सिखरो ऊगमणावत दू. ३१४, ३१५, ३१६
" " ती. २५०, २५२, २५३, २५४, २५५, २५७, २६०, २६१, २६२, २६३, २६४, २६५
सिखरो बोहो प. २४७
सिखरो भुजबळ रो प. १६५
सिखरो महकरण रो प. २३३
सिखरो रतना रो प. १६७
सिद्धराज सोळंकी प. २७८
सिद्धराव प. ४, २७२, २७८, ३३६

सिद्धराव जैसिंघदे ती २९, ५१
सिधगराय प २८८
सिधराज प २८६
सिधराव प २७५, २७६, २८०
(दे० सिद्धराव)
सिधराव जैसिंघदे प २६०, २७४, २७७
(दे० सिद्धराव जैसिंघदे)
सिधराव सोळंकी करन रो प २८०
सिरग खेतसीग्रोत दू १२२, १२३
सिरगजी ती २२३
सिरग जैतसिंघोत ती २०५
सिरग डूगरसीग्रोत दू १०७
सिरदारसिंघ प १२०
सिरदारसिंघ प्रतापसिंघ रो प १२१
सिरपुज रावळ प १३
सिरवान भाटी ती ५७
सिलावत प ३
सिलार रावळा रो प १६४ १६५, १६७
सिवदांनसिंघ ती २२३, २२८
सिवदास दू ८०, १५१
सिवदास नाथू रो दू १९७ १९९
सिवपाल प २९२
सिवब्रह्म प २६५, २६६
सिवब्रह्म कछवाहो राजा उदकरण रो
प ३२६
सिवर प १२३
सिवर राजा परमार ती १७५
सिवराम प २६ ३०७
सिवराम उदैसिंघोत प ३०८
सिवराज दू ३४२
सिवराज राजा प २९२
सिवसिंघ प २९८
„ ती २३७
सिवसेन राजा ती १८६
सिवो प १५, १६०, १७२, १९७, १९८,
२००
सिवो दू १४३
सिवो कैसवेचो दू १००
सिवो गोहिल प ३३५
सिवो पूजा रो प ३५१
सिवो राव छाजू रो ती २४१, २४२,
२४३, २४४ २४५, २४६, २४७
सिसपाळ प २८९
सींगट गोहिल अगरांमोत ती १६५
सींधळ मींबावत प २०७
सींधो प ३२७
सींधो नाथा रो प ३२७
सीगळ कब दे० सिंहल कवि
सीमाळ दू ४१ ४२
सीयळ पवार दू ६
सील प ७८
सीहड दू ३६ ४३
सीहड काल्हण रो दू २
सीहड चाचग रो राणो प ३४० ३४२
३४३
सीहडदे रावळ प ७६
सीहड भाटी दू ६४
सीहड रावळ प १२
सीहड सांखलो प २५३
„ „ ती १४०, १४२ १४३
सीहपातळो प २१७
सीहमाल ती १२५
सीहा राठौड प ३३३
सीहैड रावळ प १२
सीहो प १ २४८
„ दू १०८ १२२, १८९
सीहो गोविंद रो दू ७७ ७८ १०६ १०७
सीहो जगमाल रो दू ८४
सीहोजी राव दू २५८ २६६ २६७
२६८, २६९, २७१, २७२ २७३
२७४ २७५ २७६
„ „ ती २६ १७३, १८०
सीहो धनराज रो दू १२३

सुरपुंज रावळ प. ७६
सुवचंद ती. १६०
सुविधि राजा ती. १८५
सुसिंघ प. २६२
सुस्तराज प. २८६
सूग्रो प. १६
सूजो प. ५०, ६०, ६१, ६२, १०१, १०२, ११६, १२१, १२४, १६१ २४२, ३२०, ३२५, ३२६, ३६२
,, दू. १६६
सूजो ग्रासावत प. ३४३
सूजो करणोत प. १६८
सूजो खेतसी रो प. ३६०
सूजो जगमालोत दू. १६१
सूजो जसूंतोत दू. १७०
सूजो जैसा रो प. २६६
सूजो देईदास रो प. ३१७
सूजो देवड़ो प. १५६, १६४
सूजो पतावत दू. १५१
सूजो पूरणमल रो प. ३१३
सूजो प्रागदासोत दू. १८३
सूजो भाटी दू. ६६
सूजो भारमलोत प २००
सूजो भुजबळ रो ■ १६५
सूजो महीकरण रो प. ३५६
सूजो मांडणोत प. २३६
सूजो रांणो प. २३१, २३५
सूजो रांमावत दू. १६१
सूजो रायमलोत प. ३१६
,, ,, दू. २००
सूजो राव प. ३६१
,, ,, दू. १५३, १७८
सूजो राव, जोधावत ती. ३१, ८१, १०५ ११४, १८२, २१५. २१६, २३५
सुंद... रिणधीर रो प. १४२, १४३, १५८
संदर...
सुकर सोळ...धीर रो प. २४२
सूजो वीजा रो प. ३५८
सूजो वेणावत दू. १६०
सूजो सिलार रो प. १६७
सूमरो दू. २३८
सूर प. १७८, १८८, १६०, २६२
(दे० सूर मालण)
सूरज प. ७८, १२५, २६२
सूरजमल प. ५०, ५६, ६८, ६६, ७३, ७४, ७५, ७६, ७७, ६१, ६२, १०२, १०३, १०४, १०५, १०६, १०७, १०८, १०६, ११०, १२०, २०६, २११, २१२
सूरजमल दू. ७८, ८०, ६०, ६४, १२३, १२४, १२८, १३६, १५६
सूरजमल ती. २२७
सूरजमल ग्रमरा रो प. ३०, ३५६
सूरजमल किसनावत दू. १६६
सूरजमल केसोदास रो प. ३१४
सूरजमल गोपाळदासोत दू. १८६
सूरजमल चांपा रो प. ३५६
सूरजमल बालासो ती. ४१
सूरजमल लूणकरणोत दू. ६०
सूरजमल हाडो प. २०
सूरजसिंघ प. ५३, २४७
सूरजसिंघ राजा दू. ८१, ६६, ११६, १५५, १५८
सूरजसिंघ राव दू. १३१, १३२
सूरतसिंघ प. १२०, २६६, ३०७, ३०८
,, ती. २२१, २२४, २२६, २२६
सूरतसिंघ महाराजा (बीकानेर) ती. ३२, १७७, १८०, १८१, २०८
सूरदास प. २३२
,, दू. १६४
सूरदेव ती. २१६
सूर नरसिंघोत प. १५३
सूर नाहरखां ... प. ...

पातसाह दू १७७, १८०, १९०,
१९२
पाळ प. २८६
मचद प ५०
माधवदे रो प ३३६
मालण (सूरमाल्हण) दू ४०, ४१,
४२, १५३, १७८
र राणो दू २६५
रसिंघ प २५, २६, २८, १५३, १६१,
३०३, ३०५, ३०६, ३०६, ३११,
३२०, ३२२, ३२६, ३२८
रसिंघ दू १५८
रसिंह ती २३०
रसिंघजी राजा प. ३२३
सूरसिंघ फरसराम रो प ३२३
सूरसिंघ भगवतदास रो प २९१, ३००
सूरसिंघ महाराजा (जोधपुर) ती १८२,
२१४
सूरसिंघ महाराजा (बीकानेर) दू १११
सूरसिंघ मानसिंघोत प ३२७
सूरसिंघ रायसिंघोत महाराजा (बीकानेर)
ती ३१, १८०, १८१, २०७, २०८,
२१० (दे० सूरसिंघ महाराजा
बीकानेर)
सूरसिंघ राव दू १३०, १३१, १३२,
१३३, १३६, १४४
सूरसिंघ वग्र रो प ३१६
सूरसिंघ बीकूपुर राव ती ३६
सूर सुरताण रो प १५८
सूरसेन दू ३, ९
,, ती. २३१
सूरसेन उग्रसेन रो प २९२
सूरसेन राजा ती. १८६
सूरो प ७०
,, दू ८४, ८८, १७८, १८९
सूरो कलावत प. १९९
सूरो कावळोत ती. २१
सूरो कांना रो प ३६०
सूरो डूगरसी रो प. १२०
सूरो देवडो प. १४५, १४६, १४७, १५४,
१७०
सूरो नरबद रो प २४८
सूरो नरसिंघ देवडा रो प १६५, १६६,
१६७
सूरो भैरवदासोत दू १७८
सूरो माधा रो प. ३२१
सूरो लोलावत प २३८
सूरो वघू रो प. ३४२
सूरो सोढो प ३६२
सूयपाळ पदमपाळ रो प २८९
सूयपाळ भीमपाळ रो प. २९०
सेख फरीद ती २७९
सेखो प ६७ ३२७
,, दू. १४२, १४३, १९८
सेखो खारबारा रो राव ती ३७
सेखो खेतसीयोत दू १७३
सेखो चहुवाण भाखणोत प १५२, २३६
सेखो प्रताप रो प २८
सेखो माकळ रो प ३१८, ३१९
सेखो रतना रो प ३१७
सेखो रांणो बोला रो दू २६५
सखो रामावत प १९८
सेखो राव दू. ११०, ११८, ११९, १२०,
१२४, १२६, १३७
,, ,, ती १९. ३१. ३६
सेखो रुदा रो प १६१
सेखो सावत रो प २००, २०१
सेखो सूजावत प २४१, २४२ ३६०
, ,, ती ८६, ८८, ८९, ९०,
९१, ९२
सेतराम दू २६८

सीहो रांमदासोत दू. १६६
सीहो राजावे रो प. २९४
सीहो रायमल रो प. ३२७
सीहो रावळ प. ५, ७८
सीहो रुदा रो प. १७२
सीहो सींधळ दू. १८७
" " ती. १२३, १२४, १२५, १२६, १२७, १२८
सुंदर प. ३४३
" दू. ८६, ६५, १२३, १७७, १६६, २००
सुंदर कचरावत प. २५७
सुंदरचंद राजा ती. १८८
सुंदरदास प. २६, ६६, १२५, १७३, १६७, १६८, ३०६, ३२७, ३३१, ३४३
सुंदरदास दू. ८१, ८८, ६०, ६३, १२६, १५८, १५६, १६४, १८३, १६२
सुंदरदास ती. ३७, २२५, २२६, २२७
सुंदरदास गोयंददासोत दू. १५०
सुंदरदास गौड़ प. ११७
सुंदरदास देवराज रो दू. १०४
सुंदरदास भगवांनदासोत दू. १५२
सुंदरदास भारमल रो प. ३०२
सुंदरदास भींवोत दू. १७२
सुंदरदास मुंहणोत प. १६७
सुंदरदास लाडखांन रो प. ३२१, ३२५, ३२७
सुंदरदास सुरतांण रो प. ३०४, ३१२
" " " दू. १५६
सुंदरदास सूरजमलोत दू. १८६
सुंदर भारमलोत प. २६१
सुंदर सहसावत दू. १७६
सुंदरसी मुंहतो ती. २१४
सुंदर सोढ़ो प. ३६१
सुकर सोळंकी प. २६१, २८०
सुकव प. ७८
सुकायत राजा ती. १८७, १८८
सुकृत दे० सुकव।
सुकृत सर्मा प ६
सुखचंद माधो ती. १६०
सुखरांमदास ती. २२६
सुखसिंघ ती. २२४
सुखसिंघ सूरजमलोत ती. २१७
सुखसेन राजा ती. १८६
सुगणो मुंहतो प. ३३८
सुचंद माधो ती. १६०
सुजन प. ७८
सुजन अर्जुनोत मोहिल ती. १६६, १७०
सुजय प. ७८
सुजांण प. २७
" दू. ६२, १२३
सुजांणराय प. १३१, २७८
सुजांणसिंघ प. २२, ३०, ६७, १३०, २०६, ३०१, ३०४, ३०६, ३०८, ३१०, ३२८
सुजांणसिंघ दू. ६५, ६६, २६४
" ती. २२४
सुजांणसिंघ परसोतम रो प. ३२३
सुजांणसिंघ महाराजा (बीकानेर) ती. ३२, १८०, १८१, २११
सुजांणसिंघ माधोसिंघ रो प. २६६
सुजित प. ७८
सुदरसण प. ३२७
" दू. ८८
" ती. ३६
सुदरसण भाटी मांनसिंघोत दू. १३२
सुदरसण राव जगदेव रो दू. १३६
सुदर्यराज प. २८८
सुदर्शण प. ७८
सुदर्शन ती. १७६
सुदर्सन प. २८८, ३२७

सुदास तो १७८
सुदेव तो १७८
सुदसेन तो २३०
सुधन राजा तो १८६
सुधन्ध प २८८
सुधन्वा दे० पुधन्वा।
सुधानंद प. २८७
सुधियहा प २६३
सुधोम ■ २८६
सुनगराय प २८८
सुप्रतिकाम दे० सुप्रतिकाश।
सुप्रतिकाश तो १७६
सुबाहु प २८८
सुबुद्ध सर्मा प ६
सुभकरण प. १२७, १३१
सुभराम तो २३५
सुभाहय सर्मा प ६
सुमत दे० समत।
सुमल प. १२३
सुमित्र तो १८०
सुमित्र मांगळ रो प २६३
सुमेधा प ७८
सुरखद माधो तो. १६०
सुरजण प. ११०, १११, ११२
सुरजन प ३०१, ३१५, ३२८
सुरजन प्रासावत ■ १४६
सुरजन ऊगा रो दू ८१
सुरजन कधरावत ■ १८४
सुरजन जैतसिघोत तो २०५
सुरजन राणो तो १५३, १५५, १५८
सुरजन रायपाळ रो प ३५४
सुरजन राव तो २६६, २६८
सुरजन सीहड रो प ३४०
सुरतराज प. २८६
सुरतसिघ प. ३०८
सुरताण प. १७, १८, २२, २३, ७०, १०६, ११०, १३५ १३६, १४१, १४२, १४३, १४५, १४६, १४७, १४८, १४६, १५०, १५१, १५२, १५३, १५८, १६०, १६६, १६७, १६६, १७१, २००, २१०, २३६, २८१, २८३
" दू ११, ८०, ८५, ८८, ८६, ६८ ६६, १०४, १०८, ११६, १२४, १३६, १४३, १५८, १५६, १६१, १६५, १६७, १६८, २००
" तो २८७
सुरताण कल्याणमलोत तो २०६
सुरताण कोटडियो दू. १००
सुरताण गांगा रो प. ३५६, ३५८
सुरताण चवडे रो दू ३१०
सुरताण जाभण रो प २४०
सुरताण जैमलोत तो १२०
सुरताण झालो प्रथीराजोत दू २५६
सुरताण झालो सिंघ रो दू २६२ २६३
सुरताण ठाकुरसी रो दू १६२
सुरताण दुरगावत प ३४३
सुरताण प्रथीराजोत प ३०४
सुरताण भाखरसोयोत दू १५२
सुरताण मानावत दू १५४, १५७, १७६
सुरताण रतनसीयोत दू १८६
सुरताण रांणावत दू १७१
सुरताण रायमल रो प ३२७
सुरताण रायसिघोत दू १५०
सुरताण राव प २८१
सुरताण राव भाणोत प २४६
सुरताणसिंघ प ३२३
" तो २२४, २२७, २३५
सुरताणसिंघ ठाकुर परमार तो १७६
सुरतो प. ३१
सूरम प ७८
" तो १८०

सुरपुंज रावळ प. ७६
सुवचंद ती. १६०
सुविधि राजा ती. १८५
सुसिंघ प. २६२
सुस्तराज प. २८६
सूग्रो प. १६
सूजो प. ५०, ६०, ६१, ६२, १०१,
१०२, ११६, १२१, १२४, १६१
२४२, ३२०, ३२५, ३२६, ३६२
,, दू. १९६
सूजो आसावत प. ३४३
सूजो करणोत प. १६८
सूजो खेतसी रो प. ३६०
सूजो जगमालोत दू. १६१
सूजो जसूंतोत दू. १७०
सूजो जैसा रो प. १६६
सूजो देईदास रो प. ३१७
सूजो देवड़ो प. १५६. १६४
सूजो पतावत दू. १५१
सूजो पूरणमल रो प. ३१३
सूजो प्रागदासोत दू. १८३
सूजो भाटी दू. ६६
सूजो भारमलोत ■ २००
सूजो भुजबळ रो प १६५
सूजो महीकरण रो प. ३५६
सूजो मांडणोत प. २३६
सूजो रांणो प. २३१, २३५
सूजो रांमावत दू. १६१
सूजो रायमलोत प. ३१६
,, ■ दू. २००
सूजो राव प. ३६१
,, ,, दू. १५३, १७८
सूजो राव, जोधावत ती. ३१, ८१, १०५
११४, १८२, २१५, २१६, २३५
सुंदर ... रिणधीर रो प. १४२, १४३, १५८
सुकर सोढ ... रधीर रो प. २४२
सूजो बीजा रो प. ३५८
सूजो वेणावत दू. १६०
सूजो सिलार रो प. १६७
सूमरो दू. २३८
सूर प. १७८, १८८, १६०, २६२
(दे० सूर मालण)
सूरज प. ७८, १२५, २६२
सूरजमल प. ५०, ५६, ६८, ६६, ७३,
७४, ७५, ७६, ७७, ६१, ६२, १०२,
१०३, १०४, १०५, १०६, १०७,
१०८, १०६, ११०, १२०, २०६,
२११, २१२
सूरजमल दू. ७८, ८०, ६०, ६४, १२३,
१२४, १२८, १३६, १५६
सूरजमल ती. २२७
सूरजमल अमरा रो प. ३०, ३५६
सूरजमल किसनावत दू. १६६
सूरजमल केसोदास रो प. ३१४
सूरजमल गोपाळदासोत दू. १८६
सूरजमल चांपा रो प. ३५६
सूरजमल मालासो ती. ४१
सूरजमल लूणकरणोत दू. ६०
सूरजमल हाडो प. २०
सूरजसिंघ प. ५३, २४७
सूरजसिंघ राजा दू. ८१, ६६, ११६,
१५५, १५८
सूरजसिंघ राव दू. १३१, १३२
सूरतसिंघ प. १२०, २६६, ३०७, ३०८
,, ती. २२१, २२४, २२६, २२६
सूरतसिंघ महाराजा (बीकानेर) ती. ३२,
१७७, १८०, १८१, २०८
सूरदास प. २३२
,, दू. १६४
सूरदेव ती. २१६
सूर नरसिंघोत प. १५३
सूर नाहरखांन रो प. ११७

सूर पातसाह दू १७७, १८०, १९०, १९२
सूरपाळ प. २८९
सूरमचद प. ५०
सूर माधवदे रो प. ३३६
सूरमालण (सूरमाल्हण) दू ४०, ४१, ४२, १५३, १७८
सूर राणो दू २६५
सूरसिंघ प २५, २६, २८, १५३, १६१, ३०३, ३०५, ३०६, ३०९, ३११, ३२०, ३२२, ३२६, ३२८
सूरसिंघ दू १५८
सूरसिंह ती २३०
सूरसिंघजी राजा प. ३२३
सूरसिंघ फरसराम रो प ३२३
सूरसिंघ भगवतदास रो प २९१, ३००
सूरसिंघ महाराजा (जोधपुर) ती. १८२, २१४
सूरसिंघ महाराजा (बीकानेर) दू. १११
सूरसिंघ मांनसिंघोत प. ३२७
सूरसिंघ रायसिंघोत महाराजा (बीकानेर) ती ३१, १८०, १८१, २०७, २०८, २१० (दे० सूरसिंघ महाराजा बीकानेर)
सूरसिंघ राव दू १३०, १३१, १३२, १३३, १३६, १४४
सूरसिंघ रुद्र रो प ३१६
सूरसिंघ बीकूपुर राव ती. ३६
सूर सुरताण रो प १५८
सूरसेन दू. ३, ९
" ती. २३१
सूरसेन उग्रसेन रो प २९२
सूरसेन राजा ती. १८६
सूरो प. ७०
" दू ८४, ८८, १७८, १८९
सूरो कलावत प. १९९
सूरो कायळोत ती. २१
सूरो कांना रो प ३६०
सूरो डूगरसी रो प. १२०
सूरो देवडो प. १४५, १४६, १४७, १५४, १७०
सूरो नरबद रो प. २४८
सूरो नरसिंघ देवडा रो प १६५, १६६, १६७
सूरो भैरवदासोत दू. १७८
सूरो माथा रो प. ३२१
सूरो लोलावत प ३३८
सूरो वणू रो प. ३५२
सूरो सोढो प. ३६२
सूर्यपाळ पदमपाळ रो प २८९
सूर्यपाळ भीमपाळ रो प. २९०
सेख फरीद ती. २७९
सेखो प. ६७ ३२७
" दू. १४२, १४३, १९८
सेखो खारबारा रो राव ती. ३७
सेखो खेतसीप्रोत दू १७३
सेखो चहुवाण झांझणोत प १५२, २३९
सेखो प्रताप रो प २८
सेखो मोकळ रो प. ३१८, ३१९
सेखो रतना रो प ३१७
सेखो राणो दोला रो दू २६५
सेखो रामावत प १९८
सेखो राव दू. ११०, ११८, ११९, १२० १२४, १२६, १३७
" " ती १९, ३१, ३६
सेखो रुदा रो प १६१
सेखो सावत रो प २००, २०१
सेखो सूजावत ■ २४१, २४२, ३६०
" " ती. ८६, ८८, ८९, ९०, ९१, ९२
सेतराम दू २६८

सेतरांम वरदायीसेनोत ती. १८०, १८३, १८४, १८५, १८६, १८७, १८८, २०१, २०२, २०३, २०४
सेनजित ती. १७७
सेन राजा ती. १८५
सेरखांन रतनसी रो प. ३५६
सेरमर्दन राजा ती. १८७
सेरसाह पठांण पातसाह ती. १६२
सेरसिंघ ती. २२६, २२८, २२९
सेखो सांखलो दू. २६१
सेहराव वेदा रो प. ११९
सेंहसो चांनणदास रो प. ३१४
सेंहसो प्रथीराज रो प. २६०
सेंसमल रावळ प. ३९
सोढ उसै राजा रो प. २९३
सोढ देव प. २६०
सोढल राजा प. २९१
सोढो छाहड़ रो प. ३६३
सोढो वाहड़ रो प. ३३७, ३३८, ३५१
सोनग सीहोजी रो ती. २९
सोभत सलखा रो दू. २८१, २८४, २८५
,, ,, ,, ती. ३०
सोभ हरभम रो प. ३५३
सोभो रांमा रो प. ३५७
सोभो रावत प. १६६
सोभो राव लाखा रो प. १५८
सोभो रिणमल रो प. १३५, १३६
सोभो हीमाळा रो प. २४४, २४५
सोभ्रम प. १६६, २३०, २३१
सोम प. ११६, १६६, १६३
,, ती. १८४
सोम केहर रो भाई दू. ११६
सोमचंद व्यास प. २२५
सोम चहुवांण दू.
सोम चूंडावत प. ३४१, ३४३
सोमदत्त प. ३
सोम भाटी दू. ७५, ७६, ७७
सोम रावळ केहर रो ती. ३४, २२१
सोमसी दू. ३
सोमेस प. २८९
सोमेसर जसहड़ रो प. ३५५, ३६३
सोमो प. ३४३
सोमो राकसियो दू. ३१२
सोहड़ प. ११९
सोहड़ साल्हू सूरावत ती. ३०
सोहित प. १००, १०१
सोही प. ११६, १३५, १८६, २३०, २४७, २५०
सोंहर जाट ती. १५
स्यांम प. २७, १२५, १२६
स्यांम कूंभावत दू. १७९
स्यांम जगावत दू. २६३
स्यांमदत्त ती. २२५
स्यांमदास प. ३०७, ३२५, ३२७, ३२८
,, दू. ९२, ९३, १८८, १९०, १९७, १९८, २६४, २६८
,, ती. २२५
स्यांमदास भगवांनदासोत दू. १५२
स्यांमदास रावळ प. ७९
स्यांमदास वीठळदासोत प. ३०६
स्यांमदास सीसोदियो प. १४८
स्यांम देदा रो दू. २६३
स्यांमरांम प. ३२३
स्यांमरांम ग्रखैराज रो प. ३०२
स्यांमसिंघ प. २३, १६७, ३०६, ३०८, ३१६, ३२२
स्यांमसिंघ दू. ९३, १७०
,, ती. २३२
स्यांमसिंघ जसवंत रो प. २०९
स्यांमसिंघ पता रो प. ३३०
स्यांमसिंघ परसोतम रो प. ३२३
स्यांमसिंघ मनोहरदास रो प. ३४२
स्यांमसिंघ मांनसिंघोत प. २९१, २९९

स्यामसिंघ मानसिंघोत दू. १६३
स्यामसिंघ राजा रो प ३०८
स्यामसिंघ राव प २८१
स्तनरू प ३३६

ह

हदायळ दे हदाळ।
हदाळ प ३००
हसन खसु प ७८
हसपाळ पड़िहार प ३३३, ३३४
हसपाळ मेहदा रो प ३४०
हस राजा परमार तौ १७६
हस रावळ प ५, १२, ७६
हसो सीहड रो प. ३४०
हईहय प ७८
हठीसिंघ तौ २२६, २२७
हठीसिंघ राव तौ २४६
हणुमान प २६०
हणूतसिंघ तौ २३१
हणू राजा, प २६३, २६४, २६६
हणू राजा, काकिल रो प ३३२
हरनेत्र प ७८
हदो दू १७८
हदो गागा रो प ३४६
हदो मालारो प ३४१
हनु प ७८
हबीबखान प ३०७
हबीब पठाण दू २५४
हमाऊ पातसाह प २०, ३००
,, ,, दू ८०
,, ,, तौ १६, १८३, १६२
हमीर प ६६, १८६, २२१, ३५६
,, दू ३, ८०, २१५, २१७, २१८
हमीर अवतारदे रो प. ३६०
हमीर आसावत दू १७६
हमीर एको दू १३१, १३२
हमीर करमा रो प. १६५
हमीर कुनल रो प २६५, २६६, ३३०
हमीर खगारोत प ३०५
हमीर खींवावत प ३४१, ३४३
हमीर गोयदरो तौ ११४
हमीर गोहिल प ३३५
हमीर थिरा रो प ३५६
हमीर दहियो प ११७, १२५
,, ,, तौ २६७, २६८, २६६, २७०, २७१, २७२
हमीरदे चहुवाण प. २२०
,, ,, दू ५८
,, ,, तौ. १८४
हमीर देवराजोत दू ५३, १४४, १४५
हमीर बीजो दू २०६
हमीर भीम रो प ३३५
हमीर, रतनसी राणा रो दू ३६
हमीर राणो प ६, १४, १५
हमीर राव तौ २८
हमीर रावत, परमार तौ १७६
हमीर लाखारो प १३६, १६१
हमीर वडो दू २०६, २१३
हमीर वणवीरोत प ३५८
हमीर वीकावत प २३७
हमीर सांकरोत दू १८०
हमीर सोढो प ३३८
हमीर हरा रो दू १२१, १२६
हमनर राजा तौ १८६
हर प. ९१
हरकरण प ३१६
हर करमसीओत प ३५१
हरख सर्मा प ६
हरचंद दे० हरिश्चंद्र
हरचंद रायमलोत दू १४५
हरजस प २८७, २६२
हरणनाभ प २८८
हरदत्त राणो, मोहिल तौ १५८, १७०

हरदास प. २२, २०५, ३२५, ३४१
,, दू. ७७, ७९, १०७, १२३, १६२, १६६, २६३
हरदास अजा रो दू. ८०
हरदास ऊहड़, मोकळोत ती. ८५, ८७, ८८, ८६, ९०, ९२
हरदास कांनावत दू. १६५
हरदास डूंगरसीओत दू. १७८
हरदास पतावत दू. १९७
हरदास भगवंतदासोत प. २६१
हरदास भाटी दू. १७६
हरदास महेसोत प. २३७, ३४१
हरदास लूणकरणोत दू. ९०
हरदेव प. ३२२
हरधवळ प. १२२
,, दू. २२०, २३६
हरनांम प. २६२
हरनाथ प. ३०८, ३२०, ३२२
,, दू. ९०, ९६, ११९
,, ती. ३७
हरनाथसिंघ ती. २३२
हरनाथसिंघ तोडरमलोत प. ३२२
हरपाळ प. २९०
हरपाळ रांणो दू. २६५
हरभम दू. १५३
हरभम केल्हणरो दू. ११६, १४३
हरभम राव दू. ११६
हरभम सांखलो मेहराज रो प. ३५०, ३५१
हरभांण प. ३२२, ३२४
हरभीम राजा ती. १८९
हरभू पीर प. ३४८
हरभौ मेहराजोत सांखलो ती. ७, १०३, १०४, १०५ (दे० हरभम सांखलो मेहराज रो)
हररांम प. २७, ३०६, ३०८, ३१२, ३२०, ३२७
,, दू. १२२, १५१, १८७
हररांम जसवंत रो प. ३१७
हररांम रायसल रो प. ३२४
हररांमसिंघ ती. २२५
हरराज प. २२, ९९, १००, १६३, १६४, २८१
,, दू. १७८
,, ती. २२०
हरराज करमसी रो दू. १६०
हरराज जैतसी रो प. ३१५
हरराज ठाकुरसी रो प. ३६०
हरराज देवड़ो प. १४५
हरराज नरवद रो प. १०९
हरराज नारण रो प. ३५८
हरराज मालदेवोत, रावळ दू. ९२, ९७, १०२
हरराज रावळ दू. ११, ९२, ९७, ९८, ९९, १०२
,, ,, ती. ३१, ३५
हरराज समरसी रो प. १०१
हरराज सोळंकी, दुरजणसाल रो प. २८१
हर सर्मा प. ९
हरसिंघदे प. १२९
हरसिंघ राव (पूगळ) ती. ३६
हरसूर रांणो प. १५
हर हारीत प. ११
हरिग्रस्व ती. १७७
हरि कांन्हा रो प. ३५२
हरिचंद (हरीचंद, हरिस्चंद्र) दे० हरिश्चन्द्र राजा।
हरिजस प. ३१६
हरित प. २८८
हरितास्व दे० हरिग्रस्व, हरियश
हरिदास प. १६६, २३३, ३२९
हरिदास अमरा रो प. ३५९
हरिदास परसरांम रो प. ३१६
हरिदास बीठळदास रो प. ३०८

हरिदास सिखरावत प. २३३
हरियश तो. १७७
हरियो घोरी तो. ६२, ६३, ६७, ६८,
६९, ७०, ७५
हरिवंश राजा तो. १७६, १८७
हरिश्चंद्र राजा प. ४२, ४७, १९०,
२८७, २९२, २९३
" " तो. १७८
हरिसिंघ प. २११, ३१५, ३२०, ३२५
" दू. ९५, ९६, ११९, १२४
हरिसिंघ ग्रमरसिंघोत दू. १०९
हरिसिंघ किसनसिंघोत दू. १७५
हरिसिंघ गिरधर रो प. ३२२
हरिसिंघ चांदावत तो. २४९
हरिसिंघ नारणदासोत दू. ९२
हरिसिंघ परसोतम रो प. ३२३
हरिसिंघ भीमसिंघोत दू १०७
हरिसिंघ रतनसीम्रोत दू. १८३
हरिसिंघ राजा तो. १९०
हरिसिंघ राव प. ३०६
हरिसिंघ सकतसिंघोत दू. १०६
हरिसेन राजा तो. १८९
हरिहर प. ७८
हरीदास प. १६१
" दू. १०५
हरीदास कलावत दू १६१
हरीदास गोपाळदासोत दू. १९८
हरीदास जोगीदासोत दू. १८५
हरीदास दलावत दू ३०४
हरीदास पता रो प. १६०
हरीदास पेरजखांन रो प. १२४
हरीदास भगवानोत दू १९१
हरीदास माणोत दू. १९४
हरीदास माधोदासोत दू. १७२
हरीदास मोहण रो प. ३५७
हरीदास रतनसी रो प. ३५६
हरीदास रांमचवोत दू. १८३
हरीदास रायमलोत दू. १७५
हरीदास वाघोत दू. १७६
हरीदास सुरतांणोत दू १६०
हरीदास सोढो प. ३६२
हरी नाथा रो दू. ७५
हरीपाळ राजा तो. १८८
हरी भाखरसी री दू. १६७
हरी रांणो दू २६५
हरीराम प २५
हरीरांम रायमलोत तो. २१७
हरीसिंघ प २४, ३०२
" तो. २२१, २३६
हरीसिंघ जसवंतसिंघोत तो. २१७
हरीसिंघ राघवदास रो प. ११७
हरीसिंघ रावत प. ९४, ९६, ९७
हरीसिंघ वीरमदे रो प २०८
हरो दू १५, ८१
हरो राठोड दू. ५८
हरो सेखा रो दू १२०, १२१, १२४,
१२६, १२७, १३७, १४१
हर्षमादित्य प १०
हर्जनकार सर्मा प ६
हर्जनर सर्मा प ६
हर्यश्व तो १७८
हांमो प. १०१
हांमो काठोलो दू. २४०
हांमो रतनावत प. १६५
हांस रावळ प. ७९
हांसू तो. २२१
हांसू पडोहियो दू ३१७
हाजोखांन प ६०, ६१, ६२
हाजो प. २४७
हाजो काठो दू. २२०, २३६
हाडो प १०१
हाथो प. २६, १०१

हाथी ग्रभा रो दू. १४१
हाथी ईसरदास रो दू. १३०
हाथी भाटी दू. ६६, ११९
हाथी वाळा रो प. १२१
हाथी सुरतांण रो दू. २६३
हापो प. ११६, २३१
हापो रावत परमार ती. १७६
हापो रावळ दू. ८४
हारस चारण दू. २३७
हारीत ऋखीश्वर प. ३
हारीत ऋषि दे. हारीत रिख।
हारीत रिख प. ३, ७, ११, १२
हालो हमीर रो दू. २०९, २१५, २१६
हावसिद्ध प. ७८
हिंगोळो आहाड़ो प. १११
हिंदाल प. ३००
हिंदूसिंघ प. ३०९
हिंदूसिंघ माधा रो प. ३२१
हिमतसिंघ प. ३०९, ३११, ३१७, ३२९
हिमतसिंघ कछवाहो ती. ३१
हिमतसिंघ परसोतम रो प. ३२३
हिमतसिंघ मांनसिंघोत प. २९१, २९९
हिरण्यनाभ प. २८८
हिरण्यनाभ ती. १७९
हिरदैनारायण प. ३०४, ३१०
हिरदैरांम प. ३०८, ३२४
हिरदैरांम ग्रखैराज रो प. ३०२
हिरन प. ७८
हींगोळ प. १७२, २३५
हींगोळदास दू. ८१, १०४
हींगोळदास सुरतांणोत दू. १७२
हींगोळो पीपाड़ो ती. १२०
हीमतसिंघ ती. २२४, २२९, २३०, २३३
हीमतो दू. ९५
हीमाळो, राव वरजांग रो प. २३२, २४४
हीरसिंघ ती. २३६
हुमायु बादशाह दे० हमाऊ पातसाह।
हुमायूं पातसाह प. १९ (दे० हमाऊ पातसाह)
हुरड़ धनो दू. २०
हुसंग गोरी पातसाह ती. २४३, २४७
हूंन राजा प. २५५
हूंफो सांदू दू. ६२
हृदैनारायण ती. २३६
हृदै सर्मा प. ९
हेड़ाऊ दू. २१६
हेमराज दू. १२१, १९९
हेमराज खींवावत प. १९६
हेमराज पड़िहार दू. १४०, १४२
हेमवर्ण सर्मा प. ९
हेमादित्य प. १०
हेमो सीमाळोत दू. २८५, २८६, २८७, २८८, २८९, २९०, २९१, २९२, २९३, २९५, २९६, २९७, २९८
हैहय प. ७८
होरलराउ प. १२९

[२] स्त्री - नामावली

[स्त्री नामावली मे पुल्लिग-रूप स्त्री नाम तथा स्त्री नामों के साथ पुल्लिग जैसे विशेषण रूप, मध्यकालीन राजस्थानी संस्कृति और स्त्री-समाज की प्रतिष्ठा के प्रतीक रहे हैं। उनकी स्त्रीलिंग-रूप विलक्षण व्यजना के, राजस्थानी भाषा के कुछ स्त्री-परक प्रत्ययादि और कुछ अन्य विशिष्ट शब्द, नाम ढूढने के पूर्व सहज परिचय के लिये, अर्थ सहित यहां दिये जारहे हैं।]

आंणी – कतिपय प्रदेश और जाति आदि नामो के अन्त मे लगने से स्त्री नाम बनाने वाला एक प्रत्यय। जैसे—सावडियाणी, जोईयांणी इत्यादि। पुरुष नामो के अंत मे यह प्रत्यय 'आत्मज' अर्थ मे बदल जाता है। जैसे लाखो फूलाणी।

ओळगण, ओळगाणी – १. गायिका। यह प्रायः ढाढी जाति की होती है। राजस्थान के साचोरी प्रदेश मे और उत्तर गुजरात मे महतरानी को 'ओळगाणी' और महतर को 'ओळगाणो' कहते है।

कवराणी – कुवरानी।

कंवर, कुवर – कुवरि, कुवरी। जैसे—आसकवरबाई, उमेदकुवर इत्यादि।

खवास – १. राजा की दासी २. रखेल ३. सेविका।

खवास-विणियांणी – बनिया जाति की स्त्री जो खवास बन गई हो।

खालसा – १. राजा की एक विशेष दासी. २. एक रखेल।

खीचण – खीची-क्षत्री वश मे उत्पन्न स्त्री।

चहुआण, चहुवाण (–जी) – चौहान क्षत्री कुल मे उत्पन्न कन्या के ससुराल का उपनाम तथा सबोधन।

चारण – चारण-स्त्री, चारण जाति की स्त्री। चारणी भी कहा जाता है।

ची – कतिपय नगर या प्रदेश नामो के अंत मे लगने से स्त्री नाम बनाने वाली एक विभक्ति। जैसे—ईडरची, कोटेची इत्यादि।

चूडावत (–जी) – चूडा के वश मे उत्पन्न कन्या के ससुराल का उपनाम और सबोधन।

छोकरी – दासी।

जोगण, जोगणी – १. योगिनी. २. योगी (जोगी) की स्त्री।

ठकराणी – ठाकुरानी।

डूंमणी – ढाढिन, गायिका।

दे – देवी का सक्षिप्त रूप। जैसे—अतरगदे, उछरगदे इत्यादि मे। पुरुष नामो के अंत मे यह 'देव' शब्द के सक्षिप्त रूप मे भी प्रयुक्त होता है। जैसे—कान्हडदे, गोगादे इत्यादि मे।

नाचण – नाचने वाली, नृत्यकी।

पंवार (-जी) – पंवार (परमार) क्षत्री कुल में उत्पन्न कन्या के ससुराल का उपनाम या संबोधन ।

पासवांन – राजा की एक पर्दायत दासी ।

पूतळ छोकरी (-छोरी) – दासी ।

बा – १. माता. २. राजरानी. ३. राजमाता ।

बाई – १. स्त्री नामान्त प्रत्यय रूप एक शब्द । जैसे—इंद्रावतीबाई, रांमीबाई इत्यादि । २. पुत्री. ३. बहिन. ४. बच्ची, कन्या ।

बैर – १. पत्नी. २. स्त्री ।

भुग्रा (-वा) – फूफी ।

माजी – १. राजमाता. २. माता. ३. वृद्धा । (प्रायः विधवा स्त्री)

राठोड़ (-जी) – राठोड़ क्षत्री कुलोत्पन्न कन्या का ससुराल पक्षीय संबोधन और उपनाम । राठोड़णजी, राठोड़ांणीजी, राठोड़णीजी (राठौड़िनजी) नाम भी कहे जाते हैं ।

राय – १. स्त्री नामान्त एक प्रत्यय रूप शब्द । जैसे—पुमांनराय पातर, गुलाबराय खवास इत्यादि । पुरुष नामों के अंत में भी इसका प्रयोग होता है । जैसे—चामुंडराय, रामराय इत्यादि ।

वजीरण – १. वजीर (गोले) की स्त्री । २. ठाकुर की दासी । राजस्थान में जागीरदार के दास को वजीर भी कहते हैं ।

वडारण – ठाकुर की एक दासी ।

सगत, सगती – १. शक्ति, देवी. २. देव्यांशी स्त्री. ३. करामात वाली स्त्री. ४. भोपी ।

सहेली – १. साथिन. २. दासी ।

सेखावत (-जी) – १. शेखावत कुलोत्पन्न क्षत्री कन्या का ससुराल पक्षीय उपनाम तथा संबोधन ।

स्त्री - नामानुक्रमणिका

अ

अतरगदे तुवर तो २०६
अतरगदेजी पवार तो २०६
अखैकुवर देरावरी तो २११
अजबदे धनराजोत भटियांणी तो २१०
अजावे वहियांणी प ३४४
अजंदे वहियाणी प २५२
अजंमाळा पातर तो २१०
अतभागदे रांणी (अजयरजी) तो ३२
अनारकळी पातर तो २०६
अभैकुवरजी तो २११
अमोलकदे भटियांणी तो २१०

आ

आचानण तो २८१, २८२, २८३ २८४,
२८५
आछी शाहजादी तो १६१
आसकवर बाई, (राजा भावसिंघ री रांणी)
प २६६
आसकवर बाई (राजा मानसिंघ री राणी)
प २६७
आसारण प. ६३

इ

इंद्रकुंवर (कस्तूरदे राणी) तो. ३२
इंद्रावती बाई (आसकरण री राणी)
प ३०३

ई

ईंदी तो १०७ १०८
ईडरची दू ८७
ईहडदे तो २५८

ठ

उछरंगदे ईंदो तो २६
उदैकुंवर चहुवांण तो २१५
उमादेवी भटियांणी तो २१५
उमवकुंवर तुवर. राणी तो. २११, २१२

ऊ

ऊधळ (कांनडदे री बेटी) दू ४१
ऊमादे (कांनडदे री रांणी) प २२५

ओ

ओळगाणी दू ३३६
„ तो. २५८

क

ककाळी प ३३६
कवळदे रांणी प २२५
कवळावतीबाई, (गोरधन री पत्नी) प. ३०३
कवळावती, (बोधा री बैर) प १२४
कनकावतीबाई, राणी प २६७
कनकावती (राव भोज री पत्नी) प १११
कपूरकळी खालसा तो. २०६, ~१२
कमोदकळा खवास तो २११
कमोदो खवास तो २०६
करणा री मा प १६२
करमा खवास प ३१२
करमती बाई (मेहराज री पत्नी)
दू १७८
करमेती हाडी राणी प २०, ४६, ५०,
६६, ६७, ६१, १०२, १०३, १०४,
१०८, १०६
करमेती हाडी रांणी दू २६२
„ , „ तो. ५५

कल्यांणदे (राजा गजसिंघ री रांणी)
प. ३०१
कल्यांणदे देवड़ी ती. २९
कसतूरदे रांणी (इंद्रकुंवर) ती. ३२
कसमीरदे रांणी ती. ३१
कांमरेखा पातर ती. २१०
कांमसेना पातर ती. २१०
किसनबाई प. १६७
किसनराय ती. २११
किसनाई खवास ती. २११
किसनावती बाई प. ३१२
कुंजकळी पातर ती. २११
कुमरदे दू. २८०
कूंभारी दू. २९९
केर वा दू. २१६
केसर ईंदी ती. ३१
केसरदे कछवाही ती. २१४
केसरदे लड़की प. ३१५
कोटेची ती. २५०, २५१, २५२
कोडमदे बीकूंपुरी ती. २११

ख

खवास (गोकळदास री मा) प. ३१९
खातण (मेरा री मा) प. १५, १६
खावड़ियांणी प. ३४७
खेतूबाई (राव सूजा री बेटी) प. १०२
खेतू राठोड़, माळी प. १०७

ग

गंगाजी रांणी (सोभागदे) ती. ३१
गरुड़राय पातर ती. २११
गवरां ती. २११
गांगे री मा ती. ८०
गायड़देवी सीसोदणी ती. २१४
गाहिड़दे रांणी ती. ३२
गींदोली दू. २८७
गुणकळी पातर ती. २१०
गुणजोत वद्धारण ती. २१२
गुणजोत सहेली ती. २०९
गुणमाळा खवास ती. २११
गुमांनराय पातर ती. २११
गुमांनी पातर ती. २१२
गुलाबराय खवास ती. २०६
गुलाबराय पासवांन ती. २१३
गुलाबां पातर ती. २११
गोकळदासरी मा, खवास प. ३१९
गोड़ रांणी प. २९८
गोपाळदे सींधळ प. २५७
गोरज्या गोहिलांणी ती. ३०
गोरां पातर ती. २११

च

चंद्रकुंवर, रांणी (जोधपुर) दू. ११०
चंद्रकुंवर, रांणी (बीकानेर) ती. ३२
चंपाकळी ती. २११
चंपावती पातर ती. २११
चतुरसिंघरी मा सैणी प. ३१२
चहुआंणजी ती. ६३
चहुवांण } ती. ३
चहुवांणी }
चांदकी प. १३३
चांदण ती. ३०
चांद वा सोढी दू. २०९
चांद बीबी ती. २७२
चांपा बाई प. १३७, १४१, १६३, १६७
चांपादे, (राठोड़ पृथ्वीराज री पत्नी)
ती. २०६
चावड़ी रांणी दू. २७४, २७५, २७६
चावोड़ी (मूळराज री मा) प. २६४,
२६५
चैनसुखराय खालसा ती. २११
चोवरण ती. १४, १५
चोहान रानी ती. ३

ज

जसमादे, (महाराजा रायसिंह की रानी) ती. २०७
जसमादे हाडी (राव जोधा री राणी) प. १०१
जसमादे हाडी (राव जोधा री राणी) ती. ३१
जसमादे हाडी ती. २१६
जसवंतदे राणी ती. ३१
जसहरबाई मांगळियांणी दू. ३०४, ३०६
जसोदा (जैसा भैरवदास री बेटी) प १११
जसोदाबाई (मोटा राजा री बेटी) प. ३००
जसोदा (भाटी भानीदास री बेटी) दू. १५२
जाणदे राणी ती ३०
जाणादे हुलणी ती. ३१
जाडणी (बाबूराम री मा) प. ३२४
जाडेची (रालाइच री मा) प. २६५, २६६
जीऊ पातर ती. २१०
जीवी, जीवू ती २१०
जेळू प. १२४
जेसलमेरी राणी, रतन कंवरजी ती २०६
जैतळदे, कांमदे री राणी प. २२५
जैमाळा पातर ती. २०६, २१०
जोईयांणी, (तलखेजी री राणी) ती. ३०

झ

झाली कंवराणी, (कु० जोगे री बहू) ती. १६५

ड

डगली खवास ती. २०६
डाही डूमणी दू. २३०, २३१
डाही धाय दू. १८
डोकरी ती. १०१, १२६
डोड गेहली ती. ६४, ६५, ६६, ६७, ७६

तनतरंग पातर ती. २११
ताज बीबी ती. २७५
तारादे राणी, चहुवाण (तोडं री धणेवर) ती. ३०,
तारादे, (राव सुरताण री बेटी। प्रथीराज-उडणं री धणेवर) प. १७, २८१
तारादे (हरिचंद री राणी) प. २६३
तुवरजी धंतरंगदे ती. २०६
तुरकणी ती. २७८

द

दमयंतीबाई प. ३१२
दमेतीबाई (मोटा राजा री बेटी) प ३१२
दुरगावती बाई (राजा भगवानदास री राणी) प. २६७
दूडी मागण प. ६६
देवडी (चापा सींधळ री बैर) प. १६३
देवी सोनगरी प. १५
द्रोपदा चहुवाण ती २६
द्रोपदा तुंवर ती. २१०

ध

धण (आडेचा फूल री राणी) दू २२८, २२६, २३०
धनाई राठोड़ (राणा सांगा री राणी) प. १६, २०, १०२
धायजी ती ६६
धारू पातर ती. २१६
धारू री मा प. २५४
धीरजाई प. २२

न

नवरंगदे साखली, राणी ती. ३१, १६५
नाई री बैर प ३२१
नागड़ी चारण दू. २०२, २०३, २०४
नारंगी पातर ती. २०६
नैणवधा पातर ती. २१०

नैणजीवा दे० नैणजवा पातर ।
नैणसुखराय पातर ती. २११

प

पंगळी बेटी प. ३४०
पंवार रांणी प. १०७, १०८
पत्ती, (जैतमाल री बेटी) प. २४६
पदमणी प. १३, १४
" दू. ४२, २०२, २०३, २०४, २६६
पदमणी ती. २५८
पदमां देवड़ी (मालदेवजी री मा) ती. २१५
पदमां विणियांणी; खवास प. ७३
पदमां (भांनीदास री मा) दू. ६२
पदमावती पातर ती. २१०
पदमावती रांणी दे. परमावती रांणी ।
पदमावती रांणी, (रांणा सांगा री कन्या) ती. २१५
परमावती रांणी ती. १८६
पांगळी बेटी प. २५३, ३४०
पातसाह री सहेली दू. ७०
पारवती भटियांणी दू. ६६
पुष्पकुंवरि दे. पोहुपकंवर माजी
पूतळ छोकरी प. २०
पूरांबाई महेवची दू. १५६, १५७
पेमांबाई ती. ५६
पेमावती पातर ती. २११
पोंहुपकंवर, (अजीतसिंघजी री माजी) ती. २१३
पोहपराय श्रोळगण ती. २१०
पोहपावती, (मोटा राजा री रांणी) दू. १२८
प्रतापदे सेखावत, रांणी ती. २११
प्रेमकळी ती. २११
प्रेमकुंवर भटियांणी, रांणी ती. २१०
प्रेमलदे दू. १२७

फ

फत्तू पातर ती. २११
फत्तू सहेली ती. २१२

ब

बहुळी जोगणी प. २०४
बाबूरांम री मा जाटणी प. ३२४
बालबाई बीकानेरी प. २६०
बाहड़मेरी प. १४३, १४८
बाहड़मेरी दू. ८६, ८८
बिरवड़ी, चारण-काछेली ती. ७६, ७७
बुधराय पातर ती. २१०
बूंट पदमणी (राजा मोलरा री बेटी) प. ३३३, ३३४

भ

भगतांदे रांणी ती. ३१
भटियांणी (जोधाजी री रांणी) ती. १५८
भटियांणी रांणी ती. ३१
भांणवती ती. २१०
भांणवदे ती. २१०
भांणीबाई (भांण जेसावत) दू. १५१
भाटियांणी (रावळ केहर री बेटी) दू. ३२
भानुदेयी ती. २१०
भानुमती ती. २१०
भारमल आंधी प. ३४६
भारमली प. ३४६
भावळदे, (कांन्हड़दे री रांणी) प. २२५

म

मनरंगदे भटियांणी, रांणी ती. २१०
मनसुखदे चीफूंपुरी, रांणी ती. २११
मलकी चैहणीवाळ ती. १३, १४
महताब पातर ती. २१२
महेचची दू. ८४
मांगळियांणी, (ऊदै की बैर) प. ३४७
मांगळियांणी (वीरमजी की स्त्री) दू. ३०३, ३०४
मांणल देवाहत दू. १६
मांणवती पातर ती. २१०

मांणवदे सोढी, रांणी ती. २१०
मारवणी प. २६३
मालवणी प. २६३
मीरांबाई प. २१
मृदंगराय पातर ती. २११
मेघमाळा खवास ती. २११
मेसणदे रांणी, खीचण प. २६४
मैणी, चतुरसिंघ री मा प. ३१२
मोतीराय सहेली ती. २०६
मोहनी पातर दू. ८१
मोहिल कुवरानी दे० मोहिल रांणी।
मोहिल रांणी दू. ३१२, ३१३, ३१४, ३२५, ३२८, ३२६
मोहिलांणी (बीदे री ठकरांणी) ती. १६६
मोहिलानी दे० मोहिल रांणी।
म्रघावतीबाई (राजा जैसिंघ री रांणी) प. २६७

य

यशोदा (राजा रायसिंह की रानी) दू. १३२

र

रगनिरत पातर ती. २११
रगमाळा पातर ती. २१०
रगराय पातर प ६१
" " ती. २०६, २१०, २११
रंगादे भटियांणी ती. ३१
रंभा दू. ३७
रंभावती (मोटा राजा री बेटी) दू. ६३
रतनकवर जेसळमेरी ती. २०६
रतनकुवर रांणी ती ३२
रतनादे (किसनदास री बेटी) दू ६०
रतनादे भटियांणी, राणी ती २६
रतनावत राणी ती. ३१०
रतनावती (पोहपसेन री पत्नी) प. १२४
रवाय दू. १६, २०, २३, २५
रांणादे, जसहड़-भटियांणी ती. १०
रांणीबाई (राव मालदे री रांणी) दू. ६१
रांमकंवर (कला री बेटी) दू. ६८
रांयकंवर भटियांणी, रांणी ती. २०६
रांमजोत खालसा ती. २१२
रांमीबाई ती. १३३, १३४
रांमोती खवास ती. २११
राईकवरबाई (राजसिंघ री रांणी) प. ३०३
राजकवर, मोटा राजा री बेटी प. २६
राजबाई दू. ७२, ८५
राजबाई भटियांणी प. २६
राजां पातर ती. २१२
राठवड़ दे० राठोड़ सती।
राठोड़ (राठोडजी) ती. ६३
राठोड़ सती [illegible] ३२४, ३२५
रायकवरबाई (सबळसिंघ री बैर) प. २६८
राही ब्राह्मणी ती. २१२
राहू सहेली ती. २१२
रुलमावती बाई, राजा महासिंघ री रांणी प. २६७
रूठी रांणी दे० उमादेवी भटियांणी
रूपकळी खालसा ती २०६, २११
रूपमजरी पातर ती. २१०
रूपरेखा सहेली ती. २०६, २१०
रूपांदे रांणी दू. १३०, २८४

ल

लछमीदेवी ती २१५
लखा मांगळियांणी राणी, दू ६१
लजसो (तेजसी री बैर) प. १८३
लवगकवरबो ती. २१०
लाग सगती ती २२२
लाछ सगती ती २२२
लाछां ईदी ती. ३०
लाछां देवड़ी दू ७५, ७६, ७७, ७८
लाछां भटियांणी, रांणी ती. ३०
लालांदे ती. २०६

लालां देवड़ी, रांणी ती. ३१
लालां मांगळियांणी, रांणी ती. ३०
लिखमांदे भटियांणी ती. २१५
लिखमी ती. १०४, १०५
लिखमी रांणी प. ३६१
,, ,, दू. १५३
लीलादे मेहवची दू. ७५, ७८
लूंणकंवर, रांणी ती. २१०

व

वडकंवार बेटी दू. २२७, २२८
वडकुंवार ती. २५०
वनां पातर ती. २११
वहूजी ती. ८०
वाघेली ती. ६३, ६६
वारु पातर प. २१६
विजनां ती. २१२
विजी पातर ती. २१२
विजैकुंवर दू. ११०
विनैकुंवर दू. ११०
विमळादे रांणी दू. ५३, ७३, ७४, ७५, २८५
वीरां हुलणी, रांणी ती. ३०
वेणीबाई दू. १५१
व्रजवर (रांणी सतभामदे) ती. ३२

श

शेखावतजी ती. ६३
शेखावत रानी प. ३२३

स

सकांमी सहेली ती. २१२
सजन भटियांणी दू. ६०, ६८
सजनांबाई दू. ६८
सजनां (राव मालदेव री बेटी) दू. ६२
सतभामाबाई दू. २५६
सदां खवास ती. २११
सदांमी ती. २१२
सदाकंवर ती. २७०, २७१
सरकसळी ती. २०६
सरसकळी पातर ती. २०६
सरूपदे (कछवाही) ती. ३१
सरूपदे गोहिलांणी, रांणी ती. ३०
सरूपदे झाली ती. २१४
सरूपदे रांणी दू. २६४
सरूपां पातर ती. २११
सांखली, सांवळदास री वैर दू. १८१
सांखली ती. १४५
सांखली, भ्राना री वहू प. २५४
सांखली, सुरतांण री वैर प. २८२
साहमती कछवाही ती. २१४
साहिबदे तु'वर, रांणी ती. २११
साहिबदे (दलपत री मा) दू. १३४
सिणगारदे जेसलमेरी, रांणी ती. २१०
सींधळ, खीवो वाघ री मा प. २५६, २५७
सींधलियांणी प. २५६
सीताई प. २२१
सीताबाई बाहड़मेरी दू. ८६, ८८
सीसोदणी ती. ८०, ८३, ८६
सीसोदणी (राव मंडळीक री वैर) दू. २०३
सीहा री डोकरी ती. १२७
सुंदर भुवा (मेचंद री भुवा) प. ३३८
सुखविलास पातर ती. २११
सुगणांदे सोढी, रांणी ती. २११
सुघड़राय खवास ती. २०६
सुजांणदे (राजा सूरसिंघ री रांणी) दू. ११६
सुपियारदे ती. ३८, १४१, १४२, १४३, १४४, १४५, १४६, १४७, १४८
सुभविलास ती. २११
सुरतांणदे देरावरी, रांणी ती. २११
सुषळो सीसोदणी ती. २३
सुहबदे जोईयांणी प. २५१, २५२
सुहागण रांणी प. १३
सूरजदे (राजा गजसिंघ री रांणी) प. २६६

सूरमदे सांखली तो. ३०
सेखावत प. ३२३
सेखावत मोहल दू ११०
सैणी चारणी देवी प २०४
सोढी दू ५८, ५६
सोढ (कूंभा री बैर) दू २६७
सोढी, पारकरी री ठकराणी तो. ७२, ७६, ७६
सोढी रांणी दू. ६०
सोढी (रावळ लखणसेन री रांणी) दू ४०
सोढी (लाखा री बैर) दू २३२ २३३, २३४, २३५
सोनगरी प. २०६
सोनगरी तो ७, ८
सोनगरी (कां.हडदे सोनगरा री बेटी) दू ४०, ४१, ४२
सोनांबाई तो ५८, ५६, ६३, ६६
सोना (मोहिल ईसरदास री बेटी) तो ३१
सोभागदे चावडी (सोहोजी री मतेवर) तो २६
सोभागदे भटियांणी, रांणी (गगाजी) तो ३१
सोभागदे (दुरजणसाल री रांणी) प. ३२५
सोळंकणी (अरै री बैर) तो २५८, २५६, २६१
सोळंकणी (जगमालजी री बैर) दू २८७, २८८
सोळंकणी (सांवतसिंघ सोनगरा री बैर) तो २६१, २६२
सोळंकणी (सोहोजी री मतेवर) तो २६
सोहड़ रजपूताणी दू १४२
सोहड़ी भटियांणी, रांणी दू. ११६
स्यालल री जाटणी प ३२४

ह

हंसबाई, (रांणा लाखा री रांणी) प १५, १६
हंसबाई (राव सूणकरण री पत्नी) प. ३१६
हंसावळी रांणी प. १२३
हरखरेखा तो २०६
हरखां (मोटा राजा री राणी) दू १३२
हरखोतराय वडारण तो २११
हरमाला सहेली तो २०६
हररेखा तो २०६
हसती (हसणी, हसणी) खालसा तो २११
हांसांजी महलोत, रांणी तो २०६
हाडी करमेती प. ५०
हाडी, कला जगमालोत री बेटी प ५०
हाडोजी रांणी तो १३५
हाडी ठाकरांणी प ७५
हुरब दू १६, २०, २४, २५

[३] अश्वादि पशु नाम

अमोलक घोड़ो दू. २०३
अरबी घोड़ो प. ९९
उचासरो घोड़ो (उच्चैश्रवा) दू. २०३
उजाळो-पछेरो प. २४९
एकलसिङ्ग-वाराह प. १७०
एकलवाड़चर प. १७०
एकल-सूकर प. १७०
ऐराकी घोड़ो प. ९९, १०४
" " दू. ७०
" " ती. ४४, ११९
कच्छी घोड़ी दू. २५७, २५९
करहो-भोणो दू. २३३
काछण-घोड़ी ती. २५७, २५९
काछी खानाजाद (घोड़ी) ती. २५९
काछी घोड़ो दू. २९४
काळवी घोड़ी ती. ६४
कोड़ीधज घोड़ो प. २७२, २७३, २७४, २७५
" ती. ११०, १११
खानाजाद काछी दे० काछी खानाजाद।
खासो ऊंट ती. १०६
छुरीकार घोड़ो ती. ९६
जूह बाकरो ती. २६०
जेठी-घोड़ो दू. ३१४, ३१५, ३३५
भाभो-घोड़ो प. २०६
भोणो करहो दे० करहो भोणो।
तेजल-घोड़ो ती. ६४
दरियाई घोड़ो ती. २८०, २८१
दरिया-जोइस हाथी ती. ९१
नीलो घोड़ो प. २६३
नीलो (घोड़ो) ती. ११०
पट-हसती दू. ४८
पट्टाभरण दू. ५०
पड़ोहियो घोड़ो दू. ३१८
पांणीपंथो-घोड़ो दू. ५५
पाटहंड़ो-महुवो (घोड़ो) प. २७१, २७२
बचियां रो घोड़ो प. २८१
बांडो ऊंठ ती. ७१, ७२
बोर घोड़ी ती. २८१, २८३, २८४
भुंवर घोड़ो ती. १५
मृग घोड़ो (त्रग घोडो) ती. २६९, २७१
मेघनाद हाथी प. १०४, १०५, १०६
मोर घोड़ो प. ३४९
" " दू. ३२५, ३२७
लांप घोड़ी प. ३५०
लाछ घोड़ी दू. २०३
लाल लसकर घोड़ो प. १०४, १०५, १०६
लिखमी घोड़ी दू. २०३
षटी घोड़ी प. २६३
वेल भेंस दू. १३
साहुलो भैंसो प. २१८
सुपेद हाथी दू. ७०

२. भौगोलिक नामावली

[१] ग्राम, नगर, देश, आदि

अ

अंजार दू. २५५
अतरगढो दे० आंतरगढो।
अतरवेध प. ३३२
अबली री टूक प. ६६
अंबाव प. ४६
अकेली प. १७६
अखासर दू. १११
अचलगढ प. १७७
अजमेर प. २४, ३७, ३८, ५२, १८६, १६८, २५२, २८०, २६६, ३०३, ३६२
,, दू. १०२, १५१, १५५, १६२, १६३, १६७, १७१, १७४, १८०, १८८, १८६, १६३
,, ती. ६५, ६६, ६७, १७४, १८४, २१५
अजमेरगढ ती. १७४
अजमेरपुर प. १८६
अजीतपुर दे० अजीतपुरी।
अजीतपुरी ती. २२३
अजेपुर ती. २१६
अजोध्या प. २६२
अटक प. ३००, ३१४
,, दू. १६८
अटवड़ो दू. १४५
अटरोह प. ११६
अटाळ चारणां री प. १७६
अटाळ-भाटां री प. १७६
अटाळी प. १८, २८२
अणखलो (सिवाने का गढ) प.
अणदोर प. १६२, १७७
अणधार प. १७६
अणवांणो दू. १५७
अणहलनगर प. २६१
अणहलनयर दे० अणहलपुर-पाटण।
अणहलपुर पाटण प. २५८, २५६, २६०, २६१, २७१
,, दू. २६६
,, ती. २६, ४६, ५०, ५१, ५२, १७३
अणहलवाड़ो दे० अणहलपुर पाटण।
अणहलवाड़ो-पाटण दे० अणहलपुर पाटण।
अणहिलपुर पट्टन दे० अणहलपुर पाटण।
अणहिलपुर पाटण दे० अणहलपुर पाटण।
अभेपुर ती २१८
अमोहर दू १०
अमणेर प. ३४०
अमरकोट दे० ऊमरकोट।
अमरपुर प. ३१६
अमरसर प. २८७, ३१८, ३१६, ३३२
अमरा अहीर री ढांणी प. ३१८, ३१६
अरजणियारो दू. ४
अरजणो दू० ३६
अरजियाणो प. १६५, ३३५
अरटवाड़ो प. १६२, १७७
अरटियो दू. १६३
अरणो प. ५२
अरणोद प. १२८
अरबद्द प. १८७, १८८, १८६
अरोड़ दू. २८
अर्बुद प. १८७

अबाहनो प. १२८
अवाह दू. १४२
अवेळ प. १७७
अहनला दे० एहनळा।
अहमंदाबाद दे० अहमदाबाद।
अहमदनगर प. ३२६
„ दू. १८४
„ ती. २७२
अहमदपुरी दू. २४१
अहमदाबाद प. ३७, ६७, २०८, २६२
„ दू. २०२, २०३, २०७, २०८, २५३, २६०, २६१
„ ती. ५३, ५६
अहवा दू. १२
अहाड़ प. ३३
अहिचावो प. १७९
अहिचावो-खुरद प. १८०
अहिलांणी दू. १५३
अहुर प. २४०

आ

आंतरगढो दू. १२, १४२
आंतरवो प. ११०
आंतरी प. ४२
„ ती. २३९, २४०, २४१, २४२, २४३, २४५, २४६, २४७, २४८
आंनापुर प. १७६
आंनावास दू. १६७
आंनो प. २८५
आंबपळो प. १७४
आंबरी प. ३२
आंबलो दू. १७९
आंबार दू. १८५
आंबाव प. ४६, १५६
आंबेर दे० आमेर।
आंबेरी प. ४४
आंबेलो प. १७७
आंबो दू. ८४
आंमरण दू. २४०
आउम्रो प. १७८
„ दू. ८९
„ ती. २१५
आउर नयर प. ५
आउवो दे० आउम्रो।
आऊठ कोड़-बंभणवाड़ दू. २३६
आऊठ कोड़ सांमई दू. २१८
आऊठ लाख सांमई दू. २३७
आकड़सावो प. २८२, २८३
आकड़ावास दू. १८०
आकळ दू. ४
आकुवाई दू. ४
आकेली प. १७६
आकेवळो दू. १११
आकोलो प. ४७, ५६
आखूना प. १७६
आगरियो प. २८५
आगरो प. १८, ११२, ३३७
„ दू. १४७
„ ती. २८, १९२
आघाट दे० आहाड़।
आघाटपुर दे० आहाड़।
आचीणो दू. १७२
आजोर दू. २५४
आझारी प. १७९
आझारी-बांभणां री प. १७४
आठकोट प. २७१
आठांणो प. ६६
आणंदपुर प. ७
आथोसर प. ३४९
आपुरी प. १७७
आबू प. १३४, १३५, १४१, १४४, १५१, १७३, १७७, १८०, १८१, १८२, १८३, १८४, १८७, २५८, २७३, २७४, ३३६

„ दू ३४, ३८, ६८
„ तो १७४, १७५
आमव तो २४०, २४५
आमेर प २८७, २९०, २९३, २९४, २९५, २९६, २९७ २९८, २९९, ३२९, ३३०, ३३१, ३५६
„ तो २७२
आरखो प १७६
आरम दू ६
आलमपुर-रो मैंडो प १२८
आलवाडो प १७५, २४८
आलासण प २४८
आळियो प १७७
आलोपो प १६२
आवठ कोट दे० आऊठ-कोट सामई।
आवड सावड प ३६
आवळ प १५८
आसणीकोट दू ४, ८, ९, १०, ३८ ११२, ११३
आसणीकोनीट दू ४
आसपुर प ३८
आसरानडो दू १९०
आसलकोट प २०२
आसलवासो तो ५३
आसलोई दू ४
आसावस प १८०
आसा-रो-नाडो दे० आसरानडो।
आसावाडो प १८०
आसेरगढ तो १७३
आसो दू ४
आसोप प २४०,
दू १५५, १५६, १५७, १७०
आहप दू ४
आहाड प ९, ३२ ३३, ४३, ८०, ८१
„ तो १७३
आहाळो दू ४
आहुर प २४०
आहोर प ५, ७, ३९, ४२, २४०
आहोरगढ तो २१८

इ

इक्षापुर दू १७२
इद्रवडो दू १७८
इद्रांणो प २३६
इकुवरडा प १७८
इटावो (मेडता रो) दू १८९
इणगार प ३३१
इसलामपुर कोसीयळ प ५२
इसलामपुर मोही प ५२

ई

ईंवाघाटी दू ३०८
ईकड दू ४
ईडर प १, ३७, ३८, ३९, ४१, ४७, ५१ ८६ १४५, १४६, १५६, २४८, २८४
ईडर दू ५०, ८९, ९२, १७०, १७२, २५६, २७६
ईडरगढ प ३७
ईडवो दू १७९
„ तो ११५
ईसवाळ प ४१

उ

उटाळो प २७
उडवाडियो प १७५
उडवाडो प २४७
उगरावण प ९५, ९६
उगरास तो ११०
उजीण दे० उजण।
उजण प ३७ ९७, २०९, २११, ३४३, ३६०
„ दू ९०, १५९, १६०, १६१, १६३, १६७, १८०, १८३, १९१

उज्जैन दे० उजेण।
उड़ प. १७४, १७६
उड़द्यो प. १२७, १२८, १२९
उतोसा प. १७७
उत्तर-गुजरात दू. २६६
,, ती. २६
उत्तर प्रदेश प. २१०
उदयपुर दे० उदैपुर।
उदरा प. १७३
उदळियावास दू. ३६
उदीवस दू. १७०, १७१
उदैपुर प. १, ५, ८, ११, १४, २१, २४, २८, ३०, ३१, ३२, ३४, ३५, ३६, ३७, ३६, ४०, ४१, ४२, ४३, ४४, ४५, ४६, ४७, ४८, ५२, ५६, ५७, ६१, ६३, ६४, ८६, ६१; ६४, ६६, १२७, १५४, ३२२.
,, दू. ६५
,, ती. १७३
उदैही प. २८७, ३०२, ३०६, ३११, ३२०
उनावो प. ४, १५
उनो दू. ८
उपमणो प. १७७
उमर प. ३३६
उमरकोट दे० ऊमरकोट।
उमरणी प. १७८, २७२
उमरलाई दू. १८८
उरमाळकोट दू. २६२

ऊ

ऊंच-देरावर दू. १८
ऊंटाला दे० ऊंटाळो।
ऊंटाळाव प. ५६
ऊंटाळो प. ६६
ऊंटोळाव प. ३७
ऊंठाळा दे० ऊंटालाव।
ऊदसर ती. २२६
ऊदारो प. २४०
ऊदावतां-री-देवळी ती. २३७
ऊपरमाळ परगनो प. ४४, ५२
ऊमरकोट प. ३३६, ३३८, ३५५, ३५८, ३५६, ३६०, ३६१, ३६३, ३६४
,, दू. ६, ११, ३१, ३२, ३८, ४०, ७८, ७६, ८२, ८३, ८४, २२१, २६२, २६३
,, ती. ३४, ३५, ७२, ७५, ११०, १११, २५०

ऋ

ऋषिकेश (आबू, राजस्थान) प. १७८

ए

एकलिंगजी प. १, ७, ८, ११, १२, १४, ३५, ४४
एलद्य प. १२७
एवा-रो-परगनो प. ११५
एहमळा प. २१०

ऐ

ऐवड़ो-भाटां-री प. १८०
ऐहमदाबाद दे० अहमदाबाद।
ऐहमदनगर दे० अहमदनगर।

ओ

ओईसां प. २३३
,, दू. ६६, ६७, १५६, १७०, १७१, १७४, १८८
ओगरास ती. १०८
ओमो-भीम-रो प. ३६
ओडवाड़ियो-चारणां-री प. १८०
ओडवाड़ो दू. ६१
ओडीट दू. ३२५
ओड़ीसो प. ८

ग्रोडू प १७७
ग्रोडो डू. ६
ग्रोयसां दे० ग्रोईसा।
ग्रोरीसो प १७८
ग्रोल्ह प ४१
ग्रोळषी डू १४६, १४९
ग्रोळो डू ६, ६७
ग्रोसियां प ३३७, ३३६
ग्रोहलाणी इड़वडो डू. १७८

क

कयकोट दे० कांयडकोट।
कयडकोट दे० कांयडकोट।
कधार प १८७, ३११
,, डू २, १०२
कवळपुर ती २१६
ककु ती २३३
कच्छ प ३६१, ३६४, ३६५
,, डू ३७, २०२, २०६, २१२, २१४, २१७, २३०, २३७, २४२, २४३, २५२, २६६
,, ती १७४
कछ दे० कच्छ।
कछडशी प १२७
कटक प १८७, २२७
कटसडो प ११०
कटहड़ प ३०६
कठाड़ प ४७
कणवण-देवडोवाळो डू ३
कणवार डू. १८७
कणवारी ती २३२
कणवारो ती २३२
कणवीर प. ५३
घणावद प २४७
कणियागिर (जालोर) प. १८७
कतर ती. २२७
कनकगिरि (जालोर) प १८७
कनड ती २७६
कनवज प ८
,, डू २६६, २६७, २६६, २७४
,, ती १७३, १६३, २०३
कनवजगढ दे० कनवज।
कनोडियो प ३५७
कन्नोज दे० कनवज।
कपडवज दे० कपडविणज।
कपडविणज ती १७४
कपासण प ३७, ५३
कपासियो प १७५
कपिलकोट प २६६ (दे० केलाकोट)
,, डू २१६
कपूरियो डू १५१
कमळपुर ती २१६
कमळां पावा ती १२३
कमलो डू. १२
कमा-रो वाडो डू १८७
कमोल प. ४२
करडो सता री डू ३३
करणाट प २२१
करणावटी ती. १५४
करणोतर ती २२४
करमू डू. १३८
करनवास प २८५
करमचगढ ती. १७४
करमसीसर प २३६
,, डू. १६४
करमावस प. २८, १६६
करलो (?) प १०६
करहर प. १२८
करहटो प १७५
करहेडो प. ३७
करहेडोगढ ती २१८
कराडो डू १६७

करेभड़ो तौ. २२७
करोली द्व. १, १६
कर्णाटक प. २२१
कलड़वा प. ३२
कळसको द्व. १११
कळहटगढ तौ. १७४
कलाघो प. १७६
कला-रो-कोटड़ो द्व. १२७
कलासर तौ. २३०
कळूंभो प. ४२
कल्यांणसर तौ. २२७, २३४
कवरला प. १७८
कवळो द्व. १५६
कवीयो प. ३२
कसमीर प. ८ दे० कासमीर।
कसूंबी तौ. १५७
कांगड़ो प. ३१६
कांगणी प. ३२६
कांगळ द्व. १७६
कांभरी द्व. १८८
कांणाऊ द्व. ४
कांणाणो तौ. २२६
कांणावद द्व. ४
कांयड़कोट द्व. २१४
कांनासर द्व. ६, १२
कांप द्व. १
कांवलो प. २४८
कांवो तौ. २१७
कांभड़ो द्व. १६२, १६६
कांमसकराही प. ४७
कांमां-पहाड़ो-रो-सूबो प. ३१८
काकरवो प. ४२
काका द्व. ३२
काचाखेड़ो द्व. २२१
काछ दे० कच्छ।
काछ-कालेंवर द्व. २४३
काछो द्व. २, ४, ७६, १८६, १६८, १६६
काछोली प. १७४
काठसी द्व. १६६
काठासी द्व. १६३
काठियावाड़ द्व. २०२, २६६
काठीवाड़ द्व. २६०, २६१
काठो द्व. २०७
काणाणा तौ. २२६
कावल दे० कावुल।
काविल दे० कावुल।
कावुल प. १३०, १६५, ३१०, ३३०
" द्व. १५८, १६४, १६८
काभड़ो द्व. १७४, १६२, १६६
कायलांणो तौ. १४८, १४६
कारोली-भाटां-री प. १८०
कालंजर प. १३२
काळंद्री प. १३६, १४३, १४७, १५८, १६७, २४६
काळंधरी दे० काळंद्री।
कालंवर द्व. २४३
काळधरी दे० काळंद्री।
काळवास तौ. २२८
कालांणो द्व. १२५
काळाऊ द्व. ३०६
काळिया-ठट्टो द्व. १७६
काळो-डूंगर द्व. ४, १३, २७
काशी प. २१६
" तौ. २६६
काश्मीर दे० कासमीर।
कासपरा प. १८०
कासमीर द्व. १५६ दे० कसमीर।
कासी दे० काशी।
काहूनी द्व. ३१४
" तौ. ५
किड़ांणो द्व. १३६

किणसरियो प १२३
किणसरियो ती १७३
किरडो दू. ६८, ११४, १२७, १५२
किरतावटी ती १५४
किरथाड़ ती २६८
किराड़ू प ३३७
किलाकोट दे० केलाकोट।
किशाजणो प. २०
किसनगढ़ दू १७०, १७१, १७२
,, ती. २१७
कीफरी दू. १७४
कीठणोद (कीटणोद) दू. १८२, १८३
कीतेर प ४२
कुकण प ८
कुच ॥ १२८
कुड दू २३८
कुडणो प २११
कुडळ प १६६, २००
,, दू १०६. १२१, १२६, १५४, १६४
,, ती. ७८, २८१, २८३, २८४, २८५
कुवीरोह प. ३४६
कुभळमेर प १६, २०, ३२, ३५, ३६, ३७, ४१, ५१, ५३, ५५, ५६, १३८, २०७, २१०, २८४
,, दू १६६, १६४
,, ती ४७
कुभांणो ती. २२८
कुभाछत प. २४८
कुमार-रो कोट दू ५
कुछाऊ दृ ४
कुडकी प ३०३
,, दू १४७
कुडळै गुळाई दू २३८
कुरडो प २५
कुराज प ४७
कुळथांणो प १६३
कुळदहो प. १७६
कुळधर दू ८
कुसमळो दू १०४
कुहड दू १५१
कुहाडियो प. ४२
कूडडो दू. ३६, ४३
कूजावाडो प. १७६
कूडळ दे० कुडळ।
कूडांणो दू. १८३
कूडाळ प ४५
कूडोरो दू २६३
कूपडावास दू १५०
कूपावास दू. १८२, १८३, १८४
कूपासर दू. ७६, १३६
कूभळमेर दे० कुभळमेर।
कूवोरो प ३४६
कूचमो प. १७६
कूडणो प. २०६
कूडो प. ११६
,, दू १६५
कूवसू ती २२६
केकडी प २७६
केवार प ॥
केदार (केदारनाथ) दू २०४
केरझड दे० करेझडो।
केरझडो दे० करेझडो।
केरडू ती ११०
केराकोट प २६६ (दे० केलाकोट)
,, दू. २१६-
केलणसर ती २२६
केलवाडो प ४२
केलवो दू. २२०
केलाकोट दू २१६, २२५, २२६, २२८, २२६, २३१, २३३, २६६

फेलावो दू. १५७, १५८, १५९
फेवड़ो प. ३५
फेसूलो प. २८५
फेहरोर दू. १०, १७, ११५, ११७, १२०
फैर प. १७४
फैरलो प. २३५
फैरु दू. १४२
फैलयो प. ६, ४०, ६६
,, दू. २२०
फैलावो दू. ८० दे० फेलावो।
फैलाहकोट प. २६६
फोजड़ो प. १७६
फोटड़ो दू. ४, ७७
फोटड़ो प. ३२, १७८, ३३४
,, दू. ५, ६, ८, ११, १३, ६७, ६८, ६६, १२६
,, ती. ३, ४
फोटहड़ो दू. ११
फोटा दे० फोटो।
फोटो प. ४४, १०१, ११०, ११४, ११५, २५३
फोठारियो प. ३७, ४४, ४७
फोडमदेसर ती. १६, १८१
फोडियावास दू. ८
फोडियासर दू. ६८
फोडोवास दू. ६
फोटणावाटी प. २४२
फोडणो प. २४२
,, दू. ६६ १००, १०२
,, ती. ८७, २५६ ,२६१
फोदमियो प. १०५
फोरटो प. १६२, १७७
फोरणो प. २३६
फोलर दू. ३३०
फोळियासर दू. १३६
फोळीसिंघ प. १५१
फोळू दू. ४
,, ती. ५८, ६६, ७५, ७६, ७७
फोसीवळ प. ५२
फोसीपुर प. १००
फोहर दू. ३२
,, ती. २२१
फोरपुर दे० खेड़।

ख

खंडरगढ प. ४७
खंडेलो प. ३२०, ३२१, ३२२, ३२३, ३२७
,, ती. २१७
खंडेलो-रैवासो प. ३२०
खंडोवळी दू. १३६
खंधार दे० कंधार।
खंभणोर दे० खमणोर
खखर-भखर प. २६, ४६
खखवांणो दू. १२२
खजूरी प. ११७
खटलड़ प. ११३
खटोड़ो दू. ६६, १६३
खड़वळोटो प. १८०
खडाळ दे० खाडाळ।
खडीण दू. ४, ५
खदोरां-रो-गांव दू. ४
खत्रियांवाळो दू. ४
खनावड़ो ती. २३६
खमण प. ४१
खमणोर प. १५, ३५, ४०, ४७, ४८
खरगो दू. ८
खरड़ दू. ३, ११, १२, १६, ११३, ११६, १४०, १४१, १४३
खरड़-केल्हणां-री दू. १६, १४२, १४३
खरड़-बुधेरो दू. ११,१६
खरड़ो दू. ६०

खरदेवळी-भाट-रो प ६१
खवास-रो-गांव दू. ४
खडिप दू १८७
खाडायत-वाभणां रो प १८०
खांडार दू ८
खांण प १३६
खांणा प १८०
खांभळ प. १७६
खाखरवाडो प. १७४
खाटहडो दू ३१
खाटू प २५१
खाडाळ दू ३, ४, ८, १७, १८, २६, २७, ३१, ३२, १०३, २६१
खाडाळो प १६४
खाडाहळ दे० खाडाळ।
खातालेडो प ११५, २५२
खावड दू १२६
खारडी प २४२
खारबारो दू १११
,, तौ. ३७
खारवो दू १२५
खारियो प ३६१
,, तौ २३६
खारींग दू ८६, ८७
खारी प २४८
,, दू ४, ३१, १७४, १८६
खारी खावड प ३३७
खारी दू १०८, १४८
खिणियो प ६०
खिराळू प. २३६
खींदासर दू ३६, १२३
खींवलसर दू ४
खींवलो दू. ८४
खींवसर प. ३४१, ३४७
,, दू ६२, १४५, १४८, १६०
खींवो दू ५
खीचवद दू ७७
खीचीवाडो प. ६०, २५२, २५३, २५५
खीनावडी दू ८१
खीमत प १७५
खीरड दू ४
खीरबारो दू ११
खीरवो (खीरवो) दू १२, ११६, १४२, १४३
खीरोहरी प २४०
खुघु प ७३, ८८
खुटहर रो मेडो प १२८
खुडियाळो दू १७१
खुडियो तौ १६
खुरसाण प ६, ८ १८५ १८६, १९१, ३३१
,, तौ ५५
खुराडी-भाटा-री प. १८०
खुरासाण दे० खुरसाण।
खुरासान दे० खुरसाण।
खुहियो दू ३१, ३२
खूटलो दू १७१
खूहडा. दू ४
,, तौ २२२,२३१
खेजडलो प २३३
खेजडलो दू. १४५, १४७, १४९
खेजडियो प १६२
खेड प ३३३, ३३४
,, दू ३८, १३०, २७८, २७९, २८०, २९०, २९१
, तौ १७३
खेड-पट्टन दे० खेड।
खेड पाटण दे० खेड।
खेतपाळियां-रो गाव दू ९
खेतसी रो गुढो दू १७३
खेतासर दू १५६, १७६
खेरडी दू २२६, २२७, २३०
खेरबारो प ४४

खैरवो दू. १६२, २६४
खैरावद प. ११०, ११४
खैरावाद ती. २१६
खैरीगढ प. २१०
खोखरांणो दू. १११
खोखरियो प. ६०
खोखरो दू. ६५
खोगड़ी प. १७६
खोटोलो प. १२७
खोड़ प. २१०
खोड़ादरो प. १८०
खोडावळ दू. ६८
खोहू प. ३०७, ३०६, ३२३
खोहरी प. ३२३

ग

गंगादास-री-सावड़ी प. ४३, ४६
गंगारड़ो ती. ११६, ११८
गंगावाळो दू. १६०, १६१
गजनी दू. १५, ३४, ३५, ६७
,, ती. १८३
गजसिंघपुरो दू. १५१
गजियो दू. ४
गढ आहोर प. ४२ दे० आहोरगढ।
गढ बंधव प. १३२
गढ रिणथंभोर प. ३७
गढिया दू. ८६
गढी दू. १६६
गणकी-भाटां-री प. १८०
गणोड़ो ती. १६०
गमण प. ४१
गरभवास दू. २६१
गरवो प. २१
गलणियो प. २११
गळथळू प. १७६
गलापड़ी दू. ५
गळियोकोट प. ८४, ८५
गांगरड़ो प. ३०४
गांगाहो दू. १००
गांगुरण दे० गागुरण।
गांगेरो प. ७०
गांघड़वास दू. १७२
गांधी प. २८५
गागटाणो दू. १५१
गागरोनगढ ती. २०६
गागुरण प. ११३, ११५, २५२, २५६
गागूरण प. २५२
गादेरी (खवेरा री) प. २३८, २३६, २४०
गाहिड़वाळो दू. २, ३३
गिरनार प. २२
,, दू. १, २०२, २०४, २०५, २०६, २२०, २४०
गिरराजसर दू. १३६
गिरवर प. १५८, १७४
गिरवार प. ३२
गिरवो प. २१, ३६, ६१, ६२
गिरसोन (जालोर) दे० सोनगिर
गींगोळ प. १७६
गीघाळो दू. १७६
गुंदवांण प. ११३, ११५
गुजरात प. १, ५, ३५, ३६, ४८, ६२, ८६, १०६, १३२, १३६, १४२, १७२, १८५, २१३, २१५, २२७, २३६, २४४, २६२, २७६, २७८, ३००, ३०२, ३३१
,, दू. २६, ३८, १४६, १५८, १६३, १७६, १८२, १६८, २०२, २०४, २०५, २२०, २४०, २५७, २५८, २६६, २७६, २८७, २६६, ३०७
,, ती. २३, २४, २५, ४६, ५३, ५५, ५७, १३६, १७४, १८४, २८०, २८१
गुजरात (पंजाब) प. ३००

गुज्जर वू ३८
गुडो सी. २२२
गुढो प. ४२, २०६
„ वू. ६४, १४७, २८५, ३००
गुंनोर प. १२७
गुलाई वू. २३८
गुलियो वू ८
गूहोली प १७६
गूगोर प ११५, २५२
गूढ प. १२८, १३१
गूढसवाड़ो प १७५, १७६
गूढो दे० गूढ।
गूवचच दे० गूवोच।
गूवावरो प. १७८
गूवाळी प ४२
गूवोच प २११
„ वू. ११३, २६३
गूजर प. २७८
गूजरसर प. १८७
गूजरथरा प. २६०, २६१
गूढो प. १६६, २५३, ३४४
„ वू १४७, १६०, १८६, २८०, २८५
२९९, ३००
„ सी. १८
गैड़ाप सी. ३२६
गैमलियावास वू. २६४
गैमरयावास सी. २३५
गैहलोतांवाळो वू. १३५
गोआेव पू. १२८
गोखम प. १९०
गोकर्ण दे० सांस्कृतिक नामावली में।
गोगलीसर वू. १२५
गोघेळाव वू १९३
गोठियो प. ९१
गोठोळाव प. ६४
गोडवाड़ दे० गोढवाड़।
गोढो-भीम-रो प. ३९
गोढलो प. २८५
गोढवाड़ प. ५३, ५५, २८५
„ वू. १५३. १६८
„ सी. १७३
गोधावस वू १९३
गोपड़ी (सिवांणा री) प २३८
गोपलदे प. ११५
गोपीमरियो वू. १६०
गोयद वू. ४
गोयदपुर प. १७६
गोयद-रो-वाड़ो प ३३३
गोरहर वू. १२६
गोरहरो वू. ६, ७७
गोरोसर सी. २३१
गोरोठी वू १६
गोलाहसनी (गोलावासणी) वू. १६८
गोवल प ३६०, ३६१
गोवोल प. १८०
गोहिल दोळो प. ३१५
गोही वू ४
गोहुवाळ सी. १३५
गोड़देस सी. २६४
ग्यासपुर प. ९०, ९१
ग्रावणो वू ७६, ७७, १३६
ग्वालियर प. १२८, १३१, २८९, २९०,
२९३, ३०१
„ वू. २५६
„ सी. १८१
ग्वालेर दे० ग्वालियर।

घ

घटियाळी वू. ४, १२, १४२
घमोल वू ७१, ९७
घांघांणी सी. ९०
घांणत प. १७४
घांणेर प. ३६

घाणेराव दे० घाणोरो।
घाणेरो प. ४१
घाणा प. १७८
घाणोरा ती. ४२
घांवट दू. ५
घांसेर प. ४१, ४७
घाघेड़ो प. १२८
घाटी प. ११४
घाटो प. ४०
घाटोली प. ११४
घीघालियो दू. १८०
घूंघरोट (घूघरोट) प. १६४, १६५, १६६
„ दू. २६०, २६१, २६४
घोघूंद प. ४२
घोघूंदो प. २६, ३०, ३५, ३७, ४२, ४६, ४८
घोड़ाहड़ दू. १४८
घोटाहड़ो दू. ४
घोसमन प. ५३

च

चंग दू. ६६
चंगावड़ो दू. १७२
चंडालियो दू. १७०, १७२, १७३
चंडावळ प. २६
„ दू. १४६
चंडावो ती. २३४
चंदावसो प. ३६
चंदेरियां-रो-गांव दू. ८
चंदेरी प. २०
„ ती. २१८
चंद्रावती प. १३५
चंवरागढ प. १२७, १२८, १३१
चनार प. १७४
चरहाड़ो प. १७७
चवदै-चाळ प. २८७
„ ती. १७०, १७१
चवदै-चाळ-ढूंढाहड़ प. २८७
चवदै-चेठी प. ३६४
चवरासी दे० चौरासी।
चवरो प. २३४
चवाड़ी प. २३३
चांदण प. २४७
चांदरख दू. ११६
चांधण दू. ३६, ४३
चांधणो दू. ७४
चांपानेर ती. २५, ५५, १८३
चांवासर दू. ४, १४६, १६३, १७५
चांपोल प. १७५
चांवड़ियास दू. १६६
चांमूं दू. ६७, ६२, १२५, १६०, १६७, १७५
चाखू प. ३५०
चाखू दू. १२३
चाचरड़ो प. १७४
चाचरणी प. २५२, २५६, २५७
चाटलो प. ३५४
चाटसू प. २८७, २६२
चाडी दू. १२२, १३८, १४२
चारण-खेड़ी प. ६१
चारणवाळो दू. ३६
चारणां-बांभणां-रो-सांसण प्रदेश प. १७३
चावंड प. ३५, ३७, ४३, ५७
चावंडेरो प. २८५
चावळो दू. १६१
चाहड़ दू. ४
चाहिल ती. १७
चित्तौड़ दे० चीतोड़।
चित्तोड़गढ़ दे० चीतोड़।
चित्रकोट प. ८
चित्रांगलस दू. २५

चिनडी दू १७२
चिहु दू १३६
चीललवो प. ३२
चीतालेडो प ६५, ६६
चीतोड़ प ३, ५, ६ ८, ९, १२, १३, १४, १५, १६, १७, १९, २०, २१, २४, २६, ३०, ३२, ३७, ३९, ४४, ४८, ४९, ५०, ५१, ५२, ५३, ५४, ५६, ६२, ६६, ६७, ७०, ७९, ८०, ८१, ९१, ९२, ९८, १०२, १०३, १०४, १०५, १०६, १०७ १०९, ११०, १११, १२०, १२५, १५६, १८६, २०५, २४३, २७९, २८०, २८१, २८२
,, दू १४५, १५३, १५८, १८१, २६२, ३३१, ३३३, ३३४, ३३५, ३३७, ३३८, ३३९
, ती ५, २८, ५५ १३६, १४९, १७३, १८३, २४१, २८१
चीतोड़गढ़ प. १८६
चीत्रोड़ दे० चीतोड़ ।
चीत्रोड़गढ़ दे० चीतोड़ ।
चीनडी प २४०
चीन्हो दू ३१
चीवागाव प १७७
चीमणयो ती २३३
चीरवो प ४४
चीवळो प १७७
चीहरडा प. १७८
चीहळी प. ४७
चुडियाळो प १७६
चूडासर प ३४७
,, ती १८१
चूडो राणपुर दू २५९, २६०
चूनांणो प. १७४
चूनो दू १२
चूहडसर दू १११, १२५
चेडो दे० चवर्द-चेडो ।
चेलावस प १७६
चैराई दू ६५, १६८, १७०
चोकीगढ़ प १२७
चोलावसणो दू १४८
चोवरो दू ६
चोटीलो दू १३८
चोपडा दू १५३
,, ती ८४
चोपडो दू १४८, १६७, १७८, १८१
चोरवाड दू. २०२
चोळी-महेसर प ७६
चोलेर प ४७
चोहटण प ३६४, ३६५
, दू ५, १२६
चोहटन दे० चोहटण ।
चोहडी दू १६४
चौकडो दू १४८
चौरासी प २५०
चौरासो माह्राजण री ती २५६, २६२
चौरासो मिलक-री प ८०, ८१, ८२
चौरासो रतनपुर-रो प ४४
च्यार-छपन प. ३६

छ

छडाणो दू १८२
छतीस पवन प १२४
छपन प ४३
छपन-चावड (छपन-चावड) प ४३
छपन रा-गाव प. ३६
छमीछो ती. ५६

छहोटण- दे० चोहटण।
छाईयो दू. २२१
छाकेरलो प. ४७
छाछोळाई दू. १८७
छापर दू. ३२४, ३२५
" ती. १५३, १५४, १५६, १५६, १६१, १६२, १६३, १६५, १६६, १६७, १७१
छापरोली प. ३२
छापुर दे. छापर।
छारू दू. १२
छाळी-पूतळी प. ३८, ३६, ४३, ४७
छाळी-पूतळी-राणां-री प. ३८, ३६
छाळी-पूतळी-रा-मगरा प. ४३
छाहोटण दे. चोहटण।
छिपियो ती. २३६
छीलो दू. १६३
छेलपुर प. २५३
छोडो दू. ४
छोहलो प. ३४६

ज

जंगळधर ती. २०७
जगड़वास प. ३२८
जगतहर-रो-परगनो प. १२७
जगदेवाळो दू. १११
जगनेर प. ४३, ४७, ११०
जगियो दू. ४, ५
जझू दे० झझू।
जड़ियो प. १७६
जतहर दे० जगतहर-रो-परगनो
जयलो प. ६५
जमरूद ती. २१४
जयपुर दे० जैपुर।
जरगो प. ४२, ४३, ११६
जळखेड़-पाटण ती. २१८
जवनपुर प. १८
जवाच दे० जवाछ।
जवाछ प. ३८, ४३, ४७
जसखेड़-पाटण दे० जळखेड़-पाटण।
जसरासर प. ३४६
जसवंतपुरो प. २०४
जसूवेरो दू. १३६
जसोदर प. १७६
जसोल ती. २२०, २२१
जसोलाव प. १७६
जहाजपुर प. ३८, ४७, २७६, २८०
" दू. २६३
जहांनाबाद दू. १०५
जांगळू प. ३४४, ३४५, ३४६, ३४७, ३५२, ३५३
" दू. ३००, ३०१
" ती. २८
जाखोरी दू. ६
जाणां ती. २२३
जाणावाड़ो प. १७८
जानड़ दू. ६
जानरो दू. ६
जानो प. ४३
जाभ-री-गुढो प. ३५०
जाभ-वाघोड़े-री-गुढो प. ३५०
जामेळाव दू. १२३
जाकरी ती. २३३
जाखवर प. १८०
जाखोरो ती. ४१
जाळपुर प. २७६, २८०
" दू. २६३
जाजीवाळ दू. १८५
जाटीवास दू. १७३
जाडो दू. २५०
जादवस्थळ दू. ३
जामनगर ती. २६
जामोतर प. १७७
जायल प. १८०, २५०, २५१, २५२, २५३

जायलवाडो ती १७४
जारोडो प. ३८
जालधर प. ८
जालेना दू. १६३
जाळसू ती. ११६
जाळियो दू ५
जाळीवाड़ो प. ३५७
जाळेली दू ६, १६२
जाळोर प. १४, १७, २५, ३७, ६०, ६१, १३५, १३६, १४६, १४७, १६१, १६२, १७२, १७३, १७८, १८१, १८७, १९४, १९५, १९६, १९८, १९९, २०३, २०४, २१२, २१३, २१६, २१७, २१८, २२०, २२२, २२४, २२६, २३०, २३१, २३४, २३५, २३६ २३९, २४०, २४१, २४५, ३३६, ३६१
,, दू. ३६, ४२, ६१, ६७, १४६, १४८, १५०, २६०
,, ती. २८, १२४, १८४, २१४, २८०, २९१, २९२, २९३, २९४
जाहड़कड़ी प १७९
जाहड़णो दू १६३
जावब प. ४७
जावद-नवराय प ४७
जावर प. ३५, ४३
जावाळ प १७६, १७७
जासातर ती. २३२
जाहड़ेदेटो प. १७९
जींजियाकी दू. ४
जीरण प. ५३
जोरावळ प. १७५
जीरोतरो प. ४७
जीलगरी प ६०
जीलवाड़ो प. ३६, ४०, ४१, १११
जीळी ती. २३३
जीहरण प २७, २६, ४८, ५३, ६२, ६३, ६४, ६५
जुट दू. ६६
जुड़लो दू १५०
जुड़ियो-तेवड़ो दू. १३६
जुणसो ती. २३६
जुवारो प १८०
जूझणू ती. १६२, १६३, २७३
जूझो दू १६६
जूड़ो प ४६
जूड दू १५६, १६२
जूनागढ दू. १६
,, ती. १७४
जूनो प. ३३७
जेठोप दू. ३६
जेराहत दू ४
जेसलगिर दे. जेसलमेर।
जेसलमेर प २२, १४७, २०६, २०७, २३२, ३३४, ३३५, ३४६, ३५२, ३५५
,, दू. १, २, ३, ४, ५, ६, ८, ९, १०, ११, १२, १३, १४, १५, १६, २७, २६, ३१, ३२, ३४, ३५, ३६, ३८, ३९, ४२, ४३, ४४, ४५, ४६, ४७, ५०, ५३, ५५, ५७, ५६, ६२, ६३, ६४, ६५, ६७, ७२, ७३, ७४, ७५, ७६, ७७, ७८, ७९, ८०, ८१, ८२, ८३, ८४, ८५, ८७, ८६,

९१, ९३, ९४, ९५, ९७, ९८, ९९, १००, १०२, १०३, १०४, १०५, १०६, १०७, १०८, १०९, ११०, १११, ११२, ११४, ११८, १२६, १३२, १४७, १५२, १६२, १६६, १६७, १६८, २६१, २८०, २९०, ३००

,, ती. २६, ३३, ३४, १८३, १८४, २०६, २१४, २१७, २२०, २२१

जेसळो (जेसलो) दू. १६०

जेसांण, जेसांणो दे. जेसळमेर।

जेसावस दू. १७३, १८७

जेमुरांणो दू. ४, ८, १३, १४४

जैतकोट प. २०२

जैतपुर ती. १७, १८, २३०

जैतपुरो ती. १७

जैतवाड़ो प. १२८, १७५

जैतारण प. ६२, ८६, ८८, २६४

,, दू. १४८

,, ती. ३६, १४१, १४५, २३५, २३६

जैतोवास दू. १५०

जैपुर प. १७, ३११

जैवांण दे. जेवांण।

जैराइत दू. ४, १००

जोगापुर दू. ६५

जोगाउ दू. ९१

जोजावर प. ३७, ५२, २०२

जोतपुर प. १७५

जोधपुर प. २५, २६, २७, २८, ३७, ८६, १०१, ११४, १३०, १३६, १४२, १४४, १४७, १५३, १५८, १६०, १६१, १६३, १६४, १६५, १६६, १७०, २०७, २०८, २०९, २३३, २३७, २४०, ३०६, ३०९, ३१०, ३११, ३१४, ३१६, ३१७, ३१८, ३२०, ३२२, ३२३, ३२४, ३२८, ३४२, ३४६, ३५६

,, दू. ३३, ३८, ३९, ५३, ६६, ७७, ७९, ८०, ८१, ८४, ८६, ९०, ९१, ९४, ९७, १००, १०५, १०६, ११० ११६, १२२, १२३, १२५, १२८, १३८, १४५, १४६, १४७, १५१, १५६, १६१, १६४, १६५, १७३, १७५, १७६, १७९, १८०, १८२, १८६, १९०, १९४, १९९, २६३, २६४, २७७

,, ती. १२, २८, ५४, ८०, ८१, ८३, ८४, ८६, ९०, ९२, १००, १०१, १०२, १०४, ११५, ११८, १२१, १२२, १८०, १८१, २१३, २१४, २१५, २१६, २१७, २३५, २३७

जोधड़ावास दू. १७३

जोवनेर प. ३३०, ३३१

जोळपो प. ११६

ज्याकरो ती. २३३

झ

झझू दू. ३६, १७७, १७८

झड़वो दू. ३२

झरहर प. ३०७

झरो दू. ४

झांतर-प्राढां-री प. १७६

झांझण दू २
झांझमो प ३३७
झाखड़ो प १७६
झांसनाळो प ४१
झाडखड़ दू ३८
झाडटूर दू १२, १४२
झाडोल प ३६, ४२
" दू २६३
झाडोजी प ४६, १७२, १७७
झात प १७६
झालावाळो-सावडो प ५
झालावाळो वेलवाडो प. ४४
झालावाड दू. २५८, २६२
झालावाड-छोटो दू २६२
झातल सो २२
झींपडो प २२३
झूंझूवाडो दू २६०
झूपडाखेडो प ४७
झूठाडियो दू १८१
झूरो दू ३६
झेरडियो प २२८
झोरा मगरा पट्टो प १७६
झोरो प १७३, १७६

ट

टगरावतो प ४२, ४६
टमटमो प १७६, १७९
टाकरो प १७५
टावरियावाळो दू. १३५
टोकलो प ३२
टोबडो दू १७३
टोबो [illegible] ९
टोवरियाळो दू. ४
टूक प ४७
टेइयो दे. टेहियो।
टेहियो दू ४, ९, १०३
टोकला प. १५८
टोडो प १७, ४७, ६१

ठ

ठरडो दू ८४

ड

डमाणो प १७५
डांगरां प. २४०
डांगरी दू ६
डाबर दू ४, १५५, १६०, २६१
डाक प १७५
डाबर प ४७
डामडो दू. १५६
डामलो दू. २, ४, १०
डाहळ प ५
डीघाडो प. १७७
डीडलोद प १७७
डीडवाणो प. ३२४
" दू ६, १०८, ३२८
" सो. ६५
डीडवाना दे. डीडवाणो।
डीवळाळ दू. १११
डूगरपुर प. १४, २६, ३५, ३७, ३८, ३६, ४३, ४६, ५३, ७०, ७१, ७४, ७७, ८०, ८१, ८२, ८४, ८५, ८६, ८७, ८८, ११६ १२१
" दू. १६३
" सो २२६
डूगरी प. १७६
डूगरो-देस प ४३
डेडुवा प. १७६
डेह दू १५७
डोबरी दू. ६७
डोडवाडो प २५३
डोडियाळ प १४७, १६०
" सो. १२४, १२५

ढ

ढाकसरो प. ३४७
ढाको ती. १४
ढाहो प. २८, ३२३
ढिलड़ो प. १८
ढिलो दे. ढिल्लो।
ढींकलो दू. ६६
ढींगसरो ती. २२५
ढीकाई दू. १६१, १६७, १७१
ढूंढाड़ प. १८७, २६३, २६५, ३४२
" दू. ३१५, ३३५, ३३६
ढूंढार दे. ढूंढाड़।
ढूंढाहड़ प. २८७
ढोल प. ४२
ढोलाणो प. २८५
ढोहो प. ३२३

त

तई-तईसरो दू. ४
तड़गी प. १७४
तणाणो दू. ११६
तणूंकोट दू. ३
तणूंसर दू. ४
तणोट दू. ४, १०
तणोटकोट दू. १७
तलवाड़ो ती. ३
तलावस प. ११७
तांणाणो दू. १४२, १४३
तांणो प. ३७
" दू. १५३, १८१
तांणो-सोळंकी-मला वाळो प. ३४२
तांतूवास प. २३३
तांनूवास प. २३८
तांवड़ियो दू. १६६, १६२, १६४
ताड़तोली-चांमणां-री प. १८०
तालियांणो प. ३४०
ताळो प. ३१८
तिघरो दू. १८६
तिघणो प. १८०
तिमरणी प. १६७, २३३, ६
" दू. १४८
तिमरली दे. तिमरणी।
तिलंगाण प. ८
तिलवाड़ा दे. तलवाड़ो।
तिलवाड़ा-फेयर दू. २८४, २८५
तिलवाड़ो (मालांणो) दू. १३०, २८५
" " ती. ३
तिलायली प. ३४०
तिलोणेस दू. १५६
तिसींगड़ो दू. ४१
तिहांणदेसर ती. २२७
तीसरड़ो प. ३२
तीतरी प. १७६
तीस-रा वागड़ियां-देवड़ां-रो-उतन प. १७३, १७८
तुंद प. २४७
तुवरां दू. १४८
तेजसी-रो-गांव दू. ४
तेलपुरो प. १७३
तेलियांणो प. २४०
तोडड़ी प. २८०, २८१
तोडो प. ४७, ५६, २६०, २६३, २६४, २८०, २८१, २८३, ३००, ३०१
" दू. १५५
तोडो-नायरचाल-रो प. २८०, २८१, २८३
तोडो-सींव-रो प. ३०१
तोसीणो प. ३४३
त्रंबक प. १, १२२

त्रिकुट दू. २४२
त्रिकोणगढ (लंका) दू. ३६
त्रिगठी दू. १६६
त्र्यम्बक दे. त्रंबक।

थ

थटो प. ६०, २६२
,, दू. ३२, ८०, ८२
,, ती. २८०, २८१
थट्टा दे. थटो।
थपूकडो दू. १६०
थळ दू. २, ३१, २८५
,, ती. ६५, ६६, १०३
थळवट दू. ३२०
थळो प. १७५
,, दू. ३२३
थळूडो प. १६४
थहीयायत दू. ४
थांन गांव दू. २८४, २८५
थालनेर प. १२१
थावर प. १७८
थाहर-वासणी दू. १८७
थाहरी दू. १६८
थिराद प १७२
थूर प. ३२
थुळायो दू. ५
थोभ दू. ६०
थोहरगढ ती. १७३, १७४

द

दतारखो प १७८
दतीवाडो, प. २६२
दक्षिण (प्रदेश) प. १८५
दतांणो प. २३, १५०, १६६, १७५
ददरेरो ती. ७२, २७३
ददरेवो दे. ददरेरो।
दभोइ प. १२८
दमोई प. १२७
दमोदर [illegible] ४
दलोल प. ३८
दलोल-कलोल प. ३८, ३६, ४३, ४७
दसाडो दू. २६१
दसोर प. ३७, ३८, ६४
दहवारी प. ३२, ४३
दहियावत प. १८७, २४८
दहियावतरी दे. दहियावत।
दहीपडो प. २३३
,, दू १८२, १८३
दहीपुडो दे. दहीपडो।
दहीगांव प. २४७
दहीसतोय दू. ६
दांतणियो प. २४१
दांतीवाडो प. १५१, १५२, १६२
,, ,, दू. १४६
दामण प. २१२
दागजाळ दू. ६
दिखण (देश) प. २३४
दिलडो प. १८
दिली दे. दिल्ली।
दिल्ली प. १८, ५८, ५६, ७०, ८२, १८०, १८५, २०४, २२४, २९२
,, दू. १५, १६, ५६, ६५, ६६, ७४, ७५, २८२, २८३, २८५, ३०२, ३०८
,, ती. ५३, ५५, १०२, १५१, १६२, १७४, १८३, १८५, १९२, २३८, २४३
दिहायलो प. १२८
दीव वदर ती. ५६
दुकोल प. २५३
दुजावर दू. ४
दुजासी दू. ४
दुणियासर ती. २३०

दुणोद्र प. १७६
दुरंगगढ ती. १७३
दुतारणो ती. २३१
डूंणपुर ख्यू. ९३, ३२५
" ती. १०१, १५१
दूघवड़ प. ३१
" ख्यू. १४६
दूधोड़ प. ३१
दूलाड़ो प. २३३
देछू प. २११, ३६२
देदपुर प. १२८
देदापुर प. १७५
देदाहर ख्यू. १११
देपारी ख्यू. १३६
देपारो प. १२४
देरावर प. १२२, १२३, २५३
" ख्यू. १०, १८, २१, २२, २३, २५, २६, ३०, ७६, ९१, ९६, १०८, ११४, ११५, ११६, ११७, ११८
" ती. ३४, १७४
देरासर ख्यू. ४
देलवाड़ो प. ३४, ४४, १२८, १७७
देलाणी-भाटी-री प. १८०
देलोद्र प. १७७
देव प. ४३
देव-गदाधर प. ४३
देवको-पाटण दे. देव-री-पाटण।
देवखेत प. १७९
देवड़ी प. ३२
देवड़ो प. २४७
देवत ख्यू. २६१
देवतकही ख्यू. २६१
देव-पट्टन दे. देव-रो-पाटण।
देव-रो-पाटण (देवको-पाटण) प. २१३, २१४, ३३५
देवळियां-रो-भेरवाड़ो प. ४५
देवळियो प. १६, २७, ३८, ४५, ८६, ८८, ९३, ९४, ९७, १६४
" ती. २१७
देवळी प. ४७
" ती. २९७
देवळी झवावतां की ती. २९७
देवसीवास प. २४८
देवहर प. ४३
देवाइत ख्यू. १९, ११३
देवीखेड़ो प. ११५, २०८
देवो ख्यू. ४, ६, १०३
देसूरी प. ४१, २८४, २८५
देसेहरो-देस प. ४२
देहेरे-भाचाहर ख्यू. १२६
दोदोळाई ख्यू. १४७
दोसा प. २८७
दौलताबाद प. १३१, २३४
" ख्यू. १२२
" ती. १८३, २४१, २७६, २७७
धोसा प. २९७
द्रम ख्यू. ३१
द्रावड़ प. [illegible]
द्रूणपुर दे. द्रोणपुर।
द्रोण प. ३५७
" ख्यू. १३, ३९
द्रोणपुर ख्यू. ९३, ३२५
" ती. १०१, १५१, १५३, १५४, १५९, १६१, १६२, १६४, १६५, १६६, १६७
द्रोणागिर दे. द्रोणपुर।
द्वारकाजी प. १११, २६३, २६४, २८६, ३३७

द्वारकाजी दू. २२५, २६६, २६७, २६८
,, ती. २६६
द्वारामती दे द्वारकाजी।

ध

धधूको दे धांधूको।
धणलो दू ८४, ३२६
धनवाडो प. ६०
धनवो प २४८
,, दू ६, ८
धनारी प १७४
धनियावाडो प. १७५
धनेरियो प. ९०
धनेरी प. १५८, १७६
धमाणो प १२७
धमोतर प ९६
धरियावद प ३८, ४३, ४५, ६४, ९६
धवळको दू २६०
धवळपुर प ९१
धवळहर दू २१५, २४०, २४६
धवळासर दू. १११
धवळेरो दू १७८
धवो दू. १५०, १५६
धावणियो दू ७९
धांधपुर प १७५, १७९
धांधूको दू १, १६, २६०
धाधूसर ती २२९
धानेरा प. १७८
धामणियो प २८५
धामणो प १२७
धावरियो प १७९ :
धाट ती ७५ १७४
धाणोळाव दू १६८
धार प ४, ३२, ४३, ३३६
,, दू २६, २९, ३०३ ३१
धारणवाप दू १४८
धारता प. ९१
धारनगर ती. १७३
धारवा प १७८
धींगाणो दू. १७०
धीणोद दू २१०, २१२, २१४, २२१
धीरावद प ४५
धीरावाळगड ती २१९
धीवली प १७५
धुवावस प १८०
धूळकोट प ११३
धूळोप प ११६
धोघ प ३३५
धोघुको प ३३५
धोरीनमो प २४८
धोलपुर प २०९, २३४
धोळहर दे धोळहरो।
धोळहरो प २५
,, दू. १, २४०, २४४, २४७, २४८
,, ती ८४
धोळेरो प २५
धौलपुर दे धोलपुर।

न

नदराय प ४७
नडियो प १७४
नगरकोट प. ३००
नगरगाव ▮ १३६
नगर थट्टा प ८, ६०
नगर सामई दू २३७
नगराजसर दू १११, १३६
नडियाद ती १७४
ननेउ दू. ९१, १२८, १३३, १३४
नरवर प. १२८
नरवरगढ ती १७४, २१७
नरसांणो दू १४८
नरांणो प ३०४, ३०५, ३३०, ३३१, ३५६

नराहणो दे. नरांणो।
नरायणो दे. नरांणो।
नरावस प. २३८
नळवर प. २९३, २९४, ३०३
नळवरगढ प. २८९, २९३, २९५, ३०३
नवकोट दू. १४
नवदीप दू. ३८
नवलफली प. १८६
नवलखी-सिंध दू. २३७
नवलाख-उहर प. १३२
नवसर प. २१०
" दू. ९२
नवसरो प. १६०, १६५, २११
नवानगर दू. १५, १६, २०५, २२०, २२१, २२३, २२४, २३९, २४०, २४१, २४४, २४७, २४९, २६०, २६१
" ती. २९
नवोसहर प. २८०
नहवर दू. ३२
नांवणो प. ११७
" दू. १३
नांदियो दू. १५०, १६६, १६७
नांदोती प. ३०९
नांनाउग्रो प. १७८
नांमी प. १६२, १७७
नाई प. ३२
नाउग्रो-यावरेड़ो प. ६६
नाकोड़ो प. ३३३, ३३४
नागंजो कोट दू. २२
नागड़ी दू. १६०
नागण प. २४७
नागदहो प. १, २, ८, ११, ३५
नागरचाळ प. २८०
नागांणो प. १७७
नागांणो दे. नागोर
नागो-जोगीकोट (वेरावर,
नागोर प. २४, १२५ २५३, २९७, ३४७, ३४८,
" दू. ५४, ६५, ११५, १३१, १ १५३, १५६, १ ३००, ३०१, ३१ ३१२, ३१३, ३१ ३२४, ३२६, ३२८ ३३७
" ती. २९, ८५, ९०, ९७, १५४, १८२, १
नागोर-री-पट्टी प. २५०
नाचणो दू. ८, १२, ११६, १ १४३
नाडूल प. ५३, १००, १३४, १३ १८१, १८६, १८७, १९८ २०२, २०६
" दू. ३२९, ३३०, ३३१
" ती. ४८, १३३, १७३
नाडूलगढ दे. नाडूल।
नाडूळाई ती. १३४
नाडोळ दे. नाडूल।
नाडोलगढ दे. नाडूल।
नाथवांणो ती. २२८
नाथूसर दू. ७५, १२३
नादियो दे. नांदियो।
नापावस दू. १६३
नामासर दू. १२३
नारंगगढ ती. १७४
नारणसर दू. १३५
नारवणो प. १६२
नारवरो प. १७७
नारनोळ ती. १५१
नारायसो प. २९०

नाऊ दू. १२८
नासिक प १, १२२
नाहरळाव प. १७८
नाहवार दू. १३
नाहेसर प ४२
निरखांणो प ३२०
निवाई प. ३१४
नींवड़ो दू २११
नींवलो प १६५
„ दू. १२, १३४, १३३, १३७
नींवां तो २२५
नींबांवरी तो. २२५
नींबाज प. ६०, १४७, १५६
„ तो. २३५
नींबाड़ो तो २३७
नीबलायो दू १२
नींबाळियो दू. १२
नींबूड़ो प. १७५
नींबोड़ो प. १७५
नींबोळ प. ६२
„ तो. २३६
नींबोवरी तो २२५
नीलोड़ो प १७४
नीनरिया दू ५
नीभिया दू. ५
नीमच दे नीमच।
नीमाज दे. नींबाज।
नीलकंठ प २३६
नीलपो दू. ३२
नीलावो दू. १४८
नीलिया प. ८६
नीलेर प. १७५
नीवाई प २८७
नूंहन प. १७६
नेउवो प. ६२
नेगरड़ो दू ६
नेछवो प. ३५८
नेडांण दू. ३१
नेनरवाड़ो प १८०
नेहड़ाई दू ४, ६
नैणधाय प. ११०, २८३
नैणेर प ६४
नोल दू ३६, ११७, ११८, १२७, १३४, १३५
नोल-धारणवाळो दू. ३६
नोल-सेवड़ो दू. ११७, ११८, १२७, १३४
नोहर प. १७६
„ तो. १८

प

पंचळ वेस प. ४५
पचाळ दू ३७, २४२
पजाब प ३००
पई-मयारो प. ४३
पखाळव दू. २२१, २४६
पलेरीगढ प. २१०
पछवाळो दू ४
पटाऊ प. २४२
पट्टन दे. पाटण।
पट्टनखेड़ दे खेड़।
पट्टन देवको प. २१३, २१४, ३१२
पट्टन-प्रभास प २१३
पट्टन-शिव प २१३
पट्टन-सोमनाथ प २१३
पठार प. ४४
„ तो. २४०, २४१, २४७
पडावळ प. ५४
पड़िहारो तो. २३३, २५०, २५१
पथण प. १७३, १७४, १७५
पद्मोळायो दू. ३०४, ३१७, ३१८
पनवाड़ प. ३१५
पनोतो दू. ३३०

पनोर प. ४३, ४६
पवई प. १२७
पवउघो प. १२८
पमांणा प. १७४
परबतसर प. १२२, १२३, १२४, १२६, ३१२
परवर गांव प. ३६०
पळाइतो-हाडांवाळो प. ४४
पलू (पळू) तो. २२६
पल्लू तो. १७३, २२९
पश्चिम-रेलवे दू. २६६
पांचड़ो प. १७४
पांचनड़ो दू. १८७
पांचरवरो दू. १८६
पांचलो प. १७५, १७८, २००
,, दू. १७०, १७५, १८७
पांचाड़ी-भाहरो दू. ६५
पांचाल प. ४५
,, दू. २४२
पांडरी-भाटां-री प. १८०
पांडवारी प. १२७
पांणीपथ तो. १६
पांचापाड़ो प. १७६
पांनीलो प. २४३
पांसयो दू. २५३
पांसूथाळा प. १७६
पाखंड तो. २
पाटड़ी दू. २५८, २५९
,, तो. १७४
पाटण (गुजरात) प. ५५, १०८, ११०, ११३, १८६, २५३ २५८, २५९, २६०, २६१, २६३, २६४, २६५, २६६, २६७, २६९, २७१, २७२, २७३, २७४, २७५, २७७, २८४, ३३६
,, दू. ३३, २३४, २५८, २५९, २६६, २६७, २६९, २७२, २७३
,, तो. २९, ४९, ५०, ५३, ५६, ५८, २८५
पाटण (बूंदी) प. १०८, ११३
पाटरिया (प्रदेश) दू. २५८
पाटरी दे पाटड़ी।
पाटोदो (पाटोधी) प. ८९, २४३
पाडरी दू. १८५
पाड़लोळी प. ४७
पाड़ीव प. १५५, १७६
पातंवर-चारणांरो प. १८०
पातळसर तो. २३३
पातळासर तो. २३३
पाताळदेस प. १६२
पाद्रोड़ प. ४१
पाद्रोलायां दे. पद्रोळायां।
पाधोर प. १७६
पानीपत दे. पांणीपथ।
पानोरो प. ३८, ३९
पारकर प. ३५५, ३६३, ३६४, ३६५
,, दू. ३८, ५१, ५४, ५५, २१४
पारसो (पारस) दू. २४२
पाल दू. ३८
पालड़ी प. ३२, १५६, १५८, १६२, १६८, १७५ १८०
पालड़ी-बाहरली प. १७७
पालड़ी-मांहेली प. १७७
पाळड़ी रावळां-री प. १८०
पालसो प. १७८
पाली प. २०७, २०८, २०९, २११, २१२, २३५, २३६, २४१

" दू १६६, १८०, २७७, २७८
" तो १३०, २३५
पालीताणो प ३३५
पावट दू. ३८
पावागढ तो २५
पाहुरांदगढ प १२७
पाहुवेरो दू. ११, १११
पिंडरवाड़ो प १७४
पींडवाडो प ४१
पीगियो प १७६
पीछोली प ३२
पीठवाळो दू १११
पीडी प ८८
पीथापुर प १५८
पीपासर दू ७६, १३६
पीपोली प १७६
पीपळ बडसायो दू ५३, ५४
पीपळवो दू ६
पीपळहडी प ४३
पीपळाई प ३२०
पीपळी-रावळा-री प. १८०
पीपळू प १११, १२४
पीपळो दू ६५
पीपलोण प १६७
पीपाड प ११४, ३४१
, दू १५०, १८६ १६३
" तो ८८, ६४
पीरान पाटण दे पाटण (गुजरात)।
पीळियोखाळ प १६
" दू २६२
पीहलाप प ३४७
, दू. १२२
पुजूरो प ८६
पुनपुरी प १७६
पुर प १४, ३७ ४७, ५३
" दू १५१
पुष्कर प. २४
पुगळ दे पुगळ।
पूजा-साठियारी-परती प २७७
पुगळ प. २५३, ३४६, ३४८, ३४६,
" दू १०, ११, १२, ४२, ११०, १११, ११३, ११४, ११५, ११६, ११७, ११६, १२०, १२२, ३१२, ३१८, ३२४, ३२७, ३२८
" तो. ३१, ३३, ३४, ३६
पूछणो दू १६४
पूनो प २०६
पूनासर दू ६६, १८३
पूरब रो सूबो प २६७
पेथापुर प १७५
पेथोड़ाई दू ६, ८
पेरवा प १७६
पेशावर प. ३०२
पेसवा धारणां रो प १७६
पैळाइतो प ११४
पैसोर प ३०२
पोकर दे पुष्कर।
पोकरण प १८६, २३६, ३५७
पोकरण दू ६, ११, १६, ५३, ७४, ७५, ७६, ८०, ८४, ६७, ६६, १०३, १०४, १०५, १०६, १०७, १०८, ११३, ११७, १३१, १३२, १३८, १४४, १८३, १६६, २००
" तो १०३, १०४, १०५, १०६, १०७, ११०, १११, ११२, ११३, ११४
पोछीणो दू. ३३
पोटलियो दू ६
पोलावास प. २४०
पोसतरा प १७५

पोसांणो प. १६२
पोसाळियो प. १७७
प्रभासक्षेत्र दे. प्रभासखेत्र।
प्रभासखेत्र दू. ३
प्रयाग प. १३२
,, ती. २७९
प्रोहितवाळो-गांव दू. १३५

फ

फतहगढ ती. २१७
फतहपुर दे. फतैपुर।
फतैपुर प. ३१२
,, ती. १६२, १६३, १६४, २७३, २७४
फळवध प. १७७
फळसूंड दू. १०४
फळोदी दू. ४
फळोधी प. ६०, ३५०
,, दू. ११, ६८, ७७, ९४, ९८, १०६, ११३, ११४, १२२, १२४, १२८, १२९, १३०, १३१, १३२, १३६, १३८, १४१, १४३, १४५, १५२, १५९, १६०, १६१, १६३, १६४, १६६, १७६, १७७, १८०, १८१
,, ती. २८, १०३, १०५, ११४
फागुणी प. १७६
फारस ती. ५५
फिरसूळी प. १७४
फुलाज दू. १८६
फूलसरेड़ प. १७९
फूलियो प. २९, ३७, ४८, ११०, २७९
,, दू. ६
,, ती. २२२

ब

बंगस प. ३१९, ३३१
बंगाल ती. १८९, २६६
बंगाळो दे. बंगाल।
बंठास प. ३१९
बंध दू. १११
बंधटो दे. बांधड़ो।
बंधध प. १३२, १३३
बंधवगढ प. २०, १३२, १३३
बंधवो प. २०
बंधो ती. २२४
बंभणवाड़-श्राऊठकोड़ दू. २३६
बंभारो प. ४५
,, दू. २३६
बंभोरी-रो-परगनो प. ११६
बंभोरी प. ४३, ४५
बग प. १७६
बगड़ो प. ६०
बड़ोदा (गुजरात) ती. २५
बड़ोदो (सीरोही) प. १७५
,, ती. २५
बधनोर प. ५३
बधाउड़ो दू. ६९
बमू ती. २३३
बरड़ो दू. २२०, २२६
बरियाहेड़ो . ३३४
बलदुरो प. १७७
बलोर प. ६४, ६६
बसाड़ दू. ४
बह दू. १३४
बहलवो दू. १७१
,, ती. २५०, २५१, २५२, २५३, २५५
बांगो प. ९७, ९८, १०१
बांट प. १७५
बांडी ती. १७
बांधड़ो दू. ४, १११, १६३, १६४, १८९, १९५

बांधवगढ दे० बंधवगढ ।
बांधव रो मुलक प १३१
बांभणवाड़ प १७६
बांभणहेड़ो प १७६
बांमणीका गांव (प्रदेश) दू ८
बांभोतर प ६६
बांभोरो प ४३
बांसवाडा दे० बांसवाहळो।
बांसो सी २३७
बांहाळो दू ४
बाकरली प ४७
बाकारोठी प ६८
बाघलव प. २३६
बाचारांवाळी दू २६०
बाटबडोर प ८०
बाडियो प १७६
बाडमेर दे० बाहडमेर।
बाडेल बाभणां-रो प १८०
बापडोमरो प २४८
बापणसर दू ६
बापला प १५८
बार प २५२
बारबरड़ी प ४३
बाल दू १२, १४०, १४२, १४३ दे० बाल
बाल-दाहिण दू ५३, ७३
बाळधो प १७३
बालपुर प २३७
बाला दू १८३
बालागो दू १४२
बाला रो-गाव दू ४
बालापुर प २६७
" दू १८२
बालाभेट प २५२
बालो गूदोच रो दू १६३
बालो भाद्राजण रो प २३६
बालोतरा प ८६, ३३३
बालोतरा दू १३०
" सी २२६
बाहडमेर प १४३, १४८, ३३३, ३३७, ३३८, ३६१, ३६३
" दू. १२६
" सी. ३, ४, ११३
बाहतर बड गूजरा वाळो दू १६२
बाहरडो प ४३
बाहरसी-पासडी सी १२४
बाहरोट रो पवत प १७३, १७४
बाहिरलो बास प २४७
बाहुल प १७६
बिटडयां सी. १०६, ११०
बीकानेर दे० बीकानेर।
बीजवा प १८०
बीजापुर सी २७७
बीम्होली प ४४
बीड दू ६८
बीलाडो दू १५०, १८७
बीलेसर दू २२६
बीसलपुर प ४५
बुंदेलखंड प १२७
बुगताण सी २१८
बुचकठो दू ८
बुज दू ७८
बुजडो प ३२
बुजेरो दू ४
बुडकियो प. ३५७
बुडूण प १२८
बुढारो दू १३६
बुधेरो-दू १६
बुधे रो-सरह दू ११, १६
बुरवटो मोईसा-रो दू १७२
बुरवटो लवेरा रो दू १८६
बुरहानपुर प २५ ७७, १२०, १३१, १६७, २००, २३४, २३५, २६८, ३१६, ३२१

बुरहांनपुर दू. १५६, १५८, १७०, १७२
बूंदेची दू. १८०
बूंदी प. २६, ३७, ३८, ४४,
४६, ५६, ८७, ६६,
१००, १००, १०१, १०२,
१०३, १०४, १०६, १०७,
१०८, १०६, ११०, १११,
११२, ११३, ११४, ११५,
११७, ११८, २८०, २८३
„ दू. १७१
„ तो. २४१, २६६, २६७, २७२
बूंदेलो प. १६
बूसाड़ो प. १७६
बूट प. २७
बूटड़ो प. १७६
बूढेळाव दू. १७७
बूढहर दू. १२
बूराळ प. १७५
बूसियो प. १७८
बेघू प. ५३
बेड़छो प. १२८
बेदलो प. ३२
बेहड़ो प. ४१, १७६
बेहू सिवलवाळो प. ११५
बेंहगटो प. ३४८, ३५१, ३५२
„ तो. ७, १०३, १०५
बैराई दू. १७०, १७२, १७५, १६०
„ तो. ६०
बैराही दे० बैराई ।
बैरु दू. १६८
बैरोळ तो. २३६
बोलड़ा प. ४२
बोड़वो दू. १८०, १८१
बोड़ालड़ो (बोड़ानाडो) दू. १८०
बोधरी दू. ५
बोरखो प. ३४०
बोळ दू. १६६
बोळो दू. ४
बोहरावास प. २६०
बौंळी तो. ६८
ब्यावर प. ३८
ब्रहमंड प. १६२
ब्रहमांण प. १४६
ब्रहांनपुर दे० बुरहांनपुर ।
ब्रह्मसर दू. २, ४, ३६
ब्रह्मावासणी दू. १६६
ब्राह्मणवाड़ो तो. १७४

भ

भंडण दू. १११
भंभारो दू. ४
भंवरी प. २११
भगतावासणी दू. १६७, १७३, १७४, १६४
भगवंतगढ प. ४७
भटनेर प. २१२
„ दू. १६, १२२, १२३, १२४
„ तो. १५, १६, १७, १८,
१६२, २२१
भटिंडो दू. १०
भट्टी प. २६८, ३१६
भठो प. २६८
भड़ियाद दू. १
भणांय प. ६४, ६५
भदलो दू. १२
भदांण प. २५०, २५१
भदांणो प. २५१, २५३
भदावर प. १२८
भदावर-रो-मेड़ो प. १२८
भदियावद प. १२३
भनाई तो. २२४
भरवछ (भड़ौंच) दू. १६
भरोसर (भरेसर) दू. १३७

भव प. १६२
भवणों प ३२
भवराणो प २११, २३७
„ डू १६७
भांउडो दे० भाउडो
भांगेसर डू. १६४, १८२, १६४, १६७
भांडोतर प १७६
भांडोळाव डू १११
भागगद प २६६
भांगल (?) डू ६१
भांनावास प २३६
भांनियो डू ८
भांभेरो डू. ६, ३८
भांमेळाई डू १५०
भांमरा १७८
भांनोळाव प १६२
भांवरी डू ४
भांहरो डू १६६
भाउडो डू १५३, १५८
भाखर डू ३१
भाखरी डू १७०
भागवो प. २००, २०१
भागीलडो डू. ६
भागेसर डू १४६
भाचरांणो प २३६
भाचाहर डू १११, १२६
भाटरांम प १७५
भाटरो प ६१
भाटवो प २४८
भाटांणी प १७५
भाटी प ३१५
भाटीपा डू १५
भाटीव प २४१
भाटीवटी डू १५
भाटेर डू. १६४
भाटेवो (भाटो?) प २४८
भाटोद प ४१
भाठवां तो १८
भाडग तो १३, १४, १५
भाडलो प. १७६
भाडेर प. ४२, ४३, ४६, १२७
भावळो तो २२५
भादासर डू. ४
भाद्राजण प. १५८, १६०, २०६, २१०, २१२, २३६, २३७, २३६, २४०
„ डू १४६, १४७, १५८, १६३, १६७, १८१, १८६, २०८
„ तो. २५६, २५७, २५८
भाद्रावळ डू २१६
भाद्रेसर डू. २१६, २२०
भारस प १४७
„ तो १७३
भारमलसर डू १०४, १३५
भालाही डू. ६६
भालिसरियो डू १८०
भावी डू. १६४
भाहरणो प १७४
भाहरू प १७४
भाहरो डू ६५, १८६
भिणाय दे० भणाय।
भिणियांणो तो ११२, ११३
भिरड तो २८
भिरडकोट दे० भिरड।
भींव-रो तोडो प ३०१
भींवासर डू ६८
भोडवाडो प ३८
भीतरोट प ४६ १५१, १५२, १७३
भीतरोट-रो-परगण प १७३, १७४
भीदासर डू १३५
भीनमाळ प. १३६
„ तो. २३

भीमांणो प. १७४
भीमेळ प ६१
भीलड़ांमो प. १७६
भीलड़ियो प. ६०
भीलड़ो-नांन्हो प. १७६
भीलमाळ दे० भीनमाळ।
भीलवण प. ७६, ७७
भुज प. ३६४
„ ळू. १५, १६, २१४, २१८, २२०, २२५, २३८, २४४, २५३
भुजनगर दे० भुज।
भुड़हड़ ळू. १८२, १८३
भुरखिया प. ६१
भूंहू प. १६८
भूंडेल प. ३४७, ३४८, ३५०
भूंण ळू ६
भूंणोव प. ४१
भूंभळियागढ ती. १७४
भूंभळियो प. ६०
भूंभावड़ो प. २४१
भूकर ती. २२३
भूकरको ती. २२३
भूकरी ती. २२३
भूकांणी प. १७६
भूका दे० भूखो।
भूखो प. ३५६
भूतगांव प. १७७
भूतेल प. २४१
भूभळियागढ ती. १७४
भूवो ळू. ६
भेटनड़ो ळू. ६०, १५६
भेटाळो प. २४७
भेड ळू ६५
भेळू ती. २२५, २८२, २८३, २८४
भेवो प. १७७
भैंण्ड़ेवो ळू. १०
भैंसड़ो ळू. २, ३६, ६५
भैंसरोड़ प. २०, २६, ३८, ४४, ४५, ४६, ५२, ६५, ६७, ६८, २८०
भैरवो-रांणा-रो प. ६६
भोजनेर प. ११७
भोजू ळू. १८६
भोवाळ (?) ळू. ६१
भोरड़ प. ४०
भोवाद ळू. १६२
भोवादो ळू. १६१
भोवाल प. ३०६
„ ळू. १६०

म

मंगळीकां-घळ ळू. ३१
मंघलो प. १६२
मंडळ प. ४३
मंडळगढ प. ५३
मंडळप ळू. ४१, ४२
मंडावरो ळू. १८६
मंडाहड़ प. १७३
मंडोर दे० मंडोवर।
मंडोवर प. १५, १७, ३३३, ३३४, ३४८
„ ळू. ६६, ३०८, ३०६, ३१०, ३३६, ३३७
„ ती. १०, १२, २८, १३०, १३२, १३५, १४०, १४१, १४६, १५८, १६०, १६१, १६४, १६६, १७३, १८०, १८२, १८४, २१३
मंडोहर दे० मंडोवर।
मंदसोर प. २७, २६, ३७, ४१, ६४, ६५, ६६
मऊ प. ११३, ११४, ११५, २५२, २५६, ३६०

मऊ द्रू २६२
मकरोड़ो प. १५८
मकवाळ प. १७५
मकावळ प १७५
मकावळो प. १७६
मक्का द्रू. ४६
मगराझयो प. १७८
मगरो प. १७३, १९३
मगरो द्रू ३१४
मगरो-भ्रोरो प. १७३, १७६
मगरोप प. ५६, ८८
मगरोपगढ़ तो. १७३
मचीव प. ४१
मछवाळो द्रू १४४
मटूंण प. ३२
मडलो द्रू. १६१
मडलो प. ३६२
मणोहणो प १७७
मतोड़ो द्रू १४६
मथुरा प. १३१, १३२, ३१२, ३४६
„ द्रू. ११, १६, १४०
„ तो. २०६
मदार प ४१, ४७, ५३, १४५, १५७
मदारड़ो प ४१
मदास्र द्रू. ३६
मनदसोर प. ४६
मनसोर द्रू २६२
मनोहरपुर प ३१८, ३१९, ३२६, ३३२
ममणवाहण द्रू १०
 दे० मुमणवाहण।
मरुप्रदेश द्रू ३१, २६६
मरुस्थल द्रू. ३१
मरोट द्रू ११५, ११७, १२०, १२७, १३६
„ तो. ३४, २२०
 दे० महारोठ।
मरोठ दे० मरोट।
मलकासर तो. २३०
मलार द्रू. १४७, १८५
मलारणो तो. ६८
मलोरणो प. ४७
मल्हार दे० मलार।
मवडो दे० मोडो।
मवडो-भाटा-री प. १७६
महकर तो २१४
महमदाबाद तो. २८
महमाजा सरुपान द्रू. २६१
महाजन द्रू. १११
„ तो २२८
महारोठ प. ३१७, ३२४, ३२७
 दे० मरोट, मारोट, मारोठ, माहरोठ
महियड द्रू. ३८
महीकाठा द्रू. २७६
महोमाळ प ४४
महेव द्रू १८७, १८८, १६०
महेवो दे० मेहवो।
महेसरी प १७६
महेसियो द्रू १४६
मांकडो प. ४५
मांगळो द्रू. १५४
मांगळोर प. २६३
मांगळोर प. २६३
मांचाळो प. १७७
मांडणसर द्रू. १२६
माडणो प. १७७
माडळ प ६८, १२४, १७६. ३०१
„ द्रू. ३४२
मांडळगढ प. २६, ३७, ४४, ४७, ४८, २७६, २८०
„ तो. १७३
मांडलो प. १८०

मांडव प. ५, १६, ४६, ५५, ५६, ८२, ८७, ८७, ६१, ६६, १०२, १२२,
,, दू. २६२, २८५
,, ती. १, १३६, २४०, २४३, २४४, २४७, २४८
मांडवगढ ती. २
मांडवाड़ो प. १७४, १७७
मांडयो प. १७६, २३६
,, दू. १५०, १७१, १७४
मांडहड़गढ ती. १७३
मांडहो ती. १२३
मांडाळ दू. १११
मांडावरो दू. १८६
मांडावाड़ियो प. १७७
माडावाड़ो प. १७८
मांडाहड़ो प. १७५
मांडाही दू. ६
मांणकळाव प. २४१
,, दू. १७६
मांणकियावास दू. १४६, १८६
मांणच प. ४३
मांणेवी दू. १७५, १७६
मांनपुरो प. ३६, ३८, १७४
मांहिलोवास प. २४७
माछ प. ४७
माढवणा प. १७६
माढासण प. १३६, १७६
माड दू. २१, २२, २५, ६३
माडपुरो प. २८५
माड-राठी वाळो दू. ३३
माडाऊ दू. ४
मायको दू. २५६
माथासरो प. १६३
मादड़ी प. १६५
मादळियो दू. ७६, १६६
मायवी दू. ४
मारली प. ११५
मारवाड़ प. १५, १७, २१, २५, ३१, ३५, ३८, ५५, ६०, ६२, ८८, ८६, ६०, १२२, १२३, १४७, १४६, १६४, १६५, १८७, १६३, २०४, २०७, २०६, २११, ३०३, ३०४, ३३३, ३३७, ३३८, ३६१
,, दू. १०५, ११०, १३०, १५८, १७२, २६१, २६८, २७७, २८०, ३४२
,, ती. १०, २८, ८३, ८८, ६५, ६६, १०५, ११०, १२४, १७३, २१४, २२६, २३७
मारेल प. १७५
मारोट दू. १०
दे० मरोट, मारोट, महारोठ, माहरोठ
मारोठ दू. ५३
दे० मरोट, मारोट, महारोठ, माहरोठ
मारोली प. १७७
माळ प. १४६
मालकोट ती. २१५
मालगडो दू. ४
मालगढ प. ६०
मालणियाळ दू. २५५
मालपुरो प. ३०, ३७, ३८, ६३, २८०, २६६, ३०६
मालव प. ४, ५३, ६४, १८५
मालवदेस ती. १७३
माळवो प. ५३, १८५, २५२, ३५४
,, दू. १६३
मालांणी प. ३१, ३३३
,, दू. २१६, २८०

मालाणी तो २८, २५६
मालागाव प. १७५, १६६
मालाजाळ दू १३०, २८४, २८५
मालानी दे० मालाणी।
मालावास प १८०
माळियो दू २५३
माळीगढो दू ३२
मालेर प ३३२
मालेरी प ८
माल्हणसू प ४१
माहरोठ प १२२, १२३, १२४, ३२१
माहिड़ियाई दू ८
माहोली प २१, २०७
मियां रो गुढो प १०१, ११७
मिलकापुर प ३०१
मिलकी प्रभिरामपुर प ११४
मिळसियाखेड़ो तो २४२
मींया रो खेडो प. १०२
मीठड़ियो दू १२५
मीठोडो प १६६
मीतासर दू ३२१, ३२२
मीमच प ३७, ३८, ४६, ५३, ६२, ६३, ६५
मीरमीव (मीरमी पहुवो) प. ४७
मुगाह दू ४
मुजपुर दू २२६
मुंडवाय दू १६५
मुंदरडो प १७४
मुमणवाहण दे० मूमणवाहण और
· ममणवाहण।
मुकुंदपुर प १३३
मुणावद प २८४
मुयराजी दे० मथुरा।
मुरधराखड दू ३८
मुलताण प ८, ३५३
मुलतांण दू १२, २२, ११३, ११४, ११५, १२०, १३७, १४२, ३१३
मुल्तान दे० मुलताण।
मुहार दू. ५, ६, ८
मूंठली प १६५
मूंडखसोल प ३२
मूंडपळ प १५८
मूंडपळो प १७४
मूंडळदेस प ४३, ४५
मूंडळ मुलक दे० मूंडळदेस।
मूंडलो प ३८
मूडेडी प १७७
मूडेळाई दू १३२, १४४
मूणावद्र प १७७
मूंथियाड प ३३६
मूमणवाहण दू १०, ११५, ११७, ११६
मूसावळ प १५८
मूळ दे० मूळी।
मूळपुरो प ३८
मूळी दू २५८, २५६, २६०
मूळी-रो परगनो दू २६०
मेऊ दे० मऊ।
मेघा रो गाव दू १३६
मेड़तो प १३, २६, २८, ३५, ६०, ६२, २३६ २४०, २४१, ३०२, ३०४, ३०६, ३२३ ३३६, ३५५
" दू ६, ३१, ११६, १२५, १३८, १४७, १४८, १४६, १५०, १५१ १५३, १६०, १८७, १६२, १६३ १६८, १७३, १८६, १६६
" तो ८८, ६३, ६४, ६५ ६८, १०१, १०२, ११५, ११६ ११७, ११८, १२०, १२१ १२२, २१५

मेहो प. १५८, २४७
मेहो-रो- माळ दू. ३४
मेदपाट प. ७
मेदसर तो. २२७
मेरता दे० मेड़तो।
मेरवाड़ो प. ४५
मेरवाड़ो घड़ प. ४५
मेरियोवास प. ३४३
मेलांगरी प. १७४
मेवड़ो प. १७६
मेवरी दू. १५६, १५६, १६०
मेवल प. ४३
मेवल-मेरां-री प. ४५
मेवाड़ प. १, ३, ४, ६, ७, ११, १६, २४, २६, ३६, ४०, ४२, ४३, ४४, ४७, ४८, ५५, ५६, ५८, ५६, ६४, ८६, ६०, ६१, ६६, १३६, १३७, १४४, १८६, १८६, १६७, २३२, २६५, २८२, २८४, ३४२,
,, दू. ३८, ६३, २६२, २६३, ३३५, ३४३
,, तो. ६, १०, १२, १३६, १३६, १६२, १६४, २३६, २४७, २६६
मेहगड़ो प. २३८, २३६
मेहर दू. ३१
मेहलांणो प. २३८
मेहळी प. २३६
,, दू. १८५
मेहवानगर दे० मेहवो।
मेहवो प. ३१, २४८, ३५६, ३६०
,, दू. ५४, ६८, ८४, ६०, ६६, १०४, १३०, १४१, २८०, २८१, २८२, २८३, २८४, २८५, २८६, २८७, २८८, २८६, २६०, २६२, २६३, २६४, २६७, २६६, ३००, ३०७, ३०६, ३२०
,, तो. ३, ४, ५, २३, २४, २८, ५८, २५१, २५२, २५६, २८०
मेहाजोर दू. १२२, १२३
मेहाजळहर दू. ७८
मैंदानो प. २५२, २५६
मैंहकर दू. १६०
मोकाड़ो प. १७४
मोकळगढ़ो दू. १८३
मोकळाइत दू. ४
मोकीलो प. ५२
मोखेरी दू. ६५, १६५
मोजाबाद प, २८७, ३१४ दे० मौजाबाद
मोटपुर प. ११६
मोटांण प. १८०
मोटासण प. १७६
मोटासर दू. ११, १११
मोटेलाई दू. १११
मोडो प. १७५
मोरथळो प. १८०
मोरवो प. ३५६
मोरवी दू. २१३, २१४, २६०, २६१
मोरवड़ा प. १७६
मोरवण प. ६३
मोरियांवाळो दू. १११
मोलेळो प. ४०
मोलेसरी प. १७६
मोहनी प. १२८
मोहारी प. ३१३
मोहिल-मांकड़ो प. ४५
मोहिल-मांकड़ा रो परगनो प. ४५

मोहिलावाटी तो. १५३
मोही प १७, ४७, ५२, ११६
मोजावाद तो. ६८ दे० मोजाबाद।
मोढी प. १६४, १६५
म्रिगासर तो. ४७

य

यादवस्थली दू. ३

र

रणाईसर तो २२६
रडोद दू १५७
„ तो. ६५
रणथमोर दे० रिणथभोर
रतनपुर प ४४, ६२, ६४
रतनपुर-री-चोरासी प ६४
रतबडो (रंवडो ?) प १६४
रतलाम प ६४
„ तो २५
रबीरो दू. ४
रवणियो दू १७५
रहुवाडो प. १६२
रांणकवाडो प. १७५
रांणपुर प ३६, ४१, ६७, ६८, ६९
रांणाई प ५
रांणासर तो. २२६
रांणी गांव (पारकर) प. ३६४
राणोर-रायमल वाळी दू १२५
रांणेरी दू ११५
राणेहर दू. ११, १११
रामगढ प २५२, २७६
रामडावास दू १८०, १८६
रांमपुरो प २६, ३८, ४५, ४६, ६५
„ दू १७६
„ तो २३६, २४०, २४६, २४७
रांमसर दू १३५
रांमसेण प १४४, १४६, ३३७
रांमावट दू १६२
रांमेसर दू ३८
रांवण दू. १३८
रांवणियांणो दू १८७
रांहिण प २६, ३१५
राकडवो दू ३६
रालांणो प. २३६
राजकोट प २७१
राजणियावास दू १६१
राजणीपळो प ८८
राजसो-तेजा-रो दू १५०
राजस्थान प ४८, १४७
„ दू २५८, २६६, २७८, २८७, ३३२
„ तो १४, १५५, १७३, १८१
राजासर दू १११
„ तो. २१
राजोडो प १७८
राजोद दू ११६
राठ प १०५, १२७
राठ कोरमियो प १०५
राडधरो प २२८
„ दू ६७, १७६
„ तो २५६
राडवरा प. १७७
रातोकोट प ३३८
राय कोहरियो दू १८८
रायधणपुर (राधनपुर) प ३३७
रायपुर प. ३१४
„ दू. २६२
„ तो २३६
रायपुरियो प. १७५
रायमलवाळी दू ११, १११
रायमो प २३७
रावतसर दू. ४
„ तो २२६

रावर प. ४७, ३१५
रास ती. २३५
रासा-रो-गुढो दू. १३१
राहड़ दू. ३३
राहिण दे० रांहिण।
राहुवो प. १७५
रिख-विसळपुर प. ४५
रिड़ियो दू. ८
रिड़ी दू. ६
रिणथंभोर प. ३७, १०३, १०४, १०८, ११०, १११, ११२, २७६, ३००, ३०१
,, ती. ६६, १८४
रिणधीरसर प. ३४६
रिणमलसर दू. ६२, ६६, १३८
रिणी प. २१२
,, ती. १५४
रिवड़ी दू. १४७
रिवद्र प. १७५
रिंवियो प. १७६
रिषीकेश (प्राबू पर्वत) प. १७८
रीछड़ी प. १७६
रीछेर प. ४०
रींयां दे० रेयां।
रीवां प. १३३
रीवी प. १७५
रुंप्रांव प. ३२
रूंण प. ३४२ ३४४
,, ती. ८, १४१
रूंणकोट प. ३३६
रूंणवाय प. ३३६
रूंवियो दू. १६३
रूपजी प. ४०, ४१
रूपजी-वासरोड़ प. ४०, ४१
रूपनगर ती. २२०
रूपावास प. २३६
रूम-सूम दू. ४५
रेतळो ती. २८०
रेयां प. ३०२, ३१४
,, दू. २०१
,, ती. ६४, ६५, ६६
रेवड़ो प. १६४, २३७
रेवत दू. १५०
रेवली प. ४२
रेवाड़ी प. ३१८, ३२०, ३२२, ३२३, ३२४
रैंतळो ती. २८०
रैंयां दे० रेयां।
रैंवासो प. ३२०
रोजेड़ प. १७६
रोणवो ती. २२६
रोह प. १४६
रोहवो प. २३७
रोहड़ो प. १२३
रोहणवो दू. १६१, १७२
रोहाई प. १७३
रोहाई-भीतरोट प. १७३
रोहिड़ो प. ४२, ४७
रोहितगढ दे० रोहिरगढ।
रोहिताश्वगढ दे० रोहितासगढ।
रोहितासगढ प. २६३
,, ती. १७४
रोहिरगढ ती. १७३
रोहिलगढ दे० रोहिरगढ।
रोहिसो प. ३४०
रोहीड़ो प. १७४
रोहीणो ती. २२६
रोहीणो ती. २२६
रोही-भीतरोट प. १७३
रोहीसो प. १६३
रोहुरो प. १७६
रोहुवो प. १७५

ल

लका दू ३६, २४२
लकड़वा प ३२
लखमणसर ती २३३
लखमेर प १७६
लखानखेड़ो प १०१
लदांणो प ३०७ ३११
लदांवण प ३०७
लबीह दू ४
लवांइण प २८७, ३०२
लवाणागढ प ३३२
लवाणो प ३३२
लवेरो दू १५०, १५४, १५५, १५६, १५७, १५६, १६०, १६१, १७४, १८६, १८८, १८६
लांगरपुर प १२८
लाणेलो दू ४, ८
लांबियो ती १२१, २३५
लाकड़वाळो दू १११
लाखड़ी दू २०६, २१०, २११, २१२, २१६
लाखा रो घट दू ३२
लाखासर दू १११, १३८
लाखाहोळो प ३२, ४३
लाखूटा (लाखोटा) नी पोळ ती ५५
लाखेरी ती. २६७
लाखेरी गोडावाळी प ११३
लाखे रो-गांव प ११०
लाघड़ो प २२८
लाज प १७६
लाठी प ३३५
लाठी दू ७६
लाठीहर दू २६१
लाडणू ती १२४, १५७
लाडेलो प १७५
लाघड़ियो ती १३, १४
लायां दू ३२७
लालकोट प ३१४
लालांणो दू १८५, १८८
लालावर दू १११
लास प १७७, २८४
लास मुणावद प २८४
लाहोर प २६३
,, [illegible] ५५, १४६
,, ती २१४
लिखमड़ी प ३८
लिखमीवास प १७७
लिखमेलो दू ६२
लीकड़ो दू १२
लीकणो दू १४२
लूटवो प २१३
लूदवो दू ६, ८, १६, २६, २७, २८, ३३, ३४, ३५, ३६, ७६
,, ती १७४, २२२
लूणावाड़ो प ८६
लूणोई दू ३६, ६६
लोईयांणो दे० लोहियाणो।
लोटाणो प १७४
लोटोवाड़ो प १७७
लोटोती प ६२
लोठीपरी प ६२
लोवरो प १७३
लोलटो प ३११
लोलापुडो दू ८
लोलियांणो प ३३५
,, दू ६५
लोवो ती २३२
लोहगढ प १८७
लोहटवालो प १०१
लोहड़ी दू १४१
लोहवागढ ती १७४

लोहसींग प. ४०, ४१
लोहावट दू. १६२, १६६, १८१
लोहियांणो प. १४६, १६०

व

वंको प. ६०
वंगो दे० वांगो।
वंसहीणद ती. १७४
वगड़ो ती. ८१, ८३, १०५
वघरेड़ो प. ६६
वछणोद दू. १३
वजु दू. ७६, ७७, १३६
वड़गांव प. ६६, १३६, १४६, १७७, १७८
वडगिर दू. ६३
वड़लो दू. १७२, १६४
वडवज प. १५६, १७५
वडवाळो प. ४३
वडांणो दू. ८५
वड़ी प. ३२
वडेरण दू. १११, ३०४
वडेर-रा-गांव प. ११५
वड़ोव प. ८१, २५२
वड़ोवती ८१
वड़ोद्रो प. १७६
वढवांण दू. २५६, २६१
वणखेड़ो प. १११
वणहटी प. ३१४
,, ती. ६८
वणहड़ो प. ४७
वणाड़ दू. ३३
वणाड़ो दू. ६७
वणोर प. ५३
वदनोर प. १७, १८, २६, ३७, ४७, ४८, ५३, ११०, ११६, १८६, २८०, २८१, २८२, २८३, ३४०
वधनोर दे० वदनोर।
वरकांणो प. १३७
वरजांगरो दू. १३६
वरजांगसर दू. १६६
वरणो प. ४१
वरवाड़ो प. ४१
वरवाड़ो प. ४१, ४७
,, ती. ६८
वरसड़ो प. ३२
वरसलपुर दू. १०, ११०, १११, ११७, ११६, १२०, १२१, १२६, १३५
वराहोल प. १७६
वरियाहेड़ो प. ३३४
वरिहाहो दू. २५
वसाड़ प. २६, ४६, ५३, ६४
वसी प. ५१, ६६, १५१
वहवड़ो दू. १३६
वांकानेर दू. २५६, २६१
वांगो दू. २२६, २३१, २३२, २३३
वांसड़ो प. २८५
वांसरोट प. २८५
वांसलो प. १
वांसवाळो दे० वांसवाहळो।
वांसवाहळो प. १४, २६, ३७, ३८, ३६, ४३, ४६, ५३, ६६, ७०, ७३, ७४, ७५, ७६, ७७, ८६, ८७, ८८, ६४
वांसवाहळो ती. २६६
वासियो-पोपळियो प. ६४
वांसोर दू. ३२६
वांसोलो प. ६१, ६२
वागड़ प. ५, ७०, ८६, ८७, ८८, ११६
,, दू. ३८, १६१, १६२, १६४
वागड़ियो प. १७८

वागोर दे० वाघोर।
वाघरड़ो प. ६२
वाघसणो प. १७७
वाघार प. १६२
वाघावास दू. १८८, १९८
वाघोर प. ४०, १७६, ३०२
" दू. १, १६, २३२
वाघोरियो प. ३३८
वाचड़ा प. १७७, १७६
वाचड़ा-वीजो प. १७७
वाचडोळ प. १७५
वावण दू. २५६
वाबाहड़ा प. १७८
वाचेल प. १७५
वाजणो प. ६०, १०७
वाभनाइयो दू. ८
वाटेरो प. १७४
वाड़ो दू. १५०
वाणारसी प. ११२, १२८
वाप प. २१२
" दू. १२, ११४, १२७, १३१, २००
" ती. २२३
वाय ती. २२३
वारणाऊ दू. १६०, १७५
वाराहो दू १२
वारू दे० बारू।
वालजीसर दू. ६६
वालरवो दू. १६४, १६५, १६७, १६८
वालिया प. ६१
वाळेसर दू. १२६
वाव प. १४६, १७२, ३६५
वावड़ी दू. १२, १४०
वासड़ेसो-भाटां-रो प. १८०
वासडो प. १६२
वासण प. १७७
वासणड़ो प. १७६
वासणपो दू. ४, ६, १०, ७२
वासणो प. २३६
" दू १७५
वासणी-सवेरा-री दू. १५४, १६०, १६१
वासथान प. १७८
वास-बाहिरलो प. २४७
वास-माहिलो प. २४७
वासरोड़ प. ४०
वासुदेव प. १७८
वासो प. १७४
वाहिण दू. १४१
विकूकोहर दे० वीकूकोहर।
विकूपुर दे० वीकूपुर।
विआई दू. १४६
विजियावासणी दू. १५०
विमळोळो दू १५६
विलायत दू. २३६
" ती. १६२
विल्हणवाटी प. १२२
विसळपुर प ४५, ४७
विसोइण दू १७६
वींजोराई दे० वींझोराही
वींझोतो दू. ४, ११
वींझोराई दे० वींझोराही।
वींझोराहो दू. ६ ८४, ६७
वींटली ती ६५
वींठाड़ो दू. १०
वीकमपुर प. २५३
वीकानेर प. २५, ५१, ६०, १४६, २१२, ३०२, ३४६ ३५४
" दू. १, २, ७, ११, १६, ३३, ३६, ७५, ८५, ६२, ६४, ६६, ६७, ११०, १११, ११३, ११४, १२३, १२४, १३०, १३१, १३२, १३३, १३७, १३८, १४०, १४५, १६४, १७७

बीकानेर ती. १५, १६, १७, १८, १६, २०, ५१, ५२, ६०, १५१, १७६, १७७, १८०, १८१, २०५, २०६, २०७
बीकूंकोहर प. ३५१
बीकूंकोहर दू. १२२, १२८, १५७, १५६, १७४
बीकूंपुर प. ३४६
„ दू. १, २, १०, १२, २५, ३६, ७६, ७७, १०४, १०७, ११०, १११, ११२, ११३, ११४, ११५, ११६, ११७, ११८, १२१, १२६, १२७, १२८, १२६, १३०, १३१, १३२, १३३, १३४, १३५, १३७, १४०, १४१
„ ती. ३४, ३६, २६०
बीखरण दू. ३२
बीचवाड़ो प. १७८
बीछूंवो प. ४७
बीजळी प. २३७
बीझणो प. ६१, ६२
बीझणोट दू. १३
बीझळवाळी दू. १११
बीझवाड़ियो दू. ११६, १५१, १६०, १८७
बीझेवो प. १३७
बीझोळाई दू. ८
बीठणोक दू. ११३, १२५, १३०
बीठू दू. १८६
बीदासर ती. २३०
बीनावास दू. १८६
बीनोतो प. ६४
बीमणवो दू. १२३
बीरपुरी प. १५८
बीरमगांम (बीरमगांव) दू. २१३, २५८, २५६, २६०, २६१
बीरमो दू. ३२
बीरवाड़ो प. १७३
बीरांणी दू. ६०, १७४
बीराळियो-भाटां-रो प. १७४
बीरोळी-बांभणां-री प. १७६
बीरोळी-भाटां-री प. १७६
बीसळू प. २३५
बेकरियो प. ४१
बेघम प. २६, ३७, ४४, ४६, ६२, ६३, ६४, ६५, ६६, २८०
बेधू प. ५३
बेठवास दू. १६१
बेड़च प. ३३, ३५
बेणातो ती. २३१
बैरसलपुर दू. ११७, ११६, १२१, १२६, १२६, १३०, १३५
„ ती. ३७
बैरागर दू. ३८
बैराट प. ३३२
बोपारी दू. १४७
ब्यावर रांपारी प. ३८
ब्रमसर दू. ३६
ब्रमांण प. १७५
ब्रहमांण प. १४६
ब्रहांनपुर प. ३१६, ३२१ दे० बुरहांनपुर।
ब्राहमपुर प. ७७ दे० बुरहांनपुर।

श

शत्रुंजय दे० सेत्रूंजो।
शाहपुरा प. ३२४
शिखरगढ दे० सिखरगढ।
शिवपट्टन प. २१३
शेखावाटी दे० सेखावाटी।

शेखासर दे० सेलासर।
श्री महादेवजी सारणेश्वरजी रा गाँवां रो पवन प. १७३, १७८
श्रीमोर-परगनो तो. १५५

स

सतपुरो प १७४
सभर प. २५०
सक्तोपुर प. २३१
सकर प. १७६
सकराणो प २१३, २१६, २१७, २१८
सजडाऊ दू. ४
सभांणो (सभाडो) प २४०
सतापुर प १७७
सतारो तो. १८१
सतावतां रो-वास दू १७६
सतिग्राहो दू. १४२
सतिहाहो दू. १२
सतोही दू ७६
सथांणो प २८२, २८३
सपतदीप प. १७, १६०
सपत पताळ प. १६२
सपहुर दू. ४
समदडो प. २८, २३३
समदडो दू. ३२
समावळो प २३३, २४१
,, दू १६४
समियाणो दे० सिवाणो।
समोवो प ४१
समूंभो प १६४
समेळ प. ३८, २०७
समोगढ तो. १६२
समोगर दे० समोगढ।
सरऊपर दू ११६
सरकसर दू. ६७
सरणुम्रो प. १८१, १८८, १८६
सरनावडो दू. १६२
सरेचो प. २७
सरोतरो प १४६
सलखावासी दू. २८०, २८१
सलास प. १६८
सलूंबर प. ३६, ३८, ३६, ४३, ४८, ६६
सवराड दू. १६६
सवाळख दे० स्वाळख।
सांकरणढ प. २७६
सांलसो दू. ११
सांजू तो. २२४
सांचण दू. ६ ३६
सांगवाडो प १७४
सांगानेर प. ३११, ३३१
सांगोद प. ११४
सांचोर दे० साचोर।
सांजोत दू. ३६
सांडवो तो २३२
सांडूडो प. १७५
सांणपुर प. १७६
सांतरवाडो प. १७६
सातळपुर दू. सातळपुर।
सांथांणो प. २४८
सांबो प ३४६
सांभर प. ५, १००, ११६, २५०, ३०६
,, दू ५६, २६६
सामई दू २१५, २३६, २३७, २३८
सामरलो दू १८३
सामळवाडो प १७८
सामूजो प २४०
सावडाऊ दू १७६
सावत-कूवो दू १६६, १७१, १८१, १८६
सावतसी-रो-गांव दू ४
सांवरलो दू १८२
सांवळतो दू. १८३
साकदडो प १७६

साचोर प. १७८, २२७, २२८, २२९,
२३०, २३२, २३४, २३६,
२४२, २४४, २४८
साठ-मंडाहड़ प. १७३
साठ-रो-पयग प. १७५
सातळपुर ढू. २१४, २५३
सातळमेर तो. ११४, २२०
सातवाड़ो प. १७८
सातसेण प. १७६
सार्थाणो ढू. १६०
सावड़ी प. ५, ५३, ५६, ४१,
४३, ४६, ५३, ६१,
६२, ६३
सावड़ी-झालांवाळी प. ५
सावियाहेड़ो प. १०२
सापली ढू. ४, १३
सापो प. २४१
साबो प. ३४६, ३५२
सायरो प. ४२
सारंगपुर प. २५२
सारंगरो प. ४३
सारण प ३८
सारणेसर प. १७३, १७८
सारसी ढू. २४२
साळ प. १७७
सालेर-मालेर प. ३३२
साळोड़ो प. ५३, ५४
साथड़ प. ८, ४७
साथड़ो ढू. २, ३१, ८१
सावर प. १२२
सावरोज ढू. १२५, १६५
साहड़ा प. ६६
साहपुरो प. ३२४
,, तो. २१७
साहरियांणो प. २३७
साहळवो ढू. ३२
साहिजिहांनाबाद प. ५३
साहिजिहानाबाद-कणवीर परगनो प. ५३
साहिजिहानाबाद-कपासण परगनो प. ५३
साहिलगढ तो. १७३
साहेलो ढू. १४८
साहोर तो. २३०
सिंघलदीप प. ८
सिंघावासणी ढू. १८८
सिंध प. ८, ६०, १८५, २६२
,, ढू. १७, २१, २२, २५,
२६, ३१, ७६, ८१,
८६, ८७, १०६, ११६,
११७, ११८, २१५, २३१,
२३५, २३७, २३८, २६६
,, तो. १७४
सिंधड़ो ढू. २३१
सिंधु ढू. २४२
सिंधुदीप तो. १७८
सिंहस्थली दे० सीहथल।
सिखरगढ प. ३१८, ३१६
सिणधारी प. २०६
सिणली ढू. १५०
सिणलो प. २५
सिणवाड़ो प. १७४
सिणवार तो. १७३
सिणहड़ियो प. १२३, १२४
सिद्धपुर प. २५६, २७६, २७७
,, ढू. २६२
सिधपुर दे० सिद्धपुर।
सिधमुख तो. १४, १५, २३३
सिरंधसर तो. २२४
सिरड़ प. ३५०
सिरड़ियो ढू. १०७
सिरवाज प. १२७
सिरवाड़
सिरवो

सिरहड वू ११४, १२८, १३०, १३४
सिरहड वडी हू १३६
सिरांणो प २३६, २३८
सिरिवाज प १३१
सिरोहणो प १७८
सिरोही दे० सीरोही।
सिव हू १३, ६६
सिवपुरी प १८६, १६०
सिवरटो प १७६
सिवांणची प १६३
सिवाणी तो १४
सिवांणो प २८, १६४, १८७ १६३
२०३, २०४, २३३, २३६,
२३८, २३६
॥ हू १२१, १२४, १६१, १७१
१८२, १८३, १८४, १८५
१८८, २८४
॥ तो २८, १६४, २१४, २२०,
२७२
सिवानची पट्टी प १६३
सिवाना दे० सिवांणो।
सिंवियाणो दे० सिवांणो।
सींगडियो प ३६ ४३
सींधाड प ४२
सींधळावाटी तो ४१, ४८, १२५
सीकरी प १६, ३००
॥ हू २६२ २६४
॥ तो २६७
सीकरी पोळियो खाळ हू २६२
सीकरी फतहपुर तो २६७
सीघणोतो प १७४
सीझातरो प १७६
सीतडहाई प ३३४
सीतहडाई हू ६
सीतहळ वू ४
सीतहळाई वू. ८
सीताहर वू २६१
सीधपुर प २५६ (दे० सिद्धपुर सिधपुर)
सीयळां रो (जाझोरो ?) हू ६
सीरोड प ४२, ४३
सीरोडी प १७४, १७६
सीरोडी द्रगडां री प १७७
सीरोही प २२, २३, ३७, ३६
४१, ४२, ४६, ८६,
८८, ६०, १३४, १३५
१३६ १३८, १३६, १४०,
१४१, १४२, १४५, १४६,
१४७, १४८, १४६, १५०,
१५१, १५३ १५४, १५६,
१५७, १५८, १६०, १६२,
१६८ १६६, १७२, १७३,
१७८ १८०, १८१, १८४,
१६१, १६२, १६५, २४५,
२४६, २७२, २८४
॥ हू १७५ १८६
तो. २६, ५६, ६४, ६८,
६६, ७५, ६६, २१५
सीलवनी प १२७
सीळवो वू ६७
सीवलतो हू १५१
सीवेर प १७३
सीसारमो प ३२
सीसोदो प १, ८
॥ तो २३६
सोहडांणो हू ३३
सोहणवाडो प १७३
सोहपळ प. २८५
॥ हू १६, २५
सोहरांणो प २३७, २४८
सोहवाग तो १७
सोहवाडो प २२६
सोहांणो हू १२३

सीहार दू. १६८
सीहारो दू. १७३
सीहो प. १७८
सीहोर प. २७६, ३३५
सुआळी प. ६१
सुईगांव प. १७२, ३६५
सुगाळियो प. २३६, २३८
सुणेर प. २६, ४६
सुरड़ियो दू. ३२
सुरतांणपुरो प. १७४
सुरथांणियो प. ३५४
सुहागपुरी प. ६३, ६४
सूंडळ दू. २६२
सूंम दू. ४५
सूजेवो-धांभणीको दू. ७६
सूरजवासणी दू. १५०, १७४
सूरपुर ती. २१६
सूरपुरो दू. १८३
सूरसेन प. २५३
सूरांणी दू. १८०, १८८
सूराचंद प. २२८, २३१, ३६४, ३६५
सूरासर दू. १११
सूवो प. ५३
सूहड़लो प. १७६
सूहतो प. २८३
सेखवाट दू. २२४
सेखावाटी ती. २७४
सेखासर दू. ३, १२, १०६, १०७, १४२, १४३,
सेणो प. २४५, २४६, २४७
सेत दे० सेतुबंध।
सेतरावो ती. ७
सेतुबंध प. ६
,, दू. ३८
सेतोराई दू. ११
सेत्रूंजो प. २७६, ३३५
सेपटावास दू. १६८
सेरड़ो ती. २१
सेराणो दू. १४८
सेरुवो प. १७५
सेलावट दू. ५
सेलो ती. २३२
सेवंत्री प. २८५
सेवका ती. ६१
सेवड़ो दू. १२७, १३४, १३५
सेवना प. ६४
सेवाड़ी प. ३८, ४१
सेवा सांखला रो गांव दू. २६१
सेसू-त्रिवाड़ियां-री प. १८०
सेहुरो प. १७७
सैंभर प. ५ दे० सांभर।
सैणी प. २०४
सैंवरा प. ३७
सैसभारिजो प. ४७
सोग्राऊ दू. १०४
सोजत दे० सोझत।
सोजेरो दू. ३६
सोजेवो दू. ४३
सोझत प. २३, २५, ३७, ५१, ११४, २३३, २४१, ३६१
,, दू. ८४, ८६, १४७, १४८, १६१, १६३, १६४, १६५, १६६, १७७, १७८, १८१, १८३, १८७, १८८, ३१३, ३३१, ३३६
,, ती. ८१, ८२, ८३, ८४, ८५, ८६, ८७, ८८, १२३, २१५
सोझेवो दू. ४
सोनगिर (जालोर) प. १८७, २३१
सोनांणो प. १७६
सोनागर दे० सोनगिर।

सोनेहो प. २०९
सोमईयो प. ३३५
सोमनाथ प. ३३५
सोमनाथ-पट्टन प. २१३
सोयलो दू. १७१
सोरठ प. ८, २२, १४६, २१३, २१५, २७१, ३३५
„ दू. १९, २५, २६, ६४, १६८, २०३, २०५, २२०, २४२, २६६
„ ती. २२०
सोळंकियां-रो-उतन (पथग) प. १७३
सोळंकियां वाळो दू. १३६
सोळसभा प. १७५
सोलावास प. १७९
सोळियाई दू. ६
सोलोई प. १७८
सोवाणियो दू. १२४
सोहड़ापुर प. १७६
सोहलवाड़ो प. १७५
सौराष्ट्र दे० सोरठ।
सौरों प. २१४
स्यांणो प. १४६
स्यालकोट प. ३००
स्वर्णगिरि (जालोर) दे० सोनगिर
स्वाळख प. १८५, ३२४

ह

हंस वाहळो प २९
हसार दे. हासार।
हट हटांरो दू. ३३
हड़फो दू. १२३
हडवो दू. ६६
हडेल दू. ४
हणवतियो प. १७५
हणाद्रो प. १७५
हथणापुर दू. २४२
हथणापुर ती. १७४
हथूंडियो दू. १६१
हर्वा-रो-थास दू. ३९
हमीरपुर प. ५३, १७५
हरढांणो प. २३९
हरदेसर ती. २३२
हरममजाळ प ३५०
हरमूसर प. ३४७
हरमाड़ो प. ६०
हरवाड़ो ती. १०१
हरवार प. ६६
हरसोर प. १२२
हरीगढ़ प. ११६
हळदी-री-घाटी प. २०८
हळवद दू. २१४, २४५, २४६, २४८, २५०, २५३, २५४, २५५, २५६, २५८, २५९, २६०, २६१, २६२
„ ती. २२०
हळोद दे. हळवद।
हळोद्र दे. हळवद।
हल्दी घाटी दे. हळदी-री-घाटी।
हवेली-मोकीली परगनो प. ५२
हवेली-रा-गांव प. ४५
हस्तिनापुर दे. हथणापुर
हांसार ती २१, २२, २७३, २७४
हांसी प २७३
हाड़ोती प. ४७, ११६, २०२
„ [illegible] २६२
„ ती. २६८, २६९
हापळ प. १७९
हापासर दू. ११, ११०, १११, १२०, १२१, १२४, १२५
हाबुर दू. ४
हारांणी-खेड़ो ती. १५
हालार दू २२१

हाळीघाड़ो प. १७६
हिंदुस्थान प. १६२, २१७, २१६, २८६
,, दू. १५ ३३१
,, ती. १६, १७२, १६२
हिसार दे. हांसार।
हिरणांमो प. १०६
हिरमजगढ ती. १७४
हिसार दे. हांसार।
हींगोळां-री-धासणी दू. १८८
हींडोळो प. १०६, ११७
हीरादेसर प. २३५, २३६, २४०
,, दू. १६६
हुरड़-वाहण दू. २०
हुरमभ दू. २३६
हूंगोरी प. २८३
हूण प. २३३
हेकल दू. ४
हेठामाटी प. १७७

२. भौगोलिक नामावली

[२] पर्वत जलाशयादि नामावली

[नामों को ढूंढ निकालने की सुविधा के लिये राजस्थानी भाषा के कुछ शब्दों के अर्थ]

अरहट – रहँट।
आडावळो – अरवली पर्वत।
उनाव – १ जलाशय। २. नीची भूमि।
कुवो – कुँआ।
कूओ – कुँआ।
कोहर – कुँआ।
खांभ – १. तलहटी। २ पहाड़ी ढलाव। ३. पहाड़ का भीतर घुसा हुआ भाग।
गिर – गिरि। पर्वत।
घाटावळ – १. बड़ी घाटी। २. विकट पहाड़ का बड़ा मार्ग। ३ एक ही जगह के लिये एक से अधिक पहाड़ी मार्ग।
घाटी – पहाड़ी मार्ग।
घाटो – बड़ी घाटी।
जाळ – पीलू वृक्ष।
झालरी – चारों ओर सीढ़ियों वाला कुँआ अथवा बड़ा कुंड।
टूक – शिखर।
टोभो – १. छोटा तालाब। २. बड़ा कुँआ।
डूगर – पर्वत
डूगरी – पहाड़ी
तळाई – छोटा तालाब
तळाव – तालाब
तळो – कुँआ।
द्रह – १. पानी से भरा रहने वाला गहरा और बड़ा खड्डा। २. बिना बंधा हुआ कुँआ।
नळो – पर्वत।
नाळ – घाटी। पहाड़ी मार्ग।
नाळो – नाला।
पार – १. कुँआ। २. छोटा तालाब। ३ गाँव।
भाखर – पर्वत।
भाखरी – पहाड़ी।
मगरी – पहाड़ी।
मगरो – पर्वत।
मळो – पर्वत।
वाव – वापी। बावली।
वावड़ी – वापी। बावली।
वाहळो – नाला।
वेरो – कुँआ।
समद – १ तालाब। २ झील।
समुद्र – १. तालाब। २. झील।
सर – १. तालाब। २ कुँआ।
सागर – १. तालाब। २. झील।

पर्वत-जलाशयादि नामानुक्रमणिका

अ

अंवली री टूंक प. ६६
अखा वेरो (कूप) ती. १३४
अचलांणी तळाई दू. १३५, १४२
अटक दू. १६८
अनंतसी-री-डूंगरी प. १४
अनळकुंड-आबू प. १३४, ३३६
अमजमाळ-री-भाखर प. ४०
अरवण-रा-मगरा प. ४४
अरावली पर्वत प. ११३
अवाह (कूप) दू. १४२

आ

आंबाव-रा-भाखर प. २७७
आकळी (कूप) दू. १४२
आटोवळो प. ३४०
आडोवळो ती. १४०
आबू पर्वत प. १३४, १३५, १४१, १४४,
१५१, १७३, १७७, १८०,
१८१, १८२, १८३, १८४,
३३६
आवड़-सावड़-रा-मगरा प. ३६
आसल समुद्र (तालाब) प. २०२
आहोरगढ-रा-मगरा प. ४२

इ

इरावती नदी ती. ७०

ई

ईसवाळ-री-मगरी प. ४१

उ

उदेसागर (तळाव) प. ३१, ३४, ३५,
४३, ४५, ४८
उदेसागर-रो-नाळो प. ४५
उनाव दू. ५

क

कणियागिर (पर्वत) प. १८७
कनकगिरि (,,) प. १८७
कपूरदेसर तळाव दू. ३५, ३६
कनड़-रा-पहाड़ ती. २७६
कांनड़िया-री-तळाई दू. १३५
कांमां पहाड़ी प. ३१८
काक नदी दू. ४
काका वेरो दू. ३२
काळीभर मगरो प. ३६४
काळो डूंगर दू. ४, १३, २७
,, ,, ती. १५३, १५४
किडांणो कोहर दू. ११३, १३६
कुंभळमेर-री-घाटो ती. ४७
कुंभळमेर-री-मगरी प. ३५, ४१
कुहाड़ियो नळो प. ४२
कूंपासर (कोहर) दू. १३६
केरड़ मगरो ती. ११०
केवड़ा-री-नाळ प. ३५
कैर डूंगर दू. १३१, १४४
कैर-डूंगर-माहळो दू. १४४
कैलास पर्वत प. ८
कोढणी-री-डूंगरी ती. १५४
कोढणे रो तळाव ती. २६१
कोनरो-भांस नाळो प. ४१
कोर डूंगर दू. ३
कोलर रो तळाव दू. ३३०
कोळियासर (कोहर) दू. १३६
कोहर वलू रो प. २२७

ख

खमण-री-मगरी प. ४१

खमणोर-री घाटो प ३५
खाट्ट री भाखरो प. २४१
खारी नदी प. ४७
खींचियां वाळो कोहर द्व १४२
खीरवो तळाव द्व १४३
खुडियं-री-नाव सी १६
खेतपाळ री टीमो द्व. १३५
खेतू री तळाई द्व १४२

ग

गंगा नदी प १२२, ३३२
गगाजी द्व २०२
गगावास री वावडी-रा-मगरा प. ४३, ४६
गणारडो तळाव सी, ११८
गड माहोर री-मगरो प ४२
गणेशजी की पहाडी
    दे० विनायक री डूगरी
गांगडी नदी प ८७
गागा-री-वावडी सी २१२
गांगेळाव तळाव सी २१२
गिरनार पर्वत प. २२
" " द्व. १, २०२, २०४,
        २०५, २०६, २४०
गिरराजसर कोहर द्व १३६
गिरवा रा-भाखर प. ३६, ४१, ६१, ६२
गिरसोन दे० सोनगिरि।
गींवाणी तळाव प २४३
गीमळो कोहर द्व १४२
गुडवाण-री-भाखर प ११३, ११५
गुलाब सागर सी २१३
गूंजयो कोहर सी ७७
गेहलोतां वाळो कोहर द्व १३५
गोगलीसर कोहर द्व १३५
गोदावरी नदी प १२२
गोघणली तळाई द्व १३५
गोगाळी तळाई द्व १३४
गोमती नदी द्व. २६८
गोर्वांणी भाखर सी. ७५६
गोरहर (जैसलमेर दुर्ग) द्व. १३६
गोलोराव तळाव प. २६३

घ

घडसीसर तळाव द्व ७२
" " सी. ३६
घांघरा-री-घाटी प. ३६
घांसार-री-मगरो प ४१, ४७
घासेर री-मगरो दे० घांसार-री-मगरो।
घाटो सी ४७
घूघरोट रा पहाड द्व. २६०, २६१, २६४
" " सी १०१, १०२, १२८

च

चडमाणा नदी सी ७०
चंद्राय-भाटी री तळाई द्व. १३४
चवल नदी दे० चांबळ नदी।
चरला-री-डूगरी सी. १५४
चहुवाण तेजसी-री-वाव द्व १२७
चांबळ नदी प ४५, ४७, ११४, ११६
" " द्व १७३
चाडी कोहर द्व १४२
चारण वाळो कोहर द्व १३५
चावंड रा-मगरा प ३५
चावडा रा मगरा प ५७
चित्रकूट (पर्वत) प ८
चित्रकोट (") प ८
चिनाव नदी सी ७०
चिमर-री-डूगरी सी १५४
चीरवा-री-घाटी प ४४
चेलळो भाखर प. १५६

छ

छप्पन सावड-रा-मगरा प ४३
छप्पन-रो-मगरो प १८
छहोटण-रा भाखर द्व २
छाळी पूतली रा-मगरा प ४३, ४७

ज

जगमाल-री-तळाई दू. १४२
जमुना नदी प. १३२, ३३२
जरगा-रो-भाखर प. ४२, ४७, ११६
जवणा री तळाई दू. १०६
जवणी-री-तळाई दू. १४२
जवाछ-रा-मगरा प. ४३
जसू वेरो दू. १३६
जांजाळी नदी प. ६४
जाजम नदी प. ६४
जाह्नवी ती. २०६
जावर-री-खांण, रूपा री प. ३५
जावर-री-नाळ प. ३५, ४३
जीलवाड़ा-री-घाटी प. ३६
जूजळ-री-वेरो दू. २६१
जूही नदी प. ४१
जैठांणी तळाई दू. १४३
जेठांणी नदी दू. २६०
जेसळ वेरो दू. ३५
जैता-री-तळाई दू. १३४
जोगी-री-तळाव प. ३४७
,, ,, दू. ११३

झ

झड़ोल-रा-मगरा प. ४२
झांस नाळो-फोलरो प. ४१
झाडोली-रा-मगरा प. ४६
झेलम नदी ती. ७०
झोटेलाव तळाव ती. २५२, २५३

ट

टगरावटी-रा-मगरा प. ४२, ४६
टाबरियांवाळो कोहर दू. १३५

ड

डूंगरसर तळाव दू. १०८

ढ

ढस नदी प. ३१
ढाकसरी-री-कोहर प. ३४७

त

तणूंसर तळाव दू. २७
तिलांणी तळाई दू. १३४
तेजसी-री-वाव प. २२७
तोळाऊ कोहर (वीजो) दू. १४२
त्रिकुट दू. २४२

द

दळपत भाटी वाळी वावड़ी दू. १३६
दलोल-कलोल-रा-मगरा प. ४३, ४७
दहुवारी-री-घाटी प. ३५
देरांणी तळाई दू. १४३
देरांणी नदी दू. २६०
देवरावसर तळाव दू. २७
देवरासर तळाव दू. ३२
देवहर-रा-मगरा प. ४३
देवाइत-री-तळाव दू. १६, ११३
देवजी-री-डूंगरी ती. १५४
देवीदास-री-तळाई दू. १४२

ध

धवळागिर प. १८
धार-री-पहाड़ प. ४३
धारा-री-तळाई दू. १०६, १४३

न

नगराजसर (कोहर) दू. १३६
नरसिंघ वाळो कोहर दू. १४२
नरासर तळाव ती. ११३
नांदड़ो कोहर दू. १४२
नागनय नदी दू. २२०
नाचणो कोहर दू. १४२
नायां-रो कोहर दू. १३६
नारणसर कोहर दू. १३५
नाळ भाखर प. ३५
नाहेसर-रा-मागरा प. ४२, ४६
नींबलियो तळाव दू. १४३
नींबली तळाई दू. १३५, १३७

प

पच नद ती ६७, ७०
पई मचारा रा-मगरा प. ४३
पई-रा-डूगर प १६
,, डू. ३३८
,, ती १
पगघोई नदी प. ४५
पठार प ४४
पदमसर तालाव ती २१२
पद्मोलाई तळाई प ३४८
पनोता री वाहळो डू ३३०
पनोर रा-मगरा प ४३, ४६
पद्दियड (पर्वत) ती. १३६, १३७
पही रो डूगर दे० पई-रा-डूगर।
पार डू १३६, १३७
पार नदी प ११७
पींडर झांप री मगरी प ४१
पीछोलो तळाव प ३२, ३३, ३४, ४३
,, ,, ती १२
पीचासर (कोहर) डू १३६
पीपळहडो-रा-मगरा प ४३
पुडण नदी प ११७
पूनावे री तळाई डू. १३५
पोकरण री वाहळो डू. ५३
प्रोहितवाळो कोहर डू १३५

ब

बखतसागर ती २१३
बनास नदी प. ४०, ४१, ४७
बरड़ो डूगर डू २२०, २२६
बसू री-कोहर प २२७
बहु तळाई डू १३४
बहुघनसर तळाव प ३३३
बांभणांवाळो सर डू १३७
बांभणी नदी प ४५
बारयरडा-रा-मगरा प ४३
बालसीसर (तालाव) ती. २५७, २५६
बिंद सरोवर प २७७
बीवासर तळाव प १२४
बीलेसर डूगर डू २२६
बैराई रा ब्रह ती ६०
ब्राह्मणी दे० बांभणी नदी।

भ

भड़ली कोहर डू. १४२
भयरी तळाई डू ११४
भरोवर (कोहर) डू १३७
भाखर माळ प ३५
भागीरथी ती २०६
भाडेर-रा-मगरा प ४२, ४३, ४६
भावर नदी प २७१
भारमलसर कोहर डू १३५
भींवासर कोहर डू १३५
भैरवी घाटो प ६६
भैंसे सिरा-री डूगरी ती १५४
भोजासर तळाव डू १०६
भोरड री पहाड़ प ४०

म

मछलप तळाव डू ४१ ४२
मदाकिनी ती २०६
मल्लावळो मगरो प. ४०, ४१, ४२
महिरावणी तळाव प ३४७
महिला बाग री झालरो ती २१३
मही नदी प ६७, ८६, ८७, ८८, १२०
मांगणी-री तळो डू २६१
माडाळ तळाई डू १३५
मांडावो घरहट ती ८४
माणध-रा मगरा प ४३
मांणल देवाइत-री तळाव डू १६
मांनपुरै-री घाटो प ३६, ३८
मांमा कुंड प २१
माछला री-मगरो प ३२, ३३
मीठडियो वेरो डू १४२

मुहार रं सहीण-रो-उनाव दू. ५
मेर (पर्वत) प. १६२, २२६
,, ,, दू. ५३
मेरगिर दू. १४, ५२
मेर-सिखर दू. ५२
मेरा-री-तळाई दू. १४३
मेरु दे० मेर। मेरगिर।
मेळू-री-तळाई दू. १४२
मैथल-रा-मगरा प. ४३

र

रांणा-री-तळाई दू. ११२, १४२
रांणाहल तळाव दू. १३४
रांणीवाळो तळाव दू. १३४
रांणोलाव तळाव प. १२४
राजबाई-री-तळाई दू. ७२, ७५, ८५
राठासण-रो-मगरो प. ४४
रायमल वाळो तळाव दू. ६६
राव बलू-रो-कोहर प. २२६
राव-रो-तळाव दू. १२६, १४२
रावी नदी ती. ७०
राहग-री-मगरो प. ४१, ४२
रूंदियो कुवो प. २३८
रेयां री डूंगरी ती. ६५

ल

लली जंगळ दू. १६
लाखाहोळी (पहाड़) प. ४३
लाखेळाव तळाव प. १३६
लाठोहर दू. २६१
लायां रो मगरो दू. ३२७
लीकणो वेरो दू. १४२
लूंभासर तळाव प. ३४७
लूड़ी-रांमसर तळाई दू. १३६
लूणी नदी प. २८, २२८, ३३३
,, ,, [illegible] १३०, २८४, २८५
,, ,, ती. १४७
लूनी नदी। दे० लूणी नदी।
लोहड़ी तळाई दू. १३४, १४१

व

वडगिर (जैसलमेर का पर्वत और किला) दू. ६३
वडांणी तळाव दू. ८५
वरजांग-तळाई दू. १३४
वरजांगसर तळाव दू. १६०
वर नदी प. ४१
वरवाड़ो मगरो प. ४१, ४७
वळो (श्राडावळो) प. ११३
वसो-रा-मगरा प. ६६
वांसोर डूंगरयां दू. ३२६
वाखळवाळी तळाई दू. १३५
वाघोर-री-खांम प. ४०
वालसीसर तळाव ती. २५६
वावड़ी तळाई वलपत री दू. १३४
विजैरावसर तळाव दू. २७
वितस्था नदी ती. ७०
विनायक-री-डूंगरी ती. १५४
विपासा नदी ती. ७०
वींटळीगढ ती. ६५
वीका सोळंकी-रो-तळाव दू. १३५
वीर समंद प. १३१
वेकरिया-रो-घाटो प. ४१
वेडच नदी प. ३३, ३५
वेत नदी ती. २४१
व्यास नदी ती. ७०
वैणप तळाव दू. १४३
वैरोलाई तळाव दू. १४३

श

शतद्रू नदी ती. ७०

स

संतन-री-वावड़ी ती. १५७
सजन-री-गिड़ी प. १६३

सतलज नदी सी. ७०
सरणउम्री भाखर प. ४१, १३५, १८१, १८८
सरणुवो दे० सरणउम्रो भाखर।
सरस्वती नदी प. २७६
,, ,, दू ३, २६६
,, ,, सी. २६
सहस्रलिंग तळाव दू ३३
साढोको-कोहर दू. २८६
सायर-रो-घाटो प. ३६
सारण घाटावळ प. ३८
सालेर-री-डूंगरी सी. १५४
साहवा-रो-तळाव सी २१
सिंध नदी (हाकोसी) प १३३, १३५, १३६
सिंधु दू २४२
सिंधु नदी सी. ७०
सिरहद तळाई दू १३४
सिरहद लोहडी दू. १३४
सिरहद वडी दू. १३५
सींगडियो भाखर प ४३
सीताहर दू २६१
सीप नदी दू. २१८
सीरोड-रा-मगरा प ४३
सीसरवा-रो-मगरो प. ३३
सु धो भाखर प. २०३, २०४
सूर सागर प. ११३
सेलासर तळाव दू १४२, १४३
सोनगिरी प १८७, २३१
सोनागर दे० सोनगिरि।
सोम नदी प ३८, ८६
सोळंकियांवाळो कोहर दू. १३६
सोहांण री-भाखर दू. ९५
स्याम नदी प ८७, ८८
स्वर्णगिरि दे० सोनगिरि।

ह

हरख तळाई दू. १३४
हरभम वाळ प. ३२०
हरभूसर तळाव प. ३४७
हरराज री-लोहडी (तलाई) दू १३४
हळदी-री-घाटी प. २०८
हल्दी घाटी दे० हळदी री-घाटी।
हिमालय प. ६, १९, २७८
,, दू २०४
हेम दे० हिमालय।
हेमरासर कोहर दू. १२, १४०, १४२

---

३. सांस्कृतिक नामावली

[१] ग्रंथ, संस्था, कर, मापादि नामावली

[ग्रंथ, संस्था, कर, मुद्रा, नाप, माप, तोल, उत्सव सामाजिक-प्रथाएँ इत्यादि के नाम]

अ

अंगारां-लाव (दाह-संस्कार) दू. २४६
अचकां-बोल दू. २६
अजित ग्रन्थ ती. २१३
अजितोदय (ग्रन्थ) ती. २१३
अणहलवाड़ा-पाटणरी-बात (ग्रन्थ) ती. ४६, ५०, ५२
अनुभव प्रकाश (ग्रन्थ) ती. २१४
अनूप संस्कृत लाइब्रेरी बीकानेर (संस्था) दू. ३१०
अनूप संस्कृत लाइब्रेरी, बीकानेर (संस्था) ती. २८, ५१, ५२, १७६, १७७, २०७, २०८
अपरोक्ष सिद्धान्त (ग्रन्थ) ती. २१४
अमर-कांचळी ती. ६६
अमल (अमल-पांणी) प. १३४
" " दू. २५१
अमल (अमल-पांणी) ती. ६२, १३४, १६३, २५७, २८१
अमल-रो-पांतो ती. २६०, २६१, २६२
अमृत ती. ६
अरायो दू. २३
अलफलां की पैड़ी (ग्रन्थ) ती. २७५
अश्वमेध प. २३०
असत घान दू. ५१

आ

आकाश गंगा दे० प्वारमग।
आखड़ी प. ४६
आखाड़ो (नृत्य सभा) प. २७४
आखाड़ो (नृत्य सभा) दू. ३७
आनंद विलास (ग्रन्थ) ती. २१४
आयुष्मान् ती. ४६
आरती ती. ४६, १४२, १४३, १४४
आसण (स्थान) ती. १०७, १०८

इ

इंद्र विद्या (वि.वि.) प. १२८
इक-थंभियो महल ती. २१३

उ

उत्पादन-शुल्क दू. २५८

ऊ

ऊनाळी हंसो (कर) प. ३६
ऊनाळी-हंसो (कर) दू. ८

ऐ

ऐहलरो (घास) दू. ८

ओ

ओळ प. १८२

क

कंकण-डोरड़ा दे० कांकण-डोरड़ो।
कंवळ-पूजा प. ३३६
कंवार-मग (खगोल) दू. ६१
कंवार-सूंखड़ी (कर) ती. ५४
कच्छ कलाधर (ग्रन्थ) प. २६६
कच्छ कलाधर (ग्रन्थ) दू. २०६, २१४, २३७
कटारी दू. २६६
कच्छी पलांण ती. ६७

कपाळीक (तांत्रिक) प. ३२२
कपूर-वासियो-पाणी दू. ३३
कबाण दे० कमान
कमान दू ६६
कर प. ६४, ७७, ६४, ११६, १२०, १७३
कर दू. २१२, २१४, २३८, २५८
कर ती ५४,
करड़ घास दू. ८
करमुक्त-जागीरी प. २८३
करवत दू. ४५
कळजुग प. ३१
कलियुग दे. कळजुग । कळू
कळू ती. १८५
कवार नी सूंखडी ती. ५४, ५८
कवि प्रिया (ग्रंथ) प. १२८
कस्तूरियो-मिरघ (विलासिता की उपाधि) दू. ४१
काकण-डोरड़ो (काकण-डोरो) प. ७३
काकण-डोरडो (काकण-डोरो) दू. २६५, ३१८
कांचळी (पुत्री-नेग) दू. २४८
कांचळी (पुत्री नेग) ती ६६
कांदीवाळी लाग (कर) ती. ५४
काजी नी लाग (कर) ती. ५४
कान्हड़दे प्रबन्ध (ग्रंथ) दू. २०४, २१५
कान्हड़दे प्रबन्ध (ग्रंथ) ती. २६३
काळबी-ज्वार दू. ५१
कालर दू. २५
काष्ट-भक्षण ती. ३३
किरमाळ दू. १०१, १२६
कुंवर नजराणो (कर) ती. ५४
कुंवर-पछेवडो (कर) ती. ५४
कुंवर-पामरी (कर) ती. ५४
कुंवर-मांणो (कर) ती ५४
कुंवर सूखडी (कर) ती. ५४
कुतबस्याही नांणो (मुद्रा) ती. ५३
कूतो दू० ५
कृत (मृतक संस्कार) दू. २७१
कृषि-कर दू. २६०
कृष्ण स्तुति (ग्रंथ) ती. २०६
केसरिया ती. १११
क्यामखां रासा ती. २७४
क्वार-मग दू. ६१

ख

खडाऊ ती. ५१
खमा ती ४६
खरक कूप (वि दि.) प. ३३, ३८, ४३
खालसो प १७४
खालसो दू ४, ७
खालसो ती. १८, ११५
खेडा-री बाघण (पालेट) प २८४

ग

गणा स्तुति (ग्रंथ) ती २०६
गज उद्धार (ग्रंथ) ती २१३
गाय-दान दू० २६६
गिरवो ती ५
गींदोली री वात (ग्रंथ) दू. २८७
गुण दूहा (ग्रंथ) ती. २१३
गुण सागर (ग्रंथ) ती २१३
गुरज दू २५२, २५३
गुरु प्रार्थना (ग्रंथ) ती २०६
गुळ-लाग (कर) दू. ७
गेहर ती. ८५
गोडो-घाळणो ती ६७
गोत्र-कदब दू २६६
गोहिल-टोळो (स्थान) प ३३५
ग्रास (कर) प. १४७, ३३५
ग्रास (कर) ती. ८६, १६७
ग्रासवेध (कर-कलह) प ६१, ११२, १५४

घ

घणदेवजी-रोटा दू. ३२६

घरवास तो. २८३
घरवासो तो. २३
घूंटी दू. ३१२
घूघरियां तो. २६४
घोड़ा-चारण (कर) तो. ५४

च

चंवरी प. १३४, २३२
चंवरी दू. २८७, ३१०
चूंगी दू. २६०
चेठी (परिमाण) प. ३६४
चोटी-वढियो प. ६८
चोथ (कर) प. ९३
चोथ (कर) दू. २२१
चोहान कुल कल्पद्रुम (ग्रंथ) प. २२१

छ

छकड़ (मुद्रा) तो. ११२
छतीस-भाख दू. १५
छत्र दू० ५६, ५७, ५८, ८३, २३७
छत्र तो. १७१
छत्र ११०
छांट तो. ११०
छांट घालणी तो. ११०

ज

जंत्र दू. ५७, २२५
जंत्र-बत्तीसूं दू. २३१
जंवर दे. जौहर।
जजिया दे. जेजियो।
जन्म घूट्टी दू. ३१२
जवादि जलहर (जलक्रीड़ा) दू. ४१, ९८
जमहर दे० जौहर।
जलालशाही-नांणो (मुद्रा) तो. ५३
जलाला (मुद्रा) दे० जलालशाही नांणो।
जांनी तो. ४५, ४७
जान्हवी-रा-दूहा (ग्रन्थ) तो. २०६
जिगन दू. ८३
जिग्य-कुंड प. ११
जुंहर दे० जौहर।
जेजियो (कर) प. ५५
जेजियो (कर) दू. ७
जैन दे० देवता आदि नामावली।
जोगणी (शकुन) तो. ७१
जौहर प. ३३३
जौहर दू. ५९, ६०, ६१
जौहर तो. १७, २५, ३४, ५५
ज्यूंहर दे० जौहर।

ट

टंकसाळ (कर। मुद्रा-निर्माण घर) दू. ८
टको (तोल। कर। मुद्रा) प. ६६, २६२, २८४
टीको (राज्यतिलक। कन्या-नेग) प. ३१, ७३, ७५, १०६, ११०, ११२, १३७, ३५६
टीको (राज्यतिलक। कन्या-नेग) दू. १०६, ११५, १४०, २०५, २१८, ३४२
टीको (राज्यतिलक। कन्या-नेग) तो. ५३, ६८, ७२, ८१, ९५, १०५, ११४, ११५, १२९, १३२, १३३, १३६, १४६, १६१, १८१, १८२, २३८, २७६, २८५

ड

डंड (कर। शिक्षा) प. ७७
डंड (कर। शिक्षा) दू. ३१, २८२
डंड (कर। शिक्षा) तो. १६७, २७१
डांगरजंत्र दू. ५८
डावो-पाघ तो. ७०
डोरड़ो दे० कांकण-डोरड़ो।
डोळी (दान की भूमि) दू. ३५

ढ

ढब्बूसाई पैसा (तोल। मुद्रा) दू. ३१२
ढोर नी चराई (कर) तो. ५४
ढोल (आक्रमण-संकेत) दू. ३०२

ढोल (ग्राक्रमण-संकेत) ती. १४७, २६२, २८४
ढोल-रो-डमको प. २२३
ढोला-मारवण (ग्रंथ) प. २८६

त

तकियो प. ३१८
तर्पण प. १३२
ततार (कर) ती. ५४
तहड़ कूंण प ८७
तावूत दू. ४१, ५०, ५६
ताम्रयुग ती. १७३
ताल (माप) दू. ३२३
तुरकांणी ती. ५३
तेल-चढो ती. ७५
तुलावट (कर) दू. ७
तोरण बांवणो ती. ४२
तोला दू. ३१२
" ती. १६३
त्याग (दान । इनाम) दू. ३२६ ३२७

थ

थड़ा ती. २१३
थापण ती ५
थाळा लाग (कर) प. १६

द

दड़व-रो फेर प. ७६
दस दायजो वे० दायजो।
दयाळदास री ख्यात (ग्रंथ) ती. २०६
दळपत विलास (ग्रंथ) ती. २०७
दसरथराम उत-रा-दूहा (ग्रंथ) ती २०६
दसरावो (दसराहो) (पर्व) प ६६
दसरावो (दसराहो) (पर्व) दू. २४
दसरावो (दसराहो) ती. ११६
दस्तुरी (कर) ती. ५४
दाण (कर। खेल) प ८४, १२६, १२८, १७३
दाण (कर। खेल) दू. ७, ४६, ७६, १२६, ३०१
दाण (कर। खेल) ती. ५४
दांणव दू. ५६
दांन प. ३१
दांन दू १२०. २२३, २३६, २३७, ३२६
दाम (मुद्रा। कर) प. ५२, २२८, २७६, ३३२
दाम (मुद्रा। कर) दू. २६, २५८, २५६, २७६
दाग (सस्कार) वे० दाह सस्कार।
दापो (कर) प २३२
दायजो दू ३१०
दायजो ती. ६२, ६६, ७६, १६५ २०२, २०३, २७२, २७३, २८२
दाळ री लाग (कर) ती. २४०
दाह-सस्कार (ग्रग्नि संस्कार) प. १०८
दाह-सस्कार (ग्रग्नि संस्कार) दू २४६
" " " ती. २६३
दीवाळी (पर्व) प. २, ७३, ६६, २७३
दीवाळी (पर्व) दू. ७, २४
दीवाळी-मिलण (कर) दू ७
दुगांणी (कर। मुद्रा। गणित) दू. ७
दुहाव ती १०५
दुहागण ती. १३६
देवळो दू. ४०
देवताओं की शाला (मडोर) ती. २१३
देवाघा दू ४०, ११६
देसवाळी लोग दू. ७, ८
देसोटो दू. १७७
दोढवाड फूतो (कर) दू. ५
द्वापर (युग) ती. १८५

ध

धजवड़ ती १६७
धनुष दू ६७
धरम द्वार दू. ६४

धर्म-भाई दू. ५१, ३०३
धारेचो दू. ११५
धारेचो ती. ५७

न

नगारा-नीसांण प. ३४०
नगारो (आक्रमण-संकेत) प. १५२
नगारो (,,) दू. ३४, २४४, २४५, २४६, २४७
नगारो (आक्रमण-संकेत) ती. १३२, १४३, २७६, २८४
नवकुळ नाग दू. २५२
नाव दू. २४
नारेळ-दे० नाळेर।
नाळ (अस्त्र) दू. २३
नाळबंधी (कर) प. ९६
नाळेर (वाग्दान-संस्कार) प. ७३, २८६, ३४५
नाळेर (वाग्दान-संस्कार) दू. २६६, २९२, ३२४, ३३४
नाळेर (वाग्दान-संस्कार) ती. ४१, ७२, १०४, १४१, १६५
निवाज (नमाज) दू. ६७
नीसांण प. ३४०
नीसांण प. दू. ५६, ५७, २४२
नेग दू. ७२, ३२६, ३२७
नेगी दू. ७२
नैणसीरी ख्यात ती. १७४, २०६, २०८, २९४
न्याळा ती. १०८
न्योछावर दू. ३२७

प

पंच देवळियां ती. २१३
पंच प्रवर ती. १७५
पंचाव फूंण (वि. दि.) प. ३६
पईसो (मुद्रा। तोल) प. ७७
पईसो (मुद्रा। तोल) दू. २७, २९, ७२, १०५, २५८, २८२, ३०१, ३११, ३१२
पईसो (मुद्रा। तोल) ती. १९३
पटू ती. २६६, २६९
परवांणो दू ५६
परवाह (दान। नेग) दू. ३२५, ३२७
पळी (माप। सफेद वाल) दू. ५५, ३११, ३१२
पळो (माप) दू. १५४
पसाइता प. २२८
पाखंड (स्थान) ती. २
पाघड़ी-बरोह (कर) ती. ५४
पाट प. ५, १३, १६, १९, १८६, १८८, १८९, २०५, ३११
पाट दू. १०८
पाट ती. १६१
पाताळ प. २७८
पायड़ो ती० ५१
पितराई दू. २२२
पिरोजशाही-सिक्का (मुद्रा) प. १६२
पिरोजशाही-सिक्का (मुद्रा) दू. ८
पींडर-ऑव (तंत्र) प. ४१.
पीरोजी (मुद्रा) दे० पिरोजशाही-सिक्का।
पुरस (पुरसो) (नाप) प. २२७
पुरस (पुरसो) (नाप) दू. ११३, १३४, १३६, १४२, २८६
पुरांण (धर्म शास्त्र) प. २३०
पुरातत्त्व विभाग, राजस्थान (संस्था) ती. १७३
पुरुष दे० पुरस।
पूंखणो ती. ४६
पूंछो (कर) ती. ५४
पेरोजी (मुद्रा) दे० पिरोजशाही सिक्का।
पेशकशी (कर) प. १४०
पेशकशी (कर) दू. ७, १०५
पेसकस (कर) दे. पेशकशी।
पेसकशी दे. पेशकशी।
पैसा दे० पईसो।
पोतो अमल रो ती. २६०, २६१, २६२
प्रेम दीपिका (ग्रंथ) ती. २०६

फ

फदियो (मुद्रा) दू. ३१५
फदियो (मुद्रा) ती. ४५, २६०
फुरमांन दू. ५६, १०५
फेरा दू. २७७
फेरा ती. ७५

ब

बरछी ती. १६७
बळ (कर) ती. ५४
बलि ती. १७
बहत्तर उमराव ती. ५३
बांकीदास की बात (ग्रंथ) ती. २६६
बांण दू. ४८
बाजरियो ती. २६०
बापीका दू. २२१
बाब (कर) दू. ७, ८.
बाम्बे गॅजेटियर (ग्रंथ) दू. २६६
बीदो दू. ६६, ७०, २११, २६१
बुद्धिसागर (ग्रंथ) ती. २७५
ब्रह्मड धोल दू १६२
ब्रह्मवाचा दू. २१

भ

भगवद् गोमडल कोश (ग्रंथ) प.
भद्रजाती दू. ६५
भरहेर कूण (वि. वि.) प. ३४
भागीरथी रा दूहा (ग्रन्थ) ती. २०६
भावर (भावरी) दू. २७७
भावर (भावरी) ती. ७५
भाषा-भूषण (ग्रंथ) ती. २१४
भुवर ढोल (वाद्य) ती. ७
भूमिया-वट दे० भोमिया-वंट।
भेट (कर) ती. ५४
भेर (वाद्य) दू. ४८, ५७
भेरी (वाद्य) दू. ४८
भोग (कर) प. ३६, २५६
भोग (कर) दू. ५, ६, ८, २०६
भोम (कर) ती. ५४
भोमियाचारो प. ३३१
भोमिया-वट प. २८३, २८४

म

मगळ-कळश ती. ४३, ४६
मगळीक (कर। कर-मुक्ति) दू. ७
मदाकिनी रा दूहा (ग्रंथ) ती. २०६
मऊ-दुष्काल (पीड़ित प्रजा) दू. ३२०
मकर सक्रांति (पर्व) दू. १२
मण (माप, तोल) प. १६२
मण (माप, तोल) दू. ५, ७, ८, ११४
मदनभेर (वाद्य) ती. ५१
मळबो-लाग (कर) ती. ५४
मलूक (मल-योद्धा) दू. ४१
मलेंछ दू. १६
महमूदी (मुद्रा) दू. २१२, २३८, २५४
महसूल (कर) दू. १२७
महापसाव दू. २३७
महाभारत (धर्म-ग्रंथ) दू. ३
महिला-बाग ती. २११
मांगलिक सूत्र दू. २६१
मांढो ती. ४५, ४७
माणो (माप) दू. २८
मानसी सेवा प. १८६
मांमा कुड प. ५१
मांमा वड प. ५१
मातलोक प. २७८
माध्यंदिनो शाखा ती. १७५
माफी (कर-मुक्ति) प. २२८
मारवा-विरुद प. ३३२
मालकोट ती. २१५
मालगुजारी (कर) दू. ३०१
मावळियाई भाई दू. १६२
मुकाती दू. २१६
मुकातो (कर) प. ७४
मुद्रा प १८४, १८५

मुद्रा दू. २१०
मुद्रा ती. २४
मूंडका-वेरो ती. ५४
मूळ, सूळो (आखेट-मंच) प. १०७, १०८
मृत्युलोक प. २७८
मेखळी दू. २४
मेघाडंबर दू. ५६
मोभ (कर) ती. ५४
मोहर (स्वर्ण-मुद्रा) प. २५४, २५५
मोहर (स्वर्ण-मुद्रा) ती. १४६

र

रवाव (वाद्य) दू. २३१
रळतळी (तलवार) दू. ३१७
ंराणाई रो विरद दू. ५१
रांणीवदो ती. १०५
राजपूताने का इतिहास (ग्रंथ) ती. २६६
राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर
ती. २७५
राम-स्तुति (ग्रंथ) ती. २०६
राजस्व दू. २५८, २५६
राय-श्रांगण ती. ८६
राहदारी (कर) दू. १२७
राहावणो दू. १३१
रंडमाळ दू. २४७
रुद्रवाचा दू. २१
रुपियो (मुद्रा । टंक । भेंट) प. ५२, ५३,
११६, २३४, २५६, २७७, २७६,
२८४, ३११, ३१६, ३२०, ३२२
रुपियो (मुद्रा । टंक । भेंट) दू. २६, ४५,
६६, ७१, १६०, २५७, २५८,
२५६, ३०१
रुपियो (मुद्रा । टंक । भेंट) ती. ८३, ६६,
१००, १३०, १४६, १६५, १६६,
२४२, २४५, २६७, २६८, २६७,
२६८, २६६, २८३, २८६
रुक ती. १६६
रूपारास कूंण प. ३५, ३८
रेख (कर) प. २७, ६८, १६५, २७६,
३२०
रेख (कर) दू. १६०, २६३

ल

लक्ष्य घट्ट दे० लाखोटो।
लगान दू. ७२
लगानदार दू. ७२
लांचो (कर) ती. ५४
लाख-पसाव प. १०६
लाल-लोघड़ी दू. ७
लाखोटो (जल-मानक) प. ३
लाग (कर) प. ३६, ६४, २३२
लागत (कर) दू. ५
लागदार दू. ७२
लोक प. ६६
लोकाचार ती. ६६

व

वच्छस गोत्र ती. १७५
वडी-सरदार प. २८३
वधांमणो-लाग (कर) ती. ५४
वरकसी प. १४१
वरजांग-री-चंवरी प. २३२
वरतियो दू. २२५, २२६
वरसाळी-हूंसो (कर) प. ३६
वरहेड़ो ती. ४६
वळ दू. ७३
वळ ती. १६५
वळ लाग (कर) ती. ५४
वसदेरावउत-रा-दूहा (ग्रंथ) ती. २०६
वसी प. ४५, ६६, ८२, ६८, १३२,
४११, १४४, १४८, १५१, २०६,
२८३, ३०६, ३२३
वसी दू. १४५, १४६, १४६, १५३, १५७,
१५८, १५६, १६०, १६१, १८१,
२३६

वसी तो ८१, ८४, १२७, १६२ २४१
वहतीवांण (कर) हू ७
वांस (माप) हू ५
वांसा ढोव तो ७०
वाडी लाग (कर) तो ५४
वात अणहलवाडा पाटण री (ग्रंथ) तो ४६ ५०
वालपोस तो ३८
वावळ महल प. ३३
वासीवच तो ७०
विज्ञप्ति पद्धति तो. १४
विजयशाही (स्वर्ण, रौप्य मुद्रा) तो २१३
विट्ठलनाथजी रा दूहा (ग्रंथ) तो २०६
विभोग प १५८, १७३, १७४
विवाह कंकण हू २६५ ३१८
विवाह सूत्र दे० विवाह कंकण।
विसवो (कर भाग) हू ३०१
वीसी तो १४
वींटलो तो २१५
वीधो प ११६
वीण (वाद्य) हू २३१
वेद (धर्म ग्रंथ) प १६२
वेलि क्रिसन रुकमणी री, राठोड़ प्रिथीराज री कही (ग्रंथ) तो २०६
वेह तो ४३
वैंत (माप) हू ४२
वैंहत (माप) हू ४२
वैकुंठ हू ७५
व्याज हू ८

श

शाल प ३३६
शास्त्र-पुराण (धर्म ग्रंथ) हू ६१
श्याम सता (ग्रंथ) तो २०६

ष

षोडश महादान प १२६

स

सत प २७८ ३३६
संख हू २२५
सतनांवा (ग्रंथ) तो २७५
सतर थान तो ५३
सरम प ७, ११०, २७८
सरम हू ५८, ५९, ६०, ६२, २६१
सरणापुर हू ७५
सरघाव (कर) तो ५४
सवेरी प १९७
सामेळो तो ४५
सासण प १०६, १७४, १७६
सासण हू ३८
सांसरा तो २८१
साकी हू ४४, ५६
साठा (माप) हू ५
सावरी हू १२०
सावरी तो १२८
सावूस राजस्थानी रिसर्च इन्स्टीट्यूट, बीकानेर तो २०७
सायर महसूल हू ७
सायद हू ४५
सासत हू २३१
सासतर हू ११५
साहो प ६७
साहो तो ७५
सिवको हू २४
सिद्धान्त बोध (ग्रंथ) तो २१५
सिद्धान्त-सार (ग्रंथ) तो २१४
सिरपाव हू २६
सिरोपाव तो १६६, २४४, २४५
सिव मारग हू ४५
सीरावणो हू. २५१
सुरणाई हू ६०
सुरथोन प १८८
सुरा गुर प ३५४

सुर्जन-चरित (ग्रंथ) सी. २६६
सुवर्ण-मुद्रा प. ७, २७८
सुहागण प. १३
सूंखड़ी (कर) सी. ५४
सूतग दू. २३६
सेई (माप) दू. २१२
सेर (तोल) दू. ८. ११८. ३१३
सोढाळ-धव दू. १५
सोनइयो (मुद्रा) प. ६, १२
सोमथारिया-धमल सी. १३४
सोळह-श्रृंगार दू. ५८
सोनस (मुद्रा) प. ७
सौभाग्य-रात्रि प. १३४
स्वर्ग दे० सरग।

ह

हरिवंश पुराण (धर्मशास्त्र) दू. १५
हळगत (कर) सी. ५४
हलांणो सी. ६२, ७६, १४४, १९९, २०२
हासलं (कर) प. ७४, ८७, ९९
हासल (कर) दू. ५, ८, २५९, २६०, २७७
हासल (कर) सी. १३०
हासलीक दू. २५९, २६०
हिंवांणी सी. ५३
होळी (पर्व) प. ७३
होळी (पर्व) दू. ०
होळी (पर्व) सी. ८४
होळी-मंगळावणी सी. ८४
होळी-मिळण (कर) दू. ७

[२] देवी, देवता, लोक-देवता, तीर्थ, धर्म-सम्प्रदाय इत्यादि

अ

अबाजी प. २७७
अबाव प. ४६
अगन हू. २४६
अगम प. ६६
अग्नि हू. २७७
अग्निकुड दे० अमलकुंड।
अजोध्या प. २६२
अमलकुड प. १३४, १८५, ३३६,
,, ती. १७४, १७५
अनादि प. १८४. २६१
,, हू. ५७
अयोध्या दे० अजोध्या।
अरक प. १६०
अरणोद गोतमजी तीर्थ प. ६४
अलख ती. २६३
असंभ प. १८४
असुर हू. ६५, ११८
असुरां-गुर प. ३५४

आ

आजाई देवी प. १, २७७
आंबाव प. ४६, २७७
आद हू. ५७
आद नारायण प. १२२, २६१, २८०
आद श्रीनारायण प. २८७
,, ,, हू. ६
आदि प. १८४. २६१
आदि देव प. ७
आदिनाथजी प. ३६
आदि पुरष ती. १७५
आदि श्रीनारायण प. ७७, २८७
,, ,, हू. ६

आबू दे० ग्राम नामावली में
आयास हू. २५४
आयास ती. २८३
आवड़ प. ३६
आसापुरा देवी हू. २१७, २१८, २२०
आसापुरी देवी ती. १३४. २६२
आसावर (देवी) प. १८६

इ

इंदु प. १६०
इन्द्र प. १६२, २७५, ३३६
इकलिंग महादेव प २३

ई

ईश्वर प. २२०
ईश्वर ती. १२१
ईस हू. २४६

उ

उजेण (तीर्थ) दे० ग्राम नामावली में।
उमादेवी भटियाणी दे० स्त्री नामावली में।

ए

एकलिंग वाराह प. १७०
एकलिंगजी प. १, ७, ८, ११, १२,
१४, ३५, ४४
एकलिंगदेव प. ७
एकलिंग महा देव प. ७
एकादश ज्योतिलिंग प. २७८
एकादश रुद्र प. २७८
एकादश रुद्र महालय प. २७८
एकादसी हू. ६०

ओ

ओंकार प. १८४

क

कंकाळी प. ३३६
कंधरूढा प. १८५
कंवळ दे० कमळ ।
कंवळ-पूजा प. ५६, ३३६
„ „ दू. १७
कपालीक प. ३२२
कमळ प. ७७, १२२, १८६, २८०, २८७, २९३
कमळ दू. ६
कमळ ती. १७१
कमळा प. १८५
करणीगर दू. २३७
करसार दू. ४५
कळा-पळा प. १८५
कश्यप दे० कस्यप ।
कस्यप प. ७८, २८७
„ ती. १७५, १७७
कापालिक प. ३२२
कालिका प. १८५
कासी (कासी) दे० ग्राम नामावली में।
कासी-करोत प. २१६
कुळदेवी दू. २६७, २७२
कुळदेवी ती. १७५
कृष्ण दे० श्रीकृष्ण ।
कृष्णजी दू. १५, १६, ३५, ६३
केदार(केदारनाथ)दे० ग्राम नामावली में।
केवायदेवी प. १२३
„ ती. १७३
केसोरायजी प. १३१
कंलास प. ८
कोटेश्वर महादेव प. २, २७७
कौमारी प. १८५
क्षोरपुर (तीर्थ) दे० खेड पाटण ।
क्षेत्रपाल प. २६४
„ दू. २२
„ ती. १७

ख

खुदा दू. ४७
खेड़-पाटण दे० ग्राम नामावली में ।
खेड़ा-देवत दू. २२
खेतपाळ दे० खेत्रपाळ
खेतळ प. २४५
खेतळ-वाहण प. २४५
खेत्रपाळ प. २६४, ३३२
„ दू. २२, १३५, २६७
„ ती. १७

ग

गंगश्यामजी ती. २१५
गंगस्वामी दे० गंगश्यामजी ।
गंगाजळ दू. २०२
गंगाजी प. १३२, २१३, २१६, ३३२
„ दू. २०२
गंगोदक प. २१३, २१४
गंगोदक-कावड़ प. २१३, २१४, २१५
गणेशजी ती. १५४
गवदेव दू. ५०
गाय-दान दू. २६६
गिरनार प. २२
„ दू. १, २०२, २०४, २०५, २०६, २२०, २४०
गुरड़ दू. २५२, २५३
गुसांई-री-पावुका प. ४२
गोकल्ल तीरथ प. १०७
गोकर्ण महादेव प. ४७, १०७
गोकळीनाथ दे० गोकुळीनाथ ।
गोकुळीनाथ प. २०४, २१३
गोखंभ प. १६०
गोमादे दे० गोगादेजी ।
गोगादेजी प. ३४७ ३४८, ३४९, ३५०
गोगादेनी दू. ३१७, ३१८, ३१९, ३२०, ३२१, ३२२, ३२६
गोदावरी तीर्थ प. १२२

गोमती तीर्थ (गोमती सनान) दू २६८
गोमती सगम प २८६
गोरखनाथ जोगी दू ३२०
गोरखनाथ जोगी तो ७६
गोवरधननाथ प ८६
गोविंद भगवान प १८४

च

चकोश्वर महादेव दू ३२
चक्र (चक) प १८५ १६२, २७२
चक्र (चक) दू ३७
चक्र (चक) तो ५०, ५२
चक्र प २८६
चक्र तीर्थ (चक्र तीथ, चित्र तीथ) तो २७७
चपळा (देवी) प १८५
चाडोसी महादेव दू ३२
चाव दे० चक्र।
चामुंडा देवी दे० चावडाजी।
चारण देवी प ५६
चालर री पारसनाथ प ४७
चावडाजी प २०४
चौरासी गच्छ तो १६

ज

जगङ्गला प १८५
जमजाळ प १२५
जमदूत दू ४६ २६८
जमुना तीर्थ प १३२ ३३२
जात (तीर्थयात्रा, देवपूजन) प १, १११, १३२, २६३, २८६, ३३६
जात दू १३, २३६, २४६, २४७
जात्रा दू २६६, २६८, ३२५
जात्री, तीर्थ प २८६
जाम्हवी तो २०६
जिंदो प ३३६
जिग्य प ११
जुगाद तो १७५
जुगाद ब्रह्मा प २६१
जैन (धर्म) प ३३, २२७, २७६
जैन (धर्म) दू ११३
जैन (धर्म) तो १६, २८
जैन सम्प्रदाय दे० जैन (धर्म)
जोतलिंग प १६०
जोतलिंग दे० ज्योतिर्लिंग।
ज्यान दे० जैन।
ज्योतिर्लिंग प ११, २१३, २७८, ३३५
ज्योतिर्लिंग श्रीएकलिंगजी प ११

झ

झोंटोलियो भूत तो २५४
झोटिंग भूत तो २५२ २५३, २५४, २५५

ठ

ठाकुर (श्रीकृष्ण) प, १३१, २१३, २८६, ३०३
ठाकुर (श्रीकृष्ण) दू २२२, २४७, २७०
ठाकुर (श्रीकृष्ण) तो २४६, २५०
ठाकुरद्वारो प ८४

त

तीर्थ गुरु पुष्कर प २४
तीर्थ यात्रा दू २६६
तुळछीदळ दू ५६
तुळसी तो २६२
तुळसी पांणी तो २६२
तेलोचन दू ५६
तेहो भवन दू ५६
त्रिलोचन दू ५६
त्रिवदन दू ५६
त्रिसूळ प ४० ४२
त्र्यंबक प १, १२२

द

दइव प ७६
दइव दू ६३
दईत तो २५१
दत्तात्री प १८५
दसमों सालगराम प २०४

दांणव प. २१२
दांणव दू. ५६
दांन दू. २२३, २३६, २३७
दांन-पुण्य प. १३६
दिल्लीश्वर ईश्वर प. २२०
दुगायचा (डूगर माता, दुगाय माता) ती. २५७
दुगायचा दे० दुगायचा ।
दुर्गा देवी ती. ५३
दुर्गायंचा दे० दुगायचा ।
देव दे० देवता ।
देव-ऊठणी-एकादशी दू. ३२२
देव-ऊठणी-एकादशी ती. २६५
देवगति दू. २७१
देवता प. ११, २१३, २७३, २७४, २७५
देवता ती. ५७
देवलोक ती. ७६
देव-पट्टन प. २१३, २१४, ३३५
देवपाटन दे० देव-पट्टन ।
देव-रो-पाटण दे० देव-पट्टन ।
देवांग-विद्या प. १८५
देवायर प. १६२
देवी, (देवीजी) प. ११, १८५, २०२, २०३, २७३, २७४, ३३६
देवी, (देवीजी) दू. १३, १७, १८, २२, २०३, २०४, २१७, २१८, २२०, २३७, २६७, २७२
देवी,(देवीजी) ती. १७, ६६, १५४, २६२
देवोत्थान पर्व ती. २६५
दैत प. ३३६
दैत ती. २५२
देवी-शक्ति दू. २०३
दैव्यांशी दू. २०३
द्वारकाजी (तीर्थ) प. १११, २६३, २६४, २८६, ३३७
द्वारकाजी (तीर्थ) दू. २२५, २६६, २६७, २६८
द्वारकाजी (तीर्थ) ती. २६६
द्वारकानाथ दू. २६८
द्वारामती दू. २२५

ध

धनदाता देवी प. १८५
धरतीमाता दू. ३०४
घ्रू प. ७, २२६
घ्रू दू. ५२, ५३
ध्रुव दे० घ्रू ।

न

नाग दू. २५२
नाग ती. ७४
नागद्दी धारणी दू. २०२, २०३, २०४
नासिक-त्रंबक प. १, १२२
नासिक-त्र्यम्बक दे० नासिक-त्रंबक ।

प

पनग दू. २५३
परब्रह्म ती. १७५
परमेश्वर प. १४५, २२०, २६५
परमेश्वर दू. २१७, २६६, ३२२
परमेश्वर ती. ४, ५, ८८, ६४, १२०,२५५
पाबूजी दे० पुरुष-नामावली ।
पारसनाथ प. ४७
पितर प. १६
पींडी (शिवलिंग) प. २१३, २१५, २१६
पोकरजी (पुष्कर) प. २४
प्रदक्षिणा दू. २७७
„ ती. ८६
प्रभासक्षेत्र (प्रभासखेत्र) दू. ३
प्रभास-पट्टन प. २१३
प्रम प. १८४
प्रमहंस प. १८५
प्रयागजी प. ११२
„ ती. २७६

प्रागवड़ प. २२९
प्राची-माधव प. २७७

फ

फणइव (फणींद्र) प. १६०

ब

बभेसर दू. २१५
बभूत ती. २७
बहुळी-जोगणी प. २०४
बावण-विसन प. १५
बिंद-सरोवर (तीर्थ) प. २७७
ब्रहमा दे० ब्रह्मा।
ब्रह्म प. ७
ब्रह्मकोप प. २१५
ब्रह्मतेज प. २१५
ब्रह्मवाचा दू. २१
ब्रह्मा प. ६, ७७, ११६, १२२, १६२, २८०, २८७, २९२
ब्रह्मा दू. ६
ब्रह्मा ती. १७५, १७७

भ

भगवान प. १५, ६३
„ दू. ३५, २४६, ३२०
भगवान राम प. ६३
भद्र ती. ५३
भद्रकाळी ती. १७
भव (शंकर) दू. २४९
भागीरथी ती. २०६
भुवनेश्वरी प. १८५
भूत दू. ४९
भूत ती. २५१, २५२, २५३, २५४

म

मगळ (अग्नि) दू. २५२, २५३
मंत्र-प्रावाहन प. १
मंदाकिनी ती. २०६
मक्का दू. ४६
मथुरा (मथुराजी) प. १३१, १३२, ३१२, ३५६
मथुरा (मथुराजी) दू. ११, १६, १४०
मथुरा (मथुराजी) ती. २०६
मरीच प. ७७, २८७
मदनायकजी ती. २१३
मह-मोहण (महा मोहन श्रीकृष्ण) दू. ६३
महाकाळ प. १२५
महादेवजी प. ७, ११, १४४, १५४, २१३, २१५, २१६, २१७, २१८, २१९, २२०, २८६
महादेवजी दू. २६७, २७२
महादेवजी री पींडी प. २१९
महादेवजी री लिंग प. २१३, २१६
महादेव-सोमइयो प. २१३, २१४, २१५, २१६, २१७
महा रोख प. ६, १६१
महीनाळ-तीर्थ प. ४४
महेसुर प. १८५
मांसाधेन प. १
मांमा-खेजड़ी प. २४७
मांमाजी (लोक-देवता) प. २४७
माताजी (देवी) दू. १८, ३१८
माया ती. ७१
मित्रावरुण प. १२२
मुद्रा प. १८४, १८५
„ दू. २१०
„ ती २४
मेखळी ती. २७

य

यद्र प. २७८
यमपाळ प. १२५
यमुना दे० जमुना।
यात्रा (तीर्थ) प. २८६
युगादि विष्णु ती. १७५

र

रणछोड़जी प. १११
,, दू. २६८
रांमचंद प. ९२
रांमदे पीर प. ३५०, ३५१
रांमेस (रामेश्वर) दू. ३८
राकस (राक्षस) प. १३४
राकस (राक्षस) ती. १६४, १६५
राक्षस दे० राकस ।
राठासण देवी प. ११, १२, ३४, ४४
राम भगवान प. ६३
राण्ड्रयेना देवी प. ३४
रिणछोड़जी दे० रणछोड़जी ।
रिव प. २३१, ३५४
रिषीकेश (आबू पर्वत पर) प. १७८
रुंडमाळ दू. २४६
रुद्र प. १६२, २७७
रुद्रनाग प. १६०
रुद्र महालय प. २७२, २७७, २७८
रुद्रमाळो (डूंगरपुर-राजस्थान) प. ८५
रुद्रमाळो (सिद्धपुर-गुजरात) प. २७२, २७६, २७७,
रुद्रवाचा दू. २१
रूपांदे रांणी दू. ११०, २८४

ल

लक्ष्मी दू. २७४
लक्ष्मी ती. ५३
लक्ष्मीनाथ ती. २२१
लांग सगती ती. २२२
लाछ सगती ती. २२२
लाभभ्रम दू. ११८
लिंग प. २१३, २१४, २१६, २१९

व

वडगच्छ ती. १६
वर दू. २६७
वर ती. १९५
वरदांन ती. १२०
वर-वासण देवी प. ४७
वाघाछळ देवीजी प. १३४
वाणारसी दे. ग्राम नामावली ।
वामन अवतार प. १५
वासग प. २७८
विधाता दू. २७४
विनायक ती. १५४
विष्णु दे० विष्णु भगवान ।
विष्णु भगवान प. १५
विष्णु भगवान ती. २८, १७५, २१५
विसनर दू. २४६
विह दे० विधाता ।
वेद प. १९२
वैवस्वत दे० वैवस्वत-मनु ।
वैवस्वत-मनु प. ७८, ११९
वैश्वानर दू. २४६
वैष्णव प. ३०३
वैष्णव ती. २१३
वसम प. २७८

श

शंकर दू. २४६
शंख प. ३१६
शत्रुंजय प. ३३५
शिव प. ८५
शिव दू. २४६
शिव ती. २८
शिव-पट्टन प. २१३
शिवलिंग प. २१३, २१५
शेषनाग प. ६
शैव (सिव) प. ३१
श्रीआदिनाथजी प. ३६
श्रीआदिनारायण ती. १७७
श्रीकुंजविहारीजी ती. २१३
श्रीकृष्ण (श्रीकृष्णदेव) प. ३०३

श्रीकृष्ण (श्रीकृष्णदेव) दू. १, ३, ६, १५, ३५, ६३, २०६, ३०३
श्रीकृष्ण (श्रीकृष्णदेव) ती १७४, २७५
श्रीगनश्यामजी ती. २१३, २१५
श्रीगोकुळनाथ (श्रीगोकुलीनाथ) प २१३
श्रीठाकुरजी प. १३१, २१३. २८६, ३०३
" दू २२२
" ती. १५७, २५०
श्रीपरमेस्वर दू. १२२
श्रीभगवान ती. २५०
श्रीमहादेवजी दे० महादेवजी।
श्रीमहादेवजी सारणेसरजी प. १७३,१७८
श्रीरणछोड़जी (श्री रणछोड़राय) प १११
" " दू. २४६, २४७, २६८
श्रीरणछोड़जी (श्री रणछोड़राय) ती १७६, २६६
श्रीरणछोड़राय सेठ ती. १७१
श्रीरामचन्द्रजी प. १२८, २८८, २९२, २९३, २९५
" ती. १७८, २४६
श्रीलक्ष्मीनाथजी (जैसलमेर) ती २२१
श्रीवाराहजी प. २४
श्रीविष्णु दू. ३

स

सकर (शंकर) दू २४९
सत प २७८, ३३९
सकत (शक्ति) प. १८६
सचियायदेवी (सचियाय) प. ३३७, ३३९
" " ती. १७५
सपत पताळ प १९२
सरग प. ७, १९०, २७८
" दू २७३
सरस्वती प. १८५, २७७
" दू. ३, २६६
" ती. २९, १७३
सहस्रलिंग दू ३३
सारणेस्वरजी महादेव प. १७३, १७८
सारसत्त दे० सरस्वती।
साळगराम प २०४
सावद प ३६, ४७
सिकोतरी ती. २
सिद्ध प २५४, २७८, २८५
" ती २७, ७९
सिद्धपुर प २७६, २७७
सिद्धपुर दू २७२
सिध दे० सिद्ध।
सिव (सिवधर्म=शैव) प ३२
सिवपुरी प १८९, १९०
सीतळा दू. १०६, १५५
सुर प २७७, २७८
सुरथान प. १८८
सुरां-गुर प ३५४
सूरज (सूर्य) प. १ ३, ४३,७८,१९०,२८७
" दू ३७, ३०४
सूर्यवंश ती. १७७
सेत दे० सेतुबंध।
सेतुबंध प ६. २७
" दू ३८
सेत्रूंजो प. २७६, ३३५
सेस प, ६, २२९
सैणी चारणी देवी प २०४
सोमइयो प २१४, २१५
सोमइयो महादेव प. २१३, २१४, २१५, २१६, २१७, ३३५
सोमइयो महादेव ती. २९४
सोमइयो-लिंग प २१३
सोमनाथ-पट्टन प. २१३
सोमनाथ महादेव प. २१३, २१४, २१५, २१६, २१७, २१८, २१९, ३३५
सोमनाथ महादेव,ती. २९४

सोरंभजी प. २१४
सोरों-घाट प. २१४
स्वर्ग प. ७, २७८
स्वग प. १८६, २४५
स्वग-सातमों प. २४५

ह

हुकबूजी दे० हरभम पीर सांखलो ।
हर प. ३४२, ३४६
हर व्र. ३२०
हरभम दे० हरभम पीर सांखलो ।
हरभम जाळ प. ३५०
हरभम पीर सांखलो प. ३४८, ३५०, ३५१, ३५२
हरभू पीर दे० हरभम पीर सांखलो ।
हरि प. ३४२, ३४६

सम्पूर्त्ति

छूटे हुए नाम अथवा पृष्ठ-सख्या

[नाम की पक्ति सख्या उस नाम का उस पक्ति मे होना चाहिये बताता है]

पृ	कॉ	प	पुरुष नाम
२	२	२१	१३६, १४१
३	१	६	पद्मो प ३६३
५	२	२०	३१, ३६१
७	२	२	आलमसाह प ६६
८	१	४	३६१
८	१	१०	३६२
६	१	२	३६१
६	२	६	३२०
१२	१	७	कपड़ हू २१४
१२	१	८	कपड़नाथ योगी हू २१४
१३	१	११	५, ६, १३, १५, १६, ७०
१३	२	१०	करमचद पवार प १२२
१४	१	३	१६६
१४	१	२७	१६५
१५	१	॰	१५६
१६	२	२	काबो गढो प १३६
१६	२	१३	३१५
२०	२	५	३६३
२१	१	२४	३६१
२१	२	११	खीमो सकरोत हू ८४
२२	२	४	गगस घोघो प ५
२२	२	१३	३३८
२३	१	३	गढो काबो प १३६
२३	१	१६	३६३
२३	१	३४	३५६
२४	१	१२	गोकळ प ३६१
२७	१	३६	घवडो दे० चूडो।

पृ	कॉ	प	पुरुष नाम
३२	१	१४	३१८
३३	२	२८	३१०
३५	१	१३	४३, ४५, ४७, ४८, ५३, ५४ ५५, ६६, ६७, ६८
३६	२	११	१६४
४१	२	३१	३१७, ३१८
४४	२	१४	१६८, १६६
४७	१	२१	१८३
४८	२	६	१६६
४८	२	७	१६८
४८	२	अतिम	१६१
५०	१	२६	३५२
५०	२	३	११६
५४	२	३१	६७, १११, १६५, ३१२
५५	१	२६	१७
५५	१	अतिम	प्रथीराज प २४३
५७	१	२१	बहल्लाल प. १८६
५७	२	५	६७, ६९
५७	२	२४	बालरय प. २८८
६५	२	२५	३४५, ३४६
६६	२	२७	२६४, २६५, २६७
७२	२	६	पतायतसिंह रावल दे० पताई रावल
७६	१	अतिम	३१६
७७	१	३५	१८६, १६०
८१	२	२६	लसकरो कंमरो प ३००
८६	१	४	१०१

पृ.	कॉ.	पं.	पुरुष नाम
९८	१	३	साह आलम प. ५१
१०१	२	२६	२८३
१०२	२	२३	१०२ से ११०
			भौगोलिक
१२०	२	६	२२६
१२८	२	१६	४१
१३२	२	१७	जांभोरो सीयळां रो दू० ६
१४३	२	३	पूंछणो दू. १६४ वै० पूछणो
			सांस्कृतिक
१७२	१	१६	अमल रो पोतो प. १०२
१७२	१	२४	अलाह-चलाह प. १००
१७२	२	६	आहुत्तांनो प. ८६
१७२	२	१३	१३४, २०६

पृ.	कॉ.	पं.	सांस्कृतिक
१७	१	३१	किरियांणो (प्रसूता की पौष्टिक खाद्य-सामग्री दू. २८०
१७३	२	६	कोड़वांन दू. २२३
१७३	२	२५	गोडो वाळणो दू. ११६
१७४	१	७	३३९
१७५	२	७	दांन-पुन्य प. १३६. २६६
१७५	२	१३	बायजो प. ७६
१७५	२	२५	बुहागण दू, १०
१७६	२	६	पाणी वेणो दू. १३७
१७६	२	११	पाघड़ी-भाई दू. ६६
१७६	२	३७	पोतो प. १०२
१७६	२		अंतिम प्रळैवातार दू. १२०

परिशिष्ट २

अनूप संस्कृत लाइब्रेरी की मुंहता नैणसी री हस्तलिखित ख्यात-प्रति में दी हुई विशिष्ट पुरुषों की जन्मकुंडलियां

नैणसी ने अनेक प्रसिद्ध पुरुषों की जन्म कुंडलियां भी ख्यात में उनके वर्णन प्रसंगों के साथ दी हैं, जिनसे उनके जन्म समय और जीवन की स्थिति पर अच्छा प्रकाश पड़ता है। ये कुंडलियां ज्योतिष-शास्त्र में रुचि रखने वालों के लिए बहुत महत्व और शोध की वस्तु हैं। ऐतिहासिकों के लिए भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। ये जन्म कुंडलियां केवल अनूप संस्कृत लाइब्रेरी, बीकानेर की नैणसीरी ख्यात (पुस्तक सं० २०२/२४) में ही [illegible] हुई है। अन्य किन्हीं भी प्रतिलिपियों में नहीं होने से और यह प्रति ख्यात का प्रथम भाग मुद्रित हो जाने के बाद देखने को मिलने कारण यथास्थान दी नहीं जा सकी थीं; अत. यहां दी जा रही हैं—

रांणा सांगा री जन्मकुंडली

समत १५१६ रा वैसाख वद ६ सांगा रो जनम। समत १५६६ जेठ सुद ५ रांणो सांगो पाट बैठो। (ख्यात पत्र ५ सू उद्धृत)

३	२ शु बु रा	१
४ वृ		१२ र
५	श्री।।	११ च
६	८ के	१०
७ म. श.		९

रांणा उदैसिंघ री जन्मपत्री

रांणो उदैसिंघ, संमत १५७६ भादवा सुद ११ जनम। सं० १६२८ रा फागुण सुद १५ रांणो उदैसिंघ काळ प्राप्त हुओ। (ख्यात पत्र ६ सूं उद्धृत)

६ शु के	५ र बु	४ मं
७		३
८ चं.	श्री।।	२
९	११ [illegible]	१
१० वृ		१२ रा

जगमाल सीसोदिया री जनमपत्री

सं० १६११ असाढ वदी ५ रविवार रो जनम (ख्यात पत्र ६ सूं)

<table>
<tr><td>४</td><td rowspan="2">३
सू
रा</td><td>२ बु</td></tr>
<tr><td>५ मं</td><td>१ शु</td></tr>
<tr><td>६</td><td>श्री।।</td><td>१२ श गु</td></tr>
<tr><td>७</td><td rowspan="2">९
के</td><td>११ च</td></tr>
<tr><td>८</td><td>१०</td></tr>
</table>

सगर रो जन्म

सं० १६१३ भादवा वदी ३ रो सगर रो जन्म (ख्यात पत्र ६)

<table>
<tr><td>३ मं</td><td rowspan="2">२
रा</td><td>१ श</td></tr>
<tr><td>४ र</td><td>१२</td></tr>
<tr><td>५ बु</td><td>श्री।।</td><td>११ चं</td></tr>
<tr><td>६ शु</td><td rowspan="2">८
बृ
के</td><td>१०</td></tr>
<tr><td>७</td><td>९</td></tr>
</table>

महारांणा प्रताप री जन्मकुंडळी

सं० १६९६ जेठ सुद ३ रविवार रो रांणा प्रताप रो जन्म (ख्यात पत्र ७)

<table>
<tr><td>११</td><td rowspan="2">१०</td><td>९</td></tr>
<tr><td>१२ रा</td><td>८</td></tr>
<tr><td>१</td><td>श्री।।</td><td>७</td></tr>
<tr><td>२ र</td><td rowspan="2">४
बृ</td><td>६ मं श के</td></tr>
<tr><td>३ शु. बु. चं.</td><td>५</td></tr>
</table>

रांणा करन री जन्मकुंडळी

जन्म स० १६४० सावण सुदि १२, मृत्यु १६६४ फागुण (ख्यात पत्र ८)

३ के	२	१
४ र		१२ वृ.श.
५ शु. बु	मी॥	११
६ म	८	१०
७		९ रा च.

रांणा जगतसिंघ री जन्मकुंडळी

जन्म स० १६६४ रा भादवा सुद १२, संमत १७१४ रा जेठ मांहे धवळपुर री लड़ाई काम आयो।

६ शु व च	५ र म रा	४
७		३
८		२
९ श	११ के	१
१०		१२ वृ

परिशिष्ट ३

ख्यात में प्रयुक्त पद, उपाधि और विरुदादि विशिष्ट संज्ञाओं या शब्दों की अर्थ सहित नामावली.

सं०	— संज्ञा	प. —	नैणसी री ख्यात का पहला भाग		
ब.व.	— बहु वचन	दू. —	,,	,,	दूसरा भाग
दे०	देखिये	ती. —	,,	,,	तीसरा भाग

अखैसाही नांणो—जैसलमेर के रावल अखैराज द्वारा प्रचलित एक रौप्य मुद्रा।

अजवी—परवत्तर और महारोट के मनत्र-ओर रावत उद्धरण वहियैं का विरुद।

अभंगनाथ—विजयी वीरों में श्रेष्ठ वीर।

अमल-री-पोतो—अफीमची लोगों के अफीम रखने का वस्त्र का बना एक प्रकार का बटुआ।

असंख प्रवाड़-जैतवादी—चित्तौड़ के राना रायमल के अत्यन्त बलशाली और असंख्य युद्धों में विजय प्राप्त करने वाले पुत्र पृथ्वीराज का विरुद।

असत धांन—१. हल्की किस्म का अनाज २. नहीं खाने योग्य (सड़ा-गला) अनाज।

असुख—१. शत्रुता २. रोग।

असुर—आसुरी प्रकृति के कारण 'मुसलमान' का लक्षणार्थ पर्याय।

(ब.व.—असुरां, असुरांण, असुरायण, असराळ, असुराळ, असाळ)

आऊठ कोड़ बंभणवाड़ }
आऊठ कोड़ सांमई } — नवलखी सिंध का बंभणवाड़ प्रदेश और उसका सामई नगर। (कहा जाता है कि सिंध, कच्छ और सोरठ के अमुक भाग नवलखी सिंध के नाम से प्रसिद्ध थे। बंभणवाड़ आठ करोड़ की आय का प्रदेश कहा जाता है।)

आखाड़सिद्ध—१. रणकुशल। २. विजयराव चूड़ाळे का विरुद।

आगू—१. यात्रा में आगे चलने वाला और भय स्थानों एवं शत्रुओं की सूचना देनेवाला व्यक्ति। २. मार्गदर्शक।

आदित, आदित्य—दे. दीत-ब्राह्मण।

आयस, आयसजी—राजस्थान के नाथ सन्यासियों का विरुद या उपाधि।

आरंभरांम—('आरंभ+आरांण' का अपभ्रंश रूप) वह शक्तिमान राजा या बादशाह जो किसी भी शत्रु के ऊपर किसी भी समय भारी सेना के साथ आक्रमण करने के लिये तैयार रहता है।

आलमगीर—बादशाह औरंगजेब रा विरुद।

आसा—गर्भ

आहाड़ा—'आहाड़' नामक गांव में बसने के कारण मेवाड़ के शिशोदियों (शासकों) का एक विरुद।

आहूठमा-नरेशं—चित्तौड़ के शिशोदिया नरेशों का एक विरुद।

इन्द्र—राजस्थानी साहित्य की सोलह विधाओं में से एक।

इयको—दे० एको।

उडणो-प्रणो—दे० उडणो-प्रथीराज।

उडणो-प्रथीराज—एक ही दिन में मंदर टोडा और जालोर को विजय कर लेने के कारण राना रायमल के पुत्र पृथ्वीराज को बादशाह की ओर से दी हुई उपाधि।

उड़दावो—कई धान्यों को मिला कर घोड़ों के लिये बनाया जाने वाला एक खाद्य।

उपाधियो—वेद-वेदांग पढ़ाने वाले अध्यापक की एक उपाधि।

उमराव—बादशाहों के दरबारी हिन्दू-नरेशों की उपाधि।

(बादशाही दरबारों में उमरावों की संख्या मुसलमान खानों की अपेक्षा दो अधिक होती थी और वह ७२ थी। हिन्दू उमराव युद्धों में सिर कट जाने पर धड़ से लड़ते थे और धड़ के शान्त हो जाने पर उनकी पत्नियां उनके साथ सती हो जाती थीं। इसीलिये कहा जाता है कि इन दो विशेषताओं के कारण उमरावों की दो संख्यायें शाही-दरबारों में प्रतिष्ठा स्वरूप हिन्दुओं को प्राप्त थीं।

'उमराव' अमीर शब्द का बहुवचन रूप है।

'उमराव' और 'उमराव थारो' राजस्थान के वैवाहिक-लोक-गीतों में एक नायक के रूप से भी प्रसिद्ध है।

उवही—समुद्र।

ऋषि, ऋषीश्वर—१. वेद-मन्त्रों का प्रकाशक, मंत्र-द्रष्टा। २. आध्यात्मिक और भौतिक तत्वों का ज्ञाता।

एको—अनेक योद्धाओं से अकेला लड़ने वाला शक्तिमान बादशाह का अंग-रक्षक।

एवाळियो—भेड़-बकरी चराने वाला व्यक्ति। गड़रिया।

ओकर—१. दुर्वचन, गाली। २. विष्टा।

ओठी—ऊंट सवार (१. ऊंट। २. ऊंट से सम्बन्धित।)

ओढो-रांवण—रावण के समान भयंकर महाबली योद्धा सूमरे का विरुद। (विकट महाबली)

ओळ—१. वह बंधक-नियम जिसमें मनुष्य को गिरवी रखना पड़ता था। २ मनुष्य को गिरवी रखने की प्रथा।

ओळगण—गानेवाली ढाढिन नौकरानी। (१. वियोगिनी, २. पत्नी. ३. महतरानी)

ओळगू—गाने बजाने वाला ढाढ़ी नौकर।

कँवर—१. राजा या जागीरदार का लड़का। २. राजकुंवरी। ३. पुत्र।

कँवरांणी—कुंवर की पत्नी।

कँवारमग, क्वारमग—आकाश गंगा।

कणवारियो—खेतों में से कूंता किया हुआ नाज इकट्ठा करने वाला सरकारी अनुचर।

कनवजियो, कनवजो—कन्नौज से मारवाड़ में आये हुए राठौड़ क्षत्री का विरुद।

कपूर वासियो पांणी—कपूर-वासित पानी।

कमंध, कमध, कमधज, कमधजियो—राठौड़ क्षत्रियों का विरुद।

करहीरो—ऊंट सवार, करभारोही।

करोड़ी, किरोड़ी—मुसलमानी राज्यकाल में बादशाह की ओर से कर वसूल करने वाला एक अधिकारी।

कर्नल—१. राजस्थान के प्रसिद्ध इतिहासकार कर्नल टॉड की सैनिक उपाधि। २. कर्नल टॉड (Col. Tod.)

कव, कवराज, कवि, कवीसर, कवेसर—१. काव्यकर्त्ता चारण २. कवि ३. भाट-कवि।

कसतूरियो मिरघ—१. विलासिता की एक उपाधि। २. कस्तूरीमृग।

कलावंत—१. संगीतज्ञों की एक उपाधि। २. एक संगीतज्ञ जाति। ३ एक क्षत्रिय जाति। ४. संगीतज्ञ।

कांचळी—पुत्री नेग

कांठळियो—१. सीमा रक्षक। २. पड़ोसी राज्य का लुटेरा। ३. लूटखसोट करने वाला पहाड़ी लुटेरा।

कांनूंगो—बादशाही समय का एक कर्मचारी, कानूनगो।

कांमदार—जागीरदार की जागीरी का मुख्य प्रबन्ध-अधिकारी।

कांमेती—दे० कामदार।

काछ पंचाळ—कच्छ और पांचाल देश की एक देवी।

काछराय—सैणी नाम की कच्छ देश की एक देवी।

कारण—१. गर्भ। २. प्रतिष्ठा। ३. मान-मर्यादा। ४. कृपा।

कारणीक—१. योग्य। २. प्रामाणिक। ३. ज्ञाता, जानकार। ४. परोपकारी। ५. विवेकी। ६. दरमियानगिरी करने वाला।

काळ-भुजाळ—काल से भी युद्ध करने में समर्थ।

काळो तारो—१. पिता को मारने वाले शत्रु का बदला नहीं लेने वाले पुत्र को कलंक रूप उपाधि। २. युद्ध से भाग जाने वाले व्यक्ति का कलंककारी नाम।

किलंव, किलंम—कलमा पढ़ने के कारण मुसलमान का लाक्षणिक नाम। (ब. व.—किलंमां, किलंमांण, किलमां, किलमांण, किलमायण)

किलेवार—१. दुर्गरक्षक। २. दुर्गरक्षक का पद।

कुंवर-मांणो—
कुंवर पछेवड़ो—
कुंवर पामरी—
कुंवर सूखड़ो—
} कुंवर के नाम पर जागीरी प्रजा से लिया जाने वाला एक कर।

कुतबसाही-नांणो—सुलतान कुतुबुद्दीन द्वारा प्रवर्तित कुतुबशाही मुद्रा।

कूरवाण—मांस-खाद्य रखने का एक पात्र।

कृत—मृतक-संस्कार।

केसरिया—विवाहार्थ व युद्धार्थ पहिनी जाने वाली केशर रंग की पोशाक।

कैलपुरो—कैलवा नाम के गांव में बसने के कारण सिसोदियों का एक विरुद।

कोटवाळ—१. शासनाधिकारी का एक पद। २ दुर्गरक्षक और उसका पद।

खटायत—सहन करने वाला वीर पुरुष।

खबरवार—संदेश-वाहक अनुचर।

खरक कूंण—वायव्य और पश्चिम दिशा के बीच की दिशा।

खवास—१. राजा की खवासी करने वाला नौकर। २ नाई। ३. दासी। ४. रखेल स्त्री।

खांगड़ो—१. राठौड़ राजपूत। २. राठौड़ों का एक विरुद। ३. वीर।

खांगीवध—राठौड़ों का एक विरुद।

खांट जात—भील, नायक, मेर आदि जातियों की समष्टि।

खांन—१. बादशाह की सभा के मुसलमान दरबारी। खानों की संख्या बादशाही दरबारों में ७० होती थी। इनके मुकाबिले उमराव ७२ होते थे। 'सत्तर खान और बहत्तर उमराव' की लोकोक्ति प्रसिद्ध है।
२. पठानों की एक उपाधि। ३. मुसलमान।

खाडेती—बैलगाड़ी आदि वाहन चलाने वाला व्यक्ति। २ हल चलाने वाला व्यक्ति।

खालसा—१. राजाओं की उप-पत्नियों का एक प्रकार। २ रखेल। ३ दासी।

खिलहरी, खिलहोरी, खिलोरी, खिलोहरी—१. जंगली मनुष्य। २ भेड़ बकरी चराने वाला व्यक्ति।

खुरसांण—लक्षणार्थ में मुसलमान का पर्याय (ब. व. खुरसाणां, खुरासाणां)

खूदालम—बादशाह।

खून—१. अपराध। २ हत्या।

खूमांणो—रावळ खूमाण के वंशज सिसोदिया क्षत्रियों का विरुद।

खूर—लाक्षणिक अर्थ में मुसलमान व्यक्ति।

खेड़ा री वाघण—शिकार का एक प्रकार।

खेड़ेचा—मारवाड़ में राठौड़ क्षत्रियों का खेड़-पाटण में सर्व प्रथम राज्य स्थापित होने के कारण उनका ऐतिहासिक विरुद।

खेड़ायत—१. एक गांव का धनी। २. जमीन जोत करके गुजरान करने वाला व्यक्ति।

गंग—१. राना घणसूर मोहिल का विरुद। २. राव गांगा की ऊन संज्ञा।

गजधर—भवन निर्माण करने वाला शिल्पी।

गढपति—दुर्गपति, राजा।

गायणी—१. गाने वाली। २. वेश्या।

गुढो—रक्षा-स्थान।

गुल-लाग—विवाह आदि में गुड़ के रूप में दिया जाने वाला एक कर।

गेहलो—अणहिलपुर-पाटण के शासक कर्ण (की मूर्खता) का विरुद।

गोडो वाल्णो—मृतक की सम्वेदना प्रकट करने को जाना।

गोत्र-कदंब—स्वगोत्री (कुटुम्बी) जनों की हत्या।

ग्रासियो—१. ग्रास (गुजारा) के लिये मिली हुई जमीन का मालिक। २. विद्रोही, बागी। ३. लूट-खसोट करने वाला व्यक्ति।

घणदेवजी-रोटा—१. बड़ी बाटी का भोजन। ३. देवी-देवता के निमित्त बनाया हुआ बाटी का भोजन।

घरवास, घरवासो—पत्नी रूप में पर-पुरुष के घर में रहना।

घावड़ियो—हानि पहुंचाने या मारने के लिये ताक में रहने या पीछा करने वाला व्यक्ति।

घोरंधार—कोळू के शासक पने का विरुद।

चकवै—चक्रवर्ती राजा, सम्राट।

चरवैदार—१. घोड़ों की देखभाल करने वाला नौकर, सईस। २. घोड़ों को जंगल में ले जाकर चराने-फिराने वाला नौकर।

चवरासियो—चौरासी गांवों का स्वामी। २. राजस्थानी लोकगीतों का एक नायक।

चासरियाल्—लक्षणार्थ में मुसलमान का पर्याय।

चींधड़—१. आवश्यक समय के लिये चुनिंदा वीर योद्धा। २. अधिक अफीम खाने के कारण सुध-बुध रहित व गंदा रहने वाला व्यक्ति।

चूड़ालो—प्रसिद्ध वीर भाटी विजयराव का विरुद।

चोटी-वढियो—जागीरदार की प्रजा का वह कर-मुक्त मनुष्य जिसको अपनी चोटी कटाई हुई रखनी पड़ती थी।

चोधरी—१. गांव की चौधराई का पद। २. जाति या समाज का मुखिया।

चोरासिया-ठाकर—१. चौरासी गांवों का जागीरदार। २. बड़ा जागीरदार।

छकड़—एक प्राचीन सिक्का।

छठो—१. मृत्यु । २. युद्ध ।

छड़ीदार—छड़ीबरदार, चोबदार ।

छतीस पवन—१. चारों वर्ण और उनके अंतर्गत आने वाली समस्त जातियाँ । २. संसार की समस्त जातियाँ ।

छत्रपति—१. मरहटों का राज्य स्थापित करने वाले वीरवर शिवाजी की उपाधि और विरुद । २. छत्रधारी राजा या महाराजा ।

छात्राळा—जैसलमेर के भाटी शासकों का विरुद ।

जवादि जळहर—१ वह जलागार जिसके जल में क्रीड़ा या मंजन करने के लिए कस्तूरी आदि सुगंधित पदार्थ मिलाये गये हों । २ सुगंधित किये हुए जलागार में की जाने वाली स्नान-क्रीडा ।

जमीदार—जमीन का स्वामी ।

जय-जंगळधर—१. बीकानेर के राठोड़ राजाओं की उपाधि और विरुद । २. बीकानेर राज्य का आदर्श वाक्य ।

जलालस्याही, जलाला नांणो—जलालशाही रुपया ।

जवन—मुसलमान का पर्यायवाची ।

जांगड़—ढोली ।

जांणाऊ—१. भेदिया, गुप्तचर । २. चतुर, विज्ञ ।

जांम—सौराष्ट्र के नवानगर (जामनगर) के शासकों की उपाधि ।

जागीरदार—जागीर का स्वामी, जागीर-प्राप्त व्यक्ति ।

जोगणी—१. रण-पिशाचिनी । २. योग साधन करने वाली स्त्री । ३. जोगी जाति के पुरुष की स्त्री ।

जोगी—१. योगी, योग साधन करने वाला तपस्वी । २. आत्मज्ञानी ।

जोगी-रावळ—१. बड़ा योगी, योगीश्वर । २. राज्य-सम्मानित योगी ।

जोगेश्वर, जोगेसर—योगीश्वर ।

जोसी—ज्योतिषी, राज्य-ज्योतिषी ।

झींटोळियो—१. एक प्रकार का भूत । २. साधारण भूत ।

झोटिंग—१. घने बालों वाला और काले रंग का एक बड़ा भूत । २. महिषाकृति व काले रंग का एक बड़ा भूत ।

टका—१. रुपया । २. दो पैसे (रु० $\frac{1}{32}$) का सिक्का, रुपये के ३२वें भाग का एक सिक्का ।

टीकायत—१. राजा का उत्तराधिकारी पुत्र, युवराज । २. मुखिया, अधिष्ठाता ।

ठकरांणी—१. ठाकुर की पत्नी । २. कुलवान क्षत्राणी ।

ठकराळा, ठकुराळा—१. ठाकुर के लिए आदर-सूचक संबोधन । २. ठाकुर ।

ठाकर--१. ठाकुर, जागीरदार। २. कुलवान क्षत्री।

ठाकुर--१. श्रीराम अथवा श्रीकृष्ण (की मूर्ति) २. श्रीकृष्ण। ३. दे० ठाकर।

ठाकुरजी--१. श्रीराम अथवा श्रीकृष्ण (की मूर्ति)। २. श्रीकृष्ण।

डावड़ी --१. जागीरदार की एक दासी। २. पुत्री।

डोळी--ब्राह्मण-साधु आदि को दान में दी हुई कर-मुक्त भूमि।

ढोल विरावणो--आक्रमण के समय सूचना देने और संगठित होने के लिये विशेष प्रकार से ढोल का बजवाना।

डाबी-पाघ--राठोड़ों की पगड़ी का एक पेच।

तपसी--तपस्वी साधु।

तहड़-कूंण--सोलह दिशाओं में की एक दिशा का नाम।

तुरक--मुसलमान व्यक्ति का लक्षणार्थ नाम।

तुरकांणी--१ तुर्क राज्य, मुसलमानों का राज्य। २ मुसलमान स्त्री।

थाळी-लाग--१. प्रति व्यक्ति कर। २. विवाहादि में थाली भर कर भोजन रूप में लिया जाने वाला कर।

दळथंभण--जोधपुर के महाराजा गजसिंह का विरुद।

दसमों साळगरांम-गोकुळीनाथ--जालोर के प्रख्यात वीर राव कान्हड़दे सोनगरे का विरुद।

दानेसर, दानेसवर--प्रभात नाम महादानी कुन्ती पुत्र कर्ण (वसुषेण) का विरुद।

दांम--पैसे के २५ वें भाग का एक सिक्का (६४ पैसे के रु० १ के १६०० दाम होते थे)।

-दीत--दे० दीत-ब्राह्मण।

दीत-ब्राह्मण--चित्तौड़ के शासक सीसोदियों के पूर्वजों (वन शर्मा के बाद गोदसीदित्य से भोगादित्य तक ५५ पीढ़ियों) की 'आदित्य-ब्राह्मण' उपाधि या अल्ल।

दीवांण--१. मेवाड़ के सीसोदिया शासकों (महारानाओं) का पद और एक विरुद। (मेवाड़ राज्य के स्वामी श्रीएकलिंगजी और महाराना उनके दीवान हैं) २. राज्य का प्रधान मंत्री, दीवान।

दुगांणी-- १. रुपये के सौवें भाग का एक पुराना सिक्का।

२, व्याज की फलावट में गणित का एक साधन, दुगाणी।

दुगायचा (दुगाय माता)--ईंदावाटी में दुगाय पर्वत पर की डूगर माता देवी। दुर्गा-पंचा नाम भी प्रसिद्ध है।

देसोत--१. देशपति, राजा। २. जागीरदार।

देवचो, देवाचो--प्रतिज्ञा।

धाड़वी, धाड़ायत, धाड़ायती, धाड़ेत, धाड़ेती--डाका डालकर धन लूटने वाला व्यक्ति।

धाय-भाई—धा-भाई, दूध-भाई। स्तनपान कराने वाली धाय का पुत्र। २. धाय-भाई के वंशजों की उपाधि।

धारेचो—विधवा का परपुरुष की पत्नी होकर रहना।

नकीब—राजा-बादशाहों के पट्टाभिषेक होने, उनके राज-सभा में आने तथा उनकी सवारी के समय विरद गान करने वाला सेवक।

नगारो दिराणो—आक्रमण के समय सूचना देने और वीरों का संगठित होने के लिये विशेष प्रकार से नगाड़े का बजवाना।

नबाब—मुसलमान शासक या रईसों की एक उपाधि। २. किसी सूबे का मुसलमान राज्याधिकारी या शासक।

नव कोटी-मारवाड़—नौ प्रसिद्ध दुर्गों वाला विशाल मारवाड़ राज्य।

नव-सहसो—१. मारवाड़ राज्य के प्रसिद्ध राव मालदेव का विरद। २ वीर राठौड़ क्षत्री।

नागदहा—नागदहा गाव में बसने के कारण मेवाड़ के सीसोदिया-शासकों का एक विरद।

नादेत-नीसाणेत—चाचग के वंशज कल्याणराय के सांखलों का विरद।

नेगी—नेग लेने वाला व्यक्ति।

न्याळो—१ प्राखेट-गोष्ठी। शिकारियों की भोजन-गोष्ठी।

पचाध कूणा—उत्तर और वायव्य के बीच की दिशा का नाम।

पटू—प्रतिभू, जामिन।

पड़दाइत, पड़दायत—राजा की वह रखेल जिसे पत्नी (रानी) के समान पर्दे में रहने का सम्मान मिला हो।

पताई-रावळ—पावागढ़ (गुजरात) के वीर रावल यशवंतसिंह का विरद।

परत-री-वेढ़—शर्त की लड़ाई।

परधान—१. राज्य का प्रमुख पदाधिकारी, प्रधान मंत्री। २. किन्हीं दो पक्ष, ठिकाने या राज्यों में पड़े हुए झगड़े-टंटे या मतभेद को मिटाने या समाधान के लिए नियुक्त किया गया प्रतिष्ठित व्यक्ति।

पांडव—घोड़े का सईस।

पाइक—१. पैदल सैनिक। २. हर समय पास रहने वाला विश्वास-पात्र सेवक, सच्चा सेवक।

पाखा-देवळी—१. राजा का परिजन या परिग्रह। २. राज्य के समस्त स्त्री-पुरुष सेवक-जन।

पाटवी—१. पट्टाधिकारी राजकुमार, युवराज। २. जागीर का अधिकारी।

पाटोधर—पट्टाधिकारी, राजा।

पात—१. (दान दिये जाने के पात्र) चारण भाट आदि। २. चारण।

पातर—१. राजाओं की गायिका। २. लपटों की भोग-पात्र नारी, वेश्या।

पातळ—जग-विख्यात महाराना वीरशिरोमणि प्रताप का साहित्यिक नाम।

पातसाह—बादशाह ।

पासवांन—१. राजा का खास सेवक । २ राजा की एक रखेल स्त्री और उसका दर्जा ।

पिथोरो—१. अंतिम हिन्दू सम्राट पृथ्वीराज का साहित्यिक नाम । २. पृथ्वीराज के कुछ वंशजों की उपाधि ।

पिरोजसाही, पिरोजा—फिरोजशाही रुपया ।

पीथल—'क्रिसन रुकमणी री वेलि' के रचयिता प्रसिद्ध भक्त बीकानेर के राठौड़ पृथ्वीराज का साहित्यिक नाम ।

पीर—मुसलमानों का धर्म-गुरु ।

पीरोजी नांणो—दे० पिरोजसाही ।

पूण-जात—द्विजों के अतिरिक्त समस्त जाति समुदाय ।

पूतल-छोकरी—दासी ।

पृथ्वीराजा-उडणो—दे० उडणो-प्रथीराज ।

पेरोजी नांणो—दे० पिरोजसाही ।

प्रवाड़मल—१. अनेक युद्धों में विजयी होकर कीर्ति प्राप्त करने वाला वीर योद्धा । २. दे० प्रसंग प्रवाड़े-जैतवाचो ।

प्रोलियो—द्वारपाल ।

प्रोहित—१. पुरोहित । राजगुरु । २. कुलगुरु ।

फदियो—एक पुराना सिक्का ।

फरास—फर्राश ।

फरीधर, फरसीधर—परशुधर ।

फोजदार—सेना का अधिकारी, सेनापति ।

बंधांणी—नियमित समय और मात्रा में नशा करने वाला नशाबाज व्यक्ति ।

बगसी—वेतन बांटने वाला अधिकारी, बक्षी ।

बलबंड—सुल्तान गयासुद्दीन की उपाधि ।

बहुली-जोगणी—एक योगिनी ।

बा—१. सौराष्ट्र और गुजरात के रजवाड़ों की राजमाताओं के नामों के साथ लगने वाला मातृपद-सूचक एक प्रत्यय । २. माता ।

बाजारियो—१. एक मांस भोजन । २. बरात का एक विशेष भोजन-समारोह ।

बादसाह—हिन्दूेतर सार्वभौम राजा का पद । बड़ा राजा ।

बायड़—नशा करने की तीव्र इच्छा ।

बायड़ियो—नशा करने की आदत वाला, नशा करने की तीव्र इच्छा वाला ।

बारोटियो—१. लुटेरा । २. विद्रोही, बलवाखोर ।

बीबो—बीबी (मुसलमान कुलीन स्त्री) का सान्निध्य या फरजंद होने के नाते लाक्षणिक अर्थ में मुसलमान शब्द का पर्याय।

बेगम—नवाब या बादशाह की पत्नी।

ब्रह्मरिख, ब्रह्मरिष—ब्रह्मर्षि।

भड़-किमाड़, भड़-किवाड़—कपाट की भाँति अवरोध बनकर शत्रु को आगे नहीं बढ़ने देकर देश की रक्षा करने वाले वीर योद्धाओं का विरुद।

भड़-लखमसी—चित्तौड़ के राना रतनसी के भाई लखमणसी का विरुद।

भरहेर कूण—पूर्व और ईशान के बीच की दिशा।

भाँग-रा-हिमायचा—१ भांग से बना एक नशीला पदार्थ। २. भाग पीने की आदत वाला।

भूंछ लोग—१. धर्मनीति और राजरीति से अनभिज्ञ लोग। २. असभ्य लोग।

भोमियो—१. थोड़ी भूमि (खेतों) का स्वामी, जमींदार। २. ठकुर।

मडळीक—१. देरावर के देहड़, बूहड़ और गुणरंग का विरुद व उनकी उपाधि। २. मंडलीक राजा, मंडलपति।

मऊ—१. दुकालग्रस्त गरीब प्रजा जो (अगले वर्ष सुकाल हो जाने पर वापिस लौट आने के इरादे से) अपने भरण-पोषण के लिये सामूहिक रूप से स्वदेश छोड़कर किसी सुकाल वाले स्थान को जा रही हो। २. गरीब प्रजा।

मनसबदार—बादशाही शासनकाल का मनसब प्राप्त अधिकारी।

मलेछ, मळेछ—१. लाक्षणिक अर्थ में मुसलमान व्यक्ति। २. विधर्मी।

महमूदी—एक मोहम्मदी सिक्का।

महाजन—१. वैश्य, वणिक। २. धनी व्यक्ति। ३. श्रेष्ठ-पुरुष।

महाराणा—मेवाड़ के शासकों की उपाधि।

महाराज—१. ब्राह्मण और साधुओं का सम्मान-सूचक नाम। २. राजा।

महाराज कँवार—युवराज।

महाराजा—बड़े राजाओं की उपाधि।

महाराजाधिराज—अनेक राजाओं में प्रधान राजा, सम्राट।

महावत—फीलवान।

मारवण, मारवणी—१. साहित्य-प्रसिद्ध पूगल की राजकुमारी और नरवर के ढोला की पत्नी। २. मारवाड़ देश की स्त्री। ३. एक लोक-नायिका, राजस्थानी लोक गीतों की नायिका।

मारुवा-राव—मारवाड़ में से सोराष्ट्र को गये हुए गोहिल क्षत्रियों का विरुद।

मारू—१. मारवाड़ देश। २ मारवाड़ देश का निवासी (ब.व. मारवां, मारुआं) ३. एक लोक-नायक, राजस्थानी लोक-गीतों का एक नायक। ४ दे० मारवणी।

मालाणा—१. मारवाड़ के मालानी प्रदेश के क्षत्री के लिये सम्बोधन। २. मालानी प्रदेश का क्षत्री।

माहिलवाड़ियो लोक—राजा के अंतरंग लोग।

मिरजा—१. मुगलों की एक उपाधि २. मीरज़ा।

मिलक—१. मुसलमान सरदारों की मलिक उपाधि। २. लक्षणार्थ में मुसलमान का पर्याय।

मीर—१. मुसलमान सरदारों की एक उपाधि। २. अमीर।

मुंहणोत—राव सीहा के वंशज खेड़-पाटण के राठोड़ राव रायपाल के पुत्र मोहण के जैन धर्म स्वीकार कर लेने पर उनके वंशजों की ओसवालों में प्रसिद्ध हुई 'मोहणोत' शाखा।

मुंहता—१. 'मुंहणोत' का अपभ्रंश रूप। २. मोहताई या मुंहताई का पद। ३. ब्राह्मण और वैश्य आदि जातियों की एक अल्ल।

मुसद्दी—राजकार्य में कुशल व्यक्ति का पद।

मूंछाळो-मालदे—जालोर के राव कान्हड़दे सोनगरा का भाई वीर मालदेव सांवतसीओत का विरुद।

मूर्ळा-री-सिकार—१. वृक्ष पर बंधे हुए ऊंचे मचान पर बैठ कर किया जाने वाला शिकार, ओदी की शिकार। २. किसी झाड़ी, खड्डे या वृक्ष पर बैठ कर की जाने वाली रात की शिकार।

मेछ—दे० मलेछ। ('म्लेच्छ' का अपभ्रंश रूप। ब. व. मेछांण, मेछाइण, मेछायण)

मेळग—चारण।

मेवाड़ो—१. लाक्षणिक अर्थ में मेवाड़ के महाराना का पर्याय। २. मेवाड़ का निवासी।

मेवासी—विद्रोही बन कर लूट-मार करने वाला।

मेवासो—मेवासियों का दुर्गम व छिपा स्थान।

मोटा-राजा—जोधपुर के राजा उदैसिंह की उपाधि या उपनाम। (शरीर में बहुत भारी और मोटे होने के कारण इस नाम से प्रसिद्ध होना कहा जाता है।)

मोदी—१. भोजनशाला की सामग्री के अधिकारी का पद। २. आटा दाल आदि बेचने वाला बनिया।

रढ-रांवण—१. राना इन्द्रवीर मोहिल का विरुद। २. रावण के समान दृढ़ और हठी वीर का विशेषण। ('रढरांण' इसका छोटा रूप है)

रवद—रौद्र लक्षणार्थ में मुसलमान का पर्याय। (ब. व. रवदां, रवदांण, रवदाइण, रवदायण, रवदायत, रवदाळ)

रसोईदार—रसोइया।

रांणा—१. करण रावल के पुत्र राना राहप से चली आ रही मेवाड़ के सीसोदियों की उपाधि। २. मारवाड़ के मालानी प्रान्त के गुढ़ा और नगर के जागीरदारों की

उपाधि। ३. छापर-द्रोणपुर के मोहिल शासकों की उपाधि। ४. राना. राजा। (सं० राणाई)

रांणी—१. रानी, राज्ञी, राजा की पत्नी। २. राज्य की स्वामिनी।

रा—कच्छ और सोरठ के शासकों की उपाधि। (पूर्व समय में राजस्थान के जागीरदारों को भी 'रा' उपाधि होती थी। दे० प्रणखीसर कूप की देवली का शिलालेख, स० १३४० वि.)

राईतन—१. अनेक राज्यों के राजा लोग। २. राज्य वर्ग।

राउ—दे० राव।

राजलोक—१. अन्तःपुर, रनिवास। २. रानी। ३. रानियां।

राजवी—१. राजघराने के व्यक्तियों की उपाधि। २. राजघराने का व्यक्ति।

राजा—राज्य के स्वामी की उपाधि। २. नृपति। (सं. राजाई)

राठी—एक जाति जो राज्य की बेगार निकालती है। बेगारी।

रायजादो—१. राजपुत्र, राजकुंवर। २. विवाहादि लोक गीतों का एक नायक।

राव—१. मारवाड़ के शुरू के कुछ राठोड़ शासकों की उपाधि। २ भाटों की उपाधि। ३. राजा। ४. सरदार। (सं० रावाई)

रावत—१. छोटे राजाओं की उपाधि। (स० रावताई) २. भील जाति।

रावळ—१. जैसलमेर के राजाओं की उपाधि। २. रावल बापा के पिता भोजादित्य से रावल करन की २६ पीढ़ी तक चित्तौड़ के शासकों की उपाधि। ३. मारवाड़ के जसोल और सिणधरी आदि मालानी के कुछ ठिकानों के जागीरदारों की उपाधि। ४. डूंगरपुर और वांसवाहला (बांसवाड़ा) के रावल माहप से शासकों की उपाधि।

राहवेधी—दूरवेध।

राहावणो—१. राजाओं और ठाकुरों की रखेलियों की संतान, रावणा लोग। (उसी राजा या ठाकुर के द्वारा भरण-पोषण पाने और उसके यहां ही रहने के अधिकार के कारण यह संज्ञा दी गई कहा जाता है)

रिख, रिखी, रिखीस्वर, रिष—१. हारीत ऋषि। २ ऋषि।

रूठी-रांणी—१. राव मालदेव की रानी उमादे भटियाणी का स्वाभिमानी नाम।

रूपारास—पूर्व और आग्नेय के बीच की दिशा का नाम।

रौद—दे० रवद। (व. व. रौदा, रौदांण, रौदाइळ, रौदायळ, रौदाळ)

रौद्र—दे० रवद। (व. व. रौद्रां, रौद्राइण, रौद्रायण, रौद्राळ)

लजो, लांजो—१. जैसलमेर के रावल विजयराव का विरुद।

२. राजस्थानी लोक-गीतों का एक नायक। ३. बहुत शौकीन।

लसकरी—कामरां की उपाधि।

लांघा-बलाय—राना रायमल के पुत्र पृथ्वीराज की अद्भुत वीरता का और एक ही दिन में टोडा (जयपुर) और जालोर (मारवाड़) जीत लेने के कारण एक विरुद अथवा विशेषण ।

लागदार—कर वसूल करने वाला अधिकारी ।

लूंटेरू—लूट-खसोट करने वाला व्यक्ति, लुटेरा ।

वजीर—१. दासी पुत्र, गोला । २. राज्य का प्रधान पदाधिकारी ।

वड कंवार—पूर्ण यौवनवती कुमारी ।

वडारण—ऊंचे दर्जे वाली दासी ।

वरतियो—१. तांत्रिक । २. जैन जती ।

वसी, वसीवांन (वसी रो लोग)—१. जागीरदार की प्रजा के वे लोग जो कर-मुक्त होते हैं और जिन्हें विशेष सेवाएँ देनी होती हैं । २. वे लोग जो अपनी सुरक्षा के लिये जागीरदार को कुछ विशेष कर देते हैं । ३. किसी जागीरदार की जागीरी या गांव में बसने वाली प्रजा ।

वांकड़ो—राजा पृथ्वीराज कछवाहे के बेटे बलिभद्र का विरुद ।

वातपोस—राजाओं के मनोरंजनार्थ कहानियें और ख्यात-वातें सुनाने वाला अथवा हांकारा देने वाला व्यक्ति ।

वावसू—१. गुप्तचर । २ वायुवेग के समान भाग कर खबर लाने वाला व्यक्ति ।

वाहग—१. गुप्तचर । २. दौड़ा करने वाला ।

वाहरू—पीछा करने वाला व्यक्ति ।

वाहारू—दे० वाहरू ।

विचित्र—मुसलमान का लाक्षणिक पर्याय ।

विजयशाही रुपया—जोधपुर के महाराजा विजयसिंह द्वारा प्रवर्तित एक रौप्य मुद्रा ।

वैरागी—वैष्णव साधुओं का एक भेद ।

वैरायत—१. वैर का बदला लेने वाला व्यक्ति । २. बदला लेने की खोज में रहने वाला व्यक्ति ।

वोढो-रांवण—दे० ओढो रांवण ।

वोहरो—१. ब्याज पर रुपये उधार देने वाला वणिक । २. एक मुसलमान जाति ।

षोडश-महादान—भूमि, आसन, जल, वस्त्र, दीप, अन्न, तांबूल, छत्र, गंध, माला, फल, शय्या, पादुका, गौ, सुवर्ण और चांदी—इन सोलह वस्तुओं का दान षोडश-महादान कहलाता है ।

श्रीठाकुरजी गोकळीनाथ—दे० दसमों साळगराम गोकळीनाथ ।

सगत, सगती—वह स्त्री जिसके शरीर में भटियानी आदि किसी लोकदेवी का आवेश

होता हो। २ वेश्यांशी स्त्री। ३ योगिनी।

सतवादी—दे० सत्यव्रत।

सती—१ रानी। २ सत्यवादी। ३. पतिव्रता। ४ मृत पति की चिता के साथ जलने वाली स्त्री। ५ जौहर द्वारा जलकर प्राण त्यागने वाली स्त्री।

सत्यव्रत—सत्यवादी राजा हरिश्चन्द्र का विरुद।

सर्मा—चित्तोड़ के शासकों के आदि पूर्वज विजयपाल शर्मा से धन शर्मा को ५८ पीढ़ियों की शर्मा उपाधि।

सवणी—शकुनी शकुन शास्त्री।

सहेली—१ दासी का एक प्रकार। २ सखि।

सांमधरमी—दे० सांमभगत।

सांमभगत—स्वामीभक्त।

सावंत—१ वीरों में प्रधान वीर सामंत। २ ठाकुर, सरदार।

सापुरस—भला आदमी।

साहु—१ प्रतिष्ठित व्यक्ति। २ बादशाह। ३ बुंदेलों के कुछ पूर्वजों की उपाधि।

साहणी—घोड़ों के तबेले का दरोगा।

साहिजादी—शाहजादी।

साहिजादो—शाहजादा।

सिद्ध—सिद्धि प्राप्त योगी।

सिद्धराव, सिधराव—अणहिलवाड़ा पाटण के शासक सोलंकी जयसिंहदेव का विरुद।

सिरदार—१ राजपूत। २ जागीरदार, सरदार।

सीसोदिया—सीसोदा गांव में बसने के कारण मेवाड़ के रानाओं की उपाधि।

सुख—१ प्रेम, २ मेल मिलाप, ३ नैरोग्य।

सुलताण—१. बादशाह या नवाब की सुल्तान पदवी। २ बादशाह।

सूत्रधार—वास्तु शिल्प का विशेषज्ञ, वास्तुकमज्ञ।

सेठ—धनी या प्रतिष्ठित व्यक्ति की एक उपाधि।

सेलहथ—१ वीर पुरुषों की एक उपाधि। २ भालाधारी वीर पुरुष।

सेसू—गुप्तचर।

सोदागर—घोड़ों का व्यापारी।

सोनइया, सोनैया—स्वर्ण मुद्रा, सोने का सिक्का।

हलालखोर खासो—१ बादशाह का खास एतबारी नौकर।

हामू—महाराना हमीर का साहित्यिक नाम।

हाकम—बादशाही जमाने का एक राज्य अधिकारी।

हाली—कृषक के यहां हल चलाने वाला नौकर, कृषि का काम करने वाला नौकर।

हिंदवांणी—हिन्दू राज्य।

हुजदार—१. बादशाही जमाने का एक प्रमुख राज्य कर्मचारी, उजदार।

हुड—मेंढ़ा, घेटा।

हुरड़दनो—विजयराव चूड़ाले के पुत्र देवराज का विरुद और उपनाम।

हेठवांणी, हेठवांणियो—१. अधीन कर्मचारी। २. अधीन पुरुष, परवश पुरुष।

हेरू—खोज करने वाला कर्मचारी।

परिशिष्ट ४

ख्यात में प्रयुक्त पुत्र शब्द के पर्याय व अपत्य प्रत्ययादि शब्द

अंग
अंगज
अंगोभव
अंगोभ्रम
अंसी
अभिनमी
आत्मी
आत्मज
उत
ऊत
ओत
कँवर
कळोधर
कुंवर
कुळचंद
कुळदीप
कुळदीपक
कुळधर
कुळधारक
कुळभाण
कुळनंद
कुळमंडण
छावडो
छावो
जायो
जोध
जोधार
डावडो
डीकरो
तण
तणे
तणो
दीकरो
नंद
पाटोधर
पुत्त
पूंगडो
पूत
पेट
बेटो
भ्रम
रो
लाडो
वंशधर
वत
वाळो
सभ्रम
साव
सुआव
सुत
सुतण
सुध
सुवण

परिशिष्ट ५

ख्यात में प्रयुक्त पौत्र या वंशज के पर्याय व प्रत्ययादि शब्द

अभनमो
अभिनमो
कळोधर
कुळज
दुवो
पेट
पोतरो
पोतो
पोत्रो
बीजो
वीयो
वंसज
वंसोधर
संभ्रम
समोभ्रम
हर
हरो

परिशिष्ट ६

शुद्धि पत्र

पृ	कॉ.	पं.	अशुद्ध	शुद्ध
१		१	॥ वं० ॥	एक अक्षर-ब्रह्मवाची अपभ्रंश-परंपरा का मंगल चिन्ह, जो मारवाड़ी भाषा की सिलोटो (वर्णमाला) के आदि में सिखा-पढाया जाता है।
१		७	इद्धना	इद्धना
१		२६	ब्राह्मण	ब्राह्मणों के
२		३	बलियां	बळियां
२		५	रहि नें	रहिनं
२		६	पटोला	पटोळा
२		११	बेटो[१२] हूं	बेटो हू[१२]
३		१८	चीतोड़	चीतोड़
४		३०	म	मे
५		३	तमण	मयण
५		६	भालांवळी	झालांवाळी
६		६	जसक	असकर
६		१५	चोरसमां	चीरसमां
१०		२०	पीढां	पीढयां
११		२०	देव राठासण	देवी राठासण
१२		२	अविचल	अविचळ
१२		७	बंधियो	बंधियो[?]
१३		६	महापनुं	माहप नूं
१३		६	घरांरी	घरां री
			पृ० १४ और १५ में उल्लिसित 'अजैसो' के स्थान 'जैसोह' होना चाहिये।	
१४		६	डेरांसू	डेरां सू
१४		६	गढ-रोहै	गढरोहै
१५		१७	खभणोर	खमणोर
१६		१	महियो	महियो
१६		२	डूगररा	डूगर रा
१६		२३	बहती	बस्ती
१६		२५	ी	सी

पृ.	कॉ. पं.	अशुद्ध	शुद्ध
१७	२८	'असंख प्रवाड़ै-जैतवादी' (असंख्य युद्धों में विजयी) का विरुद प्राप्त करने वाला पृथ्वीराज, उसके बाप राना रायमल के जीवन-काल में ही मर गया।	
१८	७	पारवतीरे	पावती रै
१८	९	'सुणियो छै' के बाद पूर्ण-विराम नहीं है।	
१८	२७	अक्रमण	आक्रमण
१९	२	पर	घर
१९	२९	राज्यधिकारी	राज्याधिकारी
२२		पंक्ति १२ 'महेस' और पंक्ति १३ 'जगमाल' के बीच '९ सगर' जोड़िये।	
२२	२८	इस प्रकार सुधारिये और जोड़िये— 17. बाधा दिया। 18. जिससे। 19. अपनी। 20. सहायता की।	
२३	१७	वोहोतो	वोहीतो
२३	२१	ऊपर फरै छै[19],	ऊपर करै छै,
२३	२७	१७ जैता का पुत्र	१७ रूपसिंह, जैता के पुत्र देवीदास का बोहिता।
२४	२८	१६२६	१६३६
२५	१५	९ सवलसिंघ	१० सवळसिंघ
२५	१६	गांव ४ जालोररा कुरड़ासूं। दीया।...दीयो वस।	गांव ४ जाळोर रा कुरड़ा सूं दिया।
२५	२७	घास के निमित्त जो गांव थे उनमें से चार उसे दिये।	कुरड़ा सहित जालोर के ४ गांव दिये।
२७	२/१	सैंद मांलन	सैद मांलण
२८	१३	काल	काळ
२९	४	मिलीयो	मिळियो
२९	११	तागीर कीयो	तागीर कियो
२९	१२	नीमच	नीमच
२९	१३	देवलियारो गढ़ासिंघ	देवळिया री गढ़ासंघ
२९	२२	गांउ	गाव
२९	२६	10 वक्त	10 देवलिया के निकट
३०	७	मिलीया	मिळिया
३०	१२	काल कीयो	काळ कियो
३२	२३	पाल	पाळ
३४	२६	दरी	दरी।
३५	३६	जावद	जावर

पृ.	कॉ.	प. अशुद्ध	शुद्ध
३६		१३ उदैपुर कोस छपनिया-राठोड़ांरो उतन छै	उदैपुर सूं कोस, उतन छै
४०		२ दुरदास	दुरसदास (दु[illegible]
४०		१० मार लांछो	मारलां छो
४०		१८ वाघोरा	वाघोर
४०		२० भोरड़ा	भोरड़
४१		५ वरदाड़ो	वरवाड़ो
४३		१८ सारंग दे प्रोतांरो	सारंगदेप्रोतां रो
४३		२८ महल मे	महल
४७		१ दलोल-कलोल	दलोल-कलोल
४७		६ लभणोर	लमणोर
४७		११/१२ मीरमी पहु नें	मीरमीपहुनें
५०		१६ रतसीरो	रतनसी रो
५०		२८ जगमाल का पुत्र	जगमाल के पुत्र कला की बेटी हाडी
५३		३१ दुहरं	देहुरं
५२		२२ कोसापळ	कोसीथल
५३		२६ रायधदे	रायधवे
५४		२२ ऊपर[25] डाय	ऊपरडाय[25]
५४		१० ऊपर डाय=आक्रमण करने वालों से	ऊपर वालों से
५६		१ तिरे	तरे
५६		१० पढतो ही नै	नै पढता ही
५६		११ दुठ	हठ
५७		१ पावडारा	पावंड रा
५७		३ पावडारा	पावड रा
५७		२१ छट	छूट
५९		२ थाप लियो	थापलियो
५९		१० खूमाण	खूमाणं
५९		२६ हडो	हाडा
६१		१६ वेढ नं कीजै	वेढ न कीजै
६१		१९ ग्राग	ग्रांग
६२		४ बालीसा	बालीसो
६३		४ वे घमरी	वेघम री
६३		७ वाघारो	वाघारो
६४		१ विसेरिया-चाकर	विसोरियो-चाकर

पृ.	पं.	अशुद्ध	शुद्ध
६४	१५	पीथा वाळो वाळियो	पीथा वाळो गांम वाळियो
६४	१८	म्हां मांरे	म्हां मांहे
६५	१८	फिर संका	फिर सकां
६७	२१	पंचाइण। रूपसीरो	पंचाइण रूपसी रो
७०	१६	पछ सं	पछै सं[4]
७०	१७	रजूप्रात[4]	रजुप्रात
७१	२५	2 सत्कार	2 सत्कार होगा
७१	२८	टिप्पणी सं० 8 और 10 के बीच में सं० 9 इस प्रकार जोड़िये—'9 हम तुमको दोनों वातों में (जगहों में) नहीं रखेंगे।'	
७१	२९	शपथ	शपथ करके
७३	२५	4. प्रताप की घर में रखली हुई बनिये के स्त्री के गर्भ से	4. रावल प्रताप की खवास पर्यां बनियाइन के गर्भ से
७४	६	वांसवाल्लारो	वांसवाहळा रो
७४	६	'मांहो-माह' के ऊपर सं० 9 लगाकर आगे की सभी संख्याओं को एक-एक बढ़ाकर पंक्ति २३ में 'हासल' पर लगी अंतिम संख्या 18 को 19 समझें और टिप्पणी की अंतिम पंक्ति में 'गद्दी पर स्थापन कर' के पहले सं० 16 लगाकर '16 ननिहाल' को '17 ननिहाल', '17 महल' को '18 महलों', और '18 राज-करा' को 19. राज-कर पढ़िये।	
७६	१८	मेळ वीनो	मेलवीन्हो
७६	१९	डीळ	डील
७७	६	ऊभो मेळनैं	ऊभो मेलनैं
७९	१३	तेतसी	तेजसी
८०	२६	चौरासीमालिक	चौरासी मलिक
८०	२७	चौरासी मालिक	चौरासी मलिक
८१	१८	वीठ	वीठो
८१	१९	डगरपुर	डूंगरपुर
८१	२३	कहेक	केहेक
८२	१०	डूंगरसूंघणी	डूंगर सूं घणी
८३	६	घरा	घरां
८३	२०	दया	दिया
८४	८	उवेचकिया	उवे चकिया
८४	२३	घर	घर
८५	१९	तासु	ता सु
८६	५	ठाड़	ठोड़

पृ.	पं.	अशुद्ध	शुद्ध
८७	१४	कुळसिघ	कुसळसिघशु
८७	१८	मळेरो	मलेरो
८७	२५	पोन	पोन कोस मे
८७	२७	को ओर	पूर्व दिशा की ओर
८७ ८८	२४ १	गडा संघ	गडासंघ
८८	६	बडो इतवाय	बडो इतबार
९१	४	सठ	सठै
९२	४	ईणोरं	इणोरं
७५	१	बळायो	बलायो
९६	८	माहररो	मरहर रो
९९	२१	दशहरा	दशहरा को
९९	२५	तय रहने के लिये	जहाँ रहने के लिये
९९	२५	भविष्य	भविष्य की
९९	२९	अरबी घोड़े	एराकी घोड़े
१००	६	घोड़ा	घोडा
१०१	१७	६ जम	६ जबडू
१०३	१३	कह्यो	कह्यो
१०३	२६	सो बरस पोहंचे मर जाना	सो बरस पोंहचं=मर जाय
१०४	१३	मावं नहीं	मावं नहीं
१०४	२८	करमेती को भेजने के लिये तैयार है परतु सूरजमल आने नहीं देता	ये तो बहुत ही (खुशी से) आ जायें परतु सूरजमल आने नहीं देता
१०५	५	मोड़ारो बारहठ	मोडा रो बारहठ
१०६	२	लाख दे विदा कियो	लाख पसाव दे विदा कियो

१०६ ८ 'सुहाणो नहीं' पर सं० 7 पढ़िये। पंक्ति ६ मे 'कुमया करे छै' पर 8 ओर 'कासूं दीठो ?' 9. इसी प्रकार सब में एक-एक बढ़ाकर प० २२ मे 'पात' पर लगी सं० 15 को 16 पढ़िये। पंक्ति २९ में '16 चारण' जोड़िये।

पृ.	पं.	अशुद्ध	शुद्ध
१०६	१६	लखपसाव	लाख पसाव
१०७	२७	13 ऊंचे वृक्ष पर मचान बांधकर किया जाने वाला शिकार।	
१०८	६	रांणो कह्यो	रांणे कह्यो
११०	२०	आंरतवो	आंतरवो
११३	२	भाखरके	भाखर रैं
११३	३	भाखरवाळारो	भाखर वळा रो
११३	६	वाघ-वाड़ी	बाग-वाड़ी

पृ.	कॉ.	पं.	अशुद्ध	शुद्ध
११३		१६	खीचियांरो। उतन	खीचियां री उतन
११३		१८	धुंदधांणरा	गुंदधांण रो
११३		२६	19 मळसे। 20 कोस पर धूलकोट....	19 मळ है ७ कोस पर धूलकोट...
११३		२८	21 गुंदगांव।	20 गुंदवान।
११३		२९	22 यहां।	21 यहां। 22 नीचे।
११४		१३	नांन	नांम
११४		२६	सेवज	सेंवज
११५		१४	खातखेड़ो	खाताखेड़ो
११५		१५	भील चक्रसेणो	भील चक्रसेण
११५		१७	वाघरी	वाघ री
११५		२६	11 जिसको भील'''करलिया	11 'मारली' एक गांव का नाम है।
११५		२७	वाघको	वाघ को
११५		२८	13 दोनों	13 'वेहु' एक गांव का नाम है।
११६		१०	जीलवाड़ो	जीलवाड़ो
११८		५	चीढू पना	चीढू पना
११९		२१	घावै	घावे
१२०		२	तापिया	तपिया
१२२			शीर्षक अत	अथ
१२२		३	सुणियो छै। विसणनूं	सुणियो छै विसण नूं
१२२		१५	पित्रावरण	मित्रावरण
१२३		१६	रोहड़ो	रोहड़ो
१२४		१९	कुंतरी	कुंतल री
१२४		२७	कुंतको	कुंतल को
१२५		२२	'दुरात्मा बादशाह के' आगे की समस्त टिप्पणी का मैटर पृ. १२६ की टिप्पणी है।	
१२६		९	दूह	दूठ
१२७		४	जगहरो	जतहर री
१२७		९	राड	राठ
१३१		२४	चंपराय	चंपतराय
१३४		१५	बळाई	बलाइ
१३५	२	७	१४ कीतू	१४ कीतू[5]
१३५		२५	1 सोभा और सरणुवा दोनों पहाड़ों के बीच में।	1 शोभा के पुत्र सहसमल ने सरणुवा के पहाड़ की खंभ में आबू से १० कोस पर नया शहर बसाया।
१३६		२१	वगतरी	वगतर री

पृ.	कॉ.	प.	अशुद्ध	शुद्ध
१३८		६	पडा	पड़ो
१३८		१५	थोठो	थोठो
१३९		२९	विनय	विनय से
१४१		१६	धरकसो	धरकसो
१४१		१९	सूळ	सूल
१४१		२१	सूळ	सूल
१४१		२६	दिया	खिलवाया
१४३		३	रणधोरोत	रणधीरोत
१४३		१२	बाहमेर	बाहड़मेर
१४४		२	कोई	काई
१४६		१६	कह्यो	कह्यो
१५०		१५	सीसोदिया	सीसोदियो
१५१		२	खिसाण	खिसांणो
१५५		११	रावळा घरां मांहे	रावळा घरां मांहे
१५५		२२	लेकिन दिन था	लेकिन जीवन के दिन शेष थे
१५८		६	ऊबो लखारो	ऊबो लाखा रो
१५८		२८	रावल सेखावत	रावत सेखावत
१६०		२६	नवसरा	नवसरो
१६३		२१	कुळपाणे	कुळपाणो
१६४		२५	सिवाणरो	सिवांणा रो
१७०		९	धोबोळ एकलवा घर	धोबो एकल वाड़ घर
१७०		१०	छाळ	छका
१७०		१	लूट	तूट
१७१		३	[illegible] कलियो	हाकलियो
१७१			शुरू की चार पंक्तियों वाले गीत का अनुवाद पृ. १७० की टिप्पणी की अंतिम तीन पंक्तियां हैं।	
१७२		२३	वे ही राव	वे भी राव
१७३		१२	झोररा	झोरा रा
१७४		२१	सीधणोतो	सीधणोतो
१७५	१	३	उडवायिड़ो	उडवाडियो
१७६	१	१५	झोररा	झोरा रा
१७६	२	१४	अकेली	आकेली

पृ० सं० १७६ के आगे पहली सं० १८६ तक के पृष्ठों की पृष्ठ संख्याएं गलत हैं, अतः इन नौ पृष्ठों में लगी पृष्ठ संख्याओं को दो दो कम करके ठीक करलें।

पृ.	कॉ.	पं	अशुद्ध	शुद्ध
			पृष्ठ सं० १७७ और १७८ नहीं छपी हैं और सं० १८५ और १८६ दुबारा हैं। दुबारा वाली १८५ और १८६ संख्याएं यथाक्रम हैं।	
१७८	१		१ वागड़ियो। देवड़ारो उतन	१ वागड़ियां-देवड़ां रो उतन
१७६	२	२२	आहिचावो	अहिचावो
१८०	१	४	अहिचावो खुरदा	अहिचावो खुरद
१८०	१	१३	ओडवाड़िया। चारणांरो	ओडवाड़ियो चारणां रो
१८०	१	१४-१५	कासधरा। घघवाड़िया। खींवराजनूं	कासघरा घघवाड़िया खींवराज नूं
१८२		२७	खोसने की जगहमें गुप्त रूप से रख दीं।	खोसने की जगह में कटारें गुप्त रूप से रख दीं।
१८४		२०	असंभव	प्रसंभ
१८४		२८	टिप्पणी सं० १६ इस प्रकार पढ़िये— 'सिरोही के टीकायतों की वंशावली के कवित्त-छप्पय आसिया माला के कहे हुए।'	
१८६		२८	I2 जोरावर।	I2 १. जोरावर। २. चौहान-क्षत्री
१८७		२०	दूढ	दूठ
१६०		१६	कोकम्म	कीकम्म
१६१		२५	महारोर वे	महा रोरव
१६२		१८	बर्राह	वरगह
१६२		२२	पनोसीह थलिरो	पनो सीहथळ रो
१६२		२७	विरुद्ध	विरुद
१६३		१४	बळी	वळी
१६३		२२	चांपा सीधली	चांपा सींधल
१६३		२७	सिवाने	सिवाना
१६४		१३	रैवड़ै	रेवतड़ै
१६८		५	छांडे नै	छाडनै
१६८		२६	नाभा के	नवा के
१६६		२१	जोगीवास	जोगीवास
२०१		७	विसलरो	वीसळरो
२०४		६	गढ़रो है। जाळोर रै	गढरोहै जाळोर रै
२०५		२६	मेघो	मेघो
२१७		७	कहिया तासु	कहिया ता सु
२१७		१६	जं	जे
२१६		१४	मोरगभरू	मीर गाभरू
२२०		१	रावळोजी	रावळजी

पृ.	कॉ.	पं.	अशुद्ध	शुद्ध
२२०		३	रावळोजो	रावळजो
२२०		८	सूळ	सूस
२२०		१९	प्रापे	प्रांपे
२२१		१०	बरवर	बराबर
२२२		१४	रांण	रांणं
२२४		१७	१ लिखमल सोमत	१ लिखमण सोमत
२२७		८	बढ़	बंठ
२२७		२१	महता	मूहता
२३०		२१	मोहळ	मोहल
२३१		५	लि	रिव
२३१		१८	भारवर	भाखर
२३२		३	चंवरीको	चंवरी को
२३४		१४	विहारनूं	विहारी नू
२३७		२३	कान्हसिंघ धंतसीयोतरं	कान्ह, सिंघ धंतसीयोत रं
२४०		१	सम्भाड़ो	सम्भाणो
२४०		१९	प्रमो	प्रमो
२४०		२१	प्रमो	प्रसो
२४१		९	भारवर	भाखर
२४३		२३	भींवा का बेटा राणा का	भींवा का बेटा राणा
२४५		११	सोढ्रां चोसू प्रांप	सोढ्रां चो सूवांप
२४५		२२	टिप्पणी सं० 18 इस प्रकार पढ़िये— इनका निवास जालोर परगने का सेणा एक छोटा सा परगना है।	
२४६		४	तासु	ता सु
२४६		७	निपठ	निपट
२४६		१३	बाहर	वाहर
२४७	२	१७	नवमण	नवघण
२४९		२७	धंतमाल [illegible] बेटी को	धंतमाल को बेटो पत्तो को
२५०		२	खेड़ो	खेटो
२५०		१३	मोणकरा व	मोणकराव
२५१		१३	साहल	सायल
२५३		६	परि हा हा सकं	परिहाहा सकं
२५६		१०	साप रंने सोचियां	सापरं नं सोचिया
२५६		१९	वारसां	वरसो
२५८		१०	पाडरनं	पाडर नं

पृ.	कॉ.	पं.	अशुद्ध	शुद्ध
२६०		६	तिांणनूं	तिणांनूं
२६१		२८	चौस वर्ष तक करण	चौस वर्ष तक लघु करण (करण-गैहलो)
२६५		८	वड़ो	वडो
२६५		१६	चूंक लियो	चूंकलियो
२७१		४	पाटस	पाटण
२७२		१	प्रिथीरो रुप	प्रिथी वैर रो रूप
२७२		१२	उभरणी	समरणी
२७२		१७	ठांणियो	ठांणियो
२७३		११	देवताए	देवताग्रां
२७५		४	पाछै	पछै
२७६		२२	वहा	वडो
२७७		९	मुगळे	मुगलै
२७७		६	सिधपुरथी कोस ११ बिंदसरोवर	सिधपुर थी कोस ॥० [आधो] बिंदसरोवर
२७९		६	बलूहुळ	बलू हुल
२८२		१७	गाडियो समूह	गाडियों का समूह
२८३		१७	तरं सो नाहरखांन	तरं सो॥ नाहरखांन
२८४		१७	हणेसो रायमल	हुणे सो॥ रायमल
२८६		२१	राणो श्राय पगे लागो	रांणो ग्राय पगे लागो
२८७	१	२४	सखासु	सरवासु
२८७	१	२५	वहदथ	वृहदश्व
२८८	१	१४	संघदीप	संघदीप
२८८	२	११	प्रछेमधन्वा	प्रछेनधन्वा
२८९	१	५	वयवर्थ	वृहदर्थ
२८९	१	१८	अंतरिख्य	ग्रतरिख्य
२८९	१	२२	वरदी	वरही
२८९	१	२४	रांणजराय	रांणकराय
२८९	१	२५	सजोसराय	सुजसराय
२८९	२	२	सुघोन	सुघोल
२९०	२	२	जांनरदेव	जांनड़देव
२९०	२	१८/१९	'चन्द्रभुज' ग्रौर 'भीलो' के बीच 'रांमसिंघ, कल्यांण, प्रतापसिंघ ग्रौर रूपसो' ये चार नाम ग्रौर हैं।	
२९०		२५	भोंवसी, राजा वो मासरे हुवो	भोंवसी, राजा मास २ हुवो,
२९०		२७	तूलहदेवने अपने तुंवरको ग्वालियर दे दिया।	तूलहदेव ने अपने भामजे तुंवर को ग्वालियर दे दिया।

पृ	कॉ	पं.	अशुद्ध	शुद्ध
२६१	१	५	सल्हैवी	सल्हैवो
२६३		१८	भोजारी	भोज री
२६६		२५	सिवब्रह्मा	सिवब्रह्म
३००		११	हुंदायत	हुवाळ
३०१		२१	राज जगनाथ	राजा जगनाथ
३०२		६	मुदहा	मुहड़ा
३०२		७	सलहजी	सलेहवी
३०७	१	१५	लवांयण मांहे	लवांणा मांहे
३१०	२	२४	राजरे	राजा रै
३१३	१	१२	मोहारि	मोहारी
३१४		२७	रामके	राम ने
३१५	२	११	२३ हूहो ४। सुरजनरा।	२३ हूरो। २४ सुरजन राव।
३१६	१	१५	बाघवत	बाघावत
३१७	२	१० ११	मारियो २। रतने बासावतरा	मारियो। १८ रतनो बासावत।
३१८	२	१६	मनोहरपुर गांव	मनोहरपुर रै गांव
३१८		३०	तकिया मनोहरपुर के निकट पहाड़ी पर बना हुआ है।	तकिया मनोहरपुर के साला गांव में पहाड़ी पर बना हुआ है।
३१९	१	१८	पंठास	वगस
३१९		२४	अमरपुर	अमरसर
३२०	१	१४	जैतसिंघ अप्रतेणरो	जैतसिंघ ऊपमेण रो
३२०		२९	रसायसने	रायसल ने
३२३		२६	लोह	लोहरी
३२४	अंतिम		तब शाहपुरा पट्टे में दिया था। इसको मा स्वालस की (नागोर परगना की) जाटनी था।	तब शाहपुरा पट्टै में दिया था। बलभद्र नारायणदासोत आया तब उसने मारा। इसको मा स्वालस की (नागोर परगना की) जाटनी थी।
३२०	१	७	बटा	बेटा
३३५		८	मारवारो	मारवां रो
३३६		२६	थी	था
३४६	२	१७	धावे	धावै
३४९		३	घररा	घर रा
३४९		१८	माधोसर	साधोसर
३४९		२४	लना नहीं आता	लेना याद नहीं आता

पृ.	कॉ.	पं.	अशुद्ध	शुद्ध
३५०		१	मैराज	मेहराज
३५०		४	हूं मैराजनूं मराइस हेवें फटफ खांचियो।	हूं मेहराज नूं मराइस । हेवें फटक खांचियो।
३५०		८	घोलाऊ	बाहाऊ
३५०		९ १०	सोना- तरा देणा कबूल किया।	सो मातरा देणा कबूल किया।
३५०		११	जांभवा घोड़ेरो गुढ़ो	जांभ वाघोड़ रो गुढो
३५०		१६	सोवत	सोवत
३५१		१२	हरभमटी	हरभम ही
३५१		१३	गार	गोर
३५१		१६	पिकूं फोहर करमसियोत मारियो	पीकूंकोहर केहर करमसीग्रोत मारियो
३५२		८	राधो	राघो
३५३		१३	रूणोचा	रूणेचा
३५५	१	२२	चोप,	चांपो
३५७		२०	तेगियां, तिलक	तेगियां-तिलक
३५९	२	१०	गांगारा	गांगा रो
३५९	२	१३	टोकै	टोकै
३५९	२	२०	दासात मारियो	वासोत मारियो
३६०	१	१३ १४	ऊदो हमीररो हमीर, पिरो अवतारदेरो।	ऊदो हमीर रो। हमीर पिरा रो। पिरो अवतारदे रो।
३६०		२७	हमीर और पिरा अवतार-देव के बेटे।	हमीर पिरा का और पिरा अवतारदे का।
३६५		६	पाकररी	पारकर री

भाग २

पृ.	कॉ.	पं.	अशुद्ध	शुद्ध
१		११	वैसणा	वैसण रा
१	२	२२	पीरोजशाह	पीरोसाह
२	२	७	रूपसो, जैसलमेर गांवका छै।	रूपसो, जेसळमेर रै गांव काछै।
२	२	१०	वरगो	ऊगो
२		२५	जैतलमेर	जैसलमेर
३	२	२	रावळ राजरा पोतरा	रावळ मूळराज रा पोतरा
३		२०	तांणुकोट	तणूंकोट
४		२	खालनांरी	खालसां री

पृ	कॉ	प	अशुद्ध	शुद्ध
४		५	भूरो	झूरो
४		११	वासणीपो	वासणपो
४		१७	मालगाडो	मालागडो (मालगडो)
४		१८	टीबरियाळो	टाबरियाळो
४		२१	१ कोलो डूगर। १ सवासरो	१ काळो डूगर। १ सवास री गांव
४		२२	१ गजिया गांव।	१ गजियो।
४		२४	उनावा	उनाव
५		११	पुळाया	पूळिया
५		१४	मुहाररै	मुहार रै
५		१६	भोग प्रवे	भोग प्रावे
६		१२	नगरडो	सेगरडो
६		१३	पारम	पारग
६		१७	भूण कामळारो	भुणकमळां रो
६		१७	बहोसतोय	बहो सत्ता रो (?)
६		२०	समत १७००	समत १७२०
७		८	रु० १५०००)	रु० १५००)
७		९	बावरा करी	बाव रा करि
७		२४	लिखी जाने वाली	ली जान वाली
८		७	रु० ३१००)	रु० ३१०००) रो ठोड
८		९	म० २०००)	म० २००००)
८		१०	म० १०००)	म० १००००)
८		१५	मुहारा	मुहार
८		१६	खडाळा	खडाळ
८		१८	विसं	विसी
८		२३	खाडर	खाडाळ
१०	१	१५	पमाहरिया	अभोहरिया
१०		२८	वींहाड़ा	वींठाडा
११		१	चोंभोतो	वींभोतो
११		२३	बाप	चाप
११		२६	नामोंकी शाखाए	नामों की इतनी शाखाए
१२		१	बापसू	चाप सू
१२		४	बाप। बायड़	चाप। चावडी
१२		१५	नीबलायां	नींबाळिया
१२		१६	भूका	भूला
१२		१४	पोहडरा	पोहडा रा

पृ.	कॉ.	पं.	अशुद्ध	शुद्ध
१३		१	नाहवार	नहवर
१३		५	मालो	माळी
१३		१२	वोलायो छै	वाळियो छे (वळियो छै)
१४		१	मारण	मारणा
१५		२	लसल	जैसळ
१६		१०	भवछ	भरवछ
१७	२	३	लणोट	तणोट
१७		२६	हु ककर	कहु कर
१८		४	विलैरावनूं	विजैराव नूं
१८		६	वरहाहा	वरिहाहा
१६		१२	वरहाहांरा	वरिहाहां रा
१६		२८	वरहाहांरी	वरिहाहां री
१६		२६	भाइयों ने पंवित में से	भाइयों ने रत्न को पंक्ति में से
२५		२७	लांघ	लांप
२६		२४	तब अपनी अथसे इतितक	तब अपनी बात अथ से इति तक
३१		३	वाघसूता	वाघसू ता
३६		१०	कपाड़े	क पाड़ै
३७		५	सहस बीस हण सुवग सद्द ढोलां सम चलत	सहस बीस साहण सुचंग सद्द ढोलां सम चालत
३७		८	जळ हण	खळहळ
३८		१६, १७	घणो सारव	घणी साख
३९	२	१४	तेजसी घडो	जैतसी वडो
३९		२१	रावळ लखसेन	रावळ लखणसेन
४१		१	सिसींगढ़ी गांवरै	सु तिसींगढ़ी गांव रै
४१		२	नीसरियो	नीसरिया
४२		१३	मंडळ परै	मंडळप रै
४२		१७	सोनगरी सेफवाळो	सोनगरी रो सेफवाळो
४३		१६	घातण लागी	घातण लागा
४४		१३	कंवरी सत्र	कंवरां-सत्र
४६		१	सिधारै	सिधारै
४६		२	तरै कोढ़ी	तेरै कोढ़ी
४६		१७	रमण घणी	रमण री घणी
५१		१७	उवार राखो[1]	उवार राखो[28]
५१		२३	खाट में लेकर निकल गया	खाट में डाल और लेकर निकल गया

पृ.	कॉ.	पं.	अशुद्ध	शुद्ध
५१		२७	तुम हमारे धर्म-भाई हुए थे	28 तुम हमारे धर्म-भाई [illegible] थे
५३		२७	घरतीको लोट खाया	धरती को लोटा खाया
५४		२०	थांसायो	थांसा यो
५४		२०	घोड़ारो	घोड़ा रो
५६		२४	हाथोकी	हाथी का
[illegible]		२५	होनेकी	सोने की
५८		१९	सालळ सोह हमीर दे	सालळ सोम हमीरदे
६७		१३	प्यारां हीरा	प्यारांहो रा
६७		२६	घड़सोने नमाज पढ़ते हुए	घड़सी, नमाज पढ़ते हुए
६७		३०	तलवार [illegible] सिर	तलवार से उसका सिर
६६		११	जुर्वाहरा	जु चांहरा
७०		३	लणण	लूंणण
७१		७	मुकालवं (बलं)	मुकालवं
७२		८	वरगाहस	वरगाह सूं
७४		१४	जोगो	जोगो
७६		१८	केहुरो	केहर रो
८०		२६	बे ।।	बेटा
८१		१८	गागारा	गांगां रो
८७		१०	एकवर	एकर (एक बार)
८६		१९	साभ्रत	सोभ्रत
६२		१७	वोहोतो	होहीतो
६४		४	पतियो	तवियो
६६	१	२५	पालती	पारवती
६७	१	७	सळीवं	सीलवं
६७		२२	सोळवेकी	सीलवे की
६८	१	१३	रावळ कसारी बेटी	चांमकवर रावळ कसा री बेटी
६८		२५	बेटी भीमने	बेटी रामकुंवरि [illegible] भीम ने
१०६		२८	टोहिया	टेहिया
११६		१३	घणो	घणी
११७		१६	मचो	मोच
१२६		३	सामीवास	सांमदास
१३२		७	बलू	बलू
१३७		८	घाच	चाचो
१३६		२७	कान्ह मार्नासह का बेटा	मार्नासह कान्ह का बेटा
१४०		१७	बुधरो	बुधेरो

पृ.	कॉ. पं.	अशुद्ध	शुद्ध
१४०	२०	टोको	टीको
१४२	२२	मेलूरो	मेळू री
१४३	३	आको	आको
१४५	२	जोगी	जोगो
१४५	८	हमीररा	हमीर रा
१४८	१	रूपसीयात	रूपसोप्रोत
१५१	२०	रायमत रांणावत	रायमल रांणावत
१५६	२२	सिंघलोंके	सींघलों के
१५६	१०	अजळवास	अचळवास
१६३	२८	फलोधीमें	फलोधी में
१७२	१५	वुळटो	वुरवटो
१७३	२८	गांव दे दिया था।	गांव दिया था
१७७	२६	चिहु	चिह्न
२१३	६	म्हेजांमनूं	म्हे जांम नूं
२१५	१७	आहूर	आहूठ
२१५	१६	सुतन वंभ वंस सम मोळवं,	सुतन वंभ वंस सम मीढिजै माल सुत,
२१५	२३ २४	हेतुवां अलेखे खेंग देखें गहर वडो, लोहड़ां वडम आंक वळियो ॥४॥	हेतुवां अलेखे खेंग वे खेंग हर, वडो लोहड़ां वडम आंक वळियो ॥४॥
२१६	१७	धावांसूं	धोवां सूं
२१६	२०	आद्रसर	आद्रेसर
२१६	२५	20 नाम पर। आद्रेसरको	10 नाम पर। 11 आद्रेसर को
२१७	१२	चुजु जाइ (?)	जु जाइ,
२२०	१३	मांडो	मांडी
२२०	१०	जेठवो, भीम, काठी, हाजो, वाढेल, भांण	जेठवो भीम, काठी हाजो, वाढेल भांण
२२१	१५	वोणोव	वीणोव
२२२	६	आयी	आयो
२३१	२३	टिप्पणी 6 इस प्रकार पढ़िये—	

जिस फूल से वाड़ी सुगन्धित थी, वह सिधा गया है। हे लाखा महराण! तेरे बिना अब वह सिंध सूनी है, तू लौट आ।

पृ.	कॉ. पं.	अशुद्ध	शुद्ध
२३५	८	धाळ	बाळ
२३६	२	तिण ऊलड़ै	तिण समै ऊलड़ रै
२३६	१३	तो सत बोलै छै	क तो सत तोलै छै
२४१	१७	मांगी	मांग

पृ	कॉ	प. अशुद्ध	शुद्ध
२४२		२० सिपुरी साईयां	सिपु रीसाईयां
२४४	शीर्षक		असा थवळोत	असा हरवथळोत
२४८		१२ प्राणी	प्रणी
२५२		२६ शत्रदल	शत्रुदल
२५३		१६ प्राया । सळाव	प्राया सळाव
२६४	१	४ गोमळियावास	गंमळियावास
२७६		२७ मोहिलों को	मोहिलों की
२८५		१६-२१ टिप्पणी तत्कृत समभें पृ २८४ में आ चुकी है।	
२९६		१२ ओपनं	आपनं
३०४		१६ बीरमजी	वीरमजी
३०८		१० भारा=घासका बड़ा भार, बडल	भारा=घास का एक परिमाण
३११		८ प्रापन	प्रापनं
३१५		१४ हुसो	हुसी
३१७		२७ ऐसी चली कि। उस स्त्रीको	ऐसी चली कि उस स्त्री को
३१६		१६ ढाठ	ढाढो
३२३		५ ऊठं	उठं
३२३		१० गोगाजीने	गोगादेजी ने
३२६		२६ बठलाया	बिठलाया
३२५		१२ घोडारी	घोड़ा री
३३६		२३ घडाजोन	घूडाजो ने
३४२		१७ जोय	जोयं

भाग २

पृ	प. अशुद्ध	शुद्ध
५	१२ विचारयो	विचारियो
८	१४ विसिसि	विसिसी
११	७ पहोडो	पहोडो
१४	२५ दशमास	दशमांस
३१	१५ बटो	बेटो
३३	१४ मात्रे होसूं	मात्रेहो सू
३४	१० देवरो	देवराज रो
३६	१६ कान्हा	कान्हों
५६	२६ ावशाह	बादशाह

पृ.	कॉ.	पं.	अशुद्ध	शुद्ध
६०		१०	आंनैर	आंनै रै
६०		१७	थोरो	थोरी
६१		११	पाबूजो	पाबूजी
६२		१३	संकळपो	संकळपी
६२		१६	सैरो	तैरी
६३		१७	आदमो	आदमी
६४		२०	लेणो	लेणी
७५		८	वीमाह	बीमाह
७६		११	जोवँ	जीवँ
८२		२	वोलाड़ै	बोलाड़ै
९२		१३	ससक	ससकै
९४		१७	कह्यी	कह्यो
१०३		२६	महने	हमने
१२१		२	भी हांडी चाटी	भली हांडी चाटी
१२१		१२	दीठो जाईयैरं जे	दीठो—जा ईयैरं, जे
१२१		१७	भोमता मांनो,······न छै	भो मतां मांनो,······न छै ?
१२१		१९	धिक्कार है रे भावैवाला !	धिक्कार रे भावैवाला !
१२१		२०	अच्छी हंडिया चाटी रे !	अच्छी हंडिया चाटी !
१२१		२४	लिकला	निकला
१३२		१	रिणधोरजी	रिणधीरजी
१३२		११	सोनगरान	सोनगरा नूं
१३५		९	तोमरै	तो मरै
१४४		१२	तहरां	ताहरां
१४४		१३ १४	आव, मांचे पण सूय ।	आव, मांचे सूय ।
१५९		५	इण सौंको	इणसौं को
१६६		७	रहवांधण	रह रांधण
१७३		२१	खेड़चा	खेड़ेचा
१७८	१	२०	असमंजस	असमंजस
१७९	१	२३	वुहव्बल	बूहबूवल
२०१		२८	टूट गये अ राजा	टूठ गये और राजा
२०७		३२	प्रकाशित ह	प्रकाशित हो
२०८	१	९	साहेणसिंघजी	मोहणसिंघजी
२२६		२५	कणाणा	फाणाणा
२२६		१३	घांघूसर	घांघूसर

पृ.	कॉ.	पं.	अशुद्ध	शुद्ध
२३१		७	बेणारीतें	बेणातें री
२३३		१	पड़िहारांरो	पड़िहारा री
२३६		१४	सगन	साअन
२४१		७	विगायो	विगोयो
२४७		२६-२७	कुंवर पृथ्वीराजने ··· लड़ाई लड़ी।	राणा रायमल के थे पृथ्वीराज से बड़ी लड़ाई लड़ी।
२४८		१५	दोध	दोधो
२५५		१३	वहेलवो	वहेलवं
२५६		२०	गोयामथाके	गोयाणा के
२६५		४	मळेबोरै	मेळंजी रै
२७७		४	यत्र तीरथ	चक्र तीरथ
२७७		१२	चित्र (?) तीर्थ	चक्र तीर्थ
२८८		१०	दविय	दवियों
२८८		२५	सगतावत	सांगावत
२९३		६	गोळिदेंसं	गोळियें सूं

भाग ४

नामानुक्रमणिका

पृ.	कॉ.	पं.	अशुद्ध	शुद्ध
३	२	५	सांवत स्रोत	सांवतसीस्रोत
४	१	२६	अड़माळ	अड़मास
४	२	२५	अनुरथ	अनुरुध
५	१	१६	विघो रो	विघोरो
७	१	११	आंवा	आंवो
७	१	३०	आपमलसूरा रो	आपमल सूरा रो
१३	१	१६	स.	सौं.
१३	२	१६	करमसा	करमसी
१५	१	१५	कश्यप	कस्यप
१५	२	११	४०, ४१, ४२	कान्हड़दे रावळ वृ. ४०, ४१, ४२
१६	१	२३	कल्हो	केल्हो
२०	२	२४	खांत खानो	खानखानो
२४	२	२६	गोपाळदासळ	गोपाळदास
२५	१	२३	८८ के पहले 'वृ'	
३७	१	३४	चरडो	चरड़ो
२७	२	१४	चांवसे	चांवसेह

	शुद्ध
३५ २ [illegible]	जैत्रम
३६ २ २८ हूहा	हूंता
४१ १ २२ वळदत	वळपत
४६ १ २६ घुघळियो	धुंघळियो
५२ १ २४ गोवा रो	गोदारो
६३ १ १३ भोजा दत्य	भोजादित्य
६३ २ १ भोपन	भोपत
७७ २ अंतिम २०९ के पहले 'हू.'	
८१ २ १४ घोड़ो	घोड़ा रो
८४ १ २६ वतजांगदे	वरजांगदे
८५ २ ११ वाघो	वाघो
८८ १ २८ वोवो राव	वीवो राव
८९ १ ८ वीरमदे राव	वीरमदेव, राव
१०१ २ ३५ सूरथ	सुरथ
१०२ २ २१ वालासो	वालीसो
१०३ १ १३ सूरसिंह	सूरसिंघ
१०९ ७ पुरथा	पुरथ
११४ २ ५ वीकानरी	वीकानेरी
११५ २ ३ रांयकंवर	रांमकंवर
११५ २ १९ महासिंघ री रांण।	महासिंघ री रांणी
११७ १ ६ सोढ	सोढी
१२० १ ८ त.	ती.
१२७ २ २२ खूहड़ा	खूहड़ी
१२९ २ ३२ घणोल	घणोली
१३२ २ १५ जांझोरो	जांझोरो वांभणां रो
१३६ २ १३ तिलायला	तिलायली
१५२ १ ७ मेरवाड़ो वड़	मेरवाड़ो वडो
२६७ २ ७ घांणरा-रो-घाटो	घांणेरा-रो-घाटो
१६८ २ ३२ मागरा	मगरा
१६८ २ ३३ वींबलियो	नींबलियो
१७५ १ २१ वाळ लाग	वाळी-लाग
१७७ २ ७ मऊ-दुष्काल (पीड़ित प्रजा)	मऊ (दुष्काल पीड़ित-प्रजा)
१८२ २ ३२ गोगादेनी	गोगादेजी
१८३ १ १० चं	चंद्र

पृ	कॉ	प.	अशुद्ध	शुद्ध

पद विरुदादि

पृ	कॉ	प.	अशुद्ध	शुद्ध
१६५		१	ग्रोरगजेब रा विरुद	ग्रोरगजेब का विरुद
१६५		६	इद्र	इद्र
१९९		२७	काल	काले
२०७		३	जलन	जलने

शुद्धि पत्र

पृ	कॉ	प.	अशुद्ध	शुद्ध
२१०	१	१	ग्रभनमो	ग्रभनमो
२११	२	२	मारवाडी भाषा का	मारवाडी भाषा की
२१५	१	७	बडो इतबाय	बडो इतबाव
२१५	२	१	कुसळसिंघगु	कुसळसिंघ
२१७	२	१५	महा रोरव	महा रोरवं
२२४	२	२७	सेभ्रवाळा	सेभ्रवाळो

भूमिका

पृ	कॉ	प.	अशुद्ध	शुद्ध
३		१	एतिहासिक • बहुत	ऐतिहासिक दृष्टि से बहुत
५		१७	५'	५
१२		२२	यद्य	पद्य
१३		१३	जवादि,जलहर (जलक्रोडा)	जवादि जलहर (जलक्रोडा);
१३		२०	राजनै तक	राजनैतिक
१३		२१	विभिन्न	विभिन्न
१६		७	वशावलियां	वशावलियां
२०		१५	स्वासी । द्रोह	स्वामी द्रोह
३६		२४	बहुतश्रुत	बहु-श्रुत